



प्रेस पंजीयन- 06072/59

പുരുഷ 8

मंजूरीपरिपद की बैठक में
वाणिज्यिक कर (पंजीयन) विभाग
के एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव को मंजूरी
दी गई। यह प्रस्ताव राज्य में ग्रामीण
क्षेत्रों की कृषि भूमि के बाजार मूल्य
निर्धारण से संबंधित है, जिसमें
किसानों, भू-अर्जन से प्रभावित
हितग्राहियों और राजस्व से जुड़े
मामलों में व्याप्त विसंगतियों को दूर
करने का प्रयास किया गया है।
अनुमोदित प्रस्ताव तत्काल ग्रामीण
कृषि भूमि के बाजार मूल्य की गणना
के लिए 500 वर्गमीटर तक के भू-
खण्ड की दर को समाप्त करते हुए
सम्पूर्ण रकबा की गणना हेक्टेयर दर
से की जाएगी। भारतमाला परियोजना
और बिलासपुर के अरपा पैयसा
में जिस तरह की अनियमितताएँ सामने

सार संक्षेप

पुंछ में सेना ने दो आतंकियों को किया ढेर

जम्मू। भारतीय सेना की ब्लाइट नाइट कोर ने जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर एक सफल आतंकवाद-रोधी अभियान चलाया। इस अभियान को ऑपरेशन शिवशक्ति' नाम दिया गया है। इस ऑपरेशन में सेना ने दो आतंकियों को मार गिराया है, जो सीमा पर से घुसपैठ की कोशिश कर रहे थे। इस ऑपरेशन में तीन इंडियन भी बरामद किए गए हैं। यह कार्रवाई सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस की सटीक और समन्वित बुद्धिमान जानकारी के आधार पर की गई। ब्लाइट नाइट कोर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर इसकी जानकारी दी है। एक पोस्ट में लिखा है, 'हमारी सतर्क सेना ने सटीक आतंकियों के साथ त्वरित कार्रवाई से आतंकियों के नापाक मसूबों को नाकाकम कर दिया।'

सरकार में ट्रंप को झूठा कहने की हिम्मत नहीं : खरगे

नई दिल्ली। लोकसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जवाब में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नाम का जिक्र न होने पर कांग्रेस पार्टी फिर हमलावर है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री मोदी पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि उनमें इतनी हिम्मत नहीं है कि वे ट्रंप को झुल कह सकें।

लालू यादव को झटका, याचिका पर जल्द सुनवाई से इंकार

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव को सुप्रीम कोर्ट से झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने उनकी उस याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दे दिया है, जिसमें उन्होंने जमीन के बदले नौकरी घोटाले में दर्ज सीबीआई की एफआईआर को खारिज करने की मांग की थी। लालू यादव ने दिल्ली हाई कोर्ट के उस आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी, जिसमें हाई कोर्ट ने उनकी याचिका पर जल्द सुनवाई करने से इनकार कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने अब हाई कोर्ट के फैसले में हस्तक्षेप करने से इनकार करते हुए कहा कि अब इस मामले में फिलहाल दखल नहीं देगा।

गोवा में 212.85 करोड़ से अधिक की संपत्तियां कुर्क

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के पणजी स्थित क्षेत्रीय कार्यालय ने गोवा में 212.85 करोड़ रुपए की अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से कुर्क किया है। ईडी ने पीएमएलए, 2002 के प्रावधानों के तहत गोवा राज्य के विभिन्न प्रमुख स्थानों पर स्थित अचल संपत्तियों पर ये कार्रवाई की है।

प्रदेश के आठ आईपीएस अधिकारियों का तबादला

रायपुर, 30 जुलाई (देशबन्धु)। रायपुर सरकार ने 8 आईपीएस अफसरों का तबादला किया है। गृह विभाग से जारी आदेश के मुताबिक, आईपीएस अग्रवाल रायपुर आजाद चौक सीपीएस हो गए। धर्मेश कुमार को राजनांदागंव से सरगुजा भेजा गया है। आईपीएस मयंक मिश्रा को सरगुजा से रायगढ़, आईपीएस हर्षित मेहर को रायगढ़ से दुर्ग भेजा गया। राहुल बंसल को दुर्ग से सरगुजा, वांसल जैन को पुलिस मुख्यालय से राजनांदागंव, अभिषेक चंद्रवेदती को रायपुर से धमतरी, गगन कुमार को बस्तर से बिलासपुर भेजा गया है।

गांजा परिवहन मामले में तस्कर को 12 साल की सजा

महासमुद्र, 30 जुलाई (देशबन्धु)
मादक पदार्थ गाँजा परिवहन के मामले में अपराध दण्ड के सिद्ध होने पर एनडीपीएस एक्ट के विशेष न्यायाधीश सुश्री संघपुष्पा भतपहरी ने म.प्र. के सिहोर के वार्ड नंबर 8 निवासी मुके श बंजारा पिता उमराव बंजारा 39 साल को एनडीपीएस एक्ट की



(सी) के तहत 12 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही 1 लाख रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। अर्थदंड की राशि नहीं पटाने पर एक वर्ष का सश्रम कारावास पृथक से भुगतना होगा। अभियोजन के अनुसार 12 जुलाई 24 को कोमाखान थाना क्षेत्र

के पुलिस पार्टी राजि पेट्रोलींग एवं जुर्म पतासाजी के लिए घोयनाबाहरा, सुअरमाल, चंदरपुरी और रवाना हुए थे। उसी समय मुखबिर से सूचना मिले कि एक व्यक्ति नीले रंग के एसपी साइन मोटरसाइकिल क्रमांक एमपी 41 जेडई 8624 में ओडिशा की ओर से अवैध रूप से गांजा रखकर विक्रय के लिए आ रहा है। सूचना पर टेमरी नाका पहुंचकर घेराबंदी किया गया। कुछ देर बाद मुखबिर के बताए मोटरसाइकिल पहुंची जिसमें एक व्यक्ति बैठा हुआ था और अपने साथ दो नग प्लास्टिक नीले रंग के बड़े ड्रम को मोटरसाइकिल में बांधा हुआ था। उसे रोका गया ➡ **शेष पृष्ठ 7 पर** ➡

दो दिन दिल्ली दौरे पर रहेंगे मन्त्रिमन्त्री साय

रायपुर, 30 जुलाई (देशबन्धु) । मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज से 2 वीसवीं दिल्ली दौरा पर रहेंगे। इस दौरान केन्द्रीय गृहमंत्रीमित शाह, राष्ट्रीय अध्वक्ष श्री नन्दा सहित केन्द्रीय मंत्रियों मुलाकात करेंगे। मुख्यमंत्री दिल्ली दौरा से एक बार फिर बिनेट विस्तार की अटकलें तेज हो गई हैं। दिल्ली स्वाना होने से पहले सीएम नये है, दिल्ली में आज छत्तीसगढ़



लाकात की संगठन के लोगों ने भी लाकात की है। इस मामले पर विस्तार चर्चा की गई है।

ईडी की मोक्षित कॉर्पोरेशन के ठिकानों पर छापेमारी

रायपुर, 30 जुलाई (देशबन्धु)। दुर्ग जिले में बुधवार को प्रवर्तन निदेशालय ईडी टीम ने मोक्षित कॉर्पोरेशन के कई ठिकानों पर ब्यापक छापेमारी की यह कार्रवाई छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड सीजीएमएससी में हुए 650 करोड़ रुपये के अधिक के कथित चोरी से जुड़ी बत्ता का रही है। जहां से क्षेत्र में हड़कंप मचाना दिया है सूत्रों के मुताबिक ईडी की टीम ने दुर्ग में मोक्षित कॉर्पोरेशन के तीन आवासीय परिसरों और कार्यालयों पर एक साथ छापा मारा। इस कार्रवाई में दो दर्जन से अधिक अधिकारियों के साथ केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, सीआरपीएफ



के जवान भी भारी संख्या में मौजूद थे सुस्था के लिहाज से परिसर को चारों ओर से घेर लिया गया और किसी भी व्यक्ति को प्रवेश पर रोक लगा दी गई आज कारों का कार्रवाई में ईडी की टीम एक दर्जन गाड़ियों में सवार होकर पहुँची और तुरंत कार्यालय व आवासीय परिसरों में दस्तावेजों की जांच शुरू कर दी छापेगारी की खबर फैलते ही इलाके में लोगों की भीड़ जमा हो गई अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि कार्रवाई में क्या बरामद हुआ है लेकिन माना जा रहा है कि जांच पूरी होने के बाद एजेंसियाँ आधिकारिक बयान जारी करेंगी ➡ शेष पृष्ठ 7 पर ➡

अंतरिक्ष में भारत की महत्वपूर्ण उपलब्धि
उपग्रह 'निसार' सफलतापूर्वक
कक्षा में स्थापित

श्रीहरिकोट्टा, 30 जुलाई (एजेंसियों)। भारत-अमेरिका
अंतरिक्ष कटौती में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते
ए भारत के जीएसएलवी-एफ-16 राकेट ने नासा और
इसरो द्वारा संयुक्त रूप से विकसित पहले पृथ्वी अवलोकन
उपग्रह निसार को सफलतापूर्वक उसकी कक्षा में स्थापित
कर दिया। भू-समकालिक उग्रह प्रक्षेपण यान
जीएसएलवी-एफ-16 राकेट ने इस 2,392 किलोग्राम
जननी निसार उपग्रह को लेकर आंध्र प्रदेश स्थित रॉकेट पोर्ट
दूसरे लॉन्च पैड से शाम 5.40 बजे उड़ान भर और 19
मिनट की उड़ान के बाद, रॉकेट ने उपग्रह को भूमध्य रेखा से
8,405 डिग्री के झुकाव के साथ 743 किलोमीटर की सूर्य-
मध्यकालिक ध्रुवीय कक्षा में स्थापित कर दिया। इसरो ने
क्षेपण के बाद कहा, निसार उपग्रह अलग हो गया।
जीएसएलवी-एफ-16 निसार मिशन सफलतापूर्वक पूरा हुआ।
निसार ने वक्स पर एक पोस्ट में, **शेप ग्रह 7 पर** 

एसआईआर विवाद : संसद के बाहर विपक्ष ने किया जोरदार विरोध

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार में मंदराता सूचको के विशेष गहन परिशीर्षण एसआईआर पर संसद में लागूगार गतिरोध बना हुआ है। बुधवार को कांग्रेस समेत विपक्ष के लगभग सभी दलों ने संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। सोनिया गांधी ने एसआईआर के खिलाफ इस प्रदर्शन में हिस्सा लिया। समाजवादी पार्टी (सपा) के संसद धर्मंद यादव ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि संसद उसके मंसूखों को सफल नहीं होने देगा। वहीं, सपा संसद आन्द भरीयौन ने मांग को कि सरकार चुनाव आयोग से केहे कि एसआईआर प्रक्रिया पर तत्काल रोक लगाई जाए और इस पर

संसद में चर्चा कराई जाए। सीपीआई (एमएल) के सांसद राजा राम सिंह ने आरोप लगाया कि एसआईआर भाजपा की साजिश है, जिसके जरिए गरीबों, प्रवासी मजदूरों और महिलाओं के नाम मंदता सूची से हटाए जा रहे हैं। उन्होंने मांग की कि एसआईआर को रद्द कर दिया जाए और संसद में इस पर विस्तृत चर्चा हो। निपक्ष के आरोपों पर केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने जवाब देते हुए कहा कि एसआईआर कोई नया कानून नहीं है। 2003 और 2006 में भी यह प्रक्रिया अपनाई गई थी। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग एक स्वतंत्र संस्था है और वही इस प्रक्रिया का निर्णय करता है।

आतंकवाद

संयुक्त राष्ट्र रिपोर्ट में आया टीआरएफ का नाम

पहलगाम हमले के लिए टीआरएफ जिम्मेदार

न्यूयॉर्क, 30 जुलाई (एजेंसियाँ)। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की एक रिपोर्ट में पहलगाम आतंकी हमले में पाकिस्तान में सक्रिय द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) की भूमिका का स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है।

परिषद को 1267 प्रतिबंध समिति निगरानी दल (एमटी) दिए गए संयुक्त राष्ट्र को ऐसी पहली रिपोर्ट है जिसमें सीआरए को आतंकवाद से संलग्न बताया है जिसमें सीधे पाकिस्तान के आतंकवादी नेटवर्क से जोड़ा गया है। यह घटनाक्रम इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इस समिति के सभी फैसलों पर परिषद के सदस्यों की सर्वसम्मति होती है। इस साल 22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगांव में हुए आतंकी हमले में पर्यटक मारे गए थे। पाकिस्तान ने रिपोर्टों को आतंकीकरण के जिक्र

को पहले दबाने की कोशिश की थी और उसके विदेश मंत्री इश्मक़ ख़ान ने पाकिस्तान की संसद में ग़लत दावा किया कि पहलगाम हमले की निंदा वाले परिषद के बयान में टीआरएफ़ का उल्लेख उनकी कोशिशों के बाद हटा दिया गया है।

एक आतंकवादी समूह के रूप में होगी
पाकिस्तान के लिए यह काफी अपमानजनक है कि एमटी रिपोर्ट में टीआरएफ़ को शामिल किया गया है और साथ ही क्षेत्रीय आतंकवाद सामिल में पाकिस्तान

की संलिप्तता को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर देखा गया है। यह रिपोर्ट 2019 के बाद सरी का ऐसा पहला दस्तावेज है जिसमें लश्कर-ए-तैयबा और पाकिस्तान में सक्रियता के अंतर्गत अतंकी समूहों के साथ टीआरएफ के संबंधों की पुष्टि की गई है। इसका रिपोर्ट का असर यह होगा कि संरक्ष के ढँच के तहत टीआरएफ की पहचान एक अतंकीवाद समूह के रूप में होगी। इससे संरक्ष के सभी सदस्य देशों पर 1267 व्यवस्था के तहत टीआरएफ और उसके संबं रकने वाले लोगों या संस्थाओं के खिलाफ अतंकी संरक्ष

जन्तो, यात्रा, वित्तीय और हथियार बेचने पर रोक सहित दूसरे तरह के प्रतिबंधों को लागू करने को जिम्मेदारी आ जाएगी।

लश्कर-ए-तैयबा से संबंधों का भी जिक्र
रिपोर्ट का दक्षिण एशिया खंड पहलगांम हमले से शुरू होता है। इसमें टीआरएफ के हमले को जिम्मेदारी लेने और बाद में उससे मुकरने का जिक्र है। इसमें उसके लश्कर-ए-तैयबा से संबंधों का भी बात कही गई है। रिपोर्ट में कहा गया **→** **शेष ७ पन्ने** **→**

देश

केंद्र सरकार मनोवैज्ञानिक रूप से झूठी

■ **कांग्रेस ने ऑपरेशन सिंदूर, पीओके व विदेश नीति को लेकर केंद्र की नीतियों पर उठाए सवाल**

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता उदित राज ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने केंद्र सरकार को मनोवैज्ञानिक रूप से झूठा करार देते हुए कहा कि यह सरकार बार-बार झूठ बोलती है। उदित राज ने ऑपरेशन सिंदूर, पीओके (पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर) और विदेश नीति को लेकर केंद्र सरकार की नीतियों पर सवाल उठाए और कहा कि केंद्र सरकार ने देश को बहुत कुछ देने के बजाय केवल झूठ दिया है। उदित राज ने पीओके को लेकर भी केंद्र सरकार पर निशाना साधा और कहा कि यह सरकार बार-बार झूठ बोलती है। उदित राज ने पीओके को लेकर भी केंद्र सरकार पर निशाना साधा और कहा कि भाजपा दशकों से पीओके को वापस लेने की बात करती रही है। हाल ही में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी दावा किया था कि छह



भारतीय सेना में ताकत है, लेकिन केंद्र सरकार की राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी के कारण आतंकवाद पर काबू नहीं हो रहा : उदित राज

महीने में पीओके भारत का हिस्सा होगा। अब छह महीने बीत गए, पीओके कहां है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी पीओके वापस लेने की बात कही थी। लेकिन, अब वे घबराने लगे हैं। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने सही कहा कि अगर आप घबराने लगे, तो इसका मतलब है कि आपमें हिम्मत नहीं है।

इतिहास को तोड़-मरोड़कर पेश करती है भाजपा

उदित राज ने भाजपा के दावों पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह दुष्प्रचार है कि 15 अगस्त 1947 को कश्मीर भारत का हिस्सा था और कहा, यह पूरी तरह गलत है। उस समय कश्मीर राजा हरि सिंह का रियासत थी, जो न तो भारत और न ही पाकिस्तान के साथ मिलाना चाहते थे। जब पाकिस्तान की सेना और

बिहार में एनडीए सरकार अपनी सत्ता खोने के डर से मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया को चुनाव आयोग के हवाले से करवा रही है, ताकि मतदाता सूची में बदलाव कर चुनावी लाभ लिया जा सके।

राज्य में एसआईआर प्रक्रिया ठीक ढंग से नहीं हो रही है।

–राजेश ठाकुर, झारखंड कांग्रेस के नेता

सरकार ने पीओके को भारत में मिलाने का एक अच्छा अवसर गंवाया : नीरज मौर्य

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ऑपरेशन सिंदूर पर लोकसभा में दिए भाषण पर समाजवादी पार्टी के सांसद नीरज मौर्य ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी को युद्धविराम पर स्थिति को स्पष्ट करना चाहिए था। समाजवादी पार्टी के सांसद नीरज मौर्य ने कहा कि जिस तरह से अमेरिका की ओर से यह कहा गया कि हमने भारत-पाकिस्तान के बीच युद्धविराम कराया, मुझे लगता है कि प्रधानमंत्री को इस मुद्दे पर स्थिति को स्पष्ट करना चाहिए और बताया चाहिए कि भारत किसी भी मध्यस्थता को बर्दाश्त नहीं करेगा और न पहले कभी किया है। इस समय सरकार इस मुद्दे पर क्यों हिचकिचा रही है, यह तो वही बता सकते हैं। भाजपा जब भी चुनाव लड़ती है तो कहती है कि हमें जनादेश दीजिए। हम पीओके को भारत में मिलाएंगे। मेरा मानना ​​है कि इस बार एक अच्छा अवसर था। पाक अधिकृत कश्मीर हमारे देश का अभिन्न हिस्सा है और उसको भारत में मिलाने के अवसर को भाजपा ने खोया है। सपा सांसद ने आगे कहा कि ऑपरेशन सिंदूर पर लोकसभा में चर्चा होकर अब समाप्त भी हो गई, लेकिन सरकार की ओर से कोई स्पष्टीकरण नहीं आया। मुझे लगता है कि प्रधानमंत्री किसी के दबाव में हैं। मैं इतना ही कहूंगा कि पाकिस्तान के साथ न मैच खेलना चाहिए और न ही कोई रिश्ता रखना चाहिए। ऑपरेशन सिंदूर जारी रहे, लेकिन सीमा पर ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए ताकि पहलगाम जैसी घटना भविष्य में न हो पाए।



कबीलों ने हमला किया, तब हरि सिंह भागकर भारत आए और अक्टूबर 1947 में संधि हुई। बीजेपी इतिहास को तोड़-मरोड़कर पेश करती है। उदित राज ने बिहार के मुद्दे पर भी सरकार को घेरा और कहा कि बिहार के लिए सरकार ने कुछ नहीं किया और वहां से पलायन रकने का नाम नहीं ले रहा। चुनाव के समय बड़े-बड़े वादे किए गए, लेकिन बिहार के लिए कोई ठोस कदम नहीं

उठाया गया। यह सरकार केवल झूठे दावों पर चल रही है। उदित राज ने ऑपरेशन सिंदूर पर उठे सवालों का समर्थन करते हुए कहा कि सरकार को इसकी सफलता के दावों पर स्पष्ट जवाब देना चाहिए। 126 लोगों की जान गई, लेकिन सरकार इसे तमाशा बनाकर पेश कर रही है। अगर ऑपरेशन इतना सफल था, तो आतंकियों को पहले क्यों नहीं रोका गया। यह सरकार की नाकामी है।

सार संक्षेप

ऑपरेशन महादेव में शामिल सैनिकों को किया सम्मानित

श्रीनगर। सेना के उत्तरी कमान के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा ने बुधवार को यहां दाचीगाम का दौरा कर ‘ऑपरेशन महादेव’ में शामिल सैनिकों की दृढ़ इच्छा शक्ति और त्वरित कार्रवाई के लिए उनकी सराहना की। ‘ऑपरेशन महादेव’ के तहत सैन्य दल ने 22 अप्रैल को पहलगाम की बैसरन घाटी में 26 निर्दोष नागरिकों की नृशंस हत्या में शामिल तीन पाक आतंकवादियों को मार गिराया है।

पटरी पर दरार के बाद मुंबई लोकल ट्रेन सेवा बाधित

मुंबई। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई के ठाणे जिले के बदलापुर और वंगानी स्टेशनों के बीच पटरी में दरार पाए जाने के बाद बुधवार सुबह मुंबई सेंट्रल रेलवे की सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हुईं। आधिकारिक जानकारी के अनुसार पटरी पर दरार पाए जाने पर लोकल ट्रेन सेवाएं अस्थायी रूप से बुरी तरह प्रभावित हुई जिससे व्यस्त समय के दौरान हजारों दैनिक यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। जानकारी के अनुसार लोकल ट्रेनों की आवाजाही पर यह व्यवधान सुबह उस से समय पड़ा जब रेलवे कर्मचारियों ने रेल लाइन में दरार देखी।

पटेल ने अहमदाबाद में किया वृक्षारोपण

अहमदाबाद। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने अहमदाबाद के चांदलीडिया क्षेत्र में मिशन फोर मिलियन ट्रीज 2025 (एफएमटी) अंतर्गत बुधवार को वृक्षारोपण किया। आधिकारिक सू्यों ने बताया कि पटेल के नेतृत्व में अहमदाबाद क्लीन एंड ग्रीन सिटी बनने में देश का अग्रसर शहर है।

रांची में स्कूली छात्रा का अपहरण

रांची, 30 जुलाई (एजेंसियां)। रांची में बुधवार सुबह उस समय ससनीनी फैल गई, जब स्कूल जा रही 9 वर्ष की एक छात्रा को सिरमटोली फ्लाईओवर के पास से अज्ञात अपराधियों ने अगवा कर लिया। हालांकि, पुलिस की तत्परता और ताबडतोड़ कार्रवाई के चलते कुछ ही घंटों बाद छात्रा रामगढ़ जिले के कुज्जु में सकुशल बरामद कर ली गई। फिलहाल वह सुरक्षित है और पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, छात्रा रोज की तरह बुधवार सुबह ई-रिक्षा से विशप वेस्टकॉट स्कूल जा रही थी। सिरमटोली फ्लाईओवर के पास जैसे ही ई-रिक्षा पहुंचा, पीछे से आई एक हुंडई कार ने रिक्षा को टक्कर मारी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, कार से दो नकाबपोश अपराधी बाहर निकले और उन्होंने दो से तीन राउंड फायरिंग करते हुए छात्रा को जबरन कार में बैठा दिया।

इसके बाद अपराधी सुजाता चौक की ओर फरार हो गए। अपहरण में जिस कार का इस्तेमाल किया गया, उसका रजिस्ट्रेशन नंबर जेएच 01 एफएन 6874 है, जो प्रारंभिक जांच में गोपाल सिंह नामक व्यक्ति के नाम पर दर्ज है। **आंध्र में शराब घोटाला,11 करोड़ नकद बरामद** हैदराबाद/अमरावती। तेलंगाना में हैदराबाद की विशेष जांच दल ने शराब घोटाला मामले में हैदराबाद में छापे मारे और 11 करोड़ रुपए नकद बरामद किए। एसआईटी के अधिकारियों के मुताबिक आरोपियों में से एक वरुण की जानकारी के आधार पर पुलिस ने रंगा रेड्डी जिले के शमशाबाद मंडल के कचराम गांव में सुलोचना फार्म हाउस पर छापेमारी की, जहां 12 बक्सों में नकद रुपए मिले। अन्य आरापियों में केसरीरेड्डी राजशेखर रेड्डी और चानपय्य शामिल हैं। नकदी के साथ कार्यालय के कुछ कागजात भी बरामद हुए।

उवाच

केंद्र सरकार मनोवैज्ञानिक रूप से झूठी

■ **कांग्रेस ने ऑपरेशन सिंदूर, पीओके व विदेश नीति को लेकर केंद्र की नीतियों पर उठाए सवाल**

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता उदित राज ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने केंद्र सरकार को मनोवैज्ञानिक रूप से झूठा करार देते हुए कहा कि यह सरकार बार-बार झूठ बोलती है। उदित राज ने ऑपरेशन सिंदूर, पीओके (पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर) और विदेश नीति को लेकर केंद्र सरकार की नीतियों पर सवाल उठाए और कहा कि केंद्र सरकार ने देश को बहुत कुछ देने के बजाय केवल झूठ दिया है। उदित राज ने पीओके को लेकर भी केंद्र सरकार पर निशाना साधा और कहा कि यह सरकार बार-बार झूठ बोलती है। उदित राज ने पीओके को लेकर भी केंद्र सरकार पर निशाना साधा और कहा कि भाजपा दशकों से पीओके को वापस लेने की बात करती रही है। हाल ही में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी दावा किया था कि छह

महीने में पीओके भारत का हिस्सा होगा। अब छह महीने बीत गए, पीओके कहां है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी पीओके वापस लेने की बात कही थी। लेकिन, अब वे घबराने लगे हैं। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने सही कहा कि अगर आप घबराने लगे, तो इसका मतलब है कि आपमें हिम्मत नहीं है।

बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले नीतीश कुमार का बड़ा ऐलान

आशा व ममता कार्यकर्ताओं के मानदेय में बढ़ोतरी

पटना, 30 जुलाई (देशबन्धु)। बिहार सरकार ने आशा कार्यकर्ताओं को तीन हजार रुपए प्रोत्साहन राशि देने का ऐलान किया है। बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आशा और ममता कार्यकर्ताओं के मानदेय में बढ़ोतरी का ऐलान किया है। कुमार ने बुधवार को एक्स पर लिखा, नवम्बर 2005 में सरकार बनने के बाद से हम लोगों ने स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए बड़े पैमाने पर काम किया है।

ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने में आशा तथा ममता कार्यकर्ताओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसे ध्यान में रखते हुए तथा ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण में आशा एवं ममता कार्यकर्ताओं के अहम योगदान को सम्मान देते हुए उनकी मानदेय राशि में वृद्धि करने का निर्णय लिया गया है। मुख्यमंत्री ने लिखा, आशा कार्यर्ताओं को अब एक हजार रुपए की जगह तीन हजार रुपए प्रोत्साहन राशि



आशा कार्यकर्ताओं को तीन हजार व ममता कार्यकर्ताओं को प्रति प्रसव छह सौ रुपए की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी : नीतीश कुमार

प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि ममता कार्यकर्ताओं को प्रति प्रसव 300 रुपए हैं। इसे ध्यान में रखते हुए पी प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी, इससे उनका मनोबल और बढ़ेगा तथा ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं और मजबूत होंगी। बिहार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने कहा कि आशा एवं ममता कार्यकर्ताओं के मानदेय में वृद्धि से एक लाख से अधिक लोगों को लाभ मिलेगा। पांडेय ने कहा कि

अनवरत बारिश व बाढ़ से मप्र बेहाल

■ **राज्य भर में लगभग तीन हजार से ज्यादा लोगों को सुरक्षित स्थानों पर मेजा**

■ **बाढ़ प्रभावित राज्यों में राहत बचाव कार्य के लिए सेना को बुलाया**

जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में पिछले लगभग तीन दिन से हो रही अनवरत बारिश के कारण स्थितियां बेहाल हो गई हैं, बाढ़ की स्थितियों को देखते हुए राज्य भर में लगभग तीन हजार से ज्यादा लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया है। शिवपुरी जिले से प्राप्त खबरों के अनुसार कोलारस बरवास क्षेत्र के लगभग दो दर्जन गांव बाढ़ के पानी की चपेट में हैं। इनमें सिंधु नदी एवं आमपास की स्थानीय नदियों का पानी घुस गया है, जिसके कारण पानी में फंसे लगभग 300 लोगों को जिला प्रशासन एवं पुलिस तथा अन्य बचाव दलों द्वारा सुरक्षित



भोपाल, 30 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में पिछले लगभग तीन दिन से हो रही अनवरत बारिश के कारण स्थितियां बेहाल हो गई हैं, बाढ़ की स्थितियों को देखते हुए राज्य भर में लगभग तीन हजार से ज्यादा लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया है। जिला कलेक्टर रविंद्र कुमार चौधरी ने बताया कि में ग्राम भडोता के पास पानी के बीच में फंसे लोगों को निकालने के लिए हेलीकॉप्टर मंगाया गया है।

रक्षा मंत्रालय से मांगे हेलीकॉप्टर : मोहन रादव

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राज्य के विभिन्न हिस्सों में बाढ़ के संकेत के बीच कहा कि लगभग तीन हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया है और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के लिए रक्षा मंत्रालय से मांगे हेलीकॉप्टर की मांग की गई है। यादव ने भोपाल स्थित होमगार्ड के बाढ़ आपदा केंद्र में प्रदेश भर में जवानों द्वारा किए जा रहे बचाव व राहत कार्यों का निरीक्षण किया।

क्षेत्रीय सांसद एवं केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अपने स्तर से बाढ़ग्रस्त गांव से लोगों को निकालने के लिए व्यवस्थाएं तत्काल उपलब्ध कराई हैं। वहीं राजस्थान और मप्र में लगातार बरसात होने के कारण मुंेरना जिले की प्रमुख चम्बल नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। इसके साथ-साथ मुंेरना जिले में झर्रा, आसन जैसी नदियां भी उपान पर चल रही हैं। मुंेरना कलेक्टर अंकित अस्थाना ने बताया कि गत वर्ष की तुलना में इस वर्ष 37.2 मिलीमीटर वर्षा अधिक है।

क्षेत्रीय सांसद एवं केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अपने स्तर से बाढ़ग्रस्त गांव से लोगों को निकालने के लिए व्यवस्थाएं तत्काल उपलब्ध कराई हैं। वहीं राजस्थान और मप्र में लगातार बरसात होने के कारण मुंेरना जिले की प्रमुख चम्बल नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। इसके साथ-साथ मुंेरना जिले में झर्रा, आसन जैसी नदियां भी उपान पर चल रही हैं। मुंेरना कलेक्टर अंकित अस्थाना ने बताया कि गत वर्ष की तुलना में इस वर्ष 37.2 मिलीमीटर वर्षा अधिक है।

ई-नीलामी सह कीर्ति हेतु सार्वजनिक सूचना (परिशिष्ट – 4 क) (नियम 8 (6))

आईआईएफएल होम क्राइन्स लिमिटेड (यूके) इंडिया इन्फोव्हाइज्ड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के नाम से डाटा) (आईआईएफएल एफएफएल) कागरेट कार्यालय : सॉल्ट नंबर-98, उद्योग विहार, आई-4, गुडगांव-122015 (हरियाणा) तथा शाखा कार्यालय :- "फ्लाय हाउ, लाल गंगा सिटी मार्ग, बंगाली चौक, होटल अमिता सैनेरी के सामने, रामपुर, छत्तीसगढ़-492001) के पास कक्ष अथवा सम्पत्ति की किसी विविध आस्तियों को प्रतिस्पर्धिकरण और पुनर्निर्माण और प्रतिभूति हित प्रदान अधिनियम, 2002 (इसमें आगे "अधिनियम" कहा गया है) के तहत। जबकि आईआईएफएल – एफएफएल के अभिलेखित अधिकारी ("बैंक") ने निम्नलिखित ऋण खातों /प्रतिस्पर्धित ऋणों में अधिनियम की धारा 13(2) के तहत निम्नलिखित सम्पत्तियों /सम्पत्तियों का कब्जा उनकी आईआईएफएल – एफएफएल की कब्जा राशि की वसूली के लिए "जैसी वे जहां है एवं जैसी वे हैं जो वे चाहते हैं" के आधार पर बेचने के अधिकार सहित प्राप्त कर लिया था। आयोक्तवरी द्वारा यह कीर्ति बेचाएगा : www.iiiflonehome.com पर उपलब्ध कराए गए ई-नीलामी पोर्टल पर के माध्यम से की जाएगी।

कर्जदार/सह-कर्जदार/गारंटी	मांग सूचना दिथि और राशि	अवका सम्पत्ति/प्रतिभूि आति का वर्णन	संबंधित कब्जा की तिथि	सूचित प्राव्य
1. श्री दिलीप कुमार शर्मा 2. श्री राजेंद्र कुमार 3. श्री श्रीधर देवी (संयुक्त रूप में) (संयुक्त रूप में) (संयुक्त रूप में)	12-सितम्बर-2024 12.92,551/- (एक लाख नब्बे हजार नौ की करोड़ मात्र)	सम्पत्ति के सभी अंश एवं संक्षे : सॉल्ट नंबर एच-310, दिव्य तार, पीएचए 103, बरार नगर 236/10, मीना बाजार/ए कालोनी, हीनपुर, वीर सावरकर नगर, बार्ड 1, ग्राम-हीनपुर, रामपुर/उत्तरिखंड, 482001, डेक्कन फ्लॉयड (एन सी) लि. : सम्पत्ति का प्रकार : सूरुर-मिड-उप-परिहा, मिड-अप-परिहा, कालोनी-सूरुर-मिड-उप-परिहा, मिड-अप-परिहा, कालोनी-सूरुर-मिड-उप-परिहा : 290.00, 290.00, 217.50	21-02-2025	₹. 2,90,000/- (एक से लाख बीस हजार मात्र)
1. श्रीकुलका शर्मा 2. श्री प्रदीप शर्मा (संयुक्त रूप में) (संयुक्त रूप में)	20-11-2023 7,78,282/- (एक लाख लाख नब्बे हजार चार की करोड़ मात्र)	सम्पत्ति के सभी अंश एवं संक्षे : सॉल्ट नंबर 07, ईन्ड्रवपुर, प्रगत तार, कंठिक नगर 06, बरार नगर 79 वा. ग्राम-निरवा, पीएचए 06, सी.बी. हस्तगिरि रोड, मीना बाजार पिछे 02 (हाउसिंग कॉम्प्लेक्स), रामपुर, उत्तरिखंड-482001, डेक्कन फ्लॉयड (एन सी) लि. : सम्पत्ति का प्रकार : सूरुर-मिड-उप-परिहा, सम्पत्ति डेक्कन : 398.80	09-02-2025 09-07-2025	₹. 7,78,282/- (एक लाख लाख नब्बे हजार चार की करोड़ मात्र)
1. श्री राजेंद्र कुमार 2. श्री प्रदीप शर्मा (संयुक्त रूप में) (संयुक्त रूप में)	20-11-2023 7,78,282/- (एक लाख लाख नब्बे हजार चार की करोड़ मात्र)	सम्पत्ति के सभी अंश एवं संक्षे : सॉल्ट नंबर 07, ईन्ड्रवपुर, प्रगत तार, कंठिक नगर 06, बरार नगर 79 वा. ग्राम-निरवा, पीएचए 06, सी.बी. हस्तगिरि रोड, मीना बाजार पिछे 02 (हाउसिंग कॉम्प्लेक्स), रामपुर, उत्तरिखंड-482001, डेक्कन फ्लॉयड (एन सी) लि. : सम्पत्ति का प्रकार : सूरुर-मिड-उप-परिहा, सम्पत्ति डेक्कन : 398.80	09-02-2025 09-07-2025	₹. 7,78,282/- (एक लाख लाख नब्बे हजार चार की करोड़ मात्र)

सम्पत्ति के निरीक्षण की तिथि 18-08-2025 1100 बजे-1400 बजे

ई-नीलामी की तिथि/उपलब्धता की तिथि 18-08-2025 1100 बजे-1400 बजे

ई-नीलामी की तिथि/उपलब्धता की तिथि 18-08-2025 1100 बजे-1400 बजे

ई-नीलामी की तिथि/उपलब्धता की तिथि 18-08-2025 1100 बजे-1400 बजे

ई-नीलामी की तिथि/उपलब्धता की तिथि 18-08-2025 1100 बजे-1400 बजे

ई-नीलामी की तिथि/उपलब्धता की तिथि 18-08-2025 1100 बजे-1400 बजे

ई-नीलामी की तिथि/उपलब्धता की तिथि 18-08-2025 1100 बजे-1400 बजे

ई-नीलामी की तिथि/उपलब्धता की तिथि 18-08-2025 1100 बजे-1400 बजे

ई-नीलामी की तिथि/उपलब्धता की तिथि 18-08-2025 1100 बजे-1400 बजे

ई-नीलामी की तिथि/उपलब्धता की तिथि 18-08-2025 1100 बजे-1400 बजे

ई-नीलामी की तिथि/उपलब्धता की तिथि 18-08-2025 1100 बजे-1400 बजे

ई-नीलामी की तिथि/उपलब्धता की तिथि 18-08-2025 1100 बजे-1400 बजे

ई-नीलामी की तिथि/उपलब्धता की तिथि 18-08-2025 1100 बजे-1400 बजे

ई-नीलामी की तिथि/उपलब्धता की तिथि 18-08-2025 1100 बजे-1400 बजे

ई-नीलामी की तिथि/उपलब्धता की तिथि 18-08-2025 1100 बजे-1400 बजे

ई-नीलामी की तिथि/उपलब्धता की तिथि 18-08-2025 1100 बजे-1400 बजे

ई-नीलामी की तिथि/उपलब्धता की तिथि 18-08-2025 1100 बजे-1400 बजे

ई-नीलामी की तिथि/उपलब्धता की तिथि 18-08-2025 1100 बजे-1400 बजे

ई-नीलामी की तिथि/उपलब्धता की तिथि 18-08-2025 1100 बजे-1400 बजे

ई-नीलामी की तिथि/उपलब्धता की तिथि 18-08-2025 1100 बजे-1400 बजे

ई-नीलामी की तिथि/उपलब्धता की तिथि 18-08-2025 1100 बजे-1400 बजे

ई-नीलामी की तिथि/उपलब्धता की तिथि 18-08-2025 1100 बजे-1400 बजे

ई-नीलामी की तिथि/उपलब्धता की तिथि 18-08-2025 1100 बजे-1400 बजे

ई-नीलामी की तिथि/उपलब्धता की तिथि 18-08-2025 1100 बजे-1400 बजे

ई-नीलामी की तिथि/उपलब्धता की तिथि 18-08-2025 1100 बजे-1400 बजे

ई-नीलामी की तिथि/उपलब्धता की तिथि 18-08-2025 1100 बजे-1400 बजे

ई-नीलामी की तिथि/उपलब्धता की तिथि 18-08-2025 1100 बजे-1400 बजे

ई-नीलामी की तिथि/उपलब्धता की तिथि 18-08-2025 1100 बजे-1400 बजे

ई-नीलामी की तिथि/उपलब्धता की तिथि 18-08-2025 1100 बजे-1400 बजे

ई-नीलामी की तिथि/उपलब्धता की तिथि 18-08-2025 1100 बजे-1400 बजे

ई-नीलामी की तिथि/उपलब्धता की तिथि 18-08-2025 1100 बजे-1400 बजे

ई-नीलामी की तिथि/उपलब्धता की तिथि 18-08-2025 1100 बजे-1400 बजे

ई-नीलामी की तिथि/उपलब्धता की तिथि 18-08-2025 1100 बजे-1400 बजे

ई-नीलामी की तिथि/उपलब्धता की तिथि 18-08-2025 1100 बजे-1400 बजे

ई-नीलामी की तिथि/उपलब्धता की तिथि 18-08-2025 1100 बजे-1400 बजे

ई-नीलामी की तिथि/उपलब्धता की तिथि 18-08-2025 1100 बजे-1400 बजे

ई-नीलामी की तिथि/उपलब्धता की तिथि 18-08-2025 1100 बजे-1400 बजे

ई-नीलामी की तिथि/उपलब्धता की तिथि 18-08-2025 1100 बजे-1400 बजे

ई-नीलामी की तिथि/उपलब्धता की तिथि 18-08-2025 1100 बजे-1400 बजे

ई-नीलामी की तिथि/उपलब्धता की तिथि 18-08-2025 1100 बजे-1400 बजे

ई-नीलामी की तिथि/उपलब्धता की तिथि 18-08-2025 1100 बजे-1400 बजे

ई-नीलामी की तिथि/उपलब्धता की तिथि 18-08-2025 1100 बजे-1400 बजे

ई-नीलामी की तिथि/उपलब्धता की तिथि 18-08-2025 1100 बजे-1400 बजे

ई-नीलामी की तिथि/उपलब्धता की तिथि 18-08-2025 1100 बजे-1400 बजे

ई-नीलामी की तिथि/उपलब्धता की तिथि 18-08-2025 1100 बजे-1400 बजे

ई-नीलामी की तिथि/उपलब्धता की तिथि 18-08-2025 1100 बजे-1400 बजे

ई-नीलामी की तिथि/उपलब्धता की तिथि 18-08-2025 1100 बजे-1400 बजे

ई-नीलामी की तिथि/उपलब्धता की तिथि 18-08-2025 1100 बजे-1400 बजे

ई-नीलामी की तिथि/उपलब्धता की तिथि 18-08-2025 1100 बजे-1400 बजे

ई-नीलामी की तिथि/उपलब्धता की तिथि 18-08-2025 1100 बजे-1400 बजे

मेकअप व परफ्यूम मेरे लिए एक तरह से इमोशनल एक्सप्रेसशन हैं :



रश्मिका मंदाना

मुंबई, 30 जुलाई (एजेंसियां)। अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने बताया कि वह ज्यादातर समय नेचुरल और हल्का मेकअप पसंद करती हैं, लेकिन जब वह किसी खास मौके पर जाती हैं, तो ग्लैम मेकअप करना पसंद करती हैं। रश्मिका ने कहा कि ज्यादातर मैं क्लियर स्किन या फिर लिप और चीक्स पर टिंट लगाकर रहती हूं। मैं चाहती हूँ कि मेरी स्किन क्लियर रहे। मेकअप मेरे लिए एक इमोशनल एक्सप्रेसशन की तरह है, जैसे परफ्यूम है। अभिनेत्री ने बताया कि वह नेचुरल और ग्लैम दोनों रहना पसंद करती हैं। सिकंदर फेम अभिनेत्री ने कहा कि कभी-कभी मुझे नेचुरल रहना अच्छा लगता है, तो कभी-कभी ग्लैमरस दिखना। मुझे लगता है कि दोनों ही रूपों की अपनी एक खूबसूरती है। अभिनेत्री अपने परफ्यूम के बारे में बात करते हुए कहती हैं, सच कहूं तो डियर डायरी की हर खुशबू मुझे मेरे एक अलग पहलू की तरह महसूस कराती है, लेकिन यह एक ऐसी खुशबू है जो मुझे मुश्किल दिनों में भी, पूरी तरह से और ईमानदारी से, अपने असली रूप में रहने की याद दिलाती है। अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने कहा कि उन्हें अपने परफ्यूम ब्रांड 'डियर डायरी' के अलावा भी कुछ खास तरह की खुशबुएं पसंद हैं। उन्होंने कहा कि मुझे हमेशा से कुछ-कुछ फूलों जैसी खुशबू पसंद रही है जिसमें थोड़ा-सा वनीला और हल्की-सी ताजगी महसूस होती हो। मुझे वो खुशबुएं बहुत पसंद हैं जो आपके मन को गहराई से छू जाएं। रश्मिका मंदाना आखिरी बार एक्शन क्राइम ड्रामा फिल्म 'कुबेरा' में नजर आई थीं, जिसे शेखर कम्मूला ने डायरेक्ट किया था। इस फिल्म में उनके साथ नागार्जुन अक्किनेनी, धनुष, जिम सरभ और दिलीप ताहिल जैसे स्टार्स भी शामिल थे। अब रश्मिका अपनी अपकमिंग फिल्म 'थामा' में नजर आएंगी, जिसमें उनके साथ आयुष्मान खुराना मुख्य भूमिका में हैं। यह फिल्म एक रोमांचक प्रेम कहानी है, जो खून-खराबे से भरे माहौल में बनी है।

हर तीसरा व्यक्ति मेटाबॉलिक डिसऑर्डर से प्रभावित

- मधुमेह की रोकथाम के जागरूकता जरूरी
- योग करने वालों में मधुमेह का जोखिम 40 प्रतिशत तक कम

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि भारत में हर तीसरा व्यक्ति किसी न किसी मेटाबॉलिक डिसऑर्डर से प्रभावित है। उन्होंने युवाओं में टाइप 2 डायबिटीज की रोकथाम के लिए व्यापक जागरूकता अभियान की बात कही। रिसर्च सोसाइटी फॉर स्टडी ऑफ डायबिटीज इन इंडिया के स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने चिंता जताई कि भारत को अब भी 'विश्व की डायबिटीज राजधानी' कहा जाता है। डॉ. सिंह ने डायबिटीज को लेकर फैली गलत जानकारीयों पर चेतावनी दी। उन्होंने 'दिन में एक बार भोजन' जैसे मिथकों को खारिज करते हुए मधुमेह की देखभाल में भोजन की गुणवत्ता और मात्रा पर वैज्ञानिक समझ अपनाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि हर तीसरा भारतीय किसी न किसी प्रकार के

चुनौतीपूर्ण है 'तुम से तुम तक' में 'मीरा' का किरदार : डॉली चावला



मुंबई, 30 जुलाई (एजेंसियां)। टीवी एक्ट्रेस डॉली चावला ने अपने नए धारावाहिक 'तुम से तुम तक' में निभाए जा रहे किरदार 'मीरा' के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि यह किरदार उनके वास्तविक जीवन से बिल्कुल अलग है, जिसके कारण इसे निभाना चुनौतीपूर्ण है। डॉली ने बताया कि मैं मीरा का किरदार निभा रही हूँ, जो आर्या (शरद केलकर) के ऑफिस, खाने और दवाइयों सहित हर चीज का ध्यान रखती है। उसे यह पसंद नहीं कि कोई और आर्या के करीब आए या उसे महत्व दे। अब जब ऑफिस में अनु (निहारिका चौकसे) आई, तो मीरा को जलन हो रही है। वह अपने बॉस के अलावा किसी की नहीं सुनती। उन्होंने कहा कि लोगों ने मेरे पिछले हर काम को पसंद किया है और मुझे उम्मीद है कि वे मीरा को भी उतना ही प्यार देंगे, भले ही वे उसके नकारात्मक किरदार को नापसंद करें। हर किरदार चुनौतीपूर्ण होना चाहिए, तभी उसे निभाने में मजा आता है। मीरा मेरे असल व्यक्तित्व से बहुत अलग है और यही इसे रोमांचक बनाता है। इस किरदार को अपनाने में समय लगा, लेकिन मैं इसे लेकर उत्साहित हूँ।

एलर्जी को ठीक करने में प्रभावी मोरपंखी

- सजावट के साथ औषधीय गुणों से भरपूर
 - पत्तों का रस बालों के लिए भी फायदेमंद
- नई दिल्ली**, 30 जुलाई (एजेंसियां)। आयुर्वेद में जड़ी-बूटियों और पौधों का उपयोग स्वास्थ्य लाभ के लिए प्राचीन काल से किया जाता रहा है। ऐसा ही एक चमत्कारी पौधा है मोरपंखी, जिसे भरतूणी या ताम्रसूती भी कहा जाता है। अपनी खूबसूरती के कारण यह पौधा घरों, बगीचों में सजाया जाता है, लेकिन सजावट के अलावा इसके औषधीय गुण इसे और भी खास बनाते हैं। आयुर्वेद में मोरपंखी को महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त है। मोरपंखी में एंटीबैक्टीरियल, एंटीफंगल और एंटीऑक्सीडेंट गुण पाए जाते हैं। इसकी

पत्तियों का रस या पेस्ट त्वचा की जलन, घाव और एलर्जी को ठीक करने में भी प्रभावी है। यह त्वचा संक्रमण को रोकने में मदद करता है। मोरपंखी की पत्तियों का उपयोग सृजन और दर्द को कम करने, खासकर गठिया और जोड़ों की समस्याओं में राहत के लिए किया जाता है। आयुर्वेदाचार्य प्रमोद तिवारी ने मोरपंखी के फायदों को गिनाते हुए बताया कि पाचन तंत्र के लिए मोरपंखी का पौधा लाभकारी है। इसका अर्क अपच और पेट की सूजन को कम करता है। इसके पत्तों का रस बालों के लिए भी फायदेमंद है। मोरपंखी के नियमित सेवन से ब्लड में ग्लूकोज का लेवल कंट्रोल में रहता है, जो डायबिटीज के मरीजों के लिए फायदेमंद है। इसके अलावा, यह अस्थमा, ब्रोंकाइटिस और सर्दी-जुकाम जैसी श्वसन संबंधी समस्याओं में भी राहत देता है।

उन्होंने आगे बताया कि मोरपंखी के एंटीऑक्सीडेंट गुण शरीर से विषैले तत्वों को बाहर निकालकर रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करते हैं। मोरपंखी का इस्तेमाल कई रूपों में किया जाता है। इसके पत्तों को पीसकर रस निकाला जाता है, पेस्ट बनाकर त्वचा और बालों पर लगाया जाता है या हर्बल चाय के रूप में सेवन किया जाता है। मोरपंखी न केवल सौंदर्य बढ़ाता है, बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी वरदान है। आयुर्वेदिक विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि मोरपंखी का उपयोग करने से पहले चिकित्सक से परामर्श जरूरी है। गर्भवती महिलाओं, ब्रेस्टफीडिंग कराने वाली माताओं और गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित व्यक्तियों को इसका उपयोग सावधानी से करना चाहिए। अधिक मात्रा में सेवन से बचें, क्योंकि यह नुकसानदायक हो सकता है।



शोधकर्ताओं का नए अध्ययन में खुलासा

रेस्तरां मेन्यू में नमक की चेतावनी वाले लेबल से दिल के रोगों की रोकथाम

- प्रतिदिन 5 ग्राम से कम नमक का सेवन करना चाहिए
- अधिक नमक से स्ट्रोक, हृदय रोग, किडनी रोग व मोटापा जैसी समस्याएं

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। एक नए अध्ययन के अनुसार, रेस्तरां के मेन्यू पर नमक की चेतावनी वाले लेबल लगाने से ग्राहक अधिक नमक वाले भोजन को चुनने से बच सकते हैं और स्वस्थ विकल्प अपना सकते हैं। यह निष्कर्ष यूनिवर्सिटी ऑफ लिवरपूल की एक नई स्टडी में सामने आया है।

यह स्टडी द लैंसेट पब्लिक हेल्थ जर्नल में प्रकाशित हुई है। यह रणनीति हृदय रोगों और अधिक नमक के कारण होने वाली किडनी की समस्याओं से लड़ने में महत्वपूर्ण हो सकती है। शोध में पहली बार यह तुलना की गई कि नमक की चेतावनी लेबल वाले मेन्यू देखने वाले लोग और बिना लेबल वाले मेन्यू देखने वाले लोग खाने के ऑर्डर में क्या अंतर लाते हैं। नतीजों से पता चला कि चेतावनी लेबल लोगों को ज्यादा नमक वाले व्यंजन चुनने से रोकते हैं, नमक की मात्रा के प्रति जागरूकता बढ़ते हैं और ऑर्डर किए गए नमक की मात्रा को काफी कम करते हैं। प्रमुख शोधकर्ता डॉ. रेबेका इवांस ने बताया कि अध्ययन



से पता चलता है कि मेन्यू पर नमक चेतावनी लेबल लोगों की स्वस्थ विकल्प चुनने में मदद करते हैं। अधिक नमक का सेवन आहार से जुड़ी बीमारियों का प्रमुख कारण है और इस तरह की लेबलिंग पॉलिसी लोगों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में अहम भूमिका निभा सकती है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, प्रतिदिन 5 ग्राम से कम नमक (लगभग एक चम्मच से कम) या 2 ग्राम से कम सोडियम का सेवन करना चाहिए। हर साल 18.9 लाख मौतें अधिक नमक के सेवन से होती हैं। रेस्तरां में परोसे जाने वाले कई व्यंजनों में नमक की मात्रा बहुत अधिक होती है। अधिक नमक से ब्लड में सोडियम बढ़ जाता

मुंबई। लोकप्रिय सीरियल 'कहानी घर घर की' में अपनी भूमिका के लिए मशहूर चेतन हंसराज ने कहा कि उन्हें लगता है कि पहले की तुलना में आज पुरुष स्टारडम का प्रभाव कम हो गया है। उन्होंने कहा कि पहले हमारे पास टीवी सितारे होते थे, लेकिन अब केवल एक्टर्स हैं, 'सितारे' नहीं। चेतन हंसराज ने कहा कि टीवी शो बहुत बदल गए हैं। पहले के समय में टीवी के कलाकारों की अलग पहचान होती थी। उनका अंदाज, दिखने का तरीका और अभिनय करने का अपना खास स्टाइल होता था, जो उन्हें अलग बनाता था और लोग उनको काफी पसंद करते थे, जिसके चलते वह घर-घर लोकप्रिय हो जाते थे। लेकिन अब जो टीवी चल रहा है, उसमें ज्यादा कलाकार एक जैसे लगते हैं और एक जैसे अभिनय करते हैं।

मानव तस्करी की जमीनी हकीकत से रूबरू कराने वाली सच्ची कहानी 'डियर मैन'

मुंबई, 30 जुलाई (एजेंसियां)। 'विश्व मानव तस्करी विरोधी दिवस' के मौके पर अभिनेत्री सयानी गुप्ता की फिल्म 'डियर मैन' का प्रीमियर हुआ। इसकी कहानी मानव तस्करी जैसे गंभीर मुद्दे को उजागर करती है। फिल्म में मुख्य भूमिका निभाने वाली सयानी गुप्ता ने बताया कि इस फिल्म ने उन्हें एक ऐसे किरदार में ढलने का मौका दिया जो दीपेश टांक नाम के सामाजिक कार्यकर्ता की हिम्मत को दर्शाता है। दीपेश ने मानव तस्करी के खिलाफ अपनी जान जोखिम में डालकर एक गुप्त मिशन को अंजाम दिया था। सयानी ने कहा कि डियर मैन इस बात की एक याद दिलाती है कि मानव तस्करी की ये कहानियां किसी और समय या किसी और दुनिया की नहीं हैं, ये अभी भी होती हैं, कभी-कभी हमारे पास के ही इलाकों में, जहां हम रहते हैं, खाते हैं और स्क्रॉल करते हैं।

सयानी ने बताया कि इस भूमिका में खुद को पूरी तरह ढालना आसान नहीं था। उन्होंने कहा कि यह आसान नहीं था, लेकिन यह जरूरी महसूस हुआ। डायरेक्टर कीथ गोम्स के साथ काम करना मजेदार था क्योंकि वह संवादों से ज्यादा खामोशियों पर भरोसा करते हैं, जिससे मुझे अंदर छिपी, ज्यादा गहरी भावनाओं को खोजने का मौका मिला।

फिल्म की कहानी बिहार के एक दूरदराज और गांव की है, जहां एक बचावकर्मी दो नाबालिग लड़कियों को तस्करी के जाल से बचाने की कोशिश करता है। यह पूरी कहानी दीपेश टांक के असली जीवन पर आधारित है। दीपेश ने अपने गुप्त अभियान के लिए राज्यपाल पदक जीता था।

श्वसन नली को मजबूत करती है अग्निसार क्रिया

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। योग की प्राचीन शुद्धिकरण तकनीकों में से एक है अग्निसार क्रिया जो शरीर को स्वस्थ और ऊर्जावान बनाए रखने का एक अचूक तरीका है। यह क्रिया विशेष रूप से पाचन तंत्र और श्वसन प्रणाली को मजबूत करती है।

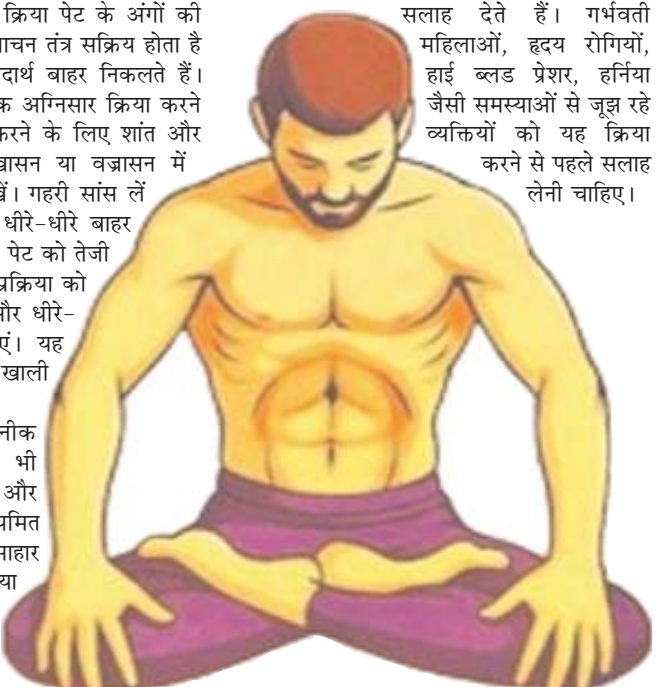
- पेट की चर्बी को कम करने का अचूक तरीका

मोरारजी देसाई नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ योग के अनुसार, अग्निसार क्रिया न केवल पाचन शक्ति को बढ़ाती है, बल्कि पेट की चर्बी कम करने में मदद करती है। इसके अतिरिक्त, यह श्वसन प्रणाली को मजबूत करती है, तनाव कम करती है और मानसिक स्पष्टता बढ़ाती है। नियमित अभ्यास से शरीर में ऊर्जा का संचार होता है। अग्निसार एक योगिक क्रिया है जिसमें पेट की मांसपेशियों को नियंत्रित रूप से संकुचित और प्रसारित किया जाता है। 'अग्निसार' शब्द 'अग्नि' (पाचन अग्नि) और 'सार' (सार तत्व) से मिलकर

बना है, जो पाचन की आंतरिक शक्ति को सक्रिय करने का प्रतीक है। यह क्रिया पेट के अंगों की मसाज करती है, जिससे पाचन तंत्र सक्रिय होता है और शरीर से विषाक्त पदार्थ बाहर निकलते हैं। हेल्थ एक्सपर्ट बताते हैं कि अग्निसार क्रिया करने की क्या विधि है। इसे करने के लिए शांत और हवादार स्थान चुनें। सुखासन या वज्रासन में बैठकर रीढ़ को सीधा रखें। गहरी सांस लें और फिर पूरी सांस को धीरे-धीरे बाहर छोड़ दें। सांस को रोककर पेट को तेजी से अंदर-बाहर करें। इस प्रक्रिया को 10 से 15 बार दोहराएं और धीरे-धीरे अपनी क्षमता बढ़ाएं। यह अभ्यास सुबह के समय खाली पेट करनी चाहिए।

यह प्राचीन तकनीक आधुनिक दिनचर्या में भी स्वस्थ रहने का सरल और प्रभावी तरीका है। नियमित अभ्यास और संतुलित आहार के साथ अग्निसार क्रिया शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए वरदान है। हालांकि, इसे करने से

पहले एक्सपर्ट कुछ सावधानियां बरतने की भी सलाह देते हैं। गर्भवती महिलाओं, हृदय रोगियों, हाई ब्लड प्रेशर, हर्निया जैसी समस्याओं से जुड़ा रहे व्यक्तियों को यह क्रिया करने से पहले सलाह लेनी चाहिए।



सिनेमा ने पर्दे पर बखूबी उतारे 'जय-वीरू'

मुंबई, 30 जुलाई (एजेंसियां)। 'दोस्ती' शब्द सुनते ही जय और वीरू की तस्वीर आंखों के सामने आ जाती है। साल 1975 में रिलीज हुई फिल्म 'शोले' आज भी दोस्ती का पर्याय है। फिल्म इंडस्ट्री सिनेमा के जरिए दोस्त और दोस्ती की कहानी को बेहतरीय अंदाज में कहने में माहिर है। अंतरराष्ट्रीय मित्रता दिवस के मौके पर ऐसी फिल्मों पर डालते हैं एक नजर जहां दोस्ती में जान देने या मित्र की ढाल बनने की कहानियों को गढ़ा गया।

बॉलीवुड ने ऐसी कई फिल्मों के जरिए दोस्ती के जन्मे को पर्दे पर उतारा है, जो हंसी, आंसुओं और बलिदान से भरी हैं।

साल 1975 में आई शोले की गिगिती बॉलीवुड की सबसे शानदार फिल्मों में की जाती है, जिसमें जय (अमिताभ बच्चन) और वीरू (धर्मेद्र) की दोस्ती की मिसाल है। ठाकुर बलदेव सिंह (संजीव कुमार) गब्रू सिंह को पकड़ने का जिम्मा इन दोनों जांबाजों को सौंपता है। इन दो दोस्तों की कहानी हंसी, रोमांच और बलिदान से भरी है। जब डाकुओं ने वीरू और उसकी प्रेमिका बसंती (हेमा मालिनी) को पकड़ लिया, तो जय ने अपनी जान देकर उन्हें बचा लिया।

साल 2001 में आई थी, 'दिल चाहता है' फरहाद अख्तर की यह फिल्म आकाश (आमिर खान), समीर (सैफ अली खान) और सिद्धार्थ (अक्षय खन्ना) की दोस्ती की कहानी है। यह फिल्म आधुनिक दोस्ती के उतार-चढ़ाव, प्यार और ज़िंदगी के बदलाव को दिखाती है। दोस्तों के बीच मतभेद के बावजूद, वे एक-दूसरे के लिए हमेशा और हर हाल में खड़े रहते हैं। साल 2003 में रिलीज हुई थी 'कल हो न हो', यह फिल्म कई मायनों में खास थी, हालांकि, शाहरुख खान, सैफ अली खान और प्रीति जिंटा स्टारर यह फिल्म दोस्ती और प्यार का संगम है। अमन (शाहरुख) को पता है कि उसकी सांसे ज्यादा नहीं बची हैं, फिर भी वह अपनी दोस्त नैना



(प्रीति) को खुश देखना चाहता है। वह नैना और रोहित (सैफ) को करीब लाता है, अपनी भावनाओं को छिपाकर। यह दोस्ती की कहानी को नए अंदाज में पेश करती है। मल्टीस्टारर फिल्म 'रंग दे बसंती' साल 2006 में आई थी। राकेश ओमप्रकाश मेहरा की यह फिल्म दोस्ती और देशभक्ति का संगम है। अभिनेता आमिर खान, सिद्धार्थ, शरमन जोशी, कुणाल कपूर और अतुल कुलकर्णी जैसे सितारों से सजी यह कहानी एक ब्रिटिश फिल्ममेकर के भारत आने और पांच दोस्तों को स्वतंत्रता सेनानियों की कहानी पर फिल्म बनाने के लिए प्रेरित करने की है। जब इनका एक दोस्त सिस्टम की गलतियों का शिकार होता है, तो ये दोस्त मिलकर भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाते हैं और अपनी जान तक कुर्बान कर देते हैं। यह फिल्म दोस्ती की गहराई को पर्दे पर पेश करती है। दोस्ती की बात हो तो साल 2009 में आई '3 इडियट्स' को इग्नोर नहीं किया जा सकता। राजकुमार हिरानी की यह फिल्म रणछोड़दास (आमिर खान), राजू (शरमन जोशी) और फरहान (आर. माधवन) की कॉलेज दोस्ती की कहानी है।



रायपुर, गुरुवार 31 जुलाई 2025

संस्थापक-संपादक : स्‍व. मायाराम सुरजन

विपक्ष के आगे पस्त दिखे प्रधानमंत्री

सोमवार से संसद में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा शुरु हुई जो मंगलवार और बुधवार को भी जारी रही। लोकसभा और राज्यसभा दोनों ही सदनों में इस विषय पर निस्संदेह विपक्ष ही सरकार पर हावी दिखा। जबकि सरकार के पास पूरा मौका था कि वह तथ्यों, आंकड़ों और पूरी जवाबदेही के साथ इस चर्चा में हिस्सा लेकर अपने अंक जनता के बीच बढ़वा लेती। सरकार ऐसा नहीं कर पाई, क्योंकि 22 अप्रैल के बड़े हमले के बावजूद उसकी दिलचस्पी इस मुद्दे पर सेना के किए कार्य का श्रेय लेने, सहानुभूति बटोरने और विपक्ष को घेरने में ज्यादा नजर आई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृहमंत्री अमित शाह के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जब मंगलवार को लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर भाषण दिया, तो उनकी तैयारी में कमी नजर आई। मंगलवार को ही प्रियंका गांधी और राहुल गांधी के भी भाषण हुए। दोनों के भाषण अलहदा थे, लेकिन एक जैसे शानदार थे। जहां प्रियंका गांधी के भाषण में दुख और भावुकता नजर आई, वहीं राहुल गांधी के भाषण में नए तरह की आक्रामकता दिखी। इसके साथ ही राहुल गांधी ने जिस तरह आतंकवाद के खतरों, युद्ध के बदलते तरीकों, विदेश नीति में विचलन और इन सबकी वजह से कमजोर पड़ते भारत की चिंता पर चर्चा की, उसके जवाब में नरेंद्र मोदी ढंग की दो बात भी नहीं बोल पाए।

राहुल गांधी पहले भी संसद में पाकिस्तान और चीन के एक साथ होने की चिंता व्यक्त कर चुके हैं, मंगलवार को फिर से उन्होंने इसे दोहराया और यह भी बता दिया कि पहले दुनिया के अन्य देश पाकिस्तान में आतंकवाद के पोषण पर चिंता व्यक्त करते थे, लेकिन पहलगाम हमले के बाद जिन देशों ने भारत के लिए दुख व्यक्त किया, उनमें से किसी ने पाकिस्तान की निंदा नहीं की। यानी अब भारत और पाकिस्तान को एक पलड़े पर तौला जाने लगा है, यह गंभीर चिंता का विषय है। युद्ध के बदलते तरीकों पर भी राहुल गांधी ने सरकार को आगाह किया कि अब केवल दो पक्षों में युद्ध नहीं होता है, कई छिपी हुई परतें होती हैं। नयी तकनीकी के साथ दुश्मन की तैयारी रहती है। इसे समझने की जरूरत है। राहुल गांधी ने सदन को यह भी याद दिलाया कि अमेरिका किस तरह हमारी उपेक्षा कर रहा है। हमले के बावजूद अमेरिका ने जनरल असीम मुनीर को लंच पर बुलाया। उन्होंने नरेंद्र मोदी को चुनौती दी कि यदि उनमें इंदिरा गांधी जैसी हिम्मत का जरा सा भी हिस्सा है तो वे इस सदन में डोनाल्ड ट्रंप को बुला कहें और बताएं कि युद्धविराम उनकी मध्यस्थता से नहीं हुआ।

जाहिर है नरेंद्र मोदी ऐसा नहीं कर पाए। कई जानकारों का कहना है कि कूटनीति के अपने नियम होते हैं और किसी अन्य देश या नेता का नाम संभव में नहीं लिया जा सकता क्योंकि इससे देशहित जुड़े होते हैं। सामान्य परिस्थितियों में तो यह तर्क चल जाएगा। लेकिन जब डोनाल्ड ट्रंप ने इन पंक्तियों के लिखे जाने तक 30वीं बार वही दावा किया है कि युद्धविराम मैंने कराया, तब क्या देशहित और सम्मान की खातिर प्रधानमंत्री को इस का खंडन नहीं करना चाहिए। अगर 10 मई को डोनाल्ड ट्रंप से पहले प्रधानमंत्री की तरफ से युद्धविराम की घोषणा हो जाती, तब शायद श्री मोदी ऐसा कर पाते। लेकिन हकीकत यही है कि देश को लड़ाई रुकने की जानकारी ट्रंप से ही मिली थी। मंगलवार को नरेंद्र मोदी ने यह जरूर कहा कि हमें किसी भी तीसरे देश की मध्यस्थता मंजूर नहीं है और युद्धविराम के लिए किसी ने बीच-बचाव नहीं किया। लेकिन उन्हें फिर यही भी बताना चाहिए था कि डोनाल्ड ट्रंप ने जब उनसे पहले यह सूचना दुनिया को दी, क्या तब श्री मोदी ने कोई आपत्ति जताई थी कि अमेरिका ने हमारे देश के आंतरिक मामले में आधिकारिक बयान क्यों दिया। अमेरिका के अलावा चीन और पाकिस्तान के गठजोड़ पर भी श्री मोदी ने कुछ नहीं कहा। क्योंकि अमित शाह की तरह उनका भी पूरा ध्यान कांग्रेस को घेरने में था।

करीब सौ मिनट के भाषण में नरेंद्र मोदी ने 14 बार तो पं.नेहरू का नाम ले लिया। हमला होते ही तुरंत जाकर मार देने को न्यू नार्मल बताया। राबण की याद दिलाने के लिए आतंकवाद की नाभि कहाँ है, जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया। हमला हुआ, उसके फौरन बाद सऊदी अरब से लौटकर उन्होंने क्या किया यह बताया। लेकिन श्री मोदी यह नहीं बता पाए कि देश लौटते ही वे कश्मीर न जाकर बिहार क्यों गए। कांग्रेस ने सरकार से सवाल किए तो श्री मोदी ने आरोप लगा दिया कि कांग्रेस को सेना, एजेंसियों किसी पर भरोसा नहीं है।

पहले दो कार्यकालों में तो नरेंद्र मोदी का यह पैँतरा चल गया कि जब जिम्मेदारी उठाने की बारी आए तो सुई कांग्रेस की तरफ मोड़ दी जाए। लेकिन तीसरे कार्यकाल में इस चाल में भाजपा कब तक सफल हो पाएगी, ये देखना होगा। पहलगाम में शहीद हुए शुभम द्विवेदी की पत्नी ऐश्वन्या द्विवेदी का प्रधानमंत्री के भाषण के बाद आया बयान बताता है कि वे जनता की अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतरे हैं। ऐश्वन्या द्विवेदी ने इस बात पर दुख जताया है कि प्रधानमंत्री के भाषण में पहलगाम पीड़ितों का जिक्र नहीं था, उनके दर्द नहीं थे। जबकि प्रियंका गांधी और राहुल गांधी का आधार उन्होंने जताया कि दोनों सांसदों ने पीड़ितों के लिए न्याय की मांग की और बाकायदा नाम लिया। दरअसल प्रियंका गांधी ने बाकायदा पहलगाम के शिकार 26 लोगों का नाम लिया, इसमें भी भाजपा की ओछी राजनीति दिखी। क्योंकि जब प्रियंका नाम ले रही थीं तो सत्ता पक्ष की तरफ से हर नाम के बाद धर्म की याद दिलाते हुए हिंदू चिल्लाया गया, लेकिन प्रियंका गांधी ने सभी के नाम के साथ भारतीय कहते हुए बताया कि ये सब देश के नागरिक थे और इन्हें ईसाफ मिलना चाहिए। आतंकवादी हमले को लेकर राहुल और प्रियंका ने जिस संवेदनशीलता और जिम्मेदारी का अहसास जाहिर किया, नरेंद्र मोदी उसमें पूरी तरह चूक गए।

राहुल गांधी पर एक बड़ी खबर मंगलवार को सामने आई। ऑपरेशन सिंदूर के जवाब में पाकिस्तान की तरफ से हुई गोलीबारी से जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में भारी तबाही मची थी। कई निर्दोष नागरिकों ने इन हमलों में अपनी जान गंवाई थी। पाकिस्तान के हमले और मोदी सरकार की लापरवाही ने कई परिवारों को उजाड़ दिया है, कई बच्चे अनाथ हो चुके हैं। राहुल गांधी ने अब ऐसे 22 बच्चों की पढ़ाई-लिखाई का पूरा जिम्मा उठाया है। जम्मू-कश्मीर कांग्रेस प्रमुख तारिक हामिद करी ने कहा है कि राहुल गांधी पुंछ के उन 22 बच्चों की शिक्षा का पूरा खर्चा उठाएंगे जिन्होंने अपने दोनों माता-पिता पाक गोलीबारी में गंवा दिए थे। इन बच्चों की पढ़ाई का खर्च राहुल गांधी तब तक उठाएंगे, जब तक ये स्नातक नहीं हो जाते। इसके अलावा अगर कोई बच्चा इंजीनियरिंग या मेडिकल जैसे प्रोफेशनल कोर्सेस में प्रवेश लेता है, तो उसमें भी खर्च का जिम्मा राहुल गांधी ही उठाएंगे।

गौरतलब है कि दो महीने पहले मई में राहुल गांधी ने पुंछ का दौरा किया था। उन्होंने तब अपने स्थानीय नेताओं से अपील की थी कि वे प्रभावित बच्चों की एक सूची तैयार करें, जिन्हें वाकई मदद की जरूरत है। उसके बाद ही राज्य कांग्रेस इकाई ने सरकारी रिकॉर्ड्स खंगाल कर, सर्वे कर सूची तैयार की। बुधवार को इन बच्चों के लिए मदद की पहली किस्त जारी भी कर दी गई है। जब राहुल पुंछ गए थे, उस वक़्त के बहुत से वीडियो सामने आए, जिनमें वे उजड़े मकानों में गए, गली-गली घूमकर उन्होंने पुंछ के स्थानीय लोगों से उनका दर्द और डर दोनों साझा किया था। मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारे, स्कूल सब जगह पाकिस्तान ने हमले किए थे। आम लोगों को निशाना बनाया था। अगर ऑपरेशन सिंदूर शुरु करने के साथ ही मोदी सरकार ने एहतियात बरती होती तो शायद मासूम लोगों की जान बचाई जा सकती थी। लेकिन सरकार ने सीमावर्ती इलाकों से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर नहीं भेजा, जबकि संसद में प्रधानमंत्री मोदी ने ही दावा किया है कि 9 मई को अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने उन्हें अगाह किया था कि पाकिस्तान बड़ा हमला करने वाला है। इसके जवाब में नरेंद्र मोदी ने कहा था कि अगर पाकिस्तान का ये इरादा है तो उसे बहुत महंगा पड़ेगा और हम उससे भी बड़ा हमला करेंगे और उसका जवाब देंगे।

किसी की धमकी में न आना अच्छी बात है, लेकिन

पाकिस्तान को क्या महंगा पड़ेगा और क्या सस्ता, इस बारे में बात करने से बेहतर होता कि श्री मोदी इस बात की चिंता करते कि देश के लोगों की जान कैसे खतरे में पड़ चुकी थी। पहलगाम में असावधानी का नतीजा भुगतने के बावजूद सीमावर्ती इलाकों में फिर वही असावधानी सरकार ने दिखाई। जिसका खामियाजा आम नागरिकों ने भुगता। इसके बाद भी सरकार को अपनी जिम्मेदारी का अहसास नहीं है। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने विदेशी मीडिया की आलोचना करते हुए कहा था कि ऑपरेशन सिंदूर सफल

अनुभवी लोग कहते हैं दर्द बांटने से कम होता है, खुशी बांटने से बढ़ती है। राहुल गांधी इस समय राजनीति के साथ-साथ मानवता की ऐसी ही मिसाल कायम करते जा रहे हैं। जब मई में राहुल गांधी पुंछ गए थे तो वे उस क्राइस्ट पब्लिक स्कूल भी गए थे, जहां पढ़ने वाले 12 साल के जुड़वां बच्चे उर्बा फातिमा और जैन अल की पाक हमलों में मौत हो गई थी।

रहा है और इसमें भारत को हुए नुकसान की खबरें गलत हैं, हमारा एक कांच भी नहीं टूटा है। ऐसा ही दावा गृहमंत्री अमित शाह ने मंगलवार को संसद में किया कि मोदी सरकार जब से आई है जम्मू-कश्मीर के किसी नागरिक की जान हमले में नहीं गई है। देश का मीडिया सरकार का भोंपू बनकर ऐसी खबरों को इतना प्रचारित करता है कि लोग उसे ही सच मानने लगते हैं। लेकिन जो सामने घटा है, क्या उससे आंख मूंदी जा सकती है। अगर एक भी कांच नहीं टूटा या एक भी नागरिक की मौत नहीं हुई तो फिर राहुल गांधी के बाद खुद अमित शाह ने पुंछ का दौरा क्यों किया था।

बहरहाल संसद में दो दिन तक जिस अंदाज में सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा चलाई उससे जाहिर हो गया कि पहलगाम घटना को भी श्री मोदी ने आपदा में अवसर की तरह ही लिया है। अपने प्रचार के लिए सेना की वर्दी

पहनकर खुद के आदमकद पोस्टर नरेंद्र मोदी ने देश भर में लगवाई, सिंदूर शब्द को लेकर बेतुकी बातें कीं, दुनिया भर में प्रतिनिधिमंडल को भेजने के लिए जनता के करोड़ों रूपए खर्च कर दिए। ऑपरेशन सिंदूर के पोस्टर समेत इस पूरे प्रचार-प्रसार के लिए जितना सरकारी धन खर्च किया, उसका थोड़ा सा हिस्सा पहलगाम पीड़ितों या अनाथ बच्चों पर खर्च किया जा सकता है, ऐसा खयाल भाजपा या प्रधानमंत्री के जेहन में नहीं आया होगा, क्योंकि उनकी निगाह लोगों के दर्द से ज्यादा दर्द का सियासी लाभ लेने पर रहती है। लॉकडाउन के समय

प्रधानमंत्री के जेहन में नहीं आया होगा, क्योंकि उनकी निगाह लोगों के दर्द से ज्यादा दर्द का सियासी लाभ लेने पर रहती है। लॉकडाउन के समय

पीएम केयर्स फंड बना लिया, लेकिन उसका भी हिसाब-किताब देने में आनाकानी होती रही।

ऐसा नहीं है कि इस देश में प्राकृतिक आपदाएं या आतंकी घटनाएं, युद्ध सब अभी हो रहे हैं, इन सबका सामना भारत ने पहले भी किया है। पहले भी सरकारों से आकलन में या हालात संभालने में गलतियां हुई हैं। लेकिन ऐसा दुस्साहस किसी ने नहीं किया कि जिन घटनाओं में मासूम नागरिक मारे जाएं, उन पर भी राजनैतिक रोटी सेंकी जाए। अभी यही सब हो रहा है और ऐसे में राहुल गांधी के परोपकार या मानवीयता दिखाने वाले फैसले नयी उम्मीद बंधाते हैं। जब निर्भया कांड हुआ था, तब पीड़िता के इलाज की पूरी व्यवस्था तत्कालीन सरकार ने की थी, लेकिन उसके बाद पीड़िता के परिवार की सुध लेने का काम निजी तौर पर राहुल गांधी ने किया, निर्भया के भाई के पायलट बनने के सपने को साकार किया। रामचत मोची की दुकान

प्राकृतिक व जैविक खेती ही समाधान

■ राज कुमार सिन्हा

न्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह की सेवा-निवृत्ति के बाद प्राकृतिक खेती करने की योजना जलवायु परिवर्तन के लिहाज से खासी महत्वपूर्ण है। ‘प्राकृतिक’ और ‘जैविक खेती’ ऐसी कृषि पद्धति है जो पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए बिना उत्पादन बढ़ा सकती है। ‘प्राकृतिक खेती’ से कार्बन उत्सर्जन में 35फीसदी से 50फीसदी तक की कमी आ सकती है। ‘प्राकृतिक खेती,’ जिसे ‘नो-इनपुट’या‘ ज़ीरो-बजट’खेती कहा जाता है, ‘बाहरी इनपुट’ (जैसे उर्वरक, कीटनाशक, यहां तक कि खाद) के उपयोग को कम या खत्म करने पर जोर देती है और इसकी बजाय प्राकृतिक प्रक्रियाओं, जैसे कि मिट्टी के सूक्ष्मजीवों और केंचुओं द्वारा कार्बनिक पदार्थों के अपघटन को प्रोत्साहित करती है।

जुताई (मिट्टी को जोतना) से बचने वाली ‘प्राकृतिक खेती’ को आमतौर पर क म लाग त वाली कृषि माना जाता है, क्योंकि इसमें ‘ बाहरी इनपुट ’ की आवश्यकता नहीं होती। ‘ जैविक खेती’ को आमतौर पर प्रमाणीकरण की आवश्यकता होती है, जबकि ‘प्राकृतिक खेती’ के लिए प्रमाणीकरण आवश्यक नहीं है। ‘प्राकृतिक खेती’ एक ऐसा व्यापक दृष्टिकोण है जो प्राकृतिक प्रक्रियाओं पर निर्भर करता है, जबकि ‘जैविक खेती’ एक विशिष्ट प्रणाली है जो ‘जैविक इनपुट’ पर जोर देती है। ‘प्राकृतिक खेती’ मिट्टी में कार्बनिक पदार्थों को बढ़ाकर, मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार करती है और कार्बन डाइऑक्साइड को वातावरण से हटाकर मिट्टी में जमा करती है।

रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के उपयोग को बंद करने से ‘ग्रीनहाउस गैसों’ के उत्सर्जन को कम करने में मदद होती है। ‘प्राकृतिक खेती’ में मिट्टी की जल-धारण क्षमता में सुधार होता है, जिससे जल-संरक्षण होता है और सूखे और बाढ़ जैसी चरम मौसम की घटनाओं के प्रति लचीलापन बढ़ता है। ‘प्राकृतिक खेती’ जैव-विविधता को बढ़ावा देती है और जलवायु परिवर्तन के प्रति फसलों की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाती है। विभिन्न प्रकार की फसलों को उगाना, मिट्टी के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने और कीटों और बीमारियों को नियंत्रित करने में मदद करता है।

हजारों वर्षों के अनुभव से विकसित हुई वर्षा आधारित स्थायी या टिकाऊ खेती का विज्ञान मूलतः पुनर्चक्रण से जुड़ हुआ है। ‘प्राकृतिक खेती’ पर हुए शोध दर्शाते हैं कि इस विधि से विपरीत परिस्थितियों में भी बेहतर उत्पादन लिया जा सकता है। इस विधि से उगाई फसलें सूखे, अतिवर्षा में भी खड़ी रहती हैं। ‘मिश्रित खेती’ अपनाने से एक ही खेत में कई फसलें ली जा सकती हैं जिससे किसान को नियमित आय सुनिश्चित होती है। इस खेती में पानी की खपत बाकी विधियों के मुकाबले 40 प्रतिशत तक कम है और इसमें फसल सुरक्षा के लिए स्थानीय वनस्पतियों को ही प्रयोग किया जाता है। कृषि ‘ग्रीनहाउस गैसों’ का एक प्रमुख स्रोत है जिससे भविष्य में खाद्य-सुरक्षा के लिए चुनौती उत्पन्न होने की संभावना है। जल के बढ़ते उपयोग और सूखे के कारण उत्पादन के लिए पानी की कमी हो सकती है। वैश्विक खाद्य-सुरक्षा पर्याप्त खाद्य-उत्पादन और खाद्य-पहुंच, दोनों पर निर्भर करती है। जलवायु परिवर्तन पर ‘अंतर-सरकारी पैनल’ (आईपीसीसी) की आम सहमति है कि 1950 से अब तक जलवायु में व्यापक परिवर्तन हो चुका है और इस सदी के उत्तरार्ध में वैश्विक औसत तापमान में 0.4 से 2.6एण्टी की वृद्धि होने की संभावना है।

तापमान और कार्बन डाइऑक्साइड में क्रमिक वृद्धि के परिणामस्वरूप

में फूल आने के दौरान होने वाली चरम घटनाओं, विशेष रूप से अत्यधिक गर्मी और सूखे के कारण यह संभावित वृद्धि सीमित हो सकती है। जलवायु परिवर्तन के कारण 21वीं सदी में फसल उत्पादन में कमी आने का अनुमान है। जलवायु परिवर्तन वैश्विक कृषि व्यवस्था पर वृहद प्रभाव डालता है।

दूसरी ओर, कीटनाशकों के प्रयोग से भूजल और पर्यावरण में जहर घुल रहा है। पृथ्वी में पाए जाने वाले मित्र कीट खत्म हो रहे हैं। खेती में रासायनिक खाद का इस्तेमाल होने से मानव स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा हो गया है। इस अनाज के सेवन से कैंसर, रक्तचाप और अन्य बीमारियों के खतरे बढ़ गए हैं। भारत सरकार ने वित्त-वर्ष 2025–26 में उर्वरक सब्सिडी के लिए 1.67 लाख करोड़ रुपये से अधिक का बजट निर्धारित किया है, जो भारत के कृषि

बजट का लगभग 70 फीसदी है। भारतीय कृषि के इतिहास में एक महत्वपूर्ण घटना है – 1967–68 में शुरू हुई ‘हरित क्रांति।’ इसकी मुख्य बात थी–सिंचाई की गारंटी के साथ अधिक फसल वाले बीजों, अधिक उर्वरक

और कीटनाशकों का इस्तेमाल। ‘हरित क्रांति’ के कारण देश खाद्यान्न में आत्मनिर्भर तो हो पाया, लेकिन 1980 के दशक से ‘हरित क्रांति’ भी संकट में फंस गई। खेती में बढ़ती लागत के कारण किसान कर्ज के दलदल में फंसकर आत्महत्या करने को विवश हो गए। इस दलदल से किसानों को निकालने के लिए भी महमंजी का ताजा सुझाव महत्वपूर्ण है।

‘डाउन टू अर्थ’ पत्रिका के अनुसार जलवायु परिवर्तन के कारण भारत ने एक जनवरी से 31 दिसंबर 2024 के 366 में से 322 दिनों में चरम मौसमी घटनाओं का सामना किया है। इन घटनाओं में 3,472 लोगों की जांें गईं और 40.7 लाख हेक्टेयर कृषि क्षेत्र को नुकसान पहुंचा। सरकार को ओर से जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने के लिहाज से किसानों को रासायन मुक्त कृषि के प्रति प्रोत्साहित किया जा रहा है। कृषि में स्थिरता बनाए रखने के लिए किसानों को ‘जैविक खेती’ जैसी टिकाऊ प्रणालियों को अपनाना चाहिए। भारत में लगभग 14 करोड़ हेक्टेयर भूमि पर खेती की जाती है, जिसमें से लगभग 65 लाख हेक्टेयर में जैविक खेती होती है। मध्यप्रदेश में अब जैविक खेती का विस्तार कर इसे 17 लाख हेक्टेयर से 20 लाख हेक्टेयर तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है।

‘किसान एवं कृषि कल्याण विभाग’ के अनुसार मध्यप्रदेश में प्रतिवर्ष लगभग 15 लाख टन जैविक उत्पाद तैयार हो रहा है। इसमें पांच लाख टन से अधिक जैविक उत्पाद निर्यात किया जाता है। भारत में जैविक उत्पादों की मांग और उत्पादन दोनों में वृद्धि हो रही है। भारतीय जैविक बाजार 16,800 करोड़ रुपये का है। मध्यप्रदेश के मंडला, डिण्डोरी, बालाघाट, छिंदवाड़ा, बैतूल, कटनी, उमरिया, अनूपपुर जिलों में ‘जैविक खेती’ प्रमुखता से की जा रही है। भारत के जैविक खाद्यान्न का एक बड़ा हिस्सा छोटे और सीमांत किसानों द्वारा उत्पादित किया जाता है। इनमें से कई किसानों के लिए, ‘जैविक खेती’लागत कम करते हुए अपनी आजीविका में सुधार लाने का एक जरिया बन गई है। हमारे नीति निर्धारकों का दायित्व है कि वे किसानों को केन्द्र में रखकर, कृषि परिस्थितिकी वाले तरीकों पर ध्यान दें जो देश के लिए टिकाऊ खाद्य-सुरक्षा और किसानों के लिए आजीविका सुनिश्चित कर सकें। (लेखक ‘बगरी बांध विस्थापित संघ’ के वरिष्ठ कार्यकर्ता हैं।)

आपके पत्र	
देश मे महिलाओं की सुरक्षा पहली प्राथमिकता	
आप अपराध पर व्यापक निगाह डालें, तो दहेज हत्याएं, घरेलू हिंसा, यौन हमले और तेजाब से हमले ज्यादा बड़ी और बढ़ती हुई चिंता का विषय है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के मुताबिक, उत्तर प्रदेश में, जहां देश भर की महिलाओं की 35,527 मामले यानी कुल 16.8 फीसदी आबादी रहती है। महिलाओं के खिलाफ देश भर में हुए कुल 10.9 फीसदी अपराध दर्ज हुए। एंटी-रोमियो दस्तों का गठन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की विशेष सुरक्षा है। इसका लाभ भी हर परिवार को मिला है। आज बहन-बेटियां अकेली कहीं भी आ-जा सकती हैं। पहले सात बजे के बाद महिला तो बकी पुरुष भी बाहर नहीं निकल सकते थे। आज हालात सामान्य हैं। महिलाओं को उनके साथ होने वाले अपराधों की रिपोर्ट लिखवाने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए,	
क्योंकि डर को हमेशा के लिए बनाए रखने की संस्कृति को रोका जा सकेगा। इसके लिए एक बहुस्तरीय और बहुआयामी रणनीति की जरूरत है, जिसमें समस्या से असरदार ढंग से निपटने के लिए हितधारकों की बहुत बड़ी तादाद में शामिल करना होगा इसलिए यही सलाह दी जा सकती है कि कानून बनाने वाले और उन्हें लागू करने वाले इस बात को समझें।	
दरअसल शहर की लड़कियों को इससे अक्सर जुझना पड़ता है। आप अपने आस-पास रहने या साथ काम करने वाली महिलाओं या कॉलेज जाने वाली लड़कियों से पूछें जो रोजाना सार्वजनिक परिवहन जैसे कि बस, ट्रेन या मेट्रो से आती-जाती हैं। कई बार तो मामला इतना बिगड़ जाता है कि संभालना मुश्किल हो जाता है। स्टॉकर इस हद तक पागलपन पर उतर	
जाते हैं कि उनकी जान तक चली जाती है। उनके मन की नहीं होने पर उसकी चाकू मारकर हत्या जैसे अपराध हो रहे हैं। स्टॉकिंग करने वाले खुद को प्रेमी समझते हैं। लेकिन असल में वो अलग ही दुनिया में जी रहे होते हैं। 20 फीसदी स्टॉकर को इलाज की जरूरत होती है। ये अकेले, गुमसुम रहने वाले लोग होते हैं, जिनमें आत्मविश्वास की घोर कमी होती है। ये पर्सनाल्टी डिसऑर्डर के शिकार होते हैं। इसलिए ये जल्दी सामने नहीं आते। आम तौर पर साथ पढ़ने, काम करने वाले या जान-पहचान के लोग ही स्टॉकिंग करते हैं। वे साथ उठते-बैठते या हसी-मजाक को प्यार समझ बैठते हैं और आगे बढ़ने की कोशिश करते हैं।	
-कांतिलाल मांडोन,सूत	



ललित सुरजन की कलम से

राहुल गांधी नई राह पर ?

‘राहुल गांधी अपने नए लोकसभा क्षेत्र वायनाड के दौरे पर पहुंचे। वे तीन दिन वहां रहे, मतदाताओं का आभार माना और कोई नई बात न कह बारंबार यही कहा कि वे घृणा नहीं, प्रेम की राजनीति करते हैं और करते रहेंगे। राहुल इतना तो समझ ही रहे होंगे कि भारत की राजनीति में खेल के नियम पूरी तरह बदल चुके हैं, मुहावरे भी बदल गए हैं। यह जानने और चुनौती मैदान में बुरी तरह घायल हो जाने के बावजूद यदि वे किन्हीं पुराने मूल्यों की पुनर्स्थापना करना चाहते हैं, तो स्वाभाविक ही सवाल उठता है कि इसके लिए उनकी कार्ययोजना क्या है? उसे अमल में आने के लिए क्या वे कोई समयबद्ध कार्यक्रम बना रहे हैं और इसमें उनका साथ कौन देगा? क्या सत्तालोलुप कांग्रेसियों में इतना धीरज और साहस है कि वे उनके साथ-साथ चल सकें? जब राजनीति करने का मूल मकसद ही स्वार्थपूर्ति हो तब सिद्धांतों पर टिके रहने वाले कार्यकर्ता कहाँ से जुटेंगे?’

(देशबन्धु में 13 जून 2019 को प्रकाशित)
https://lalitsurjan.blogspot.com/2019/06/blog-post_12.html

आज जयंती

यथार्थ को समझने के लिए प्रेमचंद जी को पढ़ना होगा

प्रेमचंद जी हिंदी साहित्य के युग प्रवर्तक माने जाते हैं। हिंदी साहित्य के महान पुरोधाने अपनी रचनाओं में जनसाधारण की भावनाओं, परिस्थितियों और उनकी समस्याओं का मार्मिक चित्रण किया है। उन्होंने पूस की रात में किसानों की समस्या को उजागर किया है तो बूढ़ी काकी में वृद्धों की समस्या को समाज के सामने आईने की तरह परोसा है। दूध का दाम दलितों की समस्या तो कफ़न गरीबी का चित्रण करता है। इसी तरह नया विवाह में महिलाओं की समस्या को उकेरा गया है। मुंशीजी की कहानियों की यह विशेषता कही जा सकती है कि उन्होंने हिंदुस्तानी भाषा – शैली को पूर्ण सम्मान प्रदान किया। इसके अलावा प्रेमचंद जी ने अपनी कहानियों में मुहावरों व लोकोक्तियों का प्रयोग करने के साथ ही साथ व्यंग्य को भी यथोचित स्थान प्रदान किया। कहानियों में मनोविज्ञान के दर्शन करने हों तो हमें मुंशीजी की कहानियों के पन्ने पलटने होंगे। इसे परखना हो तो सभ्यता का रहस्य में किसान मनोविज्ञान, बूढ़ी काकी में वृद्ध मनोविज्ञान तथा इर्दाग़ा में बाल मनोविज्ञान की सूक्ष्म परतें खुरेची जा सकती हैं। यह कहने में कोई किन्तु-परंतु नहीं कि प्रेमचंद जी ने कहानी की नवजात परंपरा को अपने लेखन द्वारा परिपक्व परंपरा में परिवर्तित कर दिखाया।

अपने जीवनकाल में प्रेमचंदजी ने उपन्यास को सबसे अच्छा माध्यम माना। उनका कहना था साहित्य में यथार्थ कई रंगों में व्यक्त होता है। साहित्य की सभी विधाएं जीवन के किसी न किसी अनुभव को अभिव्यक्ति प्रदान करती हैं, किंतु सामाजिक जीवन जितना और जिस रूप में उपन्यास के द्वारा अभिव्यजित होता है उतना साहित्य की किसी अन्य विधा द्वारा नहीं। मानव जीवन की विविधता सर्वाधिक विशद रूप में उपन्यास में ही व्यक्त होती है। इस तरह वे उपन्यास को मानव जीवन की यथार्थ अभिव्यक्ति माना करते थे। वे यथार्थवाद के विषय में कहा करते थे कि- यथार्थवाद यदि हमारी आंखें खोलता है, तो आदर्शवाद हमें उठाकर किसी मनोरम स्थान पर पहुंचा देता है।

हिंदी साहित्य में प्रेमचंद जी का नाम स्मरण में आते ही हिंदी के प्रति प्रेम और स्नेह उमड़ने लगता है। वे एक ऐसे लेखक थे जिन्होंने हिंदी साहित्य को न केवल निश्चित दिशा दी बल्कि उसे सम्मानजनक स्थान पर स्थापित भी किया। मुंशी प्रेमचंद आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं जितने अपने दौर में थे। किसान जीवन के साथ ही समाज में व्याप्त रूढ़िवादियों और गरीबी से जुड़ी कहानियों पर उनकी मजबूत पकड़ और समझ को देखते हुए उनकी प्रासंगिकता और अधिक बढ़ जाती है।

-सूर्यकांत मिश्रा

खेल जगत्

कर्नाटक : ‘मंहारानी ट्रॉफी केएससीए टी-20’ के लिए हुई नीलामी

बेंगलुरु। भारत में महिला क्रिकेट का लगातार विकास हो रहा है। विमेंस प्रीमियर लीग के बाद अब महिलाओं के लिए ‘कर्नाटक राज्य क्रिकेट एसोसिएसन’ भी लीग शुरू करने जा रहा है। ‘महारानी ट्रॉफी केएससीए टी-20’ के नाम से शुरू हो रही लीग के लिए बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में नीलामी आयोजित की गई। लीग में शामिल हो रही पांच फ्रेंचाइजी बेंगलुरु ब्लास्टर्स, हुबली टाइगर्स, मंगलुरु ड्रैगन्स, मैसूर वॉरियर्स और शिवमोग्गा लायनेस हैं। 4 से 10 अगस्त तक होने वाले टूर्नामेंट के पहले संस्करण के लिए सभी टीमों के बीच नीलामी के दौरान कड़ी प्रतियस्धां दिखी। प्रत्येक फ्रेंचाइजी ने 10 लाख रुपए की बोली के साथ, 16 सदस्यों की एक मजबूत टीम तैयार की। बेंगलुरु ब्लास्टर्स की निकी प्रसाद दिन की सबसे महंगी खिलाड़ी रही, जिन्हें 3.70 लाख रुपए मिले।



भारत की निगाहे इंग्लैंड के खिलाफ दूसरी जीत दर्ज करने पर

अर्शदीप कर सकते हैं टेस्ट कर्रियर का आगाज, कुलदीप को नहीं मिलती दिख रही जगह

■ **सत्येन्द्र पाल सिंह**

नई दिल्ली, 30 जुलाई (देशबन्धु)। कप्तान शुभमन गिल, वाशिंगटन सुंदर और रवींद्र जडेजा के मैनचेस्टर में दूसरी पारी में जड़े शतकों की बदौलत इंग्लैंड

■ **इंग्लैंड के खिलाफ भारत के हौसले बुलंद**
■ **बुमराह को ‘आराम देले पर आकाशदीप होंगे भारत की एकादश में**

की जीत की उम्मीदों पर पानी फेर उसके खिलाफ चौथा टेस्ट ड्रां कराने से भारत के हौसले बुलंद हैं। भारत अब इंग्लैंड से एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी का ओवल में बृहस्पतिवार से शुरू होने वाला पांचवें व आखिरी क्रिकेट टेस्ट जीत सीरीज दो-दो की बराबरी पर समाप्त करने के इरादे से उतरेगा। फिलहाल भारत सीरीज में 1-2 से पीछे चल रहा है उसके लिए आखिरी टेस्ट में जीत जरूरी है।दोनों देश के बीच अब तक ओवल में खेले गए 14 टेस्ट में खेले गए हैं और इनमें इंग्लैंड ने पांच और भारत मात्र दो बार जीता है जबकि सात मैच ड्रां रहे हैं। रोहित शर्मा के दूसरी पारी में शतक की बदौलत भारत ने इंग्लैंड से 2021 में ओवल में पिछला टेस्ट 157 रन से जीता था। भारत की कोशिश इंग्लैंड के खिलाफ लगातार दूसरी जीत दर्ज करने की होगी। इंग्लैंड



ओवल में अपने पिछले पांच में तीन टेस्ट हारा है, जिसमें 2021 में भारत के हाथों मिली हार भी शामिल है।

भारत के हेड कोच गौतम गंभीर की ओवल के चीफ क्यूरेटर ली फोर्टिज को उनके दोहरे मानदंड को लेकर लगाई

फटकार से भी आखिरी टेस्ट से पहले माहौल खासा गर्म हैं। फॉर्टिज ने गंभीर और भारतीय टीम के सपोर्ट स्टाफ को तो पिच से ढाई मीटर दूर रहने को कहा जबकि इन दोनों ने कपड़े के जूते पहने थे। गंभीर ने इस पर फोर्टिज से कहा कि

स्टोक्स ओवल टेस्ट से बाहर, पोप करेंगे इंग्लैंड की अगुवाई

लंदन। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स भारत के खिलाफ 31 जुलाई से ओवल में शुरू हो रहे पांचवें टेस्ट से बाहर हो गए हैं और उनकी जगह ऑली पोप टीम की अगुवाई करते नजर आएंगे। इसके साथ ही ब्रायडन कासं और जोफ्रा आर्चर को आराम दिया गया है। गस एट्किंसन, जेमी ओवर्टन और जॉश टंग इंग्लैंड के तेज गेंदबाजी आक्रमण में शामिल किए गए हैं। वहीं जेकेब बेथल भी अंतिम टेस्ट के लिए इंग्लैंड की प्लेइंग इलेवन का हिस्सा हैं।स्टोक्स ने मैनचेस्टर टेस्ट में 141 रनों की पारी खेलने के साथ ही पहली पारी में भारत के पांच विकेट, दूसरी पारी में एक विकेट हासिल किया था। स्टोक्स को उनके इस प्रदर्शन के चलते प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया था।स्टोक्स को ओवल टेस्ट के तीसरे दिन बल्लेबाजी के दौरान मांसपेशियों में खिंचाव आया था जिसके चलते वह रिटायर्ड हट हो गए थे। हालांकि इंग्लैंड की बल्लेबाजी को लड़खड़ाता देख वह बल्लेबाजी करने के लिए उठे और उन्होंने दिन के खेल की समाप्ति तक 77 रन बना लिए थे। अगले दिन स्टोक्स ने अपनी पारी को आगे बढ़ाया और 141 रनों की पारी खेलकर इंग्लैंड को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। हालांकि चौथे दिन स्टोक्स ने एक भी ओवर की गेंदबाजी नहीं की थी लेकिन अंतिम दिन उन्होंने खुद ही इंग्लैंड के लिए गेंदबाजी की शुरुआत करने का फैसला किया।

हमें न बताएं हमें क्या करना है। वहीं इंग्लैंड के हेड कोच ब्रेंडन मैकुलम और मैनेजिंग डायरेक्टर, जो कि सामान्य जूते पहने से पिच के ठीक पास तक जाने दिया गया। चौथे टेस्ट की दूसरी पारी में जब रवींद्र जडेजा 89 और वाशिंगटन सुंदर 80 पर थे तब इन दोनों की टेस्ट को वहीं ड्रां करने की जब इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स की पेशकश को ठुकरा दिया तो उन्होंने उपदेश देते हुए इन दोनों भारतीय बल्लेबाजों की नैतिकता पर इसलिए सवाल उठाए थे क्योंकि वे उन्हें शतक नहीं पूरा करना चाहते थे। अब तो तय है कि ऐसे में सीरीज का पांचवां व आखिरी टेस्ट तो खासा रोचक रहने के साथ मैदान पर भी माहौल गर्म रहने की पूरी आशंका है। इंग्लैंड की कोशिश भारत को पांचवां टेस्ट जीतने व



हेड और हेजलवुड की दक्षिण अफ्रीका सीरीज के लिए वापसी

मेलबर्न, 30 जुलाई (एजेंसियां)। ट्रैविस हेड और जोश हेजलवुड दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू सीरीज के लिए सीमित ओवरों की टीम में वापसी कर चुके हैं, जिससे ऑस्ट्रेलियाई गर्मियों की शुरुआत हो रही है। हेड

और हेजलवुड दोनों को हाल ही में कैरेबियाई दौर पर समाप्त हुई पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए नहीं चुना गया था, जिसे ऑस्ट्रेलिया ने 5-0 से जीता था। वेस्टइंडीज के खिलाफ उस सीरीज के लिए मिशेल स्टार्क और पैट कर्मिस पर भी विचार नहीं किया गया था और व्यस्त घरेलू सीजन से पहले उन्हें आराम दिया जा रहा है। कर्मिस की अनुपस्थिति के

एलएसजी ने भरत अरुण को गेंदबाजी कोच नियुक्त किया

लखनऊ, 30 जुलाई (एजेंसियां)। लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आगामी सीजन के लिए भरत अरुण को अपना गेंदबाजी कोच नियुक्त किया है। पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज, जिन्हें गेंदबाजी कोच के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान भारत की गेंदबाजी इकाई का मार्गदर्शन और प्रेरणा देने का श्रेय दिया जाता है, कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ एक सफल कार्यकाल के बाद एलएसजी में शामिल हुए हैं, जिसमें 2024 का एक विजयी सीजन भी शामिल है। वह 2022 सीजन से शुरू होकर चार साल तक केकेआर में रहे।

केकेआर, एलएसजी और खुद अरुण, इनमें से किसी ने भी इस पर कोई टिप्पणी नहीं की, लेकिन क्रिकबज इस बात की पुष्टि करता है कि अरुण (62) ने संजीव गोयनका की टीम के साथ दो साल का करार किया है, जिसके तहत उन्हें पूरे साल एलएसजी के खिलाड़ियों के साथ काम करना होगा।

टोरंटो ओपन में ज्वेरेव, रुने और मुसेट्टी की जीत

■ **एलेक्जेंडर ज्वेरेव सात बार के एटीपी मास्टर्स 1000 चैंपियन हैं**

टोरंटो, 30 जुलाई (एजेंसियां)। शीर्ष वरीयता प्राप्त एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने अपने कैनेडियन ओपन अभियान की शुरुआत एडम वाटसन को 7-6(6), 6-4 से हराकर की। इस दौरान 28 वर्षीय ज्वेरेव ने पहले गेम में एक बेहद रोमांचक मुकाबले में सेट प्वाइंट हासिल किया। टाई-ब्रेक में 3/5 से पिछड़ने के बाद एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने 5/5 पर एक लंबी रैली के बाद लय हासिल की और बेसलाइन से बेहत्य रिदम के साथ खेलते हुए मुकाबला अपने नाम किया। ज्वेरेव जब 5-3 की बढ़त पर मैच सर्व कर रहे थे, तब उनकी सर्विस टूट गई, लेकिन अगले गेम में उन्होंने हेड हाई वापसी करते हुए एक घंटे 42 मिनट तक



चले मैच को अपने नाम कर लिया। एलेक्जेंडर ज्वेरेव सात बार के एटीपी मास्टर्स 1000 चैंपियन हैं, जिनमें 2017 में कनाडा में मिली खिताबी जीत भी शामिल है। ज्वेरेव अब अपने खिताबों की सूची में एक और नाम जोड़ने की कोशिश में जुटे हैं। एटीपी रैंकिंग में तीसरे नंबर के खिलाड़ी का आला मुकाबला 32वां वरीयता प्राप्त माटेओ अर्नाल्डी से होगा, जिन्होंने

आईसीसी रैंकिंग : अभिषेक शर्मा बने टी-20 फॉर्मेट के नंबर-1 बल्लेबाज, टेस्ट रैंकिंग में जडेजा को बढ़त

■ **422 रेटिंग अंकों के साथ जडेजा ऑलराउंडर्स की लिस्ट में शीर्ष पर बरकरार**

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। मैनचेस्टर में शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन के बाद रवींद्र जडेजा और बेन स्टोक्स ने आईसीसी पुरुष टेस्ट खिलाड़ियों की रैंकिंग में शानदार बढ़त हासिल की है। वहीं, अभिषेक शर्मा टी20 फॉर्मेट में नंबर-1 बल्लेबाज बन गए। चौथे टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ चार विकेट लेने के बाद जडेजा ने भारत की दूसरी पारी में नाबाद 107 रन बनाए। इसी के साथ जडेजा ने ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में शीर्ष पर अपनी बढ़त और मजबूत कर ली। 422 रेटिंग अंकों के साथ जडेजा ऑलराउंडर्स की लिस्ट में शीर्ष पर बने हुए हैं। इस लिस्ट में बांग्लादेश के मेहदी हसन (305 रेटिंग अंक) दूसरे पायदान पर हैं। जडेजा बल्लेबाजों की रैंकिंग में भी पांच पायदान ऊपर चढ़कर 29वें स्थान पर, जबकि गेंदबाजों की रैंकिंग में एक स्थान ऊपर चढ़कर 14वें स्थान पर पहुंच गए हैं। इंग्लैंड के कप्तान स्टोक्स तीन पायदान की छलांग लगाते हुए



ऑलराउंडर्स की फेहरिस्त में तीसरे स्थान पर पहुंच गए। यह दिसंबर 2022 के बाद से उनका सर्वोच्च स्थान भी है। चौथे टेस्ट में इंग्लैंड के कप्तान ने 141 रन की पारी खेली थी। इसके अलावा उन्होंने कुल छह विकेट भी झटके। स्टोक्स बल्लेबाजों की सूची में आठ पायदान ऊपर चढ़कर 34वें, जबकि गेंदबाजों की सूची में 45वें से 42वें स्थान पर पहुंच गए हैं। भारत के ऑफ-स्पिन ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर ने दूसरी पारी में नाबाद 101 रन बनाए और जडेजा के साथ पांचवें विकेट के लिए 203 रनों की अद्दुत साझेदारी करते हुए भारत को टेस्ट ड्रां कराने में मदद की। वह बल्लेबाजों की लिस्ट में आठ पायदान ऊपर चढ़कर 65वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

जिम्बाब्वे टीम में वापस लौटे ब्रेंडन टेलर

■ **जेडसी के प्रबंध निदेशक, गिवमोर मकनोनी ने 39 वर्षीय खिलाड़ी की वापसी का स्वागत किया**

हरारे, 30 जुलाई (एजेंसियां)। अनुभवी बल्लेबाज ब्रेंडन टेलर को न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए जिम्बाब्वे टीम में शामिल किया गया है। भ्रष्टाचार रोधी और डोपिंग रोधी संहिताओं के उल्लंघन के कारण अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा साढ़े तीन साल के निलंबन के बाद यह उनकी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी है।

टेलर पर जनवरी 2022 में प्रतिबंध लगाया गया था, क्योंकि उन्होंने 2019 में दिल्ली की यात्रा के दौरान भारतीय व्यापारियों से 15,000 अमेरिकी डॉलर लिए थे। जिम्बाब्वे में एक निजी टी20 लीग शुरू करने की चर्चा के तहत यह धमराशि ली गई थी, जिसके साथ 20,000 अमेरिकी डॉलर और देने का वादा किया गया था।



आईसीसी ने बाद में खुलासा किया कि टेलर ने संपर्क किए जाने की सूचना देने में देरी की और घर लौटने पर कोकीन के सेवन के लिए ड्रा टेस्ट में भी फेल हो गए।क्रिकबज ने उस समय बताया था कि यात्रा के दौरान, टेलर को एक सैमसंग एस10 फोन, खरीदारी के लिए पैसे और ‘मनोरंजन के लिए कई चीजों’ दी गई। आईसीसी द्वारा अपना फ्रैंसला ली गई थी, जिसके साथ 20,000 अमेरिकी डॉलर और देने का वादा किया गया था।

ब्रेंडन ने अपने जीवन के एक बेहद कठिन दौर का सामना किया है और सच्चा पटचाताप दिखाया है, साथ ही चीजों को सही करने का दृढ़ संकल्प भी दिखाया है : मकनोनी

रखते हुए कहा था कि मैं कई चीजें हो सकता हूँ, लेकिन मैं धोखेबाज नहीं हूँ। अब, अपना निलंबन पूरा करने और एक व्यापक पुनर्वास कार्यक्रम से गुजरने के बाद, टेलर जिम्बाब्वे की राष्ट्रीय टीम में वापस आ गए हैं। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ चल रहे पहले टेस्ट से पहले टीम के साथ प्रशिक्षण शुरू कर दिया है। जेडसी के प्रबंध निदेशक, गिवमोर मकनोनी ने 39 वर्षीय खिलाड़ी को वापसी का स्वागत किया। मकनोनी ने कहा कि ब्रेंडन ने अपने जीवन के एक बेहद कठिन दौर का सामना किया है और सच्चा पश्चाताप दिखाया है, साथ ही चीजों को सही करने का दृढ़ संकल्प भी दिखाया है।

एमएस धोनी बने एको के निवेशक और ब्रांड एंबेसडर

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। टीम इंडिया के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी अब देश की सबसे तेजी से बढ़ती बीमा कंपनी को से जुड़ गए हैं। उन्होंने एको में निवेश करने के साथ ही ब्रांड एंबेसडर की भूमिका भी निभानी शुरू कर दी है। यह साझेदारी दोनों की उस सोच पर आधारित है जो बीमा को हर व्यक्ति के लिए आसान और भरोसेमंद बनाना चाहती है। धोनी ने अपनी फ्रैमिली फर्म मिडाज डील्स प्राइवेट लिमिटेड के जरिए एंको में रणनीतिक निवेश किया है। यह निर्णय इस बात को दर्शाता है कि धोनी को एको के उद्देश्य में दृढ़ आस्था है-एक ऐसा बीमा अनुभव जो सरल हो, आसानी से समझ में आए और आधुनिक भारत के लोगों के लिए सुलभ हो। साझेदारी पर बात करते हुए एम.एस. धोनी ने कहा कि एक ऑटोमोबाइल प्रेमी होने के नाते मुझे हमेशा लगा कि बीमा को बेवजह जटिल बना दिया गया है। एको ने इस उलझन को सुलझाया है। उनकी टेक-फर्स्ट और ग्राहक-केंद्रित सोच वैसी ही है जैसी आज का नया भारत चाहता है। मुझे खुशी है कि मैं एक ऐसे ब्रांड से जुड़ रहा हूँ जो भरोसे और बदलाव पर काम कर रहा है।



अल नासर ने चेल्सी से जोआओ फेलिक्स के साथ दो साल का करार किया

रियाद, 29 जुलाई (एजेंसियां)। पुर्तगाली फॉरवर्ड जोआओ फेलिक्स ने सऊदी अरब के अल नासर क्लब के साथ दो साल का करार किया है। वह यहां राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ी क्रिस्तियानो रोनाल्डो के साथ जुड़ेंगे। 25 वर्षीय फेलिक्स अपने करियर को फिर से पटरी पर लाने की उम्मीद में सऊदी प्रो लीग टीम में शामिल हुए हैं। उनके करियर की शुरुआत 2019 में हुई थी। तब एटलेटिको ने उन्हें 147.3 मिलियन अमेरिकी डॉलर में खरीदा था। तब यह इतिहास का सबसे महंगा ट्रांसफर था।अल-नासर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘एक्स’ पर स्पृहकर का एक छोटा वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा, ‘चलो साथ मिलकर जीते!’ हैं। वीडियो में जोआओ फेलिक्स कहते हैं कि मैं यहां मौजू-मस्ती करने और साथ मिलकर जीतने आया हूँ। 2018 में 17 साल की उम्र में, उन्होंने बेनफिका के लिए पदार्पण किया। उनके लिए वह शानदार सीजन रहा।

साउथ अफ्रीका के रिवलाफ सीमित ओवरों की सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम का ऐलान

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। मिशेल ओवेन को अगस्त में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली घरेलू सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलियाई वनडे टीम में पहली बार शामिल किया गया है। ऑस्ट्रेलिया डार्विन, केर्न्स और मकाय में तीन वनडे और इतने ही टी20 मैचों के लिए दक्षिण अफ्रीका की मेजबानी करेगा। मिशेल ओवेन वनडे और टी20, दोनों ही टीमों में शामिल हैं। ओवेन ने हाल ही में वेस्टइंडीज के खिलाफ सभी पांच टी20 मैच खेले और 192.31 के स्ट्राइक रेट से 125 रन बनाए। अब वह अगले साल भारत और श्रीलंका में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए टीम में जगह बनाने की दौड़ में हैं। ट्रैविस हेड और जोश हेजलवुड दोनों सीमित ओवरों की टीमों में वापसी कर चुके हैं। मैथ्यू शॉर्ट मामूली साइड स्प्रेन से उबरकर टीम में शामिल हैं। पैट कर्मिस की अनुपस्थिति में, मिचेल मार्श वनडे टीम के कप्तान होंगे। इस टीम में कैमरून ग्रीन, जेवियर बार्टलेट और लांस मॉरिस भी शामिल हैं।

सार संक्षेप

सीएएफए नेशंस कप खेलोगी भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम

नई दिल्ली। एएफसी एशियन कप 2027 कालीफायर्स के फाइनल राउंड की तैयारी के तहत भारत की सीनियर पुरुष फुटबॉल टीम सेंट्रल एशियन फुटबॉल एसोसिएशन (सीएएफए) नेशंस कप 2025 में हिस्सा लेगी। यह टूर्नामेंट 31 अगस्त से 8 सितंबर तक आयोजित किया जाएगा। सेंट्रल एशियन फुटबॉल एसोसिएशन ने भारत को इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए आमंत्रित किया है। दउसल, यह टूर्नामेंट फीफा के आधिकारिक कैंटेंडर से बाहर है और मलेशिया ने लॉजिस्टिक्स संबंधी चुनौतियों और खिलाड़ियों की अनुपलब्धता के चलते इसमें हिस्सा लेने से इनकार कर दिया, जिसके बाद भारत को आमंत्रित किया गया। भारत को उज्बेकिस्तान और ताजिकिस्तान की तरफ से संयुक्त रूप से आयोजित द्विवार्षिक सेंट्रल एशियन टूर्नामेंट में शामिल किया गया। उसे गुप-नी में रखा गया है, जो दुशाबे में खेला जाएगा। भारत 29 अगस्त को मेजबान ताजिकिस्तान, 1 सितंबर को ईरान और 4 सितंबर को अफगानिस्तान से खेलेगा। प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें प्ले-ऑफ चरण में पहुंचेंगी, जहां 8 सितंबर को दो मैच खेले जाएंगे।

एवर्टन ने एडम अज्जो को चार साल के अनुबंध पर साइन किया

लिवरपूल। एवर्टन ने बायर्न म्यूनिख से एडम अज्जो का ट्रांसफर पूरा कर लिया है। 19 वर्षीय डिफेंडर ने जून 2029 के अंत तक ब्ल्यूज के साथ चार साल का अनुबंध किया है। मोरक्को के एक सीनियर अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी अज्जोउ बार्सिलोना की प्रसिद्ध ला मासिया अकादमी के युवा खिलाड़ी हैं। एडम ने जर्मनी में रहते हुए बुडेंसलीगा और चैंपियंस लीग में और फिर इस गर्मी में क्लब विश्व कप में भी हिस्सा लिया था। एडम ने एवर्टन टीवी से कहा कि मैं यहां आकर बहुत सुख हूं। मुझे इस टीम का हिस्सा होने पर बहुत गर्व है। उन्होंने मुझे जो प्रोजेक्ट दिया है, वह वाकई बहुत अच्छा है। प्रीमियर लीग दुनिया की सबसे अच्छी लीग है, इसलिए मैं शुरुआत करने के लिए बहुत उत्साहित हूं।एवर्टन के मैनेजर डेविड मोयेस के साथ बातचीत के बाद एडम को तुरंत साइन करने के लिए मना लिया गया। एडम ने बताया कि मोयेस ने मुझसे बात की, उन्होंने मुझे टीम के बारे में बताया मुझसे टीम की उम्मीदों का भी जिक्र किया।

8	2	3	9	1	7	5	4	6
4	6	1	5	8	3	7	2	9
5	7	9	2	4	6	3	8	1
2	8	6	3	7	4	9	1	5
9	1	7	8	2	5	4	6	3
3	4	5	1	6	9	2	7	8
1	5	2	4	3	8	6	9	7
7	3	4	6	9	1	8	5	2
6	9	8	7	5	2	1	3	4

मारपीट करने वाले 4 आरोपी एवं 2 विधि से संघर्षरत बालक सहित 6 लोगों को गरियाबंद पुलिस ने किया गिरफ्तार



राजिम, 30 जुलाई (देशबन्धु)।मंगलवार को भोजराम साहू पिता सुरेश कुमार साहू, उम्र 25 वर्ष पता ग्राम जौँदी,शीतला पारा थाना

–गोबरान नयापारा ,जिला रायपुर के द्वारा थाना आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि सावन माह में अलग–अलग जगह घूम–घूम कर प्रार्थी और उसके दोस्त घटना 28.जुलाई.के शाम को वापस अपने घर लौट रहे थे। सड़क के मोटर सायकल चलाते समय कुछ अज्ञात लोगों से मोटर सायकल चलाने की बात को लेकर विवाद हुआ था। जो सुरसाबांधा बस स्टैंण्ड के पास पहुंचने से बारिश होने के कारण प्रार्थी और उसके दोस्त रैन कोट पहनने के लिये रुके हुये थे। तभी 5–6 व्यक्ति अपने वाहन मो0सा0 से प्रार्थी के पास आकर मोटर सायकल चलाने की बात को लेकर अश्लील गाली–गलौच करते हुए, जान से मारने की वीथ से आरोपीगण द्वारा हाथ, मुक्का एवं धारदार नुकीले वस्तु से प्रार्थी के दोस्त बुद्धेश्वर साहू के पेट में चोट पहुंचाया गया। जिसकी रिपोर्ट पर थाना राजिम में अज्ञात आरोपीगण के विरूद्ध अपराध थारा 296,115(2), 351(3), 190, 190(2), 191(3),109 भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के द्वारा अज्ञात आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी करने के संबंध में निर्देश दिये थे। आरोपीगण को पतासाजी हेतु मुखबीर लगाया गया। जो मुखबीर की सूचना प्राप्त होने पर थाने से पुलिस टीम गठीत कर, आरोपी हरशंकर निषाद उर्फभोला, हर्ष मानिकपुरी उर्फमोनू, ठाकूर राम निषाद, जितेंद्र निषाद एवं दो विधि से संघर्षरत बालक को पुलिस

न्यायालय तहसीलदार सिमगा जिला बलौदाबाजार– भाटपारा (उ.ग.) राजस्व मामले में गोटिस / सूचना

रा.प्र.क्र. 202506210600028 अ/27 वर्ष 2024–25 साहित्म- मोहभण्डु प.ह.नं. 21 तहसील सिमगा प्रांत,

1, अ्रध पिता रामचन्द्र निवासी ग्राम मोहभण्डु तहसील सिमगा, २, लक्ष्मी सनगावि पिता रामचन्द्र निवासी ग्राम खपरकिला तहसील तिल्ला नेवा जिला रायपुर (छ.ग.) 3, कमलपुर पिता रामचन्द्र निवासी ग्राम बिलाडी तहसील तिल्ला नेवा जिला रायपुर (छ.ग.) 4, अम्यालिका पिता रामचन्द्र 5. कुमार बेवा रामचन्द्र दोनों निवासी ग्राम मोहभण्डु प.ह.नं. 21 कालकार ग्राम– मोहभण्डु प.ह.नं. 21 तहसील सिमगा, जिला बलौदाबाजार– भाटपारा (छ.ग.)

आवेदिका उन्मावई पिता रामचन्द्र जाति सनगावी कालकारग्र ग्राम मोहभण्डु प.ह.नं. 21 तहसील सिमगा द्वारा आवेदन पत्र क्रमांक पारा 17८ छ.ग.पू.रा. सहित पेश किया गया है कि ग्राम मोहभण्डु प.ह.नं. 21 रा.नि.मं. हदबन्ध तहसील सिमगा में एक भूमि ख.नं. 284/5, 284/10 रकबा क्रमांक: 0.233, 0.3२9 कुल ख.नं. 02 कुल रकबा 0.672 है. भूमि साहित्म राजस्व नाम पर उपयधपक्षर के नाम पर दर्ज है। उसके भूमि के सहायलेखर पत्रावकाश केबना रामचन्द्र ग्राम मोहभण्डु की खेडकर दुरात पति बना कर अत्यय जकार निवारक कर रही है। उपयधपक्षी का नाम शाहित्म निवारक पर दर्ज होने के कारण उक्त भूमि को विकसा हेतु ख़ुद बीबन झा एवं फसल उत्पन्न विक्रज हेतु अनुविधाा होती है। उपयधपक्षीगण आपस में अंग के आधार पर कोलैद बेवा नाम पन्ध को छेडकर बारबार विभाजन करका अनियत्यर है। आवेदन से ग्राम मोहभण्डु प.ह.नं. 21 रा.नि.मं. हदबन्ध तहसील सिमगा में एक भूमि ख.नं. 284/5, 284/10 रकबा क्रमांक: 0.233, 0.३२९ कुल ख.नं. 02 कुल रकबा 0.672 है. सिधत भूमि का बारबार बारबार खाला विभाजन करने निवेदन किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचारणीय है। उक्त भूमि, प्रकरण में आग आवश्यकर पक्षकार है। प्रकरण में पेशी दिनांक 11-0८-2024 को दिनांक 1१:०0 बजे इस न्यायालय में सुनवाई हेतु नियत है।

अतः प्रकरण में नियत तिथि 11–08–2024 को प्रातः 11:०० बजे आप पत्रावकाश या अपने अधिनका के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना जवाब, आपाति आदि प्रस्तुत कर सकते हैं। निरत तिथि को अनुपस्थित रहने पर आपके विरुद्ध प्रकषणीय कार्यवाही कर प्रकरण में नियमानुसार अग्रिम कार्यवाही किया जावेगा।

आज दिनांक 23-07-20२4 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

तहसीलदार सिमगा

न्यायालय कार्यपालिक दण्डाधिकारी निपनिया, जिला बलौदाबाजार भाटपारा (उत्तीसगढ़)	
ईशतहार	
रा.प्र.क्र.....ब./121 वर्ष 2025 ग्राम मेकरी प.ह.नं. 28 एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिक उत्तरा पटेल पिता श्री सुकांतुर राम पटेल जाति मगर निवासी ग्राम मेकरी प.ह.नं. 28 तहसील भाटपारा जिला बलौदाबाजार भाटपारा के द्वारा अपने पुरो महेश पटेल पिता श्री चतुराग पटेल का जन्म दिनांक 29/09/2011 (स्थान) ग्राम मेकरी के जन्म का पंजीवन करने हेतु रजिस्ट्रार जन्म/मृत्यु सचिव ग्राम पंचायत मेकरी तहसील भाटपारा जिला बलौदाबाजार भाटपारा (छत्तीसगढ़) को जन्म/मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1९६९ एवं छ.ग. ग. जन्म/मृत्यु रजिस्ट्रीकरण नियम 2००1 के नियम ९ (३) के तहत निर्देश हेतु शपथपत्र, अनुपलब्धता प्रमाण पत्र एवं सरपंच के प्रमाण पत्र सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है तथा दिनांक 14/08/25 को सुनवाई हेतु नियत है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को किसी प्रकार की कोई दावा/आपति पेश करना हो तो नियत पेशी तारीख 14/8/25 तक स्वयं या अपने अधिभाषक या वैध प्रतिनिधि के माध्यम से दावा/आपति प्रस्तुत कर सकते हैं।नियत अवधि के पश्चात् प्राप्त दावा/आपति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। यह ईशतहार आज दिनांक 25/07/25 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर सहित जारी किया।	
कार्यपालिक दण्डाधिकारी निपनिया (उत्तीसगढ़)	सील

NAME CHANGE

It is informed to the general public that I, NAYANA D/O TOSHAN PRASAD resident of MAKAN NO 566, WARD NO 14, SARAIPALI ROAD, SARSINWA, SARSIWA, BALODA BAZAR (CG)-493559 have changed my old name NAYANA D/O TOSHAN PRASAD so in future I should be recognized by my new name that is NAYNA AGRAWAL D/O TOSHAN PRASAD AGRAWAL in all Government and other documents.

NAYNA AGRAWAL
MAKAN NO 566, WARD NO 14, SARAIPALI ROAD, SARSINWA, SARSIWA, BALODA BAZAR (CG)-493559

मोटर सायकल चलाने की बात को लेकर गाली गलौचकर जान से मारने की नियत से

भोजराम साहू एवं उनके साथी बुद्धेश्वर साहू के साथ मारपीट करना बताये। प्रकरण में विवेचना के दौरान 25 आम्स एक्ट की धारा जोड़ी गई। आरोपियों के विरुद्ध पर्याप्त साक्ष्य पाये जाने से समक्ष गवाहन के त्वांविध प्रह्लाद निषाद कर अग्रिम कार्यवाही की जा रही है।

येहुऐ गिरफ्तार: गिरफ्तार आरोपी में (1)हरि शंकर निषाद उर्फभोला पिता जितेंद्र निषाद उम्र 18 वर्ष ग्राम कुटीपारा पारागांव थाना गोबरा नयापारा जिला रायपुर, (2) हर्ष मानिकपुरी उर्फमोनू पिता दीपक मानिकपुरी ,उम्र 20 वर्ष पता मैडम चौक कौड़ीपारा ,नयापारा थाना गोबरा नयापारा जिला रायपुर, (3) ठाकूर राम निषाद पिता सियाराम निषाद ,उम्र 21 वर्ष ,पता – राम जानकी मंदिर के पीछे, सोमवारी बाजार नयापारा ,थाना दृ गोबरा नयापारा जिला रायपुर, (4) जितेंद्र निषाद पिता स्वर्गीय प्रह्लाद निषाद, उम्र 21 वर्ष, पता – कौड़ीपारा ,नयापारा थाना– गोबरान नयापारा जिला रायपुर हैं।

न्यायालय कार्यपालिक दण्डाधिकारी निपनिया, जिला बलौदाबाजार भाटपारा (उत्तीसगढ़)	
ईशतहार	
रा.प्र.क्र.....ब./121 वर्ष 2024–2025 ग्राम का नाम कोनी सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक समेलाल निषाद पिता जैतराम निषाद जाति कंचेट निवासी ग्राम कोनी प०ह०न० 23 तहसील भाटपारा जिला बलौदाबाजार भाटपारा के द्वारा अपने पुत्र महेश पिता श्री समेलाल माता का नाम श्रीमती भारमती का जन्म दिनांक 1९०8/2०09 (स्थान) ग्राम कोनी का पंजीवन करने हेतु रजिस्ट्रार जन्म/मृत्यु सचिव ग्राम पंचायत कोनी तहसील भाटपारा जिला, बलौदाबाजार भाटपारा (छत्तीसगढ़) को जन्म/मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1९६९ एवं छ०ग० जन्म/मृत्यु रजिस्ट्रीकरण नियम 2001 के नियम ९ (3) के तहत शपथपत्र, अनुपलब्धता प्रमाण पत्र, सरपंच प्रमाण पत्र, शैक्षणिक प्रमाण पत्र सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है, जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है तथा दिनांक 30/07/25 को सुनवाई हेतु नियत है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को किसी प्रकार की कोई दावा/आपति पेश करना हो तो नियत पेशी तारीख 0६/8/25 तक स्वयं या अपने अधिभाषक या वैध प्रतिनिधि के माध्यम से दावा/आपति प्रस्तुत कर सकते हैं।नियत अवधि के पश्चात् प्राप्त दावा/आपति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। यह ईशतहार आज दिनांक 17/7/25 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर सहित जारी किया।	
कार्यपालिक दण्डाधिकारी निपनिया (उत्तीसगढ़)	सील

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) सिमगा, जिला बलौदाबाजार– भाटपारा (छ.ग.) ईशतहार

रा.प्र.क्र. अ/2, एवं 2024–2025
वाद भूमि ग्राम सिमगा प.ह.नं. 15
एतद द्वारा सर्वसाधारण जनता ग्राम सिमगा प.ह.नं. 15 तहसील सुहेला, जिला बलौदाबाजार–भाटपारा को सूचित किया जाता है कि आवेदक चिमनलाल पिता फेकनरा जाति कौशा निवासी ग्राम सिमगा तहसील सिमगा, जिला बलौदाबाजार–भाटपारा (छ.ग.) द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि ग्राम सिमगा प.ह.नं. 15 तहसील सिमगा स्थित भूमि खसरा प.नं. 1५००९ रकबा 0.03३० है. आवेदक के नाम पर आवेदन अर्भिलेख में दर्ज है। आवेदक उक्त भूमि खसरा नं. 1५००९ रकबा 0.03३० है. को व्यक्तिगत उपयोग हेतु पुरनिधिर्धारण किये जाने आवेदन पत्र शपथ पत्र, बी-1, खसरा, नक्शा प्रति एवं बीनामा की छायावति, तलवाना संलग्न कर प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त आवेदित भूमि को व्यावसायिक प्रयोजन हेतु पुरे निर्धारण किये जाने में जिस किसी भी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा–आपति प्रस्तुत करना हो तो वह स्वयं या अपने अधिषवका के माध्यम से प्रकरण निपता सुनवाई श्रेणी दिनांक 11.08.2025 तक अपना दावा–आपति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के उपरांत प्राप्त आपति–दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

अतएव आज दिनांक 28.07.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा किया गया।

मुहर
अनुविभागीय अधिकारी (रा.) सिमगा

NAME CHANGE	
It is informed to the general public that I, TOSHAN PRASAD S/O RADHAKISHAN AGRAWAL resident of MAKAN NO 566, WARD NO 18, SARAIPALI ROAD, SARSIWA, BALODA BAZAR (CG)-493559 have changed my old name TOSHAN PRASAD S/O RADHAKISHAN AGRAWAL so in future I should be recognized by my new name that is TOSHAN PRASAD AGRAWAL S/O RADHAKISHAN AGRAWAL in all Government and other documents.	
TOSHAN PRASAD AGRAWAL	
MAKAN NO 566, WARD NO 18, SARAIPALI ROAD, SARSIWA, BALODA BAZAR (CG)-493559	

सुन्दरगंज वार्ड के नहरपारा में जलभराव से लोग परेशान

धमतरी, ३० जुलाई (देशबन्धु)। सुन्दरगंज वार्ड के नहरपारा में जलभराव की समस्या गम्भीर रूप ले चुकी है, बारिश के इस मौसम में सड़क जलमग्न है और पानी घरों में घुसने लगा है। निगम के द्वारा

- सड़क जलमग्न, घरों में पानी घुसने की आयी नौबत**
- कांग्रेस के युवा नेता गौतम वाधवानी ने किया निरीक्षण**

निकासी व्यवस्था नहीं करने से यह स्थिति निर्मित हुई, जिसे लेकर लोगों में निगम के प्रति नाराजगी है। लोगों की समस्या से रूबरू होने कांग्रेस के युवा नेता गौतम वाधवानी, देवेद्र देवांगन ने सुंदरगंज वार्ड नहरपारा का दौरा किया।

गौतम वाधवानी ने बताया कि वार्ड में हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं। मूलभूत सुविधा उपलब्ध नहीं है, नहरपार बसी दोनों

नवापारा में रफी नाइट्स का आयोजन आज नेहरू गार्डन के पास स्थित सामुदायिक भवन में

नवापारा राजिम, 30 जुलाई (देशबन्धु)।हिंदी फिल्म उद्योग के मशहूर और लोकप्रिय पार्श्व गायक मोहम्मद रफी की जयंती के अवसर पर आज गुस्वर ३1 जुलाई को संस्था 7 बजे से नेहरू गार्डन के. पास स्थित सामुदायिक भवन में एक शाम रफी के नाम का संगीतमय कार्यक्रम का आयोजन रखा गया है. कार्यक्रम के आयोजक मोहम्मद इकबाल खान व प्रमेन्द्र हैं. जिन्होंने बताया कि उक्त आयोजन के संयोजक पूर्व पालिका अध्यक्ष विजय गोयल,पूर्व पार्षद योगेन्द्र कंसारी, अरविंद देशमुख व नूनन साहू हैं, जिनके विशेष प्रयास से यह सम्भव हो पा रहा है. आयोजकों ने अधिक से अधिक संख्या मे परिवार सहित पहुंच कर इस आयोजन को सप्तर बनाने की अपील किया है. यहां बताया आवश्यक होगा कि पूर्व पालिका अध्यक्ष विजय गोयल द्वारा अपने अध्यक्षीय कार्यकाल में इस प्रकार के सांस्कृतिक आयोजन व खेलकूद के कार्यक्रम का आयोजन कर स्थानीय प्रतिभाओं को मंच प्रदान करते आ रहे हैं.।

न्यायालय तहसीलदार / कार्यपालिका मंजिहूटे, निपनिया (उत्तीसगढ़) ईशतहार	
रा.प्र.क्र.ब./ 121 / वर्ष 2025–26 ग्राम ओटेबंद, प.ह.नं. 4६, तह: भाटपारा एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका राम बाई पटेल पति मालिक राम पटेल निवासी ग्राम ओटेबंद, तहसील भाटपारा, जिला बलौदाबाजार भाटपारा के द्वारा अपनी पुत्री पूजा पटेल (पिता का का नाम मालिक राम पटेल, माता का नाम राम बाई पटेल) का जन्म दिनांक 04/11/2017 को (स्थान) ओटेबंद, तहसील भाटपारा, का जन्म पंजीवन करने हेतु रजिस्ट्रार जन्म-मृत्यु ग्राम पंचायत सचिव ओटेबंद, तहसील – भाटपारा जिला बलौदाबाजार भाटपारा (छत्तीसगढ़) को जन्म-मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1९६९ एवं छत्तीसगढ़ जन्म–मृत्यु रजिस्ट्रीकरण नियम 2001 के नियम ९ (3) के तहत निर्देश हेतु शपथ पत्र अनुपलब्धता प्रमाण पत्र एवं सरपंच के प्रमाण पत्र सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है तथा दिनांक 14/8/25 को सुनवाई हेतु नियत है। अतः उक्त संबंध जिस किसी व्यक्ति / संस्था को किसी प्रकार की कोई दावा–आपति पेश करना हो तो नियत पेशी तारीख 14/8/25 तक स्वयं या अपने अधिभाषक या वैध प्रतिनिधि के माध्यम से दावा/दावा, आपति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आपति प्रस्तुत कर सकते हैं।नियत अवधि के पश्चात् प्राप्त दावा/आपति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। यह ईशतहार आज दिनांक 25.7.25 को न्यायालय के पद मुहर सहित जारी किया। तहसीलदार / कार्यपालिका दण्डाधिकारी निपनिया (छ.ग.)	
NAME CHANGE	
It is informed to the general public that I, NISHAD FATIMA W/O SAYYED KHALIQUE AHMED resident of HOUSE NO.844, WARD NO.4, LAKSHMI PARA, JAMUL, DISTT.-DURG (C.G.) 490024 have changed my old name NISHAD FATIMA W/O SAYYED KHALIQUE AHMED so in future I should be recognized by my new name that is NISHAT FATIMA W/O SAYYED KHALIQUE AHMED in all Government and other documents.	
NISHAT FATIMA	
HOUSE NO.844, WARD NO.4, LAKSHMI PARA, JAMUL, DISTT.-DURG (C.G.) 490024	

आम सूचना	
संघित-बाके मीना चौधारा, प.ह.नं. 20, रा.नि.मं. तोरला, तहसील गोबरा नवापारा, जिला रायपुर स्थित भूमि के संबंध में।	
एतद द्वारा सर्व साधारण जनता को इस आम सूचना के माध्यम से सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार द्वारा विकला/संपत्ति स्थानी अंग्रेज सिंघाणिया पिता स्व. सीध सिंघाणिया पिता श्री.नौद.रंजद पुरपुर से उन्के स्थायित्व व अधिपत्य को कृति भूमि जो बाके मीना ग्राम कुक, प.ह.नं. 02, रा.नि.मं. तोरला, तहसील गोबरा नवापारा, जिला रायपुर में स्थित खसरा क्रमांक 2०8/4, 2०8/5, 212 कुल खसरा 03, रकबा क्रमाशः 0.4०00, 0.६800, 0.९200 कुल रकबा 2.0००0 है. को खरीदने का पक्का सीधा कर दिया है तथा संपत्ति के विक्रय पत्र का पंजीवन किया जना शेष है।	
अतः उक्त संपत्ति के स्वत्व, अधिपत्य एवं अंतरण के सम्बन्ध में किसी भी व्यक्ति, सरकारी व गैर सरकारी संस्था, साहूकार, बैंक, निगम, आदि किसी को भी यदि कोई आपति, उजर, दावा आदि हो तो इस सूचना प्रकाशन से 07 दिनों के भीतर मय सुसंगत दस्तावेज के साथ मेरे सम्मन लिखित आपति प्रस्तुत करें, अन्यथा निर्णीत अवधि के परचाय मेरा पक्षकार उक्त सम्पत्ति के विक्रय पत्र का पंजीवन मेरे पक्षकार अपने पक्ष में निगमादत करा लेगे। निर्णीत अवधि के परचाय को गयी आपति शून्य व नावाज्ज समझी जावेगी एवं मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी।	
अतः सूचना जाने।	
दिनांक- रायपुर (छ.ग.)	
शिलेश पटेल (अधिवक्ता) पता – ऑफिस ५14, स्टूडियो कोम्प्लेक्स सेक्टर- 01, शंकर नगर रायपुर, (छ.ग.) मो.-7०00872987	

न्यायालय नायब तहसीलदार बालोद जिला बालोद (छ.ग.) उद्घोषणा	
रा.प्र.क्र. / 202507240700043/ अ-2० (३) / वर्ष 2०24–2५	
एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कार्यालय कलेक्टर जिला बालोद के पत्र क्रमांक/391/प्र.कले. / 2025 बालोद, एन.0७.07.2025 के अनुसार सहायक संचालक नगर तथा ग्राम निवेश बालोद द्वारा कार्यालय भवन निर्माण हेतु नगर बालोद प.ह.नं. 0६ तहसील बालोद स्थित शासकीय आबादी भूमि ख.नं. ९25/1 (शामिल ९25/2) में से क्षेत्रफल 0.04६4 है. भूमि आवंटन किए जाने बाबत् पत्र प्राप्त हुआ है।	
इस संबंध में यदि किसी व्यक्ति/ संस्था को कोई दावा आपति हो तो दिनांक 04/08/2025 तक प्रस्तुत किया जा सकता है। नियत तिथि उपर्युक्त प्राप्त आपतियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।	
यह उद्घोषणा आज दिनांक 17.०7.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी।	
तहसीलदार मुहर	बालोद जिला-बालोद (छ.ग.)



तरफ की बस्ती में नाली निकासी नहीं होने के कारण लोग बहुत परेशान है। घर के अंदर तक

पानी भरने से सांप, बिच्छू, विषैले जीवों का डर रात भर सोने नहीं दे रहा है। वार्डवासियों ने कहा कि निगम में बैठे जनप्रतिनिधियों को उनकी सुध लेना चाहिए।

न्यायालय भावेश कुमार वही, प्रथम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी रायपुर के प्रथम अतिरिक्त न्यायाधीश तिल्ला जिल्ला- रायपुर (छ.ग.) (समन)	
प्रोसेस क्रमांक 696/25 व्यवहार वाद ए क्रमांक 07/2०24 पैरी तारीख 21/08/2०२५ पूरुणिमा वर्मा	वादी विरुद्ध प्रतिवादीगण बनाम- 01. सुनील कुमार वर्मा पिता यशवंत कुमार वर्मा निवासी हाडासिंग बोर्ड कॉलोनी नरदह, तहसील एवं जिला रायपुर (छ.ग.) 02. प्रियंका वर्मा पिता यशवंत कुमार वर्मा निवासी ग्राम ककरी, तहसील तिल्ला, जिला (छ.ग.) वादी पूरुणिमा वर्मा ने आपके विरुद्ध दावा काले स्वत्व घोषणा, स्थायी निषेधाज्ञा, बंधनता एवं कब्जा हेतु वाद संस्थित किया है। प्रतिवादी सुनील कुमार वर्मा एवं प्रियंका वर्मा आपका स्व न्यायालय में पेशी तारीख 21/08/2025 को दिन के प्रातः 1१:०० बजे वाद का उत्तर देते के लिए उपस्थित होजिए होने के लिए समन किया जाता है आप स्वयं इस न्यायालय में या किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा उत्तरवां हो सकते हैं जिसे सम्पूर्ण अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद से संबंधित सभी सारवाक्य प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होगे तो उक्त वाद की सुनवाई आपके अनुपस्थिति में किया जावेगा। नोट- यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को अस्मकाह हो जाता है तो कार्य स्थगित हो जाता है या पीठसम अतिरिक्त अवसर पर हो तो प्रकरण की सुनवाई ठीक अगले कार्य दिवस पर किया जावेगा। यह आज तारीख २८.०७.2025 को मेरे हस्ताक्षर से अधिकरण की मुद्रा लगा कर दिया गया है। दिनांक 28/०7/2025
भावेश कुमार वही प्रथम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी रायपुर के प्रथम अतिरिक्त न्यायाधीश तिल्ला जिला- रायपुर (छ.ग.) मुहर	

कार्यालय नगर पंचायत माना कैम्प जिला - रायपुर (छ.ग.)

क्र./३०८/लो.नि.वि./न.पं./2०२५–2६
माना कैम्प दिनांक ३०.7.25
संशोधन सूचना
कार्यलीन निविदा सूचना क्र. 385 दिनांक 22/०7/2025 के विस्तृत निविदा सूचना में ‘‘निविदा प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि 12/08/2025 दोपहर ३:०० बजे तक एवं निविदा प्रपत्र खुलने की तिथि एवं समय 12/08/2025 शाम 4:3० बजे के स्थान पर ’’ निविदा प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि 1९/08/2025 दोपहर ३:०० बजे तक एवं निविदा प्रपत्र खुलने की तिथि एवं समय 19/08/2025 शाम 4:३० बजे पढ़ा जावे शेष निविदा यथावत रहेगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर पंचायत माना कैम्प जिला-रायपुर (उ.ग.)	
NAME CHANGE	
It is informed to the general public that I AJAY KUMAR JADHAV S/o late Shri DIGAMBER BABURAO JADHAV resident of Durg (C.G.) PIN code 491001 have changed my old name AJAY KUMAR JADHAV S/O late Shri DIGAMBER BABURAO JADHAV so in future I should be recognized by my new name that is AJAY JADHAV S/O Shri DIGAMBER BABU-RAO JADHAV in all the Government and other documents.	
AJAY JADHAV Wagon R-2 Ganpati Vihar Borsi Durg (C. G.) 491001	

नाम परिवर्तन	
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं पूनम चंद ध्रुव पिता आनंद राम ध्रुव , उम्र 41 वर्ष, जाति-गोंड, निवासी-वार्ड नं 02, ग्राम-परसदा, पोस्ट-खट्टी, तहसील व जिला- महासमुन्द्र (छ.ग.) का हूँ.	
मेरे पुत्र का पूर्ण वास्तविक नाम निकाश ध्रुव है जो उसके जन्म प्रमाण पत्र व अंकसूची में दर्ज है, किन्तु उसके आधार कार्ड में हिमांशी ध्रुव दर्ज है जिसे परिवर्तित कर वास्तविक नाम को दर्ज कराने के संबंध में सक्षम प्राधिकारी के समक्ष शपथ-पत्र प्रस्तुत कर दिया हूँ।	
शपथकर्ता पूनम चंद ध्रुव	

शपथ पत्र	
मैं दयाराम भारती उर्फ गेंदलाल सतनामी, उम्र 67 वर्ष, पिता श्री मिट्टू-राम, जाति सनगावी निवासी-ग्राम पतारी, तहसील राजिम, जिला गरियाबंद छ.ग. का हूँ व सत्यप्रति से शपथपूर्वक निम्नलिखित कथन करता हूँ -	
1. यह कि, उपरोक्त नाम व पते का स्थायी निवासी हूँ।	
2.यह कि, मेरे स्वयं के नाम से भारतीय जीवन बीमा निगम से पालिसी क्रमांक 3834751६9 जारी किया गया है जिसमे मेरा नाम गेंदलाल सतनामी दर्ज है।	
३. यह कि मेरे बैंक खाता, पते कार्ड व आधार कार्ड मे नाम दयाराम भारती दर्ज है।	
4.यह कि, दयाराम भारती व गेंदलाल सतनामी, उक्त दोनों नाम मेरा स्वयं का ही है तथा मुझे दोनों नाम से जाना पहचाना एवं पुकारा जाता है। उक्त दोनों नाम को मैं एक ही व्यक्ति हूँ।	
5.यह कि उक्त नामों के संबंध मे किसी भी प्रकार की विवाद की स्थिति मे सम्पूर्ण जिम्मेदारी मेरी स्वयं की होगी।	
6. यह कि, मेरे स्वयं के नाम से जारी भारतीय जीवन बीमा निगम से जारी पालिसी क्रमांक 3834751६9 में दर्ज नाम गेंदलाल सतनामी के स्थान पर बैंक खाता व आधार कार्ड के अनुसार नाम दयाराम भारती दर्ज किये जाने हेतु निष्पादित कर रहा हूँ।	
शपथकर्ता दयाराम	

NAME CHANGE	
It is informed to the general public that I, KHALEEQ AHMED S/O WAKEEL AHMED resident of HOUSE NO.844, WARD NO.4, LAKSHMI PARA, JAMUL, DISTT.-DURG (C.G.) 490024 have changed my old name KHALEEQ AHMED S/O WAKEEL AHMED so in future I should be recognized by my new name that is SAYYED KHALIQUE AHMED S/O WAKEEL AHMED in all Government and other documents.	
SAYYED KHALIQUE AHMED	
HOUSE NO.844, WARD NO.4, LAKSHMI PARA, JAMUL, DISTT.-DURG (C.G.) 490024	

NAME CHANGE	
It is informed to the general public that I, GEETA RAWLANI W/O RAMCHAND RAWLANI resident of STREET-16, MAHADEV COLONY, IN FRUNT OF ST. XEVIER SCHOOL, SHANTI NAGAR SUPELA BHILAI DISTT.-DURG (C.G.) 490023 have changed my old name GEETA RAWLANI W/O RAMCHAND RAWLANI so in future I should be recognized by my new name that is GEETA DEVI RAWLANI W/O RAMCHAND RAWLANI in all Government and other documents.	
GEETA DEVI RAWLANI	
STREET-16,MAHADEV COLONY, IN FRUNT OF ST. XEVIER SCHOOL, SHANTI NAGAR SUPELA BHILAI DISTT.-DURG (C.G.) 490023	

कार्यालय नगर पंचायत खरोरा, जिला-रायपुर (छ.ग.) 07220-2857०9, E-mail-npkharora@gmail.com क्रमांक / 1५1९ न.प. ला.नि.वि./ 202५–2६ खरोरा, दिनांक 29.०7.2025 ई-प्रोक्वोरमेंट निविदा सूचना नगर पंचायत खरोरा द्वारा एकीकृत पंजीवन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है- सिस्टम टैंडर क्रमांक कार्य का विवरण अनुमानित लागत (रू. लाख में) ऑनलाईन निविदा डाऊनलोड की अंतिम तिथि 172९44 आंगनबाड़ी भवन निर्माण कार्य, केन्द्र क्रमांक-05 खरोरा 11.69 1९-08-2025 1728०9 आंगनबाड़ी भवन निर्माण कार्य, केन्द्र क्रमांक-11 खरोरा 11.69 (Time 5:30 PM) उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा को सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निवि
--

सड़कों में पशुओं को खुला छोड़ने पर पशु मालिकों को होगी सजा और जुर्माना

बिलासपुर, 30 जुलाई (देशबन्धु)। बिलासपुर जिला प्रशासन के निर्देश पर जिले के सभी अनुविभागीय दण्डाधिकारियों द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 प्रभावशील कर दी गई है। इसके तहत कोई भी पशुपालक अपनी पशुओं को खुले में नहीं छोड़ सकेगा। उन्हें अपने सभी पशुओं को बांधकर रखना होगा। अधिनियम का उल्लंघन करने पर कठोर सजा या जुर्माने से दण्डित किया जाएगा। पशु क्रूरता अधिनियम के तहत भी कठोर कार्रवाई की जाएगी।

बिलासपुर जिले के सभी एसडीएम द्वारा जारी अलग-अलग आदेश के अनुसार जिले में राष्ट्रीय राजमार्गों, राज्तीय राजमार्गों एवं स्थानीय मार्गों में लगातार सड़क दुर्घटना घटित हो रही है जिसका एक प्रमुख कारण स्थानीय पशु मालिकों द्वारा लापरवाही व गैरजिम्मेदारीपूर्वक पशुओं को सड़कों एवं सार्वजनिक स्थलों पर स्वतंत्र रूप से छोड़

देना है। इन पशुओं के कारण न केवल आवागमन बाधित होता है, अपितु जनहानि, पशुहानि एवं मालहानि जैसी गंभीर घटना घटित होती है जिससे कानून व लोक शांति व्यवस्था भंग की स्थिति निर्मित होती है। पशुओं के मार्गों में एकत्रित होने से अत्यावश्यक एवं आपातकालीन सेवा देने वाले वाहनों का आवागमन भी गंभीर रूप से प्रभावित होता है।

पशु पालकों द्वारा अपने मवेशियों को सड़कों या सार्वजनिक स्थलों में न छोड़कर उचित प्रबंधन एवं रखरखाव किए जाने से सड़कों पर होने वाली मानव जीवन की क्षति, पशु क्षति, संपत्ति की क्षति से बचाव के साथ ही कानून एवं शांति व्यवस्था की स्थिति निर्मित होने से बचा जा सकता है। सड़क पर एकत्रित पशु न केवल आमजनो के आवागमन

में बाधक या सड़क दुर्घटना का कारण है, अपितु प्रशासनिक समस्या भी बन चुका है। मवेशियों को सड़कों या सार्वजनिक स्थलों में छोड़ देने वाले लापरवाह पशु मालिक इसके लिए जिम्मेदार हैं। पशु मालिकों का इस प्रकार का गैर जिम्मेदाराना एवं लापरवाहीपूर्वक आचरण भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 291 के अंतर्गत तथा पशु क्रूरता अधिनियम, 1960 के अध्याय 3 धारा 11(1) के अंतर्गत दण्डनीय अपराध की श्रेणी में भी आता है।

बिलासपुर जिले के सभी अनुविभागों के विभिन्न मार्गों एवं सार्वजनिक स्थानों में पशु मालिकों द्वारा अपने पालतू पशुओं को स्वतंत्र रूप से छोड़े जाने से रोकने आदेश पारित किए गए हैं। इसके अनुसार पशु पालकों द्वारा छोड़े गए पशुओं से मार्ग अवरुद्ध

न हो एवं जन सामान्य/पशुओं की सुरक्षा तथा सुविधा के साथ-साथ आपातकालीन एवं अत्यावश्यक सेवा के निर्बाध व शांतिपूर्ण ढंग से संचालन तथा कानून-व्यवस्था को दृष्टि से इन क्षेत्रों को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के अंतर्गत प्रतिबंधित किया गया है। आमजन/पशुओं के जीवन की सुरक्षा हेतु तथा जनहित में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के अंतर्गत अनुविभागीय दंडाधिकारियों द्वारा आदेश पारित किए गए हैं कि सभी पशु मालिक अपने पशुओं को बांधकर रखेंगे। पशुओं को मार्गों एवं सार्वजनिक स्थलों पर स्वतंत्र रूप से न छोड़ेंगे, न एकत्रित होने देंगे, अन्यथा भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 291 के अंतर्गत सजा एवं जुर्माने से दण्डित किया जाएगा। साथ ही पशु क्रूरता अधिनियम, 1960 के अध्याय 3 धारा 11 (1) तथा अन्य सुसंगत प्रावधानों के अंतर्गत कठोर कार्रवाई की जाएगी।

वित्त मंत्री ओपी चौधरी आज होंगे अमेरिका रवाना

रायपुर, 30 जुलाई (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ के वित्तमंत्री ओ.पी. चौधरी आज कैबिनेट बैठक के उपरांत सात दिवसीय अमेरिका यात्रा पर रवाना होंगे। इस यात्रा का उद्देश्य अमेरिका में बसे प्रवासी छत्तीसगढ़वासियों से संवाद स्थापित कर उन्हें राज्य के विकास अभियान से जोड़ना है।

वित्त मंत्री चौधरी इस दौरान अमेरिका में रह रहे छत्तीसगढ़ी मूल के नागरिकों को प्रदेश के समग्र विकास में भागीदार बनने के लिए प्रेरित करेंगे तथा उन्हें वर्ष 2047 तक विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण की दिशा में तैयार “छत्तीसगढ़ अंजोर विजन 2047” से अवगत कराएंगे। वे आगामी एनआरआई शिखर सम्मेलन में प्रवासियों की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए भी आमंत्रण देंगे।

अपनी यात्रा के दौरान मंत्री चौधरी अमेरिका में अध्ययनरत छत्तीसगढ़ी युवाओं से संवाद कर

उनके लिए एक सशक्त सपोर्ट सिस्टम के निर्माण की दिशा में सुझाव प्राप्त करेंगे। साथ ही स्टार्टअप के क्षेत्र में कार्यरत युवाओं के अनुभवों को साझा कर उन्हें छत्तीसगढ़ में नवाचार और उद्यमिता के अवसरों से जोड़ने का प्रयास करेंगे। इसके अतिरिक्त, वे निवेशकों और उद्यमियों से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (स्रष्टृ) और संयुक्त उपक्रम (इंफ्रस्ट्रक्चर इंट्रप्रेन्यूअर) की संभावनाओं पर चर्चा करेंगे, जिससे राज्य में आर्थिक विकास को गति मिले।

श्री चौधरी प्रवासी छत्तीसगढ़ियों को राज्य के रजत जयंती समारोह में सहभागी बनने के लिए भी आमंत्रित करेंगे। उनकी यह विदेश यात्रा 7 दिनों की होगी, जिसके दौरान वे विभिन्न शहरों में प्रवासी समुदाय, छात्र, निवेशक और उद्योगपतियों से संवाद करेंगे।



■ प्रवासी छत्तीसगढ़वासियों से मिलकर निवेश और सहभागिता को देंगे नई दिशा

पिथौरा के लापता युवक अमित चौधरी की हत्या की गुत्थी सुलझी चार आरोपी गिरफ्तार, एक फरार

पिथौरा, 30 जुलाई (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले के पिथौरा थाना क्षेत्र में 24 जुलाई से लापता 28 वर्षीय अमित चौधरी की गुमशुदगी का मामला पुलिस ने सुलझा लिया है। यह मामला हत्या का निकला, जिसमें पांच युवकों ने मामूली विवाद के बाद अमित की बेरहमी से हत्या कर शव को पीलवापाली जंगल के नाले में रेत के नीचे दबा दिया और उसकी मोटरसाइकिल को कौडिया जंगल में पेट्रोल डालकर जला दिया। पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जिनमें एक नाबालिग शामिल है, जबकि एक आरोपी राकेश ध्रुव फरार है।

अमित चौधरी के भाई अमन चौधरी ने 24 जुलाई को पिथौरा थाने में शिकायत दर्ज की थी कि अमित दोपहर 12 बजे घर से निकला था और वापस नहीं लौटा। पुलिस ने गुमशुदगी का मामला दर्ज कर जांच शुरू की। तकनीकी अनुसंधान और मोबाइल लोकेशन ट्रैकिंग के आधार पर पुलिस ने मुख्य संदिग्ध पुष्कराज को उड़ीसा के खरियार रोड के पास से हिरासत में लिया। पूछताछ में पुष्कराज ने अपना जुर्म कबूल करते हुए बताया कि उसका अमित के साथ पहले एक ढाबे पर विवाद हुआ था। 24 जुलाई



की रात टप्पा सवईया में अमित को देखकर पुष्कराज, प्रेमन, वेद प्रकाश, राकेश ध्रुव और एक नाबालिग ने मिलकर अमित पर हमला किया। पहले हाथ, मुक़्कों और डंडों से पिटाई की, फिर अधमरे अमित को टेका पुल के पास नदी किनारे ले जाकर दोबारा मारपीट की। प्रारंभिक पोस्टमॉर्टम जांच में पता चला कि अमित के सिर के पिछले हिस्से में धारदार हथियार से गहरी चोट थी, जिससे उसकी मौत हुई। इसके बाद आरोपियों ने शव को नाले में रेत के नीचे दबा दिया

और उसकी मोटरसाइकिल को कौडिया जंगल में जला दिया।

पुलिस ने 29 जुलाई को पीलवापाली जंगल के मोटरसाइकिल की घटनास्थल से मात्र 200 मीटर दूर था। शव की पहचान के लिए अमन चौधरी को बुलाया गया, जो अपने भाई के कपड़ों और शव को देखकर भावनात्मक रूप से टूट गया। मौके पर एसडीएम ओंकारेश्वर सिंह, एसडीओपी अजीत ओगरे, थाना

वन्य प्राणी शिकार के दो आरोपी को न्यायाधिक हिरासत में भेजा गया जेल

वन विभाग की कार्रवाई

बलौदाबाजार, 30 जुलाई (देशबन्धु)। वनमण्डलाधिकारी गणवीर धम्मशील के दिशा-निर्देशन में वन्य आरोपियों की रोकथाम के लिए पूरे वन क्षेत्र में सतत गश्त और निगरानी की जा रही है। इसी क्रम में वन्य प्राणियों के शिकार का प्रयास करते दो आरोपियों को वन विभाग की गश्ती दल द्वारा गिरफ्त में लिया और कार्यवाही करते हुए न्यायाधिक हिरासत में भेजा गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार को रात्रि गश्त के दौरान वन परिक्षेत्र सोनाखान के अंतर्गत असर्नीद परिसर के कक्ष क्रमांक 196 आ.एफ के समीप दो संदिग्ध व्यक्तियों को पकड़ा गया। ग्राम बहेराभावा, असर्नीद, तहसील कसडोल निवासी आरोपी जितेन्द्र कुमार बरिहा, उम्र 20 वर्ष, पिता गौर सिंग बरिहा एवं प्रमोद कुमार बरिहा, उम्र 20 वर्ष, पिता मलितराम बरिहा को अवैध शिकार के इशारे से मोटरसाइकिल क्रमांक सीजी 06 एच बी 9589 से वन क्षेत्र में प्रवेश करते

हुए पकड़ा गया। मौके पर आरोपियों के पास से तीर-कमान, टॉर्च, मोंगरी, चादर आदि शिकार में उपयोग की जाने वाली सामग्रियां भी जब्त की गईं। आरोपियों के खिलाफवन्यप्राणी संरक्षण अधिनियम 1972 एवं संशोधित अधिनियम 2022 की धारा 9, 50, 51 के अंतर्गत कार्रवाई करते हुए पी.ओ.आर. क्रमांक 15639/15 दिनांक 29 2025 को प्रकरण दर्ज किया गया और दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजा गया। वनमण्डलाधिकारी गणवीर धम्मशील ने कहा है कि वन मंत्री के निर्देशानुसार हमारी प्राथमिकता है कि

जंगल और जैव विविधता को किसी भी स्थिति में क्षति न पहुंचे। वन और वन्यजीव से संबंधित किसी भी प्रकार के अवैध कृत्य को कानूनी रूप से कड़ी कार्रवाई के दायरे में लाया जाएगा। कार्रवाई के दौरान परिक्षेत्र अधिकारी सोनाखान सुनीत साहू, प्रशिक्षु आरएफओ नवीन वर्मा, प्रशिक्षु वन क्षेत्रपाल दीपक कौशिक, परिसर रक्षी बुधेश्वर दिवाकर, अश्वनी साहू सहित अन्य कर्मचारी मौजूद थे।

लगातार बारिश से डमरु रोड का बुरा हाल

बलौदाबाजार, 30 जुलाई (देशबन्धु)। न्यूको सीमेंट सोनाडीह से लगा हुआ ग्राम डमरु का लगातार बारिश से रोड बदहाल हो गई है। जिसके चलते इस रोड से पढ़ाई करने के लिए आने जाने वाले छात्र छात्राओं को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। यहां तक कि रोड खराब के चलते में कई पढ़ने वाले छात्र-छात्रा बस्ता सहित गिर चुका है। कई मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति भी गिर चुका है। इस क्षेत्र के जनपद सदस्य प्रमिला साहू, सरपंच बंसीलाल साहू, उप सरपंच विक्रम साहू ने संयुक्त रूप से प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि इस गांव के रोड में जगह-जगह गड्ढा के कारण पानी भरे हुए हैं कई साइकिल मोटरसाइकिल सवार गिर चुका है। दशहरा मैदान से लेकर हाई स्कूल रोड सुभाष चौक से नयापारा रोड बाजार चौक से लेकर बूढ़ा तालाब तक रोड की स्थिति बहुत ही दयनीय है। जगह-जगह गांव में पानी भरने के कारण मच्छर पनप रही है वहीं भरी बरसात में महामारी का भय बना हुआ है विभाग में पता करने पर लट्वा से तारपीशव तक बजट में पास तो बता रहे हैं मगर कब बनेगा यहां लोग आस लगाए बैठे हैं। ग्रामीणों ने संबंधित विभाग के अलावा जिला प्रशासन से इस ओर ध्यान देने की मांग की है ताकि अनहोनी घटना हो सकें।

अब गणित के सवाल, जीवविज्ञान के कांसेप्ट और अर्थशास्त्र की थ्योरी समझना आसान

- रायगढ़ के खरसिया ब्लॉक के तीन स्कूलों को युक्तियुक्तकरण से मिले 11 विषय-विशेषज्ञ व्याख्याता
- 29 एकल शिक्षकीय स्कूलों में हुई शिक्षकों की पदस्थापना



है।

विषय-विशेषज्ञ शिक्षकों की उपलब्धता से छात्रों को अब गणित के जटिल सवाल, जीवविज्ञान के कांसेप्ट और अर्थशास्त्र की गूढ़ थ्योरी को समझने में आसानी हो रही है। विज्ञान और वाणिज्य संकाय के विषयों में विशेषज्ञता बेहद महत्वपूर्ण होती है, जिससे छात्रों की बुनियाद मजबूत होती है। इससे उनकी परीक्षा तैयारी और प्रतियोगी परीक्षाओं में प्रदर्शन दोनों ही बेहतर होने की

संभावना है।

शासकीय हाई स्कूल पामगढ़ में अब हिंदी, अर्थशास्त्र और संस्कृत विषयों के लिए व्याख्याता उपलब्ध हैं। शा. हाई स्कूल छोटे मुड़पार में गणित, भूगोल और संस्कृत विषयों के विशेषज्ञ शिक्षकों की नियुक्ति की गई है। वहीं नगर पालिका शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खरसिया में इतिहास, हिंदी, गणित, अंग्रेजी और जीवविज्ञान के व्याख्याता पदस्थ किए गए हैं।

इसके साथ ही खरसिया ब्लॉक के 29 एकल शिक्षकीय स्कूलों में भी शिक्षकों की नई पदस्थापना की गई है। इससे स्कूलों का संचालन सुव्यवस्थित हुआ है। नए शिक्षा सत्र की शुरुआत के साथ इन स्कूलों में नियमित कक्षाएं लग रही हैं और छात्रों की उपस्थिति में भी वृद्धि देखी जा रही है। पढ़ाई के प्रति उनकी रुचि बढ़ी है और पालकों में भी संतोष का वातावरण है कि अब उनके बच्चों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण और मार्गदर्शन मिल रहा है।

युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया के माध्यम से उन स्कूलों तक शिक्षकों की पहुंच सुनिश्चित की गई है, जो वर्षों से शिक्षक विहीन थे। कम शिक्षकों की स्थिति में कार्यरत थे। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में चल रही इस नीति की व्यापक सराहना हो रही है। पालकों और विद्यार्थियों ने इस पहल के लिए शासन का आभार जताया है।

प्रदेश में अब तक 614.7 मिमी औसत वर्षा

रायपुर, 30 जुलाई (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ में 1 जून से अब तक 614.7 मि.मी. औसत वर्षा रिकार्ड की जा चुकी है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा स्थापित राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदेश में अब तक बलघामपुर जिले में सर्वाधिक 941.1 मि.मी. वर्षा रिकार्ड की गई है। बमेतरा जिले में सबसे कम 318.0 मि.मी. वर्षा दर्ज हुई है। रायपुर संभाग में रायपुर जिले में 566.9 मि.मी., बलौदाबाजार में 546.7 मि.मी., गरियाबंद में 490.9 मि.मी., महासमुंद में 529.3 मि.मी. और धमतरी में 491.7 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है।

बिलासपुर संभाग में बिलासपुर जिले में 657.6 मि.मी., मुंगेली में 669.6 मि.मी., रायगढ़ में 765.2

मि.मी., जांजगीर-चांपा में 837.2 मि.मी., कोरबा में 664.5 मि.मी., गोंरला-पेण्ड्रा-मरवाही 619.8 मि.मी., सारंगढ़-बिलाईगढ़ में 578.8 मि.मी., सक्ती में 709.4 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। दुर्ग संभाग में दुर्ग जिले में 505.0 मि.मी., कबीरधाम में 468.9 मि.मी., राजनांदगांव में 548.3 मि.मी., बालोद में 586.3 मि.मी., मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी में 775.9 मि.मी., खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में 446.3 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है।

सरगुजा संभाग में सरगुजा जिले में 439.4 मि.मी., सूरजपुर में 758.9 मि.मी., जशपुर में 704.0 मि.मी., कोरिया में 696.8 मि.मी. और मनेन्द्रगढ़-चिरमिर-भरतपुर में 650.3 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई

है।

बस्तर संभाग में बस्तर जिले में 713.8 मि.मी., कोंडागांव में 458.2 मि.मी., नारायणपुर में 584.7 मि.मी., बीजापुर में 791.4 मि.मी., सुकमा में 489.4 मि.मी., कांकेर में 627.4 मि.मी., दंतेवाड़ा में 653.0 मि.मी. औ औसत वर्षा रिकार्ड की जा चुकी है।

NECC	31.07.2025 अंदा	मुर्गी	कांकेरल
फार्म	437	68	165
विल्डर	6.00	90	190
डिलीवरी	452	सैकड़	
दर्जन अंदा 78 रु.			
मुर्गी खाद प्रति ट्राली 1000 रु.			
CSPFA			

स्टेशनों पर
सावधानी ज़रूरी

ज्यादातर लोग रेलवे यात्रा करते हुए अपने सामानों की सतर्कता से रक्षा करते हैं। लोग सामानों को इस तरह से रखते हैं कि उनकी नज़रें बनी रहें। लम्बी यात्राएं करने वाले उन्हें सीटों के नीचे जंजीरों से बांधकर रखते हैं। जिनके पास छोटा या एकाध सामान ही होता है वे उन्हें इस प्रकार रखकर सोते हैं कि यदि कोई चोरी करना चाहे तो उन्हें तत्काल पता चल जाये। कोई उन्हें सिरहाने रखकर सोता है तो कोई पैरों के नीचे दबाकर। यह किसी एक राज्य की बात न होकर पूरे देश का मामला है। यात्रियों की तमाम सतर्कता के बावजूद कई तरह की चोरियां होती ही रहती हैं क्योंकि इन कामों को अंजाम देने वाले लोगों की रेकी करते हैं तथा मौके की ताक में रहते हैं। कई बार जिन्हें सहयात्री समझ लिया जाता है, वे भी हाथ साफ कर निकल लेते हैं। अनजान यात्रियों से घुल-मिलकर बातें करना, उनके हाथों से किसी खान-पान की सामग्री का सेवन करना भी लोगों को महंगा पड़ जाता है। निचले दर्जों के डिब्बों में ऐसी घटनाएं ज्यादा होती हैं।

इसमें कोई शक नहीं कि अब लोग सावधानी व सुरक्षित तरीके से यात्राएं करने के हरसम्भव उपाय करते हैं जो कि अच्छी बात है; लेकिन उतना ही ज़रूरी है स्टेशनों पर सतर्क रहना। यात्रियों का बड़ा नुकसान स्टेशनों पर भी होता है। इसके चलते यह भी ज़रूरी हो गया है कि लोग स्टेशनों पर सावधान रहें। बहुत से यात्रियों की आदत होती है प्रत्येक स्टेशन पर उतरकर प्लेटफॉर्म पर चलकदमी करना। फिर जब गाड़ी छूटने लगती है तब वे सरकती हुई ट्रेन में चढ़ते हैं। ऐसे समय उनके मोबाइल या बटुवे निकाल ले जाने या गिरने का खतरा रहता है। ठहरी हुई ट्रेन में डिब्बों की खिड़कियों के पास बैठे यात्रियों के मोबाइल झटक लिये जाने या चोरों द्वारा हाथ डालकर कोई सामान उड़ा लिये जाने के भी वीडियो अक्सर वायरल होते हैं। ऐसी डिब्बों में तो यह खतरा नहीं रहता पर जो लोग खुली खिड़की के पास बैठते हैं उन्हें तब तक मोबाइल का इस्तेमाल नहीं करना चाहिये जब तक कि ट्रेन स्टेशन पर रूकी हो। सामानों को भी खिड़की से दूर या सुरक्षित तरीके से रखना चाहिये। सीट के नीचे की जगह सर्वाधिक सुरक्षित होती है।

सबसे बड़ा खतरा होता है खाद्य सामग्री, पानी, जूस, अखबार, किताबें, दवा आदि लेने के लिये उतरना। कभी ट्रेन छूटती है तो कभी छुट्टे के अभाव में उनका आर्थिक नुकसान होता है। भाग-दौड़ में मोबाइल-बटुवा साफ होना या ट्रेन में रखा उनका सामान चोरी होता है। शुक्रवार को लिंक एक्सप्रेस से बिलासपुर से रायगढ़ (ओडिशा) जा रहा एक यात्री रायपुर स्टेशन पर खाना लेने उतरा। अपने ऐसी कम्पार्टमेंट में पहुंचने पर उसने अपना बैग गायब पाया। शुक्र है कि चोर पकड़ा गया व बैग मिल गया।



कर्मचारी : सर मैंने अपने आधार कार्ड को अपने बैंक अकाउंट से लिंक भी नहीं करवाया, फिर भी मेरे अकाउंट में गैस की 200 रुपए सब्सिडी आ गई।
बॉस - वह सब्सिडी नहीं है, तुम्हारा इंकीमेंट लगा है।

प्रादेशिकी

जगदलपुर-कांकेर-कोण्डागांव-बीजापुर-दंतेवाड़ा

बस्तर जिले को राज्य स्तर पर आकांक्षी जिले का गोल्ड और आकांक्षी ब्लॉक तोकापाल को कांस्य पदक मिला

आकांक्षी जिला और ब्लॉक के संपूर्णता अभियान सम्मान समारोह का आयोजन

जगदलपुर, 30 जुलाई (देशबन्धु)। आकांक्षी जिला और ब्लॉक का संपूर्णता अभियान सम्मान समारोह का आयोजन शहर के श्यामा प्रसाद मुखर्जी सभागार (टाउन हॉल) में बुधवार को किया गया। कार्यक्रम में महापौर संजय पाण्डेय ने आकांक्षी जिला और आकांक्षी ब्लॉक संपूर्णता अभियान के लिए काम करने वाले सभी अधिकारियों को बधाई दी। साथ ही उन्होंने स्वच्छता अभियान में सभी को सहयोग करने की अपील की। कार्यक्रम में संपूर्णता अभियान को सफल बनाने में सहयोग देने वाले विभाग स्वास्थ्य, शिक्षा, समग्र शिक्षा, कृषि विभाग, महिला एवं बाल विकास और पंचायत विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों को अतिथियों द्वारा प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। आकांक्षी ब्लॉक तोकापाल विकासखंड को कांस्य पदक दिया गया जिसे सीईओ जनपद पंचायत

के नेतृत्व में विकासखंड के अन्य अधिकारियों ने सामूहिक रूप से ग्रहण किया। बस्तर जिले को आगामी 2 अगस्त को रायपुर में आयोजित कार्यक्रम में आकांक्षी जिला का राज्य स्तरीय गोल्ड पदक प्रदान किया जाएगा। कार्यक्रम में कलेक्टर हरिस एस ने बताया कि नीति आयोग के द्वारा आकांक्षी जिला एवं आकांक्षी विकासखंड के अंतर्गत सम्पूर्णता अभियान 4 जुलाई से 30 सितम्बर 2024 संचालित किया गया था। जिसका मुख्य उद्देश्य 6 सूचकांकों में सम्पूर्णता प्राप्त करना था। स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, कृषि, महिला सशक्तिकरण के अंतर्गत 6 इंडिकेटर में शत-प्रतिशत



उपलब्धि प्राप्त करना था। इस सम्पूर्णता अभियान के सफल संचालन के लिए सकारात्मक परिणाम के साथ हमने बस्तर जिले में महत्वपूर्ण चरण को पूरा किया है। इस अवधि में सभी 6 इंडिकेटर पर कार्य करते हुए ग्रामीण एवं अंदरूनी क्षेत्र मे

लाभार्थियों को सेवा प्रदान किया गया। इस दौरान महिला एवं बाल विकास, स्वास्थ्य विभाग के मैदानी अमलों ने गर्भवती महिलाओं का पंजीयन, शिशु टीकाकरण, पोषण योजना से जोड़ने का काम किए। कृषि विभाग द्वारा स्वाईल हेल्थ

कार्ड का समय पर जांच कर किसानों को जानकारी दी गई। शिक्षा विभाग द्वारा विद्यालयों में पाठ्य पुस्तकों का वितरण, बच्चों का नियमित स्कूलों में उपस्थिति सुनिश्चित किया गया। पंचायत विभाग ने कार्यों के क्रियान्वयन करवाने प्रमुख भूमिका निभाई। सभी विभागों के प्रयास से और जनभागीदारी से लक्ष्य को प्राप्त किया गया है और यह निरंतर जारी रहेगा। बस्तर जिला को आकांक्षी जिला के तहत राज्य में गोल्ड तथा आकांक्षी ब्लॉक के तहत तोकापाल को कांस्य पदक मिला है। कार्यक्रम में सभापति खेमसिंह देवांगन, भाजपा जिलाध्यक्ष वेद प्रकाश पांडेय ने भी संबोधित किया। इसके अलावा एमआईसी के सदस्य, अन्य पार्षदगण, पंचायत पदाधिकारियों सहित उप संचालक पंचायत बीरेंद्र बहादुर, जिला शिक्षा अधिकारी बीआर बघेल सहित अन्य अधिकारी और सम्मान प्राप्त कर रहे कर्मचारी उपस्थित थे।

प्रतापदेव वार्ड की सड़क चढ़ी भ्रष्टाचार की भेंट, वार्डवासियों ने जताई नाराजगी

जगदलपुर, 30 जुलाई (देशबन्धु)।



महापौर ने कही जांच कराने की बात

क्षेत्रीय विधायक नगर विकास के लिए जी जान से लगे हुए हैं। विकास कार्यों के लिए राशि स्वीकृत करवाकर ल रहे हैं वहीं ठेकेदारों के द्वारा स्तरहीन निर्माण के चलते विकास कार्यों का लाभ क्षेत्र की जनता को नहीं मिल रहा है। स्तरहीन निर्माण को लेकर जनता में आक्रोश बढ़ रहा है। लोग ठेकेदार पर भ्रष्टाचार का आरोप लगा रहे हैं। ऐसा ही एक मामला प्रतापदेव वार्ड में सड़क दमरी करण का आया है। अभी

कुछ दिन पूर्व ही सड़क का डामरीकरण किया गया था जो उखड़ने लगा है। स्तरहीन निर्माण के चलते गिट्टी में डामर की कमी से

जगदलपुर, 30 जुलाई (देशबन्धु)।



वेटनरी पॉलिटेक्निक, जगदलपुर द्वारा अंगीकृत गोद ग्राम डोगाम में च्यूक पेड़ माँ के नाम ज अभियान पर जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। गोद ग्राम डोगाम, ग्राम पंचायत-जाटम, विकास खंड-जगदलपुर, जिला-बस्तर में ग्रामीणों को पर्यावरण की सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम अंतर्गत वेटनरी पॉलिटेक्निक, जगदलपुर के संकाय सदस्यों एवं छात्र-छात्राओं द्वारा गांव के वार्डों में जाकर च्यूक पेड़ माँ के नाम ज

संबंधी जागरूकता का संदेश दिया गया। साथ ही गांव के विभिन्न स्थान जैसे हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टर - आयुष्मान आरोग्य मंदिर, आंगनवाड़ी

केन्द्र, पूर्व माध्यमिक शाला, डोगाम एवं पंचायत भवन, जाटम में वृक्षारोपण का कार्य किया। एक पेड़ माँ के नाम ज का उद्देश्य हमारी पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना और माताओं और प्रकृति के प्रति हमारे सम्मान और सम्पर्ण को दर्शाता है। इस अभियान में माँ के नाम पर एक पेड़ लगाना और एक स्थायी स्मृति बनाना है >>> शेष पृष्ठ 9 पर >

देश सबका तो फिर एक ईसाई समाज के साथ सरकार अमानवीय दुर्व्यवहार क्यों कर रही : सेमियल नाथ

जगदलपुर, 30 जुलाई (देशबन्धु)।



बस्तर जिला कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष सेमियल नाथ द्वारा प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा गया है कि छत्तीसगढ़ में लगातार अल्पसंख्यकों ईसाई समाज को बीजेपी और आरएसएस के द्वारा प्रताड़ित किया जा रहा है, उनको मारा जा रहा है, उनके चर्च को तोड़ा जा रहा है और उन्हें झूठे धर्मांतरण केस में फंसाया जा रहा है। श्री नाथ ने दुर्ग में दो नव बहनों के झूठे मामले दर्ज कर जेल भेजने की भी कड़ी निंदा की है।

सेमियल नाथ ने कहा है कि डबल इंजन की सरकार में आज छत्तीसगढ़ ईसाई समाज सुरक्षित नहीं है। भाजपा सरकार ने वादा किया था पहले ही सत्र में धर्मांतरण का कानून पास करेंगे और अभी

तक छत्तीसगढ़ में डेढ़ साल सरकार की हो गई है पर क्या हुआ, क्या हो रहा सब सामने है। उन्होंने कहा कि देश सबका तो फिर एक समाज का क्यों नहीं। कांग्रेसी नेता श्री नाथ ने अपना आक्रोश और दुख जताते समाज के दर्द को सामने रखते हुए कहा है- कि यदि ईसाई समाज में किसी व्यक्ति का देहांत हो जाता है तो उन्हें कब्रिस्तान तक भाजपा की

सरकार में दफन विधि करने नहीं दिया जाता है यह बेहद दुख और अमानवीय विषय है। कांग्रेस पार्टी इस तरह के अमानवीयता का विरोध करती है। कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष ने कहा कि इस देश में सबके लिए संविधान है, नियम है परन्तु भाजपा सरकार लगातार संविधान >>> शेष पृष्ठ 9 पर >

महेंद्रकांत व जयराम दास बने विवि मूल्यांकन बोर्ड सदस्य

जगदलपुर, 30 जुलाई (देशबन्धु)।



शहीद महेंद्र का मा विश्वविद्यालय, बस्तर, जगदलपुर द्वारा विश्वविद्यालय के विद्या संबंधी योजना एवं मूल्यांकन बोर्ड में दो सदस्यों को नामनिर्देशित किया गया है। इनमें एकल अभियान के अध्यक्ष महेंद्रकांत सांगापणी हैं। जबकि एक अन्य सदस्य के तौर पर जयराम

दास को नामांकित किया गया है। यह प्रक्रिया छत्तीसगढ़ विश्वविद्यालय अधिनियम, 1973 की धारा 30 (1) (छः) अंतर्गत विद्या संबंधी योजना एवं मूल्यांकन बोर्ड में सदस्यों का नामनिर्देशन विषय पर आधारित है। इस आशय का पत्र कुलपति के नाम राज्यपाल के अवर सचिव ने जारी किया है।

ग्रेंड शिल्पी इंटरनेशनल में दिखेगा कन्नड़ा-छत्तीसगढ़ी संगम

जगदलपुर, 30 जुलाई (देशबन्धु)।

सम्पूर्ण भारत की एकता का उत्सव — भाषाओं, संस्कृतियों और नागरिक सहभागिता का एक ऐतिहासिक संगम। छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र का सांस्कृतिक नगर जगदलपुर 10 अगस्त को एक अद्वितीय और ऐतिहासिक आयोजन का साक्षी बनने जा रहा है। चित्रकोट कन्नड़ा-छत्तीसगढ़ी संगम, जो छत्तीसगढ़ और कर्नाटक के नागरिकों द्वारा स्वयंस्फूर्त रूप से आयोजित एक राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक समरसता का अभिनव प्रयास है। कार्यक्रम का शुरुआत महानदी, कावेरी और तुंगभद्रा के पवित्र जल को चित्रकोट की इन्द्रावती नदी में मिलाकर एक प्रतीकात्मक जल-संगम से होगी, जो भारत माता की सभी संतानों के ऐक्य का जीवंत उदाहरण है। कार्यक्रम की प्रमुख झलकियाँ



एक भारत — श्रेष्ठ भारत के स्वप्न को साकार करें : आकाश वर्मा

कनार्टक के सिरसी की निर्मला हेगड़े की यक्षगान मंडली दक्षिण भारतीय परंपरा की भव्यता को प्रस्तुत करेंगी।

छत्तीसगढ़ की गौरवशाली लोक परंपरा को प्रसिद्ध पंडवानी गायिका ऋतु वर्मा मंच पर जीवंत करेंगी।

हिंदी और कन्नड़ा में गीत प्रस्तुत करेंगी प्रसिद्ध गायिका पद्मिनी ओक।

मंच पर होगी लोकप्रिय अभिनेत्री रश्मिका यादव, जो सांस्कृतिक रंग में आयोजन को और सजीव बनाएंगी।

विचार संगोष्ठी में होंगे प्रमुख विचारक और विशेषज्ञ आईआईएम रायपुर के निदेशक डॉ. राम कुमार काकानी, जो प्रबंधन की दृष्टि से राष्ट्रीय

की बैठक लेते अभी तक के मण्डलस्तर के कार्यों की समीक्षा की एवं आगामी कार्यकर्ताओं को गति देने रूपरेखा पर चर्चा की। भाजपा जिला अध्यक्ष किरण पाण्डेय ने मंगलवार को सरगीपाल मण्डल व बुधवार को बास्तानार मण्डल

को बैठक लेते अभी तक के मण्डलस्तर के कार्यों की समीक्षा की एवं आगामी कार्यकर्ताओं को गति देने रूपरेखा पर चर्चा की। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने जिले के सभी मण्डलों में सक्रियता

बढ़ाते हुये पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को क्षेत्र में ज़मीनी स्तर पर कार्य करने निर्देश दिये हैं, जिसके तहत भाजपा जिला संगठन द्वारा सभी मण्डलों में लगातार बैठकों लेने का क्रम जारी है।

हो सकता है। कृष्णा देवराया, विजयनगर साम्राज्य के 20 वीं पीढ़ी एवं कला और संस्कृति के संयोजक जयदीप कार्णिक, डिजिटल प्रमुख, अमर उजाला डू क्षेत्रीय पत्रकारिता की भूमिका पर विचार विंग कमांडर (सेवानिवृत्त) सुधर्शन, कन्नड़ा लेखक डू विभिन्न क्षेत्रों की साहित्यिक काइयों पर चर्चा। रवि कुमार अय्यर, भारतीय ज्ञान परंपरा के प्रतिष्ठित विद्वान डू दर्शनशास्त्रीय गहराई के साथ संवाद। इस संगम में सम्मिलित होंगे तिरुमला देवराय, जो विजयनगर साम्राज्य की अराविट्ट वंश परंपरा के 21 वीं पीढ़ी के वंशज हैं और भारत के सांस्कृतिक ऐक्य को दर्शाती एक ऐतिहासिक

उपन्यास के लेखक हैं। छत्तीसगढ़ के सृजनशील कलाकारों में शामिल होंगे। प्रख्यात फिल्मकार और लेखक गंगासागर पंडा, तथा छत्तीसगढ़ी फिल्म लेखक और निर्देशक अनुपम वर्मा, जो स्थानीय संस्कृति को राष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुत करेंगे। यह आयोजन केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि भारत माता के सभी भाषाई संतानों की आत्मीयता और एकता का उत्सव मनाएँगे। छत्तीसगढ़ के लोगों द्वारा प्रेरित इस आयोजन में, भारत की अनेक भाषाएँ बोलने वाले आम नागरिक मिलकर कन्नड़ा भाषा — भारत माता की एक सशक्त पुत्री — की गरिमा का उत्सव मनाएँगे। यह कार्यक्रम कोई संस्था द्वारा नहीं, बल्कि एक टीवी न्यूज़ प्रोड्यूसर और छत्तीसगढ़ पुत्र आकाश वर्मा एवं उनकी धर्मपत्नी सोमा महोत्रा वर्मा, एक शिक्षिका जो जम्मू और कश्मीर से संबंध रखती हैं, के द्वारा अपने >>> शेष पृष्ठ 9 पर >

देखाबन्धु

एजेंसी देना है

छत्तीसगढ़ प्रदेश की सर्वाधिक प्रसारित लोकप्रिय व विश्वसनीय अखबार दैनिक **देखाबन्धु** को **कांकेर, केशकाल** में एजेंसी देना है। विज्ञापन, प्रसार व समाचार प्रेषण में रुचि रखने वाले व्यक्ति तत्काल संपर्क करें।

प्रबंधक

मो. 7000480650

पोटाकेबिन, स्कूल निर्माण में देरी पर भड़के कलेक्टर

- ◆कटेकल्याण ब्लाक में निरीक्षण के दौरान दिखी अव्यवस्था
- ◆ठेकेदार को थमायी नोटिस, गुणवत्ता से नहीं करें समझौता
- ◆स्कूल में बच्चों को पढ़ाया और साथ में किया भोजन
- ◆छात्रों की मांगों पर तुरंत कार्रवाई, अमले को दिये निर्देश

दंतेवाड़ा, 30 जुलाई (देशबन्धु) । कलेक्टर कृपाल दुदावत ने आज दंतेवाड़ा एवं कटेकल्याण विकासखंड के स्वास्थ्य केंद्रों एवं शिक्षण संस्थाओं का आकरमिक सघन निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने हर संस्था की बारिकी से जांच की। स्कूलों में बच्चों से बात की, उन्हें पढ़ाया और उनके साथ बैठकर भोजन भी किया। अस्पताल में सुविधाओं की कमी पर भी उन्होंने संबंधित अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिये। कलेक्टर के प्रवास में आज पूरा दिन कटेकल्याण ब्लाक के नाम रहा। उनके साथ सभी विभागों का अमला भी मौजूद रहा। इस क्रम में कलेक्टर द्वारा सर्वप्रथम बालुद ग्राम के समीप शंकीनी नदी में बनाये जा रहे बाईपास पुल का अवलोकन किया और कार्य



में प्रगति लेने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने बालुद एवं पोन्टुम पंचायत स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर (उप-स्वास्थ्य केंद्रों) का अवलोकन किया। कलेक्टर ने उपस्थित स्वास्थ्य अमले को निर्देशित किया कि वय वंदना और आयुष्मान कार्ड के लाभार्थियों के ट्रेसिंग के लिए क्षेत्र में शत-प्रतिशत स्वास्थ्य स्क्रीनिंग सुनिश्चित की जाकर शिविरों का आयोजन करें। तत्पश्चात कलेक्टर ने ग्राम पंचायत मेडोली स्थित पोटाकेबिन का निरीक्षण किया और वहाँ चल रहे निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने कार्यों की धीमी गति और गुणवत्ता पर असंतोष व्यक्त किया। उन्होंने संबंधित ठेकेदार को निर्देशित किया कि सभी कार्यों को मिशन मोड में पूर्ण करते हुए पोटाकेबिन को सर्वसुविधायुक्त और उत्कृष्ट गुणवत्ता वाला बनाया जाए। कलेक्टर ने स्पष्ट रूप से कहा कि बच्चों के लिए बनाए जा रहे इस पोटाकेबिन

में किसी भी प्रकार की लापरवाही या समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को समयबद्ध कार्य पूर्ण करने की सख्त हिदायत भी दी।

इस क्रम में कलेक्टर द्वारा ग्राम परचेली में डीएवी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल निरीक्षण करके बच्चों की शैक्षणिक स्थिति को परखने के लिए स्वयं कक्षा में जाकर गणित और अंग्रेजी के प्रश्न पूछे। बच्चों के उत्तर सुनकर उन्होंने उनके प्रयासों की सराहना की और उन्हें मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया। ग्राम परचेली में डीएवी स्कूल के निरीक्षण के दौरान बच्चों ने कलेक्टर से कुछ बुनियादी सुविधाओं की मांग रखी, जिनमें स्कूल और छात्रावास से जुड़ी आवश्यकताएँ शामिल थीं। कलेक्टर ने बच्चों की बातों को गंभीरता से लेते हुए आरईएस के कार्यपालन अभियंता (ईई), जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) और अन्य संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि बच्चों की माँगों के अनुरूप कार्यों की शीघ्रता से पूरा किया जाए। इस क्रम में कलेक्टर ने कटेकल्याण में निर्माणाधीन एकलव्य विद्यालय, 50 सीटर प्रीमेट्रिक कन्या छात्रावास भवन, आदिवासी पोस्ट मेट्रिक बालक छात्रावास, कस्तुरबा गांधी आवासीय बालिका

विद्यालय का निरीक्षण भी किया साथ ही यहां चल रहे निर्माणाधीन कार्यों को पूरा करने हेतु समय सीमा दिया साथ ही विलम्ब कार्य के लिए ठेकेदार को नोटिस दिए गए।

कलेक्टर ने कटेकल्याण के कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय का निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यालय परिसर, छात्रावास तथा शैक्षणिक व्यवस्थाओं का अवलोकन किया और बच्चियों को दी जा रही सुविधाओं की जानकारी ली। इसके अलावा उन्होंने छात्राओं को मिलने वाले भोजन की गुणवत्ता का जायजा भी लिया और स्वयं भोजन का निरीक्षण कर बच्चों से उनके अनुभव साझा करने को कहा। इसके साथ ही उन्होंने ग्राम गाटम के कन्या पोटा केबिन में कलेक्टर, सीईओ, अपर कलेक्टर, एसडीएम, जनप्रतिनिधि सहित अन्य अधिकारियों ने न्योता भोज के आयोजन के तहत छात्राओं के संग दोपहर का भोजन भी किया। इस मौके पर जिला पंचायत सीईओ जयंत नाहटा, अपर कलेक्टर राजेश पात्रे, एसडीएम मूलचंद चोपड़ा, जनपद सीईओ दंतेवाड़ा, कटेकल्याण, जिला शिक्षा अधिकारी एस.के. अम्बर, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, पीडब्ल्यूडी, आरईएस, पीएमजीएसवाय, पीएचई सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

स्लरी पाइपलाइन के गड़्हे में गिरने से मासूम की मौत

- ◆जिप सदस्य सुलोचना ने परिजनों से की मुलाकात
- ◆पीड़ितों के लिए मांगा मुआवजा
- ◆दर्ज करायी जाएगी एफआईआर

दंतेवाड़ा, 30 जुलाई (देशबन्धु) । जिले में नगरनार से बचेली के बीच चल रहे एनएमडीसी स्लरी पाइपलाइन कार्य एक बार फिर से विवादों में है जिसमें इस कंपनी के लापरवाही से एक घर का चिराग बुझ गया ।

एल एंड टी कंपनी की लापरवाही से एक दुर्घटना घटित हुई जब परसो शाम स्कूल के बाद घर लौट रहे 2 बच्चे इसकी चपेट में आ गए और एक बच्चे की मौके पर ही मौत हो गयी। पाइपलाइन बिछाने के लिए कंपनी ने यहाँ बड़े-बड़े गड्ढे तो खोद दिए पर न तो सूचना बोर्ड लगवाया न ही कोई गार्ड बैठाया है, जिस वजह से एक मासूम की जान चली गयी। ग्रामीणों ने सुलोचना को बताया कि



इससे पहले भी इस जगह पर कई हादसे हो चुके है और जलभराव से पहले भी एक बच्चा इस गड्ढे में गिरकर चोपित हो चुका है

इस पूरे मामले को संज्ञान में लेते हुए आज महिला कांग्रेस की प्रदेश उपाध्यक्ष एवं गौदम ब्लॉक से जिला पंचायत सदस्य सुलोचना कर्मा आज गौदम के हाऊसरनार पंचायत जाकर पीड़ित परिवार से मिलने पहुँची और दुर्घटना स्थल का निरीक्षण कर स्थिति का जायजा लिया । मृतक बालक डिकेश्वर ठाकुर की माँ से मिलकर उन्हें हिम्मत दी और भरोसा दिलाया कि दोषियों को बिल्कुल भी बख्शा नही जाएगा। इस मामले में

सुलोचना ने बयान जारी करते हुए कहा कि यह बालक अपने परिवार का एकलौता बेटा था जो कि आज एक कंपनी की लापरवाही की वजह से हमारे बीच नहीं रहा । सुलोचना ने कहा कि इस मामले में परिवार को उचित मुआवजा भी मिलना चाहिए और दोषियों पर सख्त से सख्त कार्यवाही भी होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि इस मामले में जल्द ही ग्रामीणों के साथ मिलकर एफआईआर करवाई जाएगी और तुरंत उन गड्ढों को भरने के लिए कहा जायेगा ताकि भविष्य के ऐसी कोई दूसरी अप्रिय घटना न हो ।

तुलसी जयंती पर राज्य स्तरीय महोत्सव प्रारंभ

- ◆रिमझिम बारिश में निकली कलश यात्रा
- ◆मुख्य आयोजन आज, चुनिंदा मानस मंडली करेंगी राम का गुणगान

दंतेवाड़ा, 30 जुलाई (देशबन्धु) । गोस्वामी तुलसीदास की जयंती पर राज्य स्तरीय महोत्सव के पहले दिन दंतेवाड़ा नगर में कलश यात्रा निकाली गई। पहली बार यह राज्य स्तरीय आयोजन किया जा रहा है।

श्री तुलसी मानस प्रतिष्ठान छत्तीसगढ़ द्वारा हर साल



अलग-अलग जिलों को मेजबानी दी जाती है। इसी क्रम में इस बार दंतेवाड़ा में आयोजन का निर्णय लिया गया। आयोजन के ठीक एक दिन पूर्व नगर में भव्य कलश यात्रा निकाली गई। गायत्री मन्दिर से हनुमान

मंदिर तक रिमझिम बारिश की फुहारों में भीगते हुए श्रद्धालु उत्साह से इसमें शामिल हुए। कलश यात्रा वापस कार्यक्रम स्थल मंडका डोबरा मैदान पहुंची। इस आयोजन में शामिल होने अन्य जिलों से भी मानसप्रेमी

भक्तजन यहां पहुंचने लगे हैं। कल गुरूवार 31 जुलाई की सुबह 9 बजे से मंडका डोबरा मंच पर राज्य के विभिन्न हिस्सों से आई चुनिंदा मानस मंडलियों द्वारा राम चरित मानस का पाठ किया जाएगा। साथ ही विद्वान टीकाकार गोस्वामी तुलसीदास के कृतित्व की श्री रामचरित मानस के महात्म्य पर व्याख्यान देंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिले के प्रभारी व वन मंत्री केदार कश्यप, विशिष्ट अतिथि स्थानीय विधायक चैतराम अयामी होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जगदीश देशमुख, प्रदेशाध्यक्ष श्री तुलसी मानस प्रतिष्ठान छत्तीसगढ़ करेंगे।

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में एकांत सलाम का चयन

चारामा , 30 जुलाई (देशबन्धु) । जिला उत्तर बस्तर का केर अंतर्गत संचालित एकलव्य आदर्श विद्यालय में कक्षा सातवीं आठवीं



एवं 9वींके प्रवेश हेतु 27 जुलाई 2025 दिन रविवार को चयन परीक्षा का आयोजन किया गया था जिसमें शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला पिपरीद के माध्यमिक शाला पिपरीद के छात्र एकांत

सलाम का 9वी प्रवेश हेतु चयन हुआ है अध्यापक डेकेन्द्र सिन्हा ने बताया कि पिछले दो सत्रो शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला पिपरीद के बच्चे आवासीय विद्यालय प्रयास में भी सफल हुए हैं।

इस चयन हेतु संस्था प्रमुख नेतु राम साहू ,शिक्षक रुपेश मांडवी ,पूरन सिंह ठाकुर ,लोकेश साहू, डेकेन्द्र सिन्हा विकास साहू एवं सभी शिक्षकों ने इनकी उपलब्धि बधाई दी है।

नागफनी में आयुष शिविर, 125 का उपचार

- ◆नागपंचमी पर प्रेरणादायी आयोजन
- ◆शिविर में पहुंचे विधायक ने की सराहना

दंतेवाड़ा, 30 जुलाई (देशबन्धु) । नागपंचमी पर आज बस्तर के इ कलाँते नाग मंदिर नागफनी में मेला जैसा माहौल रहा। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने मंदिर दर्शन किया और पूजा-अर्चना की।

इसी अवसर पर आयुष विभाग द्वारा निःशुल्क आयुर्वेद शिविर का भी आयोजन किया गया। शिविर में 125 ग्रामीणों का उपचार हुआ। मंदिर दर्शन के लिए



पहुंचे विधायक चैतराम अटामी ने शिविर का निरीक्षण किया और इसे अच्छी पहल बताया। उन्होंने कहा कि इस तरह के निःशुल्क आयुष चिकित्सा शिविर से ग्रामीणों को त्वरित इलाज मिलता है, साथ ही देश की प्राचीन आयुष पद्धति से परिचित होने तथा जुड़ने का मौका भी मिलता है। उन्होंने भविष्य में भी इस तरह के शिविर आयोजित करने की बात कही। नागफनी आयुष शिविर में डॉ. मुकेश तिवारी, डॉ. किशन लाल ठाकुर, नरेश पैकरा, जगदेव साहू, सागर यादव और रोहित यादव ने अपनी सेवाएं दी।

अपनी प्रतिष्ठा के लिए डीएम की प्रतिष्ठा का ख्याल नही: कांग्रेस जिला अध्यक्ष बिसेल नाग

- ◆अबूझमाड़ की वीहडों का नब्ज टटालकर कलेक्टर कर रही विकास कार्य
- ◆अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने वाली कलेक्टर मैडम से सर्व समाज खुश
- ◆भाजपा नेताओं का दाल नहीं गलने पर नेता कर रहे गिरोहबंदी

नारायणपुर, 30 जुलाई (देशबन्धु) । नक्सल प्रभावित नारायणपुर जिले में वीहडों में अंतिम व्यक्ति तक पहुंचकर विकास कार्यों को धरातल तक पहुंचाने वाली कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई को लेकर भाजपा नेताओं के द्वारा गिरोह बंदी की जा रही हैं। सल्लाई और ठेकेदारी के कार्यों में मलाई नहीं मिलने से कलेक्टर की कार्यप्रणाली

पर सवालिया निशान लगाकर भाजपा के नेताओं के द्वारा सामूहिक इस्तीफा देने की बात कही जा रही हैं। अपनी प्रतिष्ठा के लिए धरूकी कुर्सी की प्रतिष्ठा का ख्याल नहीं रखने वाले भाजपा नेता का दाल नहीं गल रहा हैं। इसलिए वह कर्तव्यों का पालन करने वाली तेजतर्र कलेक्टर को हटाने के लिए सरकार पर दबाव बना रहे हैं। उक्त बातें जिला कांग्रेस कमटी के अध्यक्ष बिसेल नाग ने कही हैं। उन्होंने कहा कि आम आदमी से लेकर सर्व समाज को लोग कलेक्टर की कार्य करने की क्षमता से काफी प्रभावित हैं। लोगों की हर छोटी बड़ी समस्याओं को संवेदनशीलता के साथ सुनने



उड़ीयमान कवि स्वपन बोस को मिला भगवती लाल सेन साहित्य रत्न सम्मान



फरसगांव, 30 जुलाई (देशबन्धु) । फरसगांव क्षेत्र के युवा कवि और शिक्षक स्वपन बोस को धमतरी में आयोजित एक गरिमामय समारोह में ऋणगवती लाल सेनज साहित्य रत्न से सम्मानित किया गया। सम्मत साहित्य रज्य अकादमी, छत्तीसगढ़ द्वारा डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की स्मृति में आयोजित इस कार्यक्रम में राज्य भर से आए प्रतिभावान साहित्यकारों को सम्मानित किया गया।

कोंडागांव जिले के जुगानी

कैंप निवासी स्वपन बोस को यह सम्मान साहित्य के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान और समाज में सद्भावना के विकास में उनके प्रयासों के लिए प्रदान किया गया है। प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यपक के रूप में अपनी जिम्मेदारियों के साथ-साथ, बोस ने अपनी कविताओं के माध्यम से साहित्य जगत में एक अलग पहचान बनाई है। यह पहला अवसर नहीं है जब उन्हें सम्मानित किया गया है; इससे पहले भी उन्हें कई प्रतिष्ठित अलंकरणों से नवाजा जा चुका है। इस अवसर पर कवि बोस ने कहा, यह सम्मान मेरे लिए अत्यंत प्रेरणादायक है और मुझे आगे भी साहित्य के माध्यम से समाज सेवा करने के लिए प्रोत्साहित करेगा।

बस्तर (अबूझमाड़) की बेटी ज्योति मांझी: नक्सल छाया से निकलकर छत्तीसगढ़ की संस्कृति रोशन करने निकली

- ◆नक्सलियों ने की थी पीता कि निर्मम हत्या, बेटी ने ठाना नारायणपुर का नाम नक्सलियों के दशहत से नहीं कलकारों की कला से जाने जाएगी
- ◆पवश्री हेमराज मांझी की पोती ने किया कई उत्साहदायक फिल्में में काम, नारायणपुर जिले के लिए गर्व का क्षण



नारायणपुर, 30 जुलाई (देशबन्धु) । जिले के एक छोटे से गांव से निकलकर, कला, आत्मबल और संस्कृति की प्रतीक बन चुकी ज्योति मांझी आज बस्तर की युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा का नाम बन गई हैं। नक्सल पीड़ित क्षेत्र में जन्मी और संघर्षों के बीच पली-बढ़ी ज्योति, कोई साधारण युवती नहीं हैं — वे देश के प्रतिष्ठित पद्मश्री सम्मान प्राप्त हस्तशिल्प गुरु हेमचंद मांझी की पोती हैं। अपनी पारिवारिक विरासत में रचे-बसे लोककला और संस्कारों को उन्होंने आधुनिक मंचों पर आत्मविश्वास के साथ प्रस्तुत किया है। इसी सिलसिले में वे अब आगामी 1 अगस्त को यूट्यूब चैनल ‘बस्तरिया स्टार्स’ पर

रिलीज रहे हों आदिवासी संस्कृति पर आधारित गीत च्छामी आदिवासी ऑन्रज में मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। यह गीत न केवल बस्तर की परंपरा, गर्व और सांस्कृतिक अस्मिता को उजागर करता है, बल्कि आदिवासी युवाओं की बदलती सोच और आत्मसम्मान को भी खूबसूरती से दर्शाता है। गीत के लेखक और गायक डी राज सेठिया तथा गायिका यमुना वट्टी हैं, संगीत तैयार हुआ है मरकाम स्टूडियो फरसगांव में, निर्देशन किया है राकेश ठाकुर ने और नृत्य कोरियोग्राफी आशीष बघेल की है। लोकेश पाणिग्रही और

धर्मेन्द्र साहू ने कैमरावर्क व एडिटिंग द्वारा इस गीत को दृश्यात्मक रूप से जीवंत बनाया है। इस गीत की शूटिंग बस्तर के प्राकृतिक और सांस्कृतिक स्थलों — जैसे चमाई (कोंडागांव), चित्रकूट जलप्रपात, मेंदरी व तारा — पर की गई है, जहां पारंपरिक परिधानों में ज्योति मांझी की भाव-भंगिमाएं, आत्मविश्वास और सांस्कृतिक गर्व दर्शकों का ध्यान आकर्षित करने हैं। उनके नृत्य में केवल सौंदर्य नहीं, बल्कि संघर्ष की एक अनकही कहानी भी झलकती है। आज की युवा पीढ़ी के लिए ज्योति इस बात का जीता-जागता उदाहरण हैं कि सीमित संसाधनों और कठिन परिस्थितियों के बावजूद, अगर जुनून हो, तो अपनी पहचान बनाई जा सकती है। ‘आमी आदिवासी ऑन्र निसर्देह एक गीत है, लेकिन ज्योति मांझी के लिए यह मंच है — अपने अस्तित्व, अपनी संस्कृति और अपनी आवाज़ को पूरे देश के सामने लाने का।

केशकाल खराब सड़क के विरोध में कांग्रेस ने गड़ों में लेटकर किया प्रदर्शन

◆ **केशकाल में नेशनल हाइवे 30 सड़क गायब, केवल तालाब नुमा गड्डे शेष हैं : देवचंद मतलाम**

◆ **सड़कों की दुर्दशा के लिए स्थानीय विधायक एवं प्रशासन जिम्मेदार हैं: बुधराम नेताम**

कोण्डगांव, 30 जुलाई (देशबन्धु)। बस्तर को राजधानी रायपुर से जोड़ने वाली लाइफ लाइन एक नेशनल हाइवे 30 केशकाल में बंद से बदतर हो चुकी है, जिससे आमजन एवं राहगीरों को हो रही भारी परेशानियों को देख, कोंडागांव जिला कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में कांग्रेसजनों ने सड़क के गड्डों में लेटकर, तो वहीं महिला कांग्रेस के पदाधिकारियों ने सड़क में रोपा लगाकर, युवा कांग्रेस के पदाधिकारियों ने मछली जाल फेंककर, तो एनएसयुआई के पदाधिकारियों ने बेसरम का फूल पौधा लगाकर विरोध प्रदर्शन किया। पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष देवचंद मतलाम ने कहा केशकाल से गुजरने वाली नेशनल हाइवे 30 का सड़क गायब है, गड्डे मात्र शेष हैं। इस मार्ग से गुजरने वाले वाहन केवल चलते नहीं, बल्कि डांस करते हैं। स्थानीय



जनप्रतिनिधियों व प्रशासन की लापरवाही का खामियाजा स्थानीय रहवासियों एवं राहगीरों को उठाना पड़ रहा है। इस खराब सड़क के कारण दुर्घटना घटित हो रहे हैं, फिर भी सुध लेने वाला कोई नहीं है। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष

बुधराम नेताम ने कहा सड़कों की इस दुर्दशा के लिए स्थानीय विधायक, प्रशासन एवं भाजपा सरकार जिम्मेदार है, इस मार्ग से होकर गुजरने वाला हर एक राहगीर प्रशासन व स्थानीय जनप्रतिनिधियों को कोसते नहीं थकता और इन सबकी आवाज

प्रशासन के कानों तक पहुंचती भी है, सुनते तो सभी हैं, पर सुध लेने वाला कोई नहीं है। सड़क में डुबकी लगाने जैसे गड्डों के बनना प्रशासन की लापरवाही का नतीजा है। भाजपा की डबल इंजन सरकार में ऐसे ही जुमले कार्य होते हैं। स्थानीय रहवासियों एवं विभिन्न संघ संगठनों ने समय समय पर पत्राचार किए हैं, फिर भी प्रशासन के कानों में जूँ तक नहीं रेंग रहा है, जिसके विरोध में हम आज यहाँ केशकाल सड़क की दुर्दशा को देख प्रदर्शन करने सड़क में उतरे हैं। 29 जुलाई को जैसे ही कोंडागांव जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से प्रशासन को समय पूर्व सूचना मिलती है, वैसे ही प्रशासन आधी रात में जेसीबी से मिट्टी पटाई करने में लग जाता है, परन्तु यह कोई स्थाई समाधान नहीं है। कांग्रेस पार्टी आज गड्डों में बैठकर, डुबकी लगाकर सांकेतिक प्रदर्शन के माध्यम से सरकार की आँख खोलने का काम किया है। महामहिम राज्यपाल एवं मुख्य मंत्री छग शासन के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर बदहाल सड़क के स्थाई समाधान की मांग की गयी है। निकट भविष्य में भी सड़क की ऐसी दुर्दशा रही, तो कांग्रेस पार्टी द्वारा उग्र प्रदर्शन और अनिश्चित समय तक चक्का जाम किए जाने की चेतावनी प्रशासन को दी गयी है। कांग्रेस पार्टी सदैव आमजन की आवाज को बुलंद करने का काम किया है और

आगे भी जनहित में लड़ाई जारी रखेगी। प्रदर्शन के दौरान जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बुधराम नेताम, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष देवचंद मतलाम, जिला कांग्रेस कमेटी के प्रभारी महामंत्री रितेश पटेल, प्रदेश कांग्रेस सचिव सगीर अहमद कुरैशी, कोंडागांव शहर कांग्रेस कार्यकारी अध्यक्ष नरेन्द्र देवांगन, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी केशकाल के कार्यकारी अध्यक्ष रति मरकाम, धनोरा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष रमेश बेलसरिया, जिला कांग्रेस महामंत्री गिरधारी सिन्हा, अनिल उसेंडी, रोशन जमीर खान, जितेंद्र रजक, राजेंद्र ठाकुर, श्रीपाल कटारिया, उमर मेमन, नंदू दीवान, सनी चोपड़ा, मोहसिन खान, ओम प्रकाश मरकाम, चिंता नेताम, सोहेल रजा, प्रेम नाग, सुमिरन सोरी, अरमान मेमन, महिला कांग्रेस कोंडागांव शहर अध्यक्ष श्रीमती हेमा देवांगन, गुणमती नायक, नीलू देवांगन, लेखनी प्रधान, अंजु जोशी, सुरेखा मरकाम, महेश्वरी हिड्को, संगीता नेताम, कुमारी पुंजलता मरकाम, सुनीता कावडे, कांग्रेस आईटी सेल जिला प्रमुख रवि गोवाल, रविन्द्र दीवान, युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष पीतांबर नाग, एनएसयुआई जिला अध्यक्ष पप्पू मंडावी सहित कांग्रेस पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं क्षेत्रवासी शहरवासी भारी संख्या में मौजूद रहे।

एक पेड़ मां के नाम अभियान से पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश



कोण्डगांव, 30 जुलाई (देशबन्धु)। कोंडागांव जिला अंतर्गत ग्राम पंचायत करंजी के शासकीय प्राथमिक शाला डोंगरीपारा में च्यक पेड़ मां के नामज अभियान के तहत पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आयोजन में ग्राम सरपंच विनोद नेताम व सचिव चंद्रिका नाइक के हाथों विभिन्न फलदार व छायादार पौधों का रोपण किया गया। सरपंच विनोद नेताम ने कहा कि अब वृक्षारोपण की साक्षरता इसमें है कि हम लगाए गए पौधों का कितना संरक्षण कर पाते हैं, जबकि रोपित पौधों की प्रारंभिक देखभाल बहुत जरूरी है, ताकि आने वाले समय में वे एक फलदार छायादार वृक्ष बनकर और हमारे पर्यावरण संतुलन को बनाए रख सकें। शिक्षक टी. ऐंकट राव ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण को बनाए रखने के लिए हर व्यक्ति को एक पेड़ मां के नाम अभियान से जुड़कर अधिक से अधिक पौधों का रोपण ही नहीं बल्कि उसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी को भी निभाना चाहिए ताकि हम आने वाली नई पीढ़ी स्वांस लेने के लिए एक स्वच्छ और स्वस्थ वायुमंडल दे सकें। संकुल समन्वयक रमन ठाकुर ने कहा कि आज के समय में वृक्षों का संरक्षण हम सबकी ज़रूरत है। वृक्षों के कटाव से मानव जीवन पर एक गंभीर खतरा मंडरा रहा है, अतः प्रकृति एवं अपने जीवन में हरियाली कायाम रखने के लिए वृक्षारोपण पर विशेष ध्यान देना चाहिए। इस अवसर पर ग्राम पंचायत करंजी के सरपंच विनोद नेताम, शिक्षक टी.ऐंकट राव, सचिव चंद्रिका नाइक, संकुल समन्वयक रमन ठाकुर, उप सरपंच रामचंद्र मरकाम, शिक्षिका सारिका वैष्णव, धनंजय, मदन कौशिक, गोपाल, जुगोबाई, कामेश्वरी, रामबती, छात्र-छात्राएं एवं ग्रामवासी उपस्थित थे।

नेशनल हाईवे 30 पर बैठे और लड़ते नजर आते हैं, मवेशी

मवेशियों की लड़ाई से प्रभावित होता है यातायात, वाहन चालक व राहगिर होते परेशान

कोण्डगांव, 30 जुलाई (देशबन्धु)। नेशनल हाईवे 30 पर मवेशियों के बैठे और मवेशियों की लड़ाई से यातायात के प्रभावित होने तथा वाहन चालक एवं राहगिरों के परेशान होने के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। मवेशियों की लड़ाई से यातायात के प्रभावित होने तथा वाहन चालक एवं राहगिरों के परेशान होने का एक ऐसा ही मामला कोण्डगांव जिले से गुजरने वाली नेशनल हाईवे 30 पर विगत दिनों देखने को मिला, भले इस लड़ाई में कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ, लेकिन जब तक मवेशी आपस में लड़ते रहे यातायात बाधित होता रहा एवं दुपहिया, कार चालक व राहगिर परेशान होते रहे।



यहां उल्लेखनीय है कि नेशनल हाईवे 30 पर ग्राम मसोरा के समीप बने टोल प्लाजा में टोल की वसूली बंदस्तुर जारी है, लेकिन वहीं नेशनल हाईवे 30 के अड़चनों को दूर

करने जिसमें सड़क पर बैठने वाले पशु भी शामिल हैं, के लिए जिम्मेदार टोल प्लाजा प्रबंधक अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करने में नाकाम हैं। जबकि जागरुक नागरिकों

तेज बारिश में भी आंदोलन जारी रखे हुए हैं प्रदर्शनकारी रसोइए, सौंपा ज्ञापन

कोण्डगांव, 30 जुलाई (देशबन्धु)। जिला मुख्यालय कोण्डगांव स्थित डीएनके मैदान में छत्तीसगढ़ स्कूल मध्याह्न भोजन रसोइया संयुक्त संघ द्वारा चलाया जा रहा तीन दिवसीय धरना आंदोलन बुधवार को भी जारी रहा। तेज बारिश के बावजूद कोण्डगांव, केशकाल, माकड़ी, फरसागांव और बड़ेराजपुर ब्लॉक से हजारों की संख्या में रसोइया अपनी मांगों को लेकर धरना स्थल पर डटे रहे। प्रदर्शन के तीसरे और अंतिम दिन एसडीएम अजय उरांव को ज्ञापन सौंपा गया।



धरना स्थल पर उपस्थित रसोइयों का कहना है कि वे वर्षों से न्यूनतम मानदेय में काम कर रहे हैं, जबकि अब उनसे पूर्णकालिक कार्य लिया जा रहा है। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे जिला अध्यक्ष सगराम मरकाम, जिला सचिव शंभू लाल मरकाम, जिला कोषाध्यक्ष कुमार सिंह मरकाम और संरक्षक दयालु भारद्वाज सहित संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि सरकार के चुनावी वादे के अनुरूप 50 प्रतिशत मानदेय वृद्धि शीघ्र दी

जानी चाहिए। इसके साथ ही अंशकालिक से पूर्णकालिक रूप से कार्यरत रसोइयों को कलेक्टर दर पर भुगतान किया जाए और बिना कारण किसी भी रसोइया को कार्य से बाहर न किया जाए। प्रदर्शन में शामिल रसोइयों ने बताया कि जिले में लगभग 3000 रसोइया वर्षों से मध्याह्न भोजन योजना को सुचारु रूप से चला रहे हैं। वर्ष 1995 से सेवा में लगे कई रसोइयों से पहले केवल तीन घंटे का कार्य लिया जाता था, किंतु अब पूरे दिन की ड्यूटी के बावजूद उन्हें मात्र 60 रुपए प्रति दिन के दर से मानदेय मिल रहा है। उन्होंने कहा कि यदि कलेक्टर दर पर भुगतान संभव नहीं है तो इतना मानदेय अवश्य दिया जाए जिससे वे अपने

भारत स्काउट एवं गाइड छत्तीसगढ़ से 36000 राखियां भेजेंगे सैनिक भाइयों के

कोण्डगांव, 30 जुलाई (देशबन्धु)। भारत स्काउट एवं गाइड छत्तीसगढ़ से सैनिक भाइयों के सम्मान में च्यक राखी सैनिक भाइयों के नामज के तहत 36000 राखियां, जिसमें से कोंडागांव से 1000 राखियां देश के बाँदर में तैनात सैनिक भाइयों के सम्मान में सेना मुख्यालय नई दिल्ली भेजे जाने के सम्बन्ध में पवन कुमार साहू जिला मीडिया प्रभारी भारत स्काउट एवं गाइड जिला संघ कोंडागांव द्वारा जानकारी देते हुए बताया गया है कि भारत स्काउट एवं गाइड राज्य मुख्यालय छत्तीसगढ़ के राज्य मुख्य आयुक्त डॉ.सोमनाथ यादव एवं राज्य सचिव कैलाश सोनी के निर्देशानुसार भारत स्काउट एवं गाइड द्वारा रक्षा बंधन के उपलक्ष में हमारे देश के बाँदर में तैनात भारतीय सैनिक भाइयों के सम्मान में च्यक राखी सैनिक भाई के नामज अभियान चला कर सभी जिला, विकास खंड एवं स्थानीय स्तर पर बुलबुल, गाइड, एवं रेंजर बहनें हस्त निर्मित राखी निर्माण कर रक्षा बंधन के पवन पर्व पर च्यक राखी सैनिक भाई के नामज से राज्य मुख्यालय रायपुर भेजे जाएंगे। वहां से राज्य भर से राखियां एकत्रित कर छत्तीसगढ़ से लगभग 36,000 राखियां सेना मुख्यालय नई दिल्ली भेजे जाएंगे। इसका मुख्य उद्देश्य राष्ट्र के प्रति समर्पित होकर सेवा कार्य करने वाले हमारे सैनिकों के प्रति सम्मान जागृत करना है। इसी कड़ी में भारत स्काउट एवं



गाइड जिला संघ कोंडागांव के जिला संगठन आयुक्त भीषभ देव साहू के मार्गदर्शन में 1000 राखियां जिले में संचालित कब-बुलबुल टीम, स्काउट-गाइड एवं रोवर-रेंजर टीम द्वारा हस्त निर्मित राखियां बनाकर जिला मुख्यालय कोंडागांव से राज्य मुख्यालय रायपुर को भेजे जाएंगे। जिसके तहत भारत स्काउट एवं गाइड जिला संघ कोंडागांव के वरिष्ठ सलाहकार ऋषि देव सिंह के नेतृत्व में शा.हायर सेकेंडरी स्कूल दहिकोंगा, चमन लाल सोरी जिला सचिव के नेतृत्व में शा.हायर सेकेंडरी स्कूल मालगांव, कोमल साहू रोवर के नेतृत्व में शा.हायर सेकेंडरी

स्कूल भंडारसिवनी, श्यामलाल कोरौम जिला प्रशिक्षण आयुक्त स्काउट के नेतृत्व में शा.हायर सेकेंडरी स्कूल सिंघनपुर, पुरुषोत्तम निषाद शा.हायर सेकेंडरी स्कूल खालेमुखंड, श्रीमती हेमलता बोगियां शा.हायर सेकेंडरी स्कूल माकड़ी, जितेंद्र झा शा.हायर सेकेंडरी स्कूल आलोर, पवन कुमार साहू जिला मीडिया प्रभारी कब-बुलबुल टीम शा.प्राथमिक शाला मुरारीपारा बड़ेबंदरी, श्रीमती दीपमाला वैष्णव फ्लॉक लीडर कब-बुलबुल टीम शा.प्राथमिक शाला बाजारपारा कोंडागांव का हस्त निर्मित राखी के निर्माण में विशेष सहयोग रहा।

गोंडवाना समाज ने भरी हुंकार: 9 अगस्त विश्व आदिवासी दिवस की तैयारियां जोरों पर, संस्कृति संरक्षण पर जोर!

फरसागांव/विश्रामपुरी , 30 जुलाई (देशबन्धु)। क्या आपने कभी सोचा है कि एक समाज अपनी जड़ों को कितना मजबूत रख सकता है? कोंडागांव जिले के बड़ेराजपुर विकासखंड में स्थित ग्राम पंचायत हरवेल इसका जीता-जागता उदाहरण है! आगामी 9 अगस्त को मनाए जाने वाले विश्व आदिवासी दिवस को लेकर, गोंडवाना समाज समन्वय समिति उपखंड क्षेत्र कार्यालय, गोंडवाना भवन हरवेल में 29 जुलाई, मंगलवार को एक ऊर्जावान बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक का माहौल किसी उत्सव से कम नहीं था, जहाँ समाज के भविष्य को लेकर गहरी चर्चाएं हुईं। गोंडवाना अध्यक्ष मेशोराम मरकाम की दमदार अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में, न सिर्फ



9 अगस्त के भव्य आयोजन पर विचार-विमर्श हुआ, बल्कि पर्व को सफल बनाने के लिए सहयोग राशि जुटाने पर भी गंभीर चर्चा की गई। लेकिन बात सिर्फ पैसों की नहीं थी! उपस्थित पदाधिकारियों ने

जिस मुद्दे पर सबसे ज्यादा जोर दिया, वह था अपनी समृद्ध आदिवासी संस्कृति, रीति-रिवाजों और गोंडी भाषा का संरक्षण। उन्होंने आह्वान किया कि समाज के बच्चे और युवा पीढ़ी अपने घरों में इस

अनमोल विरासत को सीखें। ढोल-मांदरी की थाप पर थिरकते कदम, हुलकी नृत्य का उत्साह और रेला गीत की गूँज डूबे सब इस समाज की पहचान हैं। पदाधिकारियों ने इन पारंपरिक वाद्ययंत्रों और नृत्यों को जीवंत रखने की अपील की, ताकि ये सिर्फ यादों का हिस्सा न बन जाएं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की रीसों में बसें। इसके साथ ही, उन्होंने समाज के सदस्यों को धर्मांतरण से दूर रहने और अपनी मूल पहचान को बनाए रखने के लिए भी आगाह किया। यह एक ऐसा कदम है जो समाज को भीतर से और मजबूत बनाएगा।

इस महत्वपूर्ण अवसर पर उपखंड सचिव और ग्राम पंचायत हरवेल के सरपंच महेश नेताम, बालेंगा सरपंच सुकमन मरकाम, समरश मरकाम, हिरामन नेताम जैसे अनुभवी नेता उपस्थित थे। युवा प्रभाग से अमरलाल मंडावी, बलराम मंडावी, संतोष मंडावी, पंचू राम मंडावी, अजय नेताम और हरिलाल मंडावी जैसे ऊर्जावान युवा भी इस बैठक का हिस्सा बने, जो यह दर्शाते हैं कि समाज अपनी अगली पीढ़ी को कितनी प्राथमिकता दे रहा है। यह बैठक सिर्फ एक औपचारिकता नहीं थी, बल्कि यह गोंडवाना समाज की एकजुटता, सांस्कृतिक गौरव और भविष्य के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का प्रतीक थी। 9 अगस्त को होने वाला विश्व आदिवासी दिवस हरवेल में सिर्फ एक पर्व नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक पुनर्जागरण का दिन होगा!

कोण्डगांव, 30 जुलाई (देशबन्धु)। ग्राम पंचायत बम्हनी के पटेलपारा निवासी गरीब अमरदास मानिकपुरी के कठिन हालात में जीवनयापन कर रहे होने का मामला सामने आया है। गरीब अमीरदास का विवाह वर्ष 2011 में हुआ, उसके दो बच्चे हैं जिनमें से बड़ु बैट देवानंद (कक्षा 5 वीं) और छोटा बैट कैलाश (कक्षा 3 रीं) में पढ़ाई करते हैं। कुछ सालों तक गरीब अमरदास के परिवार की ज़िंदगी सामान्य रही, लेकिन 3 साल पूर्व पत्नी मायके चली गई और अब तक वापस नहीं आई है। पत्नी के जाने के बाद से अमरदास अपने दोनों बच्चों के साथ अपने कच्चे मिट्टी के जिस एक कमरे में रह रहे हैं उसकी हालत भी बेहद जर्जर है। मिट्टी की कमजोर दीवारें और टपकती छत किसी भी समय गिर सकता है और बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती है। लेकिन ऐसे कच्चे



उनकी कठिनाईओं बढ़ा दिया है, जिससे अब उन्हें बच्चों सहित एक ही कमरे में रहकर अपना जीवन बिताने को मजबूर होना पड़ रहा है। वहीं वर्तमान में भी अमरदास अपने दोनों बच्चों के साथ अपने कच्चे मिट्टी के जिस एक कमरे में रह रहे हैं उसकी हालत भी बेहद जर्जर है। मिट्टी की कमजोर दीवारें और टपकती छत किसी भी समय गिर सकता है और बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती है। लेकिन ऐसे कच्चे

कमरे में अपने बच्चों के साथ अमरदास का रहना मजबूरी है। प्रशासन से लगाया मदद की गुहार

स्थानीय लोगों और समाज सेवियों ने प्रशासन से मांग की है कि अमरदास मानिकपुरी को प्रधान मंत्री आवास योजना या अन्य सरकारी योजनाओं के अंतर्गत तुरंत सहायता दी जाए, जिससे अमरदास और उनके बच्चों का भविष्य सुरक्षित हो सके।

कैपिटल ज़ोन

बेटा - मुबारक हो मां। आज मेरी सात जन्म के लिए नौकरी लग गई है।
मां - अच्छा बेटा वह कैसे?
बेटा - क्योंकि मां मुझे एक टीवी सीरियल में काम मिल गया है।



संपादकीय

स्टेशनों पर सावधानी ज़रूरी



ज्यादातर लोग रेलवे यात्रा करते हुए अपने सामानों की सतर्कता से रक्षा करते हैं। लोग सामानों को इस तरह से रखते हैं कि उनकी नज़रें बनी रहें। लम्बी यात्राएं करने वाले उन्हें सीटों के नीचे जंजीरों से बांधकर रखते हैं। जिनके पास छोटा या एकाध सामान ही होता है वे उन्हें इस प्रकार रखकर सोते हैं कि यदि कोई चोरी करना चाहे तो उन्हें तत्काल पता चल जाये। कोई उन्हें सिरहाने रखकर सोता है तो कोई पैरों के नीचे दबाकर। यह किसी एक राज्य की बात न होकर पूरे देश का मामला है। यात्रियों की तमाम सतर्कता के बावजूद कई तरह की चोरियां होती ही रहती हैं क्योंकि इन कामों को अंजाम देने वाले लोगों की रेकी करते हैं तथा मौक़े की ताक में रहते हैं। कई बार जिन्हें सहयात्री समझ लिया जाता है, वे भी हाथ साफ़ कर निकल लेते हैं। अनजान यात्रियों से घुल-मिलकर बातें करना, उनके हाथों से किसी खान-पान की सामग्री का सेवन करना भी लोगों को महंगा पड़ जाता है। निचले दर्जों के डिब्बों में ऐसी घटनाएं ज्यादा होती हैं।

इसमें कोई शक नहीं कि अब लोग सावधानी व सुरक्षित तरीके से यात्राएं करने के हरसम्भव उपाय करते हैं जो कि अच्छी बात है; लेकिन उतना ही ज़रूरी है स्टेशनों पर सतर्क रहना। यात्रियों का बड़ा नुकसान स्टेशनों पर भी होता है। इसके चलते यह भी ज़रूरी हो गया है कि लोग स्टेशनों पर सावधान रहें। बहुत से यात्रियों की आदत होती है प्रत्येक स्टेशन पर उतरकर प्लेटफॉर्म पर चहलकदमी करना। फिर जब गाड़ी छूटने लगती है तब वे सरकती हुई ट्रेन में चढ़ते हैं। ऐसे समय उनके मोबाइल या बटुवे निकाल ले जाने या गिरने का खतरा रहता है। ठहरी हुई ट्रेन में डिब्बों की खिड़कियों के पास बैठे यात्रियों के मोबाइल झटक लिये जाने या चोरों द्वारा हाथ डालकर कोई सामान उठा लिये जाने के भी वीडियो अक्सर वायरल होते हैं। ऐसी डिब्बों में तो यह खतरा नहीं रहता पर जो लोग खुली खिड़की के पास बैठते हैं उन्हें तब तक मोबाइल का इस्तेमाल नहीं करना चाहिये जब तक कि ट्रेन स्टेशन पर रूकी हो। सामानों की भी खिड़की से दूर या सुरक्षित तरीके से रखना चाहिये। सीट के नीचे की जगह सर्वाधिक सुरक्षित होती है।

सबसे बड़ा खतरा होता है खाद्य सामग्री, पानी, जूस, अख़बार, किताबें, दवा आदि लेने के लिये उतरना। कभी ट्रेन छूटती है तो कभी छुट्टे के अभाव में उनका आर्थिक नुकसान होता है। भाग-दौड़ में मोबाइल-बटुवा साफ़ होना या ट्रेन में रखा उनका सामान चोरी होता है। शुक्रवार को लिंक एक्सप्रेस से बिलासपुर से रायगढ़ (ओडिशा) जा रहा एक यात्री रायपुर स्टेशन पर खाना लेने उतरा। अपने एसी कम्पार्टमेंट में पहुंचने पर उसने अपना बैग गायब पाया। शुक्र है कि चोर पकड़ा गया व बैग मिल गया।

मोबाइल ऐप से होगा छात्रों का मूल्यांकन



रायपुर, 30 जुलाई (देशबन्धु)। मिशन उत्कर्ष 2025 के तहत शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत जिले के सभी शालाओं में वीकली टेस्ट लिया जा रहा है। 29 जुलाई से 01 अगस्त तक कक्षा 10वीं एवं 12वीं में प्रथम मासिक टेस्ट लिया जा रहा है। विशेष बात यह है कि सभी शालाओं को प्रश्न पत्र प्रदान किया गया है। साथ ही परिणामों की एन्ट्री एवं विश्लेषण हेतु मोबाइल ऐप बनाया गया है। जिसके माध्यम से कक्षा 10वीं एवं 12वीं के सभी छात्रों के परिणामों का विश्लेषण किया जायेगा।

इसके आधार पर गुणवत्ता में सुधार के लिए अन्य

टोस कदम उठाए जाएंगे। इन सभी परीक्षाओं का प्रश्नपत्र विषय के विशेषज्ञों द्वारा बनाया जा रहा है और अपेक्षाकृत कमजोर परिणाम वाले विद्यार्थियों के लिए विशेष कक्षाएं लगाए जाएंगे। जिनका रिजल्ट शत प्रतिशत होगा। उन विद्यार्थियों के लिए क ले क ट र तथा उच्च अधिकारियों के साथ डिनर का आयोजन किया जायेगा। उल्लेखनीय है कि

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की मंशानुरूप कलेक्टर डॉ गौरव सिंह के निर्देशन में अंतर्गत कक्षा 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट परिणाम का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए मिशन उत्कर्ष 2025 का संचालन किया जा रहा है।

निगम ने बोरियाखुर्द एवं डुंडा में अवैध प्लाटिंग और निर्माण पर की कार्यवाही



रायपुर, 30 जुलाई (देशबन्धु)। आज नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे, रायपुर जिला कलेक्टर डॉक्टर गौरव कुमार सिंह, नगर निगम आयुक्त विश्वदीप के निर्देश पर बोरियाखुर्द एवं डुंडा में हो रही अवैध प्लाटिंग एवं अवैध निर्माण पर रायपुर नगर पालिक निगम

द्वारा कार्यवाही की गई है। यह कार्यवाही अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) रायपुर नंदकुमार चौबे, नगर निवेशक आभाष मिश्रा, जोन 10 जोन कमिश्नर विवेकानंद दुबे, कार्यपालन अभियंता अतुल चौपड़ा, सहायक अभियंता दव्य सुशील अहीर, योगेश यदु, उप

अभियंता रविप्रभात साहू जोन-10 उड़नदस्ता प्रभारी जितेन्द्र कौशिक, सेन्ट्रल उड़नदस्ता प्रभारी मोहम्मद तसव्वर अली एवं रायपुर जिला, पुलिस प्रशासन बल की उपस्थिति में कांदुल रोड जगदम्बा विहार के पास लगभग 10 एकड़ भूमि पर अवैध प्लाटिंग पर कार्यवाही की गई, जिसमें अवैध बाउण्ड्रीवाल को हटाने तथा मार्ग विच्छेदन की कार्यवाही की गयी है।

इसी प्रकार डूण्डा दुर्गा विहार के पीछे लगभग 6 एकड़ भूमि पर की गयी अवैध प्लाटिंग पर मार्ग विच्छेदन की कार्यवाही की गयी है। न्यू संतोषी नगर बोरियाखुर्द में रायपुर नगर निगम से बिना अनुमति के किये गये 16 अवैध भवनों के निर्माण को तोड़ने की कार्यवाही की गयी है।

क्रेडा अध्यक्ष के खिलाफ शिकायत निकली फर्जी सोलर बिजनेस वेलफेयर ने मुख्यमंत्री साय को लिखा पत्र, बोले- ‘आरोप बेबुनियाद’

रायपुर, 30 जुलाई (देशबन्धु)। क्रेडा के अध्यक्ष भूपेन्द्र सक्त्री के विरुद्ध सोशल मीडिया पर प्रसारित फर्जी शिकायत का छत्तीसगढ़ सोलर बिजनेस वेलफेयर एसोसिएशन ने स्पष्ट रूप से खंडन किया है, एसोसिएशन ने शिकायत को दुर्भावनापूर्ण बताते हुए बेबुनियाद करार दिया है।

इमानदार नेतृत्व की छवि को धूमिल करने का प्रयास

संघ की ओर से सीएम विष्णु देव साय के लिखे पत्र में कहा गया है कि जनदर्शन के

माध्यम से प्रस्तुत की गई शिकायत पूरी तरह से असत्य, आधारहीन एवं गुमनाम है, जिसका उद्देश्य केवल एक सशक्त और इमानदार नेतृत्व की छवि को धूमिल करना है।

आगे पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि शिकायती आवेदन में न तो स्पष्ट नाम है, न ही पता या संपर्क जानकारी— जो दर्शाता है कि यह कृत्य किसी शरारती तत्व द्वारा सुनियोजित तरीके से किया गया है।

सक्त्री ने क्रेडा को नई ऊँचाइयों तक पहुंचाया है

संघ ने कहा है कि क्रेडा के साथ कार्यरत समस्त ठेकेदार इकाइयों का यह एकमात्र पंजीकृत संगठन है, और सभी सदस्यों को अध्यक्ष भूपेन्द्र सक्त्री के नेतृत्व और कार्यप्रणाली पर पूर्ण विश्वास है। सक्त्री ने क्रेडा को नई ऊँचाइयों तक पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाई है और



राज्य के सौर ऊर्जा क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है।

फर्जी शिकायतों को प्राथमिकता न दी जाए छत्तीसगढ़ सोलर बिजनेस वेलफेयर एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया है कि इस तरह की फर्जी, गुमनाम और दुर्भावनापूर्ण शिकायतों को गंभीरता से न लेते हुए नस्तीबद्ध करने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, जिससे ईमानदारी से कार्य कर रहे अधिकारियों और संस्थाओं का मनोबल बना रहे।

कांग्रेस और विपक्ष के लोगों ने पूरे देश को धर्मांतरण का अड्डा बना लिया : बृजमोहन

रायपुर, 30 जुलाई (देशबन्धु)। दुर्ग में केरल की दो ननो की गिरफ्तारी मामले में लोअर कोर्ट के बाद सेशन कोर्ट ने याचिका खारिज कर दी है। सेशन कोर्ट ने कहा हमें यह प्रकरण सुनने का अधिकार नहीं है। यह मानव तस्करी से जुड़ा मामला था। जिसमें बिलासपुर हड्ड कोर्ट को सुनवाई के अधिकार है।

वहीं इस मामले में रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने बड़ा बयान देते हुए कहा कि कांग्रेस और विपक्ष के लोगों ने पुरे देश को धर्मांतरण का अड्डा बना लिया है। पुरे देश की डेमोग्राफी को बर्बाद कर रहे हैं, विशेष रूप से जो सेडुल ट्राइब एरिया के आदिवासी को भारी मात्रा में लोग लालच देकर धर्मांतरण करवाया जा रहा है, वहीं सांसद अग्रवाल ने आगे कहा कि छत्तीसगढ़ के दुर्ग में जो नन पकड़ाई है अगर वे केरल की थी तो दुर्ग क्या करने आई थी, प्राथम्य सभा में लोगों को धर्मांतरण के लिए लोगों को प्रवोक करते हुए उनको गिरफ्तार किया गया है। कांग्रेस

इस बात को स्पष्ट करें कि वो धर्मांतरण के पक्ष में है की विरोध में है। देश में धर्मांतरण कानून बना हुआ है, छत्तीसगढ़ में धर्मांतरण कानून है, और उसके तहत उनको गिरफ्तार किया गया है। उनको गिरफ्तार किया गया है। तो विपक्ष के लोगों को छत्तीसगढ़ की जनता को धर्मांतरण करारकर अशांत करने का जो षडयंत्र है उससे बेनकाब किया गया है। कानून अपनी कार्रवाई करेगी। वहां (दुर्ग) केंद्रीय जेल) पर कार्रवाई का जाना और प्रियंका गांधी का सदन में बोलना इस बात को साबित करता है कि वो अपनी मम्मी के धर्म की रक्षा करने के लिए यहां काम कर रही है। उन्होंने सवाल पूछते हुए कहा कि जो लोग विरोध कर रहे हैं वो लोग बताये क्या धर्मांतरण होना चाहिए ? इसके लिए छत्तीसगढ़ में कानून बना हुआ है। और यह कार्रवाई कानून के तहत पुलिस ने की है, कार्रवाई के बाद दूध का दूध पानी का पानी हो जायेगा।



वृंदा करात का सवाल-क्या छत्तीसगढ़ में बजरंग दल और आरएसएस को कानून हाथ में लेकर हिंसा करने की छूट है?



रायपुर, 30 जुलाई (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग में कथित धर्मांतरण और मानव तस्करी के केस में दो ननों की गिरफ्तारी पर छत्तीसगढ़ से लेकर संसद तक बवाल मचा हुआ है। एक तरफ लोकसभा में यह मामला उठा तो दूसरी तरफ सीपीआई (एम) की वृंदा करात के नेतृत्व में केरल के लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट के सांसदों और प्रतिनिधिमंडल ने दुर्ग जेल में दोनों ननों और आदिवासी युवक से मुलाकात की। इसके बाद रायपुर प्रेस क्लब में प्रेस कॉन्फ्रेंस की ओर कहा कि जिस तरह से दोनों ननों के खिलाफ कार्रवाई की गई है, वह गलत है। बजरंग दल के दबाव में रेलवे पुलिस ने दबाव में एफआईआर की है। छत्तीसगढ़ में इस तरह की फर्जी कार्रवाई बढ़ रही है। वहीं, बजरंग दल ने इस कार्रवाई के बाद सरकार के लीपापोती करने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी है।

प्रेस क्लब में पूरे केस को फर्जी बताने के साथ ही वृंदा करात ने सवाल किया क्या छत्तीसगढ़ में कोई अलग कानून है, जिसके तहत बजरंग दल और अरुण जैसे दलों और संगठनों को कानून हाथ में लेकर हिंसा करने का विशेष पावर दिया गया है ? मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से मिलने की कोशिश की, लेकिन सीएम के कैबिनेट बैठक में होने की वजह से दल की मुलाकात नहीं हो सकी।

सीएम को लिखा पत्र, कहा- एफआईआर वापस ले सरकार

लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट में शामिल भाकपा, माकपा और केरल कांग्रेस (मणि) की तरफ से एक पत्र मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को लिखा गया है। यह पत्र मंगलवार को ही लिखा गया था। प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को जेल में ननों से मिलने की अनुमति नहीं देने पर सवाल खड़े किए और इसे जेल नियमावली के खिलाफ बताया। इस पूरी कार्रवाई के दौरान बनाए गए वीडियो के आधार पर कहा कि देश भर में ननों का अपमान, धमकी और डराना-धमकाना शर्मनाक, गैरकानूनी और असंवैधानिक है। यह और भी जटिल है कि कानून हाथ में लेने वालों को आपकी सरकार का संरक्षण प्राप्त है, यही वजह है कि उनकी खुली गुंडागर्दी के खिलाफ कोई एफआईआर दर्ज नहीं की गई है।

क्या छत्तीसगढ़ सरकार ने बजरंग दल और ऐसे ही अन्य संगठनों के तथाकथित कार्यकर्ताओं को कानून हाथ में लेने की इजाजत दे दी है ? इनमें एक महिला भी शामिल थी, जिसने ननों को गंदी गालियां दीं और सुरक्षा एजेंसियों की मौजूदगी में आदिवासियों की पिटाई की। वीडियो साक्ष्य उपलब्ध हैं। उसे इस तरह का व्यवहार करने का संरक्षण किसने दिया ? हम इस शर्मनाक घटना में शामिल सभी लोगों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग करते हैं। एफआईआर का हवाला देते हुए लिखा कि एफआईआर देखकर सीधा पता चल रहा है कि यह एक मनगढ़ंत एजेंडा से प्रेरित दस्तावेज है।

राजनीति गलत, कानून अपना काम कर रहा : विजय शर्मा उपमुख्यमंत्री और गृहमंत्री विजय शर्मा ने बुधवार को कहा कि दुर्ग जीआरपी थाने में एफआईआर हुई है। बयान के आधार पर एफआईआर हुई है और उसका आधार पर पुलिस के पास है। अबूझमाड़ के क्षेत्र की लड़कियों को ये दोनों नन ले जा रही थीं। ऐसी घटनाएं कुछ वर्षों में बढ़ी हैं, इसलिए ये जांच का विषय है। कानून अपना काम कर रही है। वहीं, प्रदेश के दूसरे डिटी सीएम अरुण साव ने कहा कि इस तरह के मामले में राजनीति नहीं करनी चाहिए।

सकार लीपापोती करेगी तो उग्र आंदोलन करेगा : बजरंग दल

बजरंग दल के प्रांत संयोजक ऋषि मिश्रा ने कहा है कि इस मामले में सरकार लीपा पोती करेगी, तो प्रदेशभर में उग्र आंदोलन और चक्का जाम किया जाएगा। प्रदेश भर में क्रिश्चियन धर्मांतरण कर रहे हैं। ऐसे में अगर ननों की गिरफ्तारी के केस में सरकार लीपापोती की कोशिश करेगी, तो पूरे प्रदेश में आंदोलन किया जाएगा।

40 सालों से गरीबों की सेवा कर रहे हैं। सेवा करने वाले लोगों के साथ पुलिस के सामने जो व्यवहार किया गया, एक नागरिक होने के नाते हमारा सिर शर्म से झुक गया है। वृंदा करात ने बताया कि ननों से बातचीत में उन्हें पता चला कि उन दोनों ननों को विदेशी बताया गया। उनसे बड़ी बदतमीजी की गई है। इससे पता चलता है कि छत्तीसगढ़ में कानून व्यवस्था की स्थिति बड़ी खराब हो गई। वृंदा करात ने कहा कि मामले की जांच होनी चाहिए थी। मानव तस्करी पर कानून बनवाने वाले हम लोग हैं। हमें पता है मानव तस्करी क्या होती है। हमने जो एफआईआर पढ़ी है, उससे यह पता चलता है कि यह पूरा केस मनगढ़ंत कहानियों का आधार पर बनाया गया है। युवतियां नौकरी ढूंढने कहीं भी और किसी के साथ भी जा सकती हैं। लेकिन, फर्जी केस बनाने के बाद उन युवतियों पर दबाव बनाया जा रहा है। आदिवासी लड़कियां गरीब हैं, जिन्हें गलत तरीके से प्रशासन ने बंधक बनाकर रखा है। बजरंग दल द्वारा छत्तीसगढ़ बंद करने के बयान पर वृंदा करात ने कहा कि छत्तीसगढ़ बंद हो सकता है। लेकिन, संविधान बंद नहीं होगा। एलडीएफ के प्रतिनिधिमंडल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मांग की गई है कि दोनों ननों के खिलाफ की गई एफआईआर को कोर्ट में वापस लिया जाए और बिना शर्त उनकी रिहाई कराई जाए। इसके अलावा ननों पर हमला करने और उनके साथ आदिवासियों की पिटाई करने वालों की गिरफ्तारी हो। जिन युवतियों के तस्करी करने का आरोप ननों पर लगा है, उन्हें तत्काल माता पिता को सौंपने की मांग भी की है।

राज्यपाल रमेन डेका ने एक वर्ष का कार्यकाल किया पूरा

रायपुर, 30 जुलाई (देशबन्धु)। राज्यपाल रमेन डेका का छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के रूप में एक वर्ष का कार्यकाल पूर्ण हो गया। इस दौरान उन्होंने प्रदेशवासियों के हित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अपने संवैधानिक दायित्वों का निर्वहन किया है। वे प्रदेश के जनजातीय समुदायों, महिलाओं, बुजुर्गों, युवाओं, माताओं, बच्चों, दिव्यांगों सहित सभी वर्गों को बेहतरी और कल्याण के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। छत्तीसगढ़ वासियों का अत्यंत सरल, सहज व्यवहार उन्हें प्रेरणा देता है। वे जितने सरल और सहज हैं उतने ही जनता से जुड़े हुए भी हैं। छत्तीसगढ़ की संस्कृति एवं परंपराएं उन्हें उनके गृह प्रदेश असम की याद दिलाती हैं और वे इसे लेकर गर्व महसूस करते हैं। श्री डेका ने छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के रूप में केवल औपचारिक भूमिकाओं तक सीमित न रहकर, राज्य के हर जिले में जाकर वहां की धरातलीय परिस्थितियों को स्वयं देखा, सुना और समझा। प्रदेश के सभी 33 जिलों का दौरा उन्होंने कर लिया है। गांव, कस्बे में जाकर लोगों से सीधे बात



सभी जिलों का किया दौरा

की खास कर उन लोगों से जो सरकार की योजनाओं से जुड़े हुए हैं। उन्होंने यह जानने की कोशिश की कि योजनाएं सिर्फ कागजों पर है या लोगों के जीवन में असर कर रही है। उन्होंने महिला समूहों लखपति दीदियों, विद्यार्थियों, किसानों से बात-चीत की और उन्हें प्रेरणा देने के साथ-साथ उनकी समस्याओं का समाधान भी सुझाया। राज्यपाल डेका की प्राथमिकता रही है कि यह पता लगाया जाए कि सरकारी योजनाएं जरूरतमंद तक पहुंच रही या नहीं। वे खुद प्रधानमंत्री आवास योजना से बने घरों में गए, हितग्राहियों से बातचीत की, टी.बी. मरीजों को फुड बास्केट प्रदान किया। स्व-सहायता समूह की महिलाओं के कार्यों को देखा और उनकी सराहना की। प्रधानमंत्री टी.बी. मुक्त भारत अभियान के तहत देश एवं प्रदेश को टी.बी. मुक्त करने के लक्ष्य की दिशा में राज्यपाल का विशेष ध्यान है। वे टी.बी. मरीजों को गोद लेकर उन्हें आर्थिक सहायता और पौष्टिक आहार दे रहे हैं और समाज के लोगों को इस पुनित कार्य में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित भी कर रहे हैं।

राज्यपाल डेका जहां भी गये 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत पौधे लगाकर यह संदेश दिया कि पेड़ लगाना केवल पर्यावरण नहीं, भावना से जुड़ा कर्तव्य है। उन्होंने जल संरक्षण, भू-जल स्तर बढ़ाने, अमृत सरोवर योजना के क्रियान्वयन और रेन वाटर हार्वेस्टिंग जैसे विषयों पर लोगों को जागरूक किया और इन्हें जन आंदोलन का रूप देने की कोशिश की। श्री डेका का कहना है कि चाहे टी.बी. उन्मूलन हो, नशा मुक्ति, स्वच्छता या सड़क सुरक्षा, सभी अभियानों की सफलता तभी संभव है जब समाज इसकी जिम्मेदारी ले। उनका यह प्रयास है कि सरकारी योजनाएं केवल शासन की न रहें, जनता की बनें। बतौर कुलाधिपति राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों में दीक्षांत समारोह आयोजित करने पर जोर दिया, जिससे विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ता है और वे आत्मनिर्भरता की राह पर आगे बढ़ते हैं। विगत एक वर्ष में राज्यपाल 4 शासकीय एवं 5 निजी विश्वविद्यालयों के दीक्षांत समारोह में शामिल हुए और विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया। उनका कहना है कि विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए विश्वविद्यालयों की भी बड़ी भूमिका है। उनके द्वारा 5 शासकीय और 6 निजी विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की

नियुक्तियां की गईं। उन्होंने दो बार राज्य के विश्वविद्यालयों की समीक्षा बैठकें ली और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लागू करने पर विशेष बल दिया। राज्यपाल के एक वर्ष के कार्यकाल में शासकीय एवं निजी विश्वविद्यालयों से संबंधित 100 अध्यादेशों एवं नियुक्तियों का अनुमोदन किया गया। छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के अध्यक्ष पद पर प्रो. विजय कुमार गोयल की नियुक्ति की गई। कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय में नियुक्ति के लिए विश्वविद्यालय अधिनियम में उनके द्वारा संशोधन कराया गया। प्रधानमंत्री के विकसित भारत एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रदेश के विश्वविद्यालयों में सफल क्रियान्वयन के लिए उन्होंने विश्वविद्यालयों का औचक निरीक्षण किया। सहायक प्राध्यापकों को समय पर प्रमोशन देने पर बल दिया ताकि प्रोफेसर पद पर 10 साल का अनुभव होने के बाद छत्तीसगढ़ के प्रोफेसरों को कुलपति बनने का भी अवसर मिले। विश्वविद्यालयों में शिक्षकों के रिक्त पदों पर शीघ्र नियुक्ति करने तथा शिक्षकों की प्रतिनियुक्ति समाप्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्राध्यापकों और छात्रों के बीच बेहतर तालमेल और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर बल दिया।

बुलडोजर कार्रवाई पर लगाई रोक तोमर बंधुओं को हाईकोर्ट से राहत



रायपुर, 30 जुलाई (देशबन्धु)। ब्लैकमेलिंग और सूदखोरी मामले में फंसे तोमर बंधुओं को हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है प्रशासन का तर्क था कि अवैध कमाई से अर्जित संपत्ति को नष्ट करना कानून सम्मत है लेकिन प्रशासन की बुलडोजर कार्रवाई पर हाईकोर्ट ने अंतरिम रोक लगा दी है सुनवाई के दौरान कोर्ट ने साफ किया कि प्रशासन भी कानून से ऊपर नहीं हो सकता यदि कोई कार्रवाई की जाती है तो उसके पीछे स्पष्ट और वैध प्रक्रिया होनी चाहिए मकान तोड़ने जैसे कदम बिना सक्षम न्यायिक आदेश और कानूनी प्रक्रिया के मनमानी की श्रेणी में आता है मामले की सुनवाई की जस्टिस अरविन्द कुमार वर्मा की सिंगल बेंच में हुई रायपुर निवासी तोमर बंधुओं पर आरोप है कि वे लंबे समय से सूदखोरी के अवैध धंधे में लिप्त हैं प्रशासन ने उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए चल-अचल संपत्तियों को जब्त करने और मकान को ध्वस्त करने की योजना बनाई थी 27 जुलाई को उनके निवास परिसर में बने कार्यालय पर बुलडोजर भी चलाया

निधन

श्रीमती माया देवी केसरवानी

भाटापारा , 30 जुलाई (देशबन्धु)। अत्यंत दुःख के साथ सूचित कर रहे हैं कि हमारी पूजनीय माताजी श्रीमती माया देवी के सरवानी ,धर्मपत्नी स्वर्गीय श्री बालकृष्ण जी केसरवानी का दुःखद निधन आज दोपहर 2:00 बजे दिनांक 30.7.2025 को हो गया है। जिनकी अंतिम यात्रा कल सुबह 10:00 बजे निवास स्थान सदर बाजार, भाटापारा , कपूरिया दुकान के सामने से मारवाड़ी शमशान घाट के लिए निकलेगी। रामकिशन केसरवानी (रामू) (पुत्र) हरीश के सरवानी (लालू) (पुत्र) मोतीलाल ,मोहनलाल, विनोद कुमार प्रमोद कु मार के सरवानी (भतीजे)।

रमेश श्रीमाली

भाटापारा, 30 जुलाई (देशबन्धु)। अत्यंत दुःख के साथ सूचित कर रहे हैं कि श्री रमेश श्रीमाली, अनुराधा ज्वैलर्स ,जिनका निधन आज सुबह 11:30 बजे हो गया है। उनकी अंतिम यात्रा कल सुबह 10:00 बजे उनके निवास स्थान से मारवाड़ी शमशान घाट के लिए निकलेगी।

श्रीमती रूतमणी झंवर

रायपुर, 30 जुलाई (देशबन्धु)। भावना नगर खामरडीह निवासी आलोक झंवर व आदेश झंवर की माताजी श्रीमती रुक्मणी सत्यनारायण जी झंवर का स्वर्गवास आज बुधवार दिनांक 30 जुलाई दोपहर 2 बजे हो गया है। जिनकी अंतिम यात्रा कल गुरुवार 31 जुलाई 2025 को सुबह 9 बजे उनके निज निवास स्थान 116, भावना नगर से मारवाड़ी शमशान घाट जाएगी।

होटल रेस्टोरेंट, ढाबा, कैफे व अन्य खाद्य प्रतिष्ठानों में ग्राहकों को गैर बोतलबंद निःशुल्क शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना अनिवार्य

रायपुर, 30 जुलाई (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के निर्देशानुसार रायपुर जिला प्रशासन के दिशा निर्देशन में राजधानी शहर रायपुर नगर निगम क्षेत्र में नगर निगम मुख्यालय नगर निवेश उडनदस्ता और सभी जोनो के नगर निवेश विभागों की टीमो द्वारा निगम क्षेत्र में वॉटर फॉर ऑल निशुल्क शुद्ध पेयजल हर नागरिक का अधिकार



अभियान प्रारम्भ कर दिया गया है। इसके तहत हर होटल, रेस्टोरेट, ढाबा, कैफे एवं अन्य खाद्य प्रतिष्ठानों में ग्राहकों को गैर बोतलबंद निःशुल्क शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना अनिवार्य है। बोतल बंद पानी केवल तभी परोसा जाए जब ग्राहक स्वयं स्पष्ट रूप से अनुरोध करें। इस संबंध में रायपुर जिला कॉल सेंटर के नंबर 9977222564 पर समस्या या

कोयला घोटाला मामला

सूर्यकांत तिवारी दूसरे जेल में नहीं होंगे शिफ्ट



जेल प्रशासन के याजिका कोर्ट ने की खारिज संपत्ति की कुर्की

बता दें कि ईडी ने अवैध कोयला लेवी घोटाले के केस में मुख्य आरोपी सूर्यकांत तिवारी और अन्य से संबंधित पीएमएलए 2002 के प्रावधानों के तहत 30 जनवरी 2025 तक 49.73 करोड़ रुपए मूल्य की 100 से अधिक चल

और अचल संपत्तियों को अनंतिम रूप से कुर्क किया गया जिसमें बैंक बैलेंस, वाहन, नकदी, आभूषण और जमीन शामिल है, ये संपत्तियां कोयला घोटाले के कथित मास्टरमाइंड सूर्यकांत तिवारी के साथ बाकी आरोपियों की भी है।

हरियर पाठशाला कार्यक्रम

गोगांव स्कूल में 500 पौधों का रोपण



रायपुर, 30 जुलाई (देशबन्धु)। शासन की पर्यावरणीय पहल *ज्जरक पेड़ माँ के नाम 2.0ज्ज और हरियर पाठशाला* कार्यक्रम के अंतर्गत शासकीय स्वामी आत्मानंद उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, गोगांव में 500 पौधों का वृहद एवं भव्य पौधारोपण किया गया। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की मंशा के अनुरूप संचालित इस अभियान का नेतृत्व कलेक्टर

डॉ. गौरव सिंह द्वारा किया जा रहा है। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में यह आयोजन एक सशक्त कदम है। विद्यालय परिसर को हरियाली से आच्छादित करने के इस पुनीत कार्य में विद्यार्थियों के साथ-साथ उनके अभिभावकों, ग्राम प्रमुखों, जनप्रतिनिधियों और विभागीय अधिकारियों ने भी बड़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस अवसर को पर्यावरणीय उत्सव का रूप दिया गया, जिसमें सभी ने मिलकर च्यूक पेड़ लगाना है, धरती को स्वर्ग बनाना हैज्ज जैसे प्रेरणादायक नारों के साथ उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई। विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं की इसमें सक्रिय सहभागिता रही। यह आयोजन न केवल पौधारोपण तक सीमित रहा, बल्कि यह प्रकृति से जुड़ने, हरियाली को बढ़ावा देने और भावी पीढ़ियों में पर्यावरण के प्रति।

रायपुर, 30 जुलाई (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ राज्य के 5 लाख से अधिक शासकीय सेवक एवं एक लाख से अधिक पेंशनर्स ओपीएस, एनपीएस एवं यूपीएस के भंवरजाल में फंसकर, केंद्र सरकार व राज्य सरकार के कर्मचारी बंदर जैसे इस डाल से उस डाल में कूदने को मजबूर हो गए हैं। अब कल 1 अगस्त से केंद्र व राज्य सरकार यूपीएस लागू कर रहें हैं?। कर्मचारी नेता विजय कुमार झा ने बताया है कि इस बीच पूर्ववर्ती भूपेश बघेल सरकार द्वारा एक अप्रैल 2022 से छत्तीसगढ़ राज्य में पुरानी नियम योजना लागू कर छत्तीसगढ़ भविष्य निधि खाते में कर्मचारियों एवं पेंशनरों की राशि जमा कराई

22 अप्रैल से ओपीएस में जमा राशि 1 अगस्त से कर्मचारियों व पेंशनरों को मिलेगी वापस

थी, जो सुरक्षित खाते में रखा गया था। लगातार कर्मचारी संगठनों के विरोध व मांग तथा आगामी 22 अगस्त को प्रांत व्यापी एक दिवसीय छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के सामूहिक अवकाश आंदोलन के परिप्रेक्ष्य में राज्य सरकार ने 1 अप्रैल 22 से प्रति माह वेतन से किए गए कटौती की राशि को कल 1 अगस्त से अधिकारियों, कर्मचारियों के खाते में तथा आज की तिथि में सेवानिवृत्त हो चुके पेंशनरों को भुगतान करने का प्राधिकार पत्र जारी करना प्रारंभ कर रही है। श्री झा ने बताया है कि इसे वर्तमान में सेवारत शासकीय सेवकों के भविष्य निधि खाते में 3 वर्ष के ब्याज सहित जमा किया जाएगा।

युकां की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में छ्मा से 3 को मिली जगह

रायपुर, 30 जुलाई (देशबन्धु)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने युवा कांग्रेस की नई राष्ट्रीय कार्यकारिणी का ऐलान कर दिया है। छत्तीसगढ़ के भिलाई से मोहम्मद शाहिद को राष्ट्रीय महासचिव के पद पर नियुक्त किया गया है। वहीं राजनांदगांव के निखिल द्विवेदी को सचिव और पेंड्रा जिले की प्रीति मांझी को युवा कांग्रेस का राष्ट्रीय संयुक्त महासचिव बनाया गया है।

बिजली मेटेनेंस में लापरवाही पर आई-जेई को एमडी ने किया निलंबित

रायपुर, 30 जुलाई (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री भीमसिंह कंवर ने बलौदाबाजार जिले के बिजली दफ्तरों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने बिजली तार व खंभों में मेटेनेंस में लापरवाही देखी और मौके पर ही संबंधित सहायक अभियंता और कनिष्ठ अभियंता को निलंबित करने के निर्देश दिये। श्री कंवर ने बलौदाबाजार वृत्त में आई जेई की मीटिंग ली और विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की। एमडी श्री कंवर ने वहां विभिन्न योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली और कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिये। उन्होंने वहां के कार्यपालन अभियंता कार्यालय (प्रोजेक्ट) एवं संचारण संधारण संभाग के कार्यालय का निरीक्षण किया और अधिकारियों को निर्बाध विद्युत आपूर्ति के निर्देश दिये। उन्होंने ट्रांसफार्मर की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिये

धर्मांतरण और मानव तस्करी मामले में गिरफ्तार ननों की मुश्किलें बढ़ी

रायपुर, 30 जुलाई (देशबन्धु)। दुर्ग जिले में का अधिकार बिलासपुर स्थित एनआईए की विशेष अदालत को है। अब पीड़ित पक्ष के वकील राजकुमार तिवारी इस प्रकरण को एनआईए कोर्ट में स्थानांतरित करने के लिए आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करेंगे। इसी क्रम में कोर्ट ने थाना प्रभारी को निर्देश दिया है कि वे इस मामले की जानकारी केंद्रीय एजेंसियों को प्रदान करें। तब तक तीनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में जेल में रखा जाएगा।



2 साल में मानव तरकरी के 39 प्रकरण दर्ज

रायपुर, 30 जुलाई (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में दो नन की गिरफ्तारी पूरे देश में उस समय चर्चा में बनी हुई है जब 30 जुलाई को मानव तरकरी के विरुद्ध विश्व दिवस के रूप में मनाया जाता है यह एक अंतरराष्ट्रीय जागरुकता कार्यक्रम है दरअसल छत्तीसगढ़ में मानव तरकरी एक बड़ी समस्या बनती जा रही है खास कर आदिवासी और पिछड़े क्षेत्र के लोगों को टारगेट किया जा रहा हछत्तीसगढ़ में वर्ष 2023 से फरवरी 2025 तक मानव तरकरी के करीब 39प्रकरण दर्ज हुए हैं इनमें से कुल पीड़ितों की संख्या 66 है मानव तरकरी सजुड़े मामलों में जानकारी का कहना है सरगुजा जशपुर कोरबा बलरामपुरऔर बस्तर जैसे सीमावर्ती जिलों में तरकरी की घटनाएं अधिक होती हैं इन क्षेत्रों में बेरोजगारी और पलायन की प्रवृत्ति अधिक होने के कारण तरकर आसानी से झांस में लेने में सफल हो जाते हैं इनमें से अधिकांश पीड़ित नाबालिग लड़कियां और महिलाएं हैं जिन्हें बहला, फुसलाकर दूसरे राज्यों में घरेलू काम



जबरन श्रम या यौन शोषण के लिए भेजा गया

63 हजार से अधिक लोगों ने किया प्रदेश से पलायन

कामकाज की तलाश में छत्तीसगढ़ से बड़ी संख्या में लोग पलायन करत हैं आंकड़ों के मुताबिक जनवरी 2024 से फरवरी 2025

तक छत्तीसगढ़ से 63 हजार से अधिक

लोगों ने पलायन किया है पलायन करने वालों में सबसे अधिक संख्या बलौदाबाजार की है यहां से करीब 13 हजार 200 लोगों ने कामकाज की तलाश में अपना गांव छोड़कर अन्य राज्यों में गए

हैं जानकारी का कहना है कि ज्यादातर पलायन जशपुर बिलासपुर मुंगेली कोरबा जांजगीर.चांपा सक्ती रायपुर महासमुंद राजनांदगांव कबीर धामए खैरागढ़,गंडई,छुईखदान जैसे जिलों से होता है।

जागरुकता बढ़ी पर नेटवर्क अब भी सक्रिय

पुलिस और एंटी ह्यूमन ट्रेकिंग युनिट की सक्रियता से कई मामलों में पीड़ितों की घर वापसी हुई है कई अभियुक्तों की गिरफ्तारी भी हुई है लेकिन आंकड़े यह भी दिखाते हैं कि तरकरी का नेटवर्क अब भी जमीनी स्तर पर मजबूत है और एजेंट आज भी गांवों में सक्रिय हैं।

वर्ष	प्रकरण	कुल पीड़ित	पीड़ित गिरफ्तार बरामद आरोपी
2023	22	46	45
2024	15	17	17
फरवरी-25	02	03	03
योग	39	66	65

खेलने के दौरान विवाद युवक पर चाकू से हमला

रायपुर, 30 जुलाई (देशबन्धु)। मोबाइल में फ्री फायर गेम के कारण बीते दिनों गुरुवार की रात एक युवक ने गांव के दूसरे युवक पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया इससे युवक को गंभीर चोट आई है इसी बीच बचाव करने आए युवक के बड़े भाई को भी उसने चाकू मारकर गंभीर चोट पहुंचाई पुलिस ने आरोपी युवक को गिरतार कर मामले की जांच कर रही है।

जानकारी के मुताबिक दोनों युवकों का निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है मामला धरसीवा थाना क्षेत्र के पुलिस चौकी सिलयारी के अंतर्गत ग्राम पवनी की है मिली जानकारी के अनुसार ग्राम पवनी के दिलीप कोशले के दुकान के पास पीड़ित साहिल निषाद पिता अशोक निषाद 17 वर्ष अपने दोस्तों के साथ गुरुवार रात्रि 9 बजे मोबाइल पर फ्री फायर गेम खेल रहा था वहीं पर आरोपी गोपी ध्रुवंशी भी था और फ्री फायर गेम के कारण दोनों में बहस हो गई आरोपी ने पीड़ित को तुम अभी खेल में बच्चे

हो कहकर मां बहन की गंदी.गंदी गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी देकर मारपीट करने लगा और अपने पास रखे चाकू से साहिल पर जान लेवा हमला कर दिया जिससे साहिल के सीनेए दाहिने हाथ भुजा व कान के पास गंभीर चोट आई है इसी दौरान बीच बचाव करने आए पीड़ित के बड़े भाई नागेश्वर निषाद को भी आरोपी ने चाकू से उसके पीट में मारकर गंभीर चोट पहुंचा दी फिर किसी तरह दोनों भाई ने भागकर अपनी जान बचाई घटना के बाद आरोपी युवक वहां से फरार हो गया ग्रामीणों ने दोनों लहलुहान युवकों को एक निजी अस्पताल ले जाकर भर्ती कराया जहां उसका इलाज चल रहा हैं पीड़ित ने अपने पिता के साथ सोमवार को सिलयारी चौकी पहुंचकर आरोपी के खिलाफरिपोर्ट दर्ज कराई इस पर सिलयारी पुलिस ने आरोपी को गिरतार कर पीड़ित के रिपोर्ट के आधार पर धारा 296, 115 ,2, 351 ,2, के तहत मामला पंजीबद्ध कर जांच कर रही है।

ग्रीन पालना अभियान नए जीवन के साथ हरियाली की शुरुआत

रायपुर, 30 जुलाई (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशा के अनुरूप जिला प्रशासन ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक प्रेरणादायक कदम उठाया है— ज़्यीन पालना अभियानज्। इस अभिनव पहल के अंतर्गत अब सरकारी अस्पतालों में प्रसव उपरंत माताओं को पांच फलदार पौधे—आम, अमरूद, कटहल, पपीता और मुनगा—सौगात स्वरूप भेंट किए जा रहें हैं।

इस पहल के तहत आज स्वास्थ्य सामुदायिक केन्द्र गुडियारी तथा अभनपुर में प्रसूता माताओं को पौधों से भरा बैग तथा प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। कलेक्टर डॉ. 625 पौधे दिए गए हैं।



नए बच्चे के जन्म पर महिलाओं को दिए जा रहे 5 फलदार पौधे

गौरव सिंह के मार्गदर्शन में शुरू हुए इस अभियान के तहत अभी तक 1125 महिलाओं को 5 हजार

सरकारी नौकरी का झांसा देकर कंपनी ने कई युवाओं को लगाया चूना



25 लाख रुपए लेकर फरार

रायपुर, 30 जुलाई (देशबन्धु)। राजधानी रायपुर में सरकारी स्कूल में नौकरी लगाने का झांसा देकर प्लेसमेंट कंपनी ने युवाओं से लाखों रुपये ठग लिए। आरोप है कि कंपनी ने दर्जनभर युवाओं से करीब 25 लाख रुपये लिए और फरार हो गई। पुलिस ने मामले में ठगी का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार एक डोल निवासी राजू रात्रे नामक युवक ने शरार इंडिया स्कूल वेलफेयर कंपनी के नाम से फर्जी प्लेसमेंट कंपनी की शुरुआत की थी।

सौंपे गए फर्जी नियुक्ति पत्र

यह कंपनी दिल्ली से रजिस्टर्ड बताई गई है और

इसका अस्थायी ऑफिस रायपुर के नगर घड़ी चौक स्थित बिल्डिंग में खोला गया था। यहां युवाओं को सरकारी स्कूलों में नौकरी दिलाने का लालच दिया गया। कंपनी ने प्रत्येक उम्मीदवार से 4.5 लाख रुपये की मांग की। दर्जनों युवाओं ने आरोपित को पैसे दे दिए जिसके बदले में

उन्हें फर्जी नियुक्ति पत्र सौंप गए। बच्चों को पढ़ाने तक पहुंच गए युवक—युवतियां इन नियुक्ति पत्रों के आधार पर कई युवक, युवतियां स्कूलों में बच्चों को पढ़ाने भी पहुंचे। कुछ ने तो एक माह तक बच्चों को पढ़ाया भी ए लेकिन जब एक माह बाद भी वेतन नहीं मिलाए तो उन्होंने स्कूल प्रबंधन से संपर्क किया। इस दौरान उन्हें पता चला कि उनकी नियुक्ति फर्जी है। पीड़ित जब कंपनी के ऑफिस पहुंचे तो वहां ताला लटका मिला। इस पूरे मामले में तेलीबांधा थाना में अतुल कुमार नामक युवक की शिकायत पर आरोपित के खिलाफ ठगी का केस दर्ज किया गया है।

एंटी करप्शन ब्यूरो व राज्य अपराध अन्वेषण ब्यूरो रायपुर को मिले तीन और अफसर

रायपुर, 30 जुलाई (देशबन्धु)। राज्य शासन ने एंटी करप्शन ब्यूरो व राज्य अपराध अन्वेषण ब्यूरो रायपुर में राज्य पुलिस सेवा के तीन अफसरों को नवीन पदस्थापना किया गया। जिनमें उपसेनानी तीसरी वाहिनी छसबल अमलेश्वर बटालियन के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश बर्द्दई एसडीओपी खरसिया रायगढ़ के उपपुलिस अधीक्षक प्रभात पटेल और जिला बिलासपुर के निरीक्षक नवीन देवांगन को एंटी करप्शन ब्यूरो व राज्य अपराध अन्वेषण ब्यूरो रायपुर में पदस्थ किया गया है। उक्त आदेश सामान्य प्रशासन विभाग के उपसचिव के हस्ताक्षर से जारी हुआ।

अवैध शराब के साथ युवक पकड़ाया

रायपुर, 30 जुलाई (देशबन्धु)। थाना उरला को मुखबिर से सूचना मिली की राधे होटल के पास उरला में एक व्यक्ति अपने मोटर सायकल एकटीवा में अवैध शराब रखा है। सूचना पर सहायक उप निरीक्षक जे एस राजपूत के हमराह आर 296 कमलकांत कश्यप को रवाना किया गया एजिनके द्वारा उक्त अज्ञात व्यक्ति को घेराबंदी कर पकड़ा गया व्यक्ति द्वारा अपने मोटर सायकल में अवैध शराब



रखा थाए तलाशी लेने पर मोटर सायकल एकटीवा से बोरी 72 पौवा देशी मदिरा मसाला कुल 12.960 बल्क लीटर शराब किमती 7,200 जस कर व्यक्ति राजा देवांगन पिता उत्तम देवांगन निवासी अशोका मार्ट के पास बीरगाव थाना उरला को गिरफ्तार किया गया एवं थाना उरला आरोपी के विरुद्ध धारा 34;2 आबकारी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर विवेचना में लिया गयाए आरोपी को न्यायिक रिमाण्ड पर जेल भेजा गया है।

छेड़छाड़ के आरोप में शिक्षक निलंबित

रायपुर, 30 जुलाई (देशबन्धु)। रायपुर में आदर्श विद्यालय मोवा में कार्यरत प्राध्यापक राजेंद्र दानी द्वारा छात्राओं के साथ छेड़छाड़ की शिकायतों के बाद अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् ,एबीवीपी रायपुर में विरोध किया। उसके बाद स्कूल प्रशासन ने प्राध्यापक को जांच पूर्ण होने तक निलंबित कर दिया है।

कुछ दिन पहले एक छात्रा की शिकायत के बाद एबीवीपी ने विद्यालय प्रशासन को 5 दिनों की चेतावनी दी थी कि शिक्षक राजेंद्र दानी पर ठोस व निष्पक्ष कार्रवाई की जाए लेकिन प्रशासन द्वारा ठोस कदम न उठाए जाने पर मंगलवार को फिर आंदोलन करते हुए विद्यालय प्रबंधन को घेरा और

दोषी शिक्षक के निलंबन की मांग की। उसके बाद प्रशासन हरकत में आया और तत्काल प्रभाव से प्राध्यापक राजेंद्र दानी को जांच पूर्ण होने तक निलंबित कर दिया। रायपुर महानगर मंत्री प्रथम राव पुराने बताया कि यदि जांच में कोई भी लापरवाही सामने आती है या दोषी को संरक्षण देने का प्रयास किया गया तो परिषद और उग्र आंदोलन करने से पीछे नहीं हटेगी। उन्होंने मांग की है कि प्राध्यापक के विरुद्ध एक निष्पक्ष जांच समिति का गठन किया जाए जिसमें जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय से नामांकित सदस्य अनिवार्य हो। आंदोलन में सुजल गुप्ता तरुण संकल्प राजकमल राहुल यादव मौजूद रहे।

एबीवीपी ने की जांच की मांग

50 वर्ष वैवाहिक जीवन पूर्ण कर चुके 72 दंपतियों का होगा सम्मान

रायपुर, 30 जुलाई (देशबन्धु)। सामाजिक, सांस्कृतिक व रचनात्मक कार्यक्रमों के लिए चर्चित संस्था 'लाहोटी मित्र मंडल' की ओर से राजधानी में पहली बार अंतर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस के अवसर पर 3 अगस्त (रविवार) को सिविल लाइन स्थित 'वृंदावन हॉल' में सुबह 10 बजे से 50 वर्ष वैवाहिक जीवन पूर्ण कर चुके 72 दंपतियों के लिए सम्मान समारोह का आयोजन किया जा रहा है।

संस्था के संस्थापक व संयोजक लक्ष्मीनारायण लाहोटी एवं मीडिया प्रभारी चेतन चंदेल ने बताया कि छ.ग. के विभिन्न जिलों से चिन्हांकित किए गए ऐसे दंपति जिनका विवाह सन् 1975 के पूर्व हुआ है तथा वे अपने सफल वैवाहिक जीवन का 'स्वर्ण जयंती' मना चुके हैं ऐसे 72 जोड़ों को सम्मानित किया जाएगा जिनमें प्रत्येक को 40-40 उपहार भेंट दी

जाएगी। इसके पूर्व सभी को चरण पखारकर मंच पर लाया जाएगा। इस अनोखे आयोजन के लिए संस्था के 40 सदस्य विगत एक माह से इस कार्यक्रम की तैयारी कर रहे हैं जिन्होंने ऐसे दंपतियों से चुन- चुन कर संपर्क साधा जिनका विवाह आज से 50 से 70 वर्ष पूर्व हुआ है। कार्यक्रम में अतिथिगण समाजसेवी विरजीवलाल लाहोटी (कोंडगांव), श्रीमती सविता जग्वी, अर्जुता चौधरी, दीपिका वैष्णव, राजेश सिंह तथा हीरानंद दुल्हन हीं।

कार्यक्रम की तैयारियों के लिए संयोजक लक्ष्मीनारायण लाहोटी, संरक्षक छबीलाल सोनी, जे.एस.ठाकुर, चेतन चंदेल, श्रीमती अन्नपूर्णा शर्मा, गौरी अवधिया, अनीता चौहान, हेतल चौहान, वीणा रावत तथा रिया तिवारी आदि जुटे हुए हैं।

मेगा स्वास्थ्य एवं आंकलन शिविर का सफल आयोजन

रायपुर, 30 जुलाई (देशबन्धु)। समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कलेक्टर डॉ गौरव सिंह के निर्देश पर रायपुर जिला मुख्यालय स्थित माधवराव सप्रै शासकीय उत्कृष्ट हिंदी माध्यम विद्यालय,

135 बच्चों का हुआ परीक्षण, 8 बच्चों के बनाए गए DID कार्ड

बुद्धापारा में आज जिला स्तरीय मेगा स्वास्थ्य एवं आकलन शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम द्वारा विद्यार्थियों का विस्तृत स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। डॉक्टरों में मनोरोग विशेषज्ञ, नेत्र रोग विशेषज्ञ, ईएनटी (कान, नाक, गला) विशेषज्ञ एवं शिशु रोग विशेषज्ञ शामिल रहे।

इस मेगा शिविर में कुल 135 बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं शैक्षणिक आकलन किया गया। इसके साथ ही 8 बच्चों के



DID कार्ड भी बनाए गए, जिससे उन्हें सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ मिल सकेगा। यह शिविर समावेशी शिक्षा और स्वास्थ्य

सेवाओं के समन्वय का एक उत्कृष्ट उदाहरण रहा, जिससे विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को समय पर पहचान और सहायता प्राप्त हो सकेगी। कार्यक्रम में राज्य कार्यालय से

सहायक संचालक श्रीमती सीमा गौराहा, एपीसी श्रीमती श्यामा तिवारी, डीईओ हिमांशु भारती, डीएमसी के.एस. पटेल, बीईओ धरसीवा अमित तिवारी सहित अन्य संबंधित

चाँकलेट का लालच देकर मासूम से दरिंदगी

रायपुर, 30 जुलाई (देशबन्धु)। राजधानी रायपुर के आरंग से रिश्तों को शर्मसार करने वाली एक घटना सामने आई है। यहां चार साल की एक बच्ची के साथ उसके चचेरे भाई ने दुष्कर्म किया है। आरोपी ने चाँक ले ट खिलाने के बहाने इस जघन्य घटना को अंजाम दिया।

मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आपको बता दें कि आरोपी ने घर में खेल रही बच्ची को चाकलेट खिलाने के बहाने अपने घर ले

गया और आरोपी युवक ने नाबालिग बच्ची के साथ धिनीना काम किया। बच्ची घटना के बाद रोते हुए घर पहुंची और अपनी मां को सारी बात बताई। इसके बाद बच्ची के माता, पिता आरंग थाने पहुंचे और अपनी बेटी के साथ हुए अनाचार की बात बताई। आरंग पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध 65 ,2 पॉक्सो एक्ट 04 के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है।



है। हमें रुचि से नहीं जीना है, सच्चाई से जीना है। अधिकांश लोगों में विकार है। जब विकारी विकार से जुड़ता है तो मोह मित्र बनते हैं। मित्रता दो तरह की होती है। एक मैत्री भावना रूप और दूसरी मोह भावना रूप। मैत्री भावना रूप होती है तो कल्याण मित्र होते हैं और मोह भावना रूप होती है तो पाप मित्र होते हैं। हर जीव को दो विश्लेषण अपने जीवन में करना चाहिए क्या कल्याणकारी है वह क्या पपकारी

हो यह भी हमें देखना है। यह भी विश्लेषण करना है कि धन कम था तो धर्म कितना था और धन अधिक हुआ तो धर्म कितना पहुंचा। केवल धर्म, स्वाध्याय, मंदिर जाने, प्रतिक्रमण करने से ही धर्म नहीं होता। हमारे भाव में क्या चल रहा है, भीतर में क्या चल रहा यही विश्लेषण सदैव करना है।

उपाध्याय भगवंत ने कहा कि हिंसा के मार्ग पर नहीं, भगवंत के मार्ग पर चलना चाहिए। आत्मा की हिंसा नहीं करनी चाहिए। हम अपने भाग्य विधाता स्वयं बनते हैं। राग और द्वेष ही हिंसा की जड़ है। राग और द्वेष को जितना होगा तभी हिंसा से बचा जा सकता है। द्वेष में तो हम लड़ते हैं पर अपने राग से लड़ना चाहिए। यदि राग से लड़ोगे तो किसी के प्रति द्वेष नहीं होगा। राग ही द्वेष का जनक है। हमारे भीतर का राग ही किसी न किसी के प्रति द्वेष पैदा करता है। इसलिए वीतरागी और विद्वेषी मार्ग पर चलो ऐसा परमात्मा ने संदेश दिया है।

मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर पर सेक्सुअल हैरसमेंट का केस, ऑडियो वायरल

रायपुर, 30 जुलाई (देशबन्धु)। पं जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर डा आशीष सिन्हा और उनके खिलाफ सेक्सुअल हैरसमेंट का केस करने वाली छात्रा के बीच बातचीत का आडियो बाहर आने की बात आई है। इसमें डॉ सिन्हा पीड़िता को कपड़े पहनने के बात करते सुनाई दे रहे हैं। पास कराने और ड्रिंक लेने की चर्चा कर रहे हैं। डॉ सिन्हा पर अपनी ही स्टूडेंट को केबिन में बुलाने और यौन उत्पीड़न का केस दर्ज है। डिपार्टमेंट की स्टूडेंट ने 4 जुलाई को सैक्सुअल हैरसमेंट का केस कम्युनिटी मेडिसिन डिपार्टमेंट के प्रोफेसर डॉ आशीष सिन्हा के खिलाफ किया था। आशीष ने अग्रिम जमानत के लिए याचिका लगाई थी। डिस्ट्रिक्ट एंड सेशन कोर्ट ने सिन्हा की जमानत ठुकरा दी थी। जिसके बाद उन्होंने अग्रिम जमानत के लिए हाईकोर्ट में याचिका लगाइ लेकिन यहां भी उन्हें राहत नहीं मिली। छात्रा ने प्रोफेसर सिन्हा पर छेड़छाड़ और मानसिक प्रताड़ना का भी आरोप लगाया था। मौदहापारा थाने की पुलिस जांच कर रही है। छात्रा के मुताबिक डॉ सिन्हा उन्हें अपने केबिन में बुलाकर बेड टच करते थे। इसके अलावा शिकायत करने पर इंटरनल एग्जाम में फेल करने जैसी धमकी भी दी है। ये हैरसमेंट सिर्फ फिजिकली नहीं था। डिजिटली भी सिन्हा अपनी स्टूडेंट को अलग, अलग तरह के ऑफर दिया करते थे। ये हैरसमेंट पिछले एक साल से चल रहा था।



स्टेशनों पर सावधानी ज़रूरी

ज्यादातर लोग रेलवे यात्रा करते हुए अपने सामानों की सतर्कता से रक्षा करते हैं। लोग सामानों को इस तरह से रखते हैं कि उनकी नज़रें बनी रहें। लम्बी यात्राएं करने वाले उन्हें सीटों के नीचे जंजीरों से बांधकर रखते हैं। जिनके पास छोटा या एकाध सामान ही होता है वे उन्हें इस प्रकार रखकर सोते हैं कि यदि कोई चोरी करना चाहे तो उन्हें तत्काल पता चल जाये। कोई उन्हें सिरहाने रखकर सोता है तो कोई पैरों के नीचे दबाकर। यह किसी एक राज्य की बात न होकर पूरे देश का मामला है। यात्रियों की तमाम सतर्कता के बावजूद कई तरह की चोरियां होती ही रहती हैं क्योंकि इन कामों को अंजाम देने वाले लोगों की रेकी करते हैं तथा मौके की ताक में रहते हैं। कई बार जिन्हें सहयात्री समझ लिया जाता है, वे भी हाथ साफ कर निकल लेते हैं। अनजान यात्रियों से घुल-मिलकर बातें करना, उनके हाथों से किसी खान-पान की सामग्री का सेवन करना भी लोगों को महंगा पड़ जाता है। निचले दर्जे के डिब्बों में ऐसी घटनाएं ज्यादा होती हैं।

इसमें कोई शक नहीं कि अब लोग सावधानी व सुरक्षित तरीके से यात्राएं करने के हरसम्भव उपाय करते हैं जो कि अच्छी बात है; लेकिन उतना ही ज़रूरी है स्टेशनों पर सतर्क रहना। यात्रियों का बड़ा नुकसान स्टेशनों पर भी होता है। इसके चलते यह भी ज़रूरी हो गया है कि लोग स्टेशनों पर सावधान रहें। बहुत से यात्रियों की आदत होती है प्रत्येक स्टेशन पर उतरकर प्लेटफॉर्म पर चहलकदमी करना। फिर जब गाड़ी छूटने लगती है तब वे सरकती हुई ट्रेन में चढ़ते हैं। ऐसे समय उनके मोबाइल या बटुवे निकाल ले जाने या गिरने का खतरा रहता है। ठहरी हुई ट्रेन में डिब्बों की खिड़कियों के पास बैठे यात्रियों के मोबाइल झटक लिये जाने या चोरों द्वारा हाथ डालकर कोई सामान उठा लिये जाने के भी वीडियो अक्सर वायरल होते हैं। ऐसी डिब्बों में तो यह खतरा नहीं रहता पर जो लोग खुली खिड़की के पास बैठते हैं उन्हें तब तक मोबाइल का इस्तेमाल नहीं करना चाहिये जब तक कि ट्रेन स्टेशन पर रूकी हो। सामानों को भी खिड़की से दूर या सुरक्षित तरीके से रखना चाहिये। सीट के नीचे की जगह सर्वाधिक सुरक्षित होती है।

सबसे बड़ा खतरा होता है खाद्य सामग्री, पानी, जूस, अखबार, किताबें, दवा आदि लेने के लिये उतरना। कभी ट्रेन छूटती है तो कभी छुट्टे के अभाव में उनका आर्थिक नुकसान होता है। भाग-दौड़ में मोबाइल-बटुवा साफ होना या ट्रेन में रखा उनका सामान चोरी होता है। शुक्रवार को लिंक एक्सप्रेस से बिलासपुर से रायगढ़ (ओडिशा) जा रहा एक यात्री रायपुर स्टेशन पर खाना लेने उतरा। अपने ऐसी कम्पाटमेंट में पहुंचने पर उसने अपना बैग गायब पाया। शुक्र है कि चोर पकड़ा गया व बैग मिल गया।



बेटा - मुबारक हो मां। आज मेरी सात जन्म के लिए नौकरी लग गई है।
मां - अच्छा बेटा वह कैसे?
बेटा- क्योंकि मां मुझे एक टीवी सीरियल में काम मिल गया है।

धर्मांतरण प्रकरण : दूसरे दिन भी लगा रहा केरल से आकर मिलने वालों का तांता

झूठे केस में फंसाया गया : वृंदा कारंत

मामला न्यायालय में, नौ कमेंट्स : रोजिन जॉन



दुर्ग, 30 जुलाई (देशबन्धु)। धर्मांतरण एवं मानव तस्करी के मामले में दो नन एवं इनके एक सहयोगी की गिरफ्तारी के मामले की आज दूसरे दिन भी केन्द्रीय जेल परिसर में गुंज रही। आज भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) एवं कांग्रेस के केरल के दो विधायक दुर्ग पहुंचे व केन्द्रीय जेल में बंदी दोनो नन एवं अन्य से मुलाकात की। मुलाकात के बाद जेल परिसर में पत्रकारों से चर्चा करते हुए पूर्व राज्यसभा सारंसद एवं सीपीआई की वरिष्ठ नेता वृंदा कारंत ने दोनों ननों को निर्देश बताते हुए कहा कि यह कार्रवाई बीजेपी सरकार द्वारा ईसाई समुदाय को तारोद करने की साजिश है। इसी मामले में केरल से ही

आये कांग्रेस के दो विधायक रोजिन जॉन एवं साजी जोसेफ ने प्रेस से कहा कि अब यह मामला न्यायालय में लंबित है अतः वे सार्वजनिक तौर पर कोई टिप्पणी नहीं करेंगे। ननों से मुलाकात में जो जानकारीयें मिली हैं उससे अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी एवं कांग्रेस नेता राहुल गांधी को अवगत करा देंगे।

आज दूसरे दिन भी केन्द्रीय जेल परिसर में बंदी दोनो नन व उनके साथी से मिलने वामपंथी एवं कांग्रेस नेताओं के अलावा मसीही समाज के लोगों का तांता लगा रहा। आज जेल प्रशासन ने पूर्व से मिलने के लिये नाम दर्ज कराने वाले नेताओं को आसानी से

मिलने दिया। सर्वप्रथम सुबह 10 बजे पूर्व राज्यसभा सांसद वृंदा कारंत एवं सीपीआई नेता एनी राजा पहुंची। उल्लेखनीय है कि कल इन दोनों को समय पर जेल न पहुंचने की वजह से बंदियों से मुलाकात नहीं करने दिया गया।

ननों को तत्काल रिहाकर एफआईआर वापस लें : कारंत
ननों से मिलने के बाद वामपंथी नेता वृंदा कारंत एवं एनी राजा ने कहा कि ननों को झूठे केस में फंसाया जा रहा है। दोनों नन सेवाभावी कार्यों में वर्षों से लगी हैं। इनका पिछला कोई आपराधिक रिकार्ड नहीं है। उन्होंने कहा कि दोनों ननों की तबीयत खराब है और उन्हें जमीन पर सोने के लिये जेल प्रशासन द्वारा बाध्य किया जा रहा है। उन्होंने ननों की तत्काल रिहाई और एफआईआर वापस लेने की मांग की है।

परिजन भी आकर मिले : जेल में बंदी दोनों नन के परिजन व अन्य परिचित लोगों ने भी आकर उनसे मुलाकात की और कुशलक्षेम पूछा। इन्होंने स्वयं को गैर राजनीतिक व विवादों से पृथक बताया और कहा कि वे लोग न्यायालय द्वारा दी गई व्यवस्था के अनुरूप न्याय पाने का प्रयास करेंगे।

मानव तस्करी व धर्मान्तरण को लेकर बजरंग दल विहिप कार्यकर्ताओं ने किया कलेक्टर में प्रदर्शन



दुर्ग, 30 जुलाई (देशबन्धु)। बजरंग दल एवं विश्व हिन्दू परिषद के कार्यकर्ताओं ने आज बड़ी संख्या में कलेक्टर परिसर में पहुंचकर धर्मांतरण व मानव तस्करी के मामले को लेकर जर्बदस्त नारेबाजी की। बजरंगियों का आरोप है कि इस मामले में कांग्रेस धर्म परिवर्तन व मानव तस्करी में लिप्त लोगों को संरक्षण दे रही है। उल्लेखनीय है कि गत दिवस दुर्ग रेल्वे स्टेशन पर दो नन व उसके सहयोगी का

➤ > शेष पृष्ठ 9 पर >

एसएसपी ने किया दुर्ग रेल्वे स्टेशन का निरीक्षण

सुरक्षा, सायबर सहित अन्य अपराध रोकने तकनीकी निगरानी बढ़ाने दिया जोर

दुर्ग, 30 जुलाई (देशबन्धु)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग विजय अग्रवाल ने आज रेलवे स्टेशन दुर्ग का निरीक्षण किया। उनके साथ अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा, जिला बल, रेल पुलिस बल एवं जीआरपी के अधिकारीगण मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान स्टेशन की सुरक्षा, तकनीकी निगरानी और साइबर अपराध की रोकथाम को लेकर कई आवश्यक निर्देश जारी किए गए।

स्टेशन के मुख्य प्रवेश द्वार से पूर्व एआई आधारित फेस रिकग्निशन कैमरा लगा देने के निर्देश दिए गए ताकि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति की पहचान पहले ही हो



सके। स्टेशन के अंदर '36 कैमरे' स्थापित हैं, जबकि कुल 48 कैमरों का प्रस्ताव था। एसएसपी महोदय ने शेष कैमरों की स्थापना

ऊँचाई व स्टैंड पर सटीक स्थापना पर दिया जाए। आर्पीएफ एवं जीआरपी को संयुक्त रूप से टिकट काउंटर्स के आसपास घूम रहे संदिग्धों की चेकिंग' करनेए 'स्थानीय पुलिस व बीडीएस टीम' के सहयोग से मॉक ड्रिल आयोजित करने के निर्देश भी दिए गए। निरीक्षण के दौरान आर्पीएफ थाने के लॉकअप में गेट पर जाली लगाने, आर्पीएफ डेस्क पर पुलिस कंट्रोल रूम का मोबाइल नंबर प्रदर्शित करने की बात कही गई। नशा करने वाले व्यक्तियों को चिन्हित कर नशा मुफ्ती केंद्र भेजने और जिला पुलिस द्वारा तैयार साइबर जागरूकता जिंगल्स को

➤ > शेष पृष्ठ 9 पर >

मोबाईल में नया सीम डलवाने और 24 घंटे बाद एक्टीव होने के दौरान सवा लाख की साइबर टगी

दुर्ग, 30 जुलाई (देशबन्धु)। मोबाईल में नया सिम डलवाने और उसके चौबीस घंटे बाद एक्टीवेट हो जाने में लगने की अवधि के बीच किसी अज्ञात व्यक्ति ने बोर्सनी निवासी हर्षदेव साहू यूको बैंक खाते से 1 लाख 18 हजार 547 रुपये किस्तों में निकाल लिये जाने का एक सायबर अपराध से जुड़ा मामला सामने आया। हर्षदेव साहू ने इस मामले की रिपोर्ट पुलिस की साइबर ब्रांच में दर्ज करा दी है। साइबर ब्रांच से यह मामला पद्मनाभपुर थाने को आगे की कार्रवाई के लिये अग्रेषित कर दिया गया है।

इस मामले में घटना के भुक्तभोगी

हर्षदेव साहू से संपर्क करने पर उन्होंने अपने मोबाईल का नया सिम वीवाय आईडिया

■ जांच में जुटी पद्मनाभपुर पुलिस

कंपनी दुर्ग से लगवाया था। कंपनी के कर्मचारी ने बताया कि यह नया सिम 24 घंटे बाद एक्टीवेट होगा। इसके बाद वे दुर्ग से अन्यत्र किसी कार्य के लिये चले गये। वहां उनके सुपुत्र ने कुछ राशि फोन पे करने के लिये कहा। इस पर जब उन्होंने फोन पे किया तो नो बैलेंस बताया। इस पर उन्होंने

अपने बैंक यूको बैंक जाकर पता लगाया तो पता चला कि उनके खाते से किसी अज्ञात व्यक्ति ने 6 किस्तों में कुल 1 लाख 18 हजार 547 रुपये खाते में आहरित कर लिये हैं और बैंक एकाउंट पूरी तरह खाली कर दिया है। बैंक से ही श्री साहू को ज्ञात हुआ कि सारे पैसे यूपीआई के जरिये निकाल लिया गया है जिसका न कोई मैसेज न ही कोई ओटीपी मोबाईल में आया है।

बीआईटी सेंट्रल लाइब्रेरी में कार्यरत हर्षदेव साहू की रिपोर्ट पर साइबर ब्रांच ने मामला दर्ज कर प्रकरण को आगे की कार्रवाई के लिये पद्मनाभपुर थाने अग्रेषित कर दिया है।

भाजपा उतई मंडल की कार्यकारिणी घोषित

दुर्ग, 30 जुलाई (देशबन्धु)। भाजपा दुर्ग जिला संगठन के अंतर्गत आने वाले दुर्ग ग्रामीण विधायकसभा के अंतर्गत आने वाले उतई मंडल की कार्यकारिणी की घोषणा कर दी गई है।

जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने बताया कि कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष देवेंद्र भारती, दानेश यादव, विमला कामंड, तारा साहू, महामंत्री चंद देवांगन, प्रवीण यदु, मंत्री बसंत देवांगन, रूपेश पारख, संध्या भारती, हरीश यादव, कोषाध्यक्ष सतीश चंद्राकर, सह कोषाध्यक्ष लेखराम साहू, कार्यालय मंत्री ऋषि देशमुख, सह कार्यालय मंत्री धनराज साहू, मीडिया प्रभारी जितेंद्र सोनी, मीडिया सह प्रभारी राहुल यादव, सोशल मीडिया प्रभारी घनश्याम साहू, सोशल मीडिया सह प्रभारी जितेंद्र साहू, आईटी सेल प्रभारी सचिन सोनी आईटी सेल सह प्रभारी राकेश देवांगन सहित 25 कार्य समिति के सदस्य बनाए गए हैं।

नेमिनाथ प्रभु दीक्षा कल्याणक दिवस पर संयम-संवेदना का आयोजन



दुर्ग, 30 जुलाई (देशबन्धु)। महान व्यक्तियों का जीवन चरित्र, अनेकों के जीवन को चारित्रवान बनाता है। जब-जब ब्रम्हाचर्यव्रत की बात आती है तब श्री नेमिनाथ प्रभु की याद अवश्य आती है। अपने लग्न जीवन के प्रसंग पर निर्दोष-अबोल जीवों की हिंसा को जानकर नेमिनाथ प्रभु ने लग्न जीवन की निषेध कर दिया था। जीवदया के ध्येय से उन्होंने राजीमति (राजूल) के साथ नौ-नौ भवों से चली आ रही प्रीत को भी तोड़ डाला था। नेमिनाथ प्रभु के पास राजूल ने संयम ग्रहण कर राग को विराग-ममता को समताएं नेम के प्रेम से आत्म से

महात्मा बनकर मोक्ष पद को प्राप्त किये। उक्त उद्गार श्री उतावगहरं पार्श्व तीर्थ नगपुरा में चातुर्मास आराधना क्रम में आज श्रावण सुदी षष्ठी को श्री नेमिनाथ प्रभु दीक्षाकल्याणक दिवस पर नेम-संयम-संवेदना प्रवचन माला में साध्वी लब्धियशसा मसा ने व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि राग अगर उच्च आत्मा के प्रति हो, शुभ भावों के साथ हो, तो वह राग भी विराग बनकर आत्म कल्याण का कारक बन जाता है। आज श्री नेम-लब्धि अष्टाहिका उत्सव का चतुर्थ दिवस साध्वी

दुर्ग, 30 जुलाई (देशबन्धु)। श्री आदिनाथ जैन धेतांबर मंदिर ट्रस्ट एवं सहजानंदी वर्षावास समिति द्वारा नवकार भवन ऋषभ नगर में गिरनार तीर्थ के नायक नेमीनाथ के साथ मनाया गया। महोत्सव में श्रद्धालुओं द्वारा संगीतमय भजनों की धुन में नाच गाकर परमात्मा की श्याम वर्णी प्रतिमा का विभिन्न औषधियों से अभिषेक किया गया।



परमात्मा का जन्म कल्याणक महोत्सव विराटसागर मसा आदि टाणा के सानिध्य में विभिन्न औषधियों के 251 कलशों से परमात्मा का अभिषेक कर धूमधाम

उल्लेखनीय है कि जीवदया प्रतिपालक, आबाल ब्रम्हचारी, जैनों के 22 वे तीर्थंकर गिरनार मंडन नेमीनाथ परमात्मा ने का जन्म श्रावण शुक्ल

➤ > शेष पृष्ठ 9 पर >

भारतीय ज्ञान परंपरा से प्रेरित नई शिक्षानीति को आत्मसात कर विद्यार्थी बड़े आगे : गजेन्द्र यादव

दुर्ग, 30 जुलाई (देशबन्धु)। संस्कार का विद्यार्थी जीवन में अत्यंत महत्व है। संस्कारित होने पर संप्रता हर स्थान पर प्राप्त होती है, जो कि विद्यार्थियों के दया व दया का निर्धारण करता है। भारतीय ज्ञान परंपरा का आत्मसात कर विद्यार्थी उन्नति की ओर अग्रसर हो सकता है। इस उद्बोधन के द्वारा विद्यार्थियों में

नई उर्जा का संचार आज महाविद्यालय दीक्षारंभ योजना के मुख्य अतिथि विधायक गजेन्द्र यादव के द्वारा किया गया। श्री यादव ने कहा कि दश में उपस्थित प्रचुर संसाधनों का उचित उपयोग व दोहन की जानकारी आज के छात्रों को नहीं है। भारतीय ज्ञान परंपरा को प्रसारित करने का काम एनईपी.2020 के तहत किया जा रहा



है। कौशल विकास के माध्यम से स्व-रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे।

इस समारोह में विशिष्ट अतिथि जन भागीदारी अध्यक्ष शिवेन्द्र सिंह

बौद्ध गया का संचालन डॉ. आम्बेडकर के पोते को सौंपकर सभी विवादों के पटाक्षेप की मांग

दुर्ग, 30 जुलाई (देशबन्धु)। दि बुद्धिस्ट सोसायटी आफ इंडिया की प्रदेश इकाई ने बौद्धगया बिहार स्थित महाबधि

के प्रदेश अध्यक्ष अनिल मेश्राम, प्रदेश महासचिव नरेन्द्र खोब्रागढ़े, मनोज मून, प्रदेश उपाध्यक्ष संतोष भीमटे, प्रदेश सचिव गौतम खोब्रागढ़े शामिल थे। जापन में बिहार में बौद्ध धर्म से संबंधित सभी महत्वपूर्ण स्थलों के रख रखाव, सौंदर्यकरण

के ट्रस्टी व नेशनल वर्किंग चेयरमैन भीमराव यशवंत राव आम्बेडकर को सौंपने की मांग की है। तदाशय का जापन सोसायटी के स्थानीय पदाधिकारियों ने राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, भारत सरकार, राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री बिहार के नाम कलेक्टर दुर्ग को जापन सौंपा। जापन सौंपने वालों में सोसायटी

बौद्ध स्मृति पार्क, महाबोधिक सांस्कृतिक केन्द्र की स्थापना का उल्लेख करते हुए कहा है कि महाबोधि महाबिहार बौद्ध गया के संचालन व संरक्षण हेतु डॉ. भीमराव आम्बेडकर के पोते भीमराव यशवंत राव आम्बेडकर को सौंप दिये जाने से इससे जुड़े सभी विवादों का पटाक्षेप हो जायेगा।

दो चरणों में आयोजित इस दीक्षारंभ समारोह में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 से जुड़े विभिन्न बिंदुओं जैसे विभिन्न कोर्सेस, जेनेरिक तथा वैल्यू

➤ > शेष पृष्ठ 9 पर >

मंडल अध्यक्ष-अन्य प्रभागों के गठन हेतु विधायक को किया अधिकृत



भिलाईनगर, 30 जुलाई (देशबन्धु)। शक्ति सदन सेक्टर-2 में ब्लॉक कांग्रेस कमटी 3 की बैठक सम्पन्न हुई। इस बैठक में मंडल अध्यक्ष, सेक्टर प्रभारी, जोन अध्यक्ष के चयन एवं संगठनात्मक विषयों में चर्चा हुई, और ब्लॉक प्रभारी के निजी कारणां से अनुपस्थिति में इस बैठक सभी वरिष्ठ और कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने अपने विचार रखे और सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि मंडल अध्यक्ष व अन्य प्रभारों के गठन हेतु विधायक देवेंद्र यादव को सर्वसम्मति से अधिकृत किया गया। यहां प्रस्ताव ब्लॉक 3 के सभी उपस्थित की सहमति से लिया गया। इस बैठक में ब्लॉक अध्यक्ष प्रमोद प्रभाकर, आर एस शर्मा विशेष आमंत्रित सदस्य विधायक प्रतिनिधि राजेंद्र परगनिया, जोन अध्यक्ष राजेश चौधरी, वॉर्ड पार्षद नोमिन साहू, पार्षद साधना सिंह, पार्षद सुरेश शर्मा, सज्जाद हुसैन प्रकाश ब्लॉक 3, राजेंद्र कुमार यादव, संजय कुमार साह अध्यक्ष स्टील टेका श्रमिक यूनियन इंटक, प्रभा हुसैन टाकले, दीपक कुमार खन्ना, कुलजोति सिंह, ख्वाजा अहमद, नंद कुमार यादव, सौरभ मिश्रा, इमरान रूद्रा, हेमंत राव, अनीश लाल, एम के राव, नन्द कुमार वर्मा, टीकम लाल वर्मा, पी सी शर्मा, सुनील चौधरी, अशोक साहू, सी पी द्विवेदी, सुरेश कुमार, प्रेम कुमार, हरीश सिंह, योहाना, आकाश यादव, आकाश कर्नाजिया आदि श्रीनु, फातेह सिंह, लोकेश सेन, लक्ष्मण सिंह, देवेंद्र उईके, निखिल सिंह, शुभम यादव, न्यूभ सिंह, अभिषेक अवस्थी उपस्थित थे।

सवारी के जेब से रूपए लेना वाले चालक एवं सहयोगी गिरफ्तार



भिलाईनगर 30 जुलाई (देशबन्धु)। छवनी पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से 10,200 रुपये व एक अंटी जप्त किया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, विगत 5 जुलाई को प्रार्थी संतोष तिवारी 64 साल निवासी केम्प-2 छवनी ने रिपोर्ट दर्ज करवाया कि 30 जून को प्रार्थी अपने लड़के के साथ सुपेला से केम्प-2 छवनी अपने घर जाने के लिए आठो रिकसा क्रमांक सीजी 07 बीबी 9081 में बैठकर घर जा रहे थे कि चन्द्र मौया टाकजि भिलाई के पास आठो का डायवर द्वारा बुकिंग में जाना है कह कर दुरसे प्रार्थी से चले जाओ कहकर उतार दिया आठो रिकसा वाला बिना किराया लिए आठो के जेब में रखे 10,200 रुपये चोरी कर भाग जाने की रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 780/2025 धारा 303 (2) बीएनएस पंजीबद्ध कर विवेचना कार्यवाही में लिया गया। विवेचना के दौरान संदेही मो. अल्लाफ और इमरान से पूछताछ करने पर 10,200 रुपये को लेना स्वीकार करके प्रार्थी आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त आठो को जप्त कर कब्जा पुलिस लिया गया है। उक्त कार्यवाही में निरीक्षक विजय कुमार यादव, सुनि प्रतुलाल साहू, प्रधान आरक्षक सुबोध पाण्डे, रामनारायण यदु, आरक्षक धर्मेन्द्र सूर्यवांशी, गंभीर जाटय की सराहनीय योगदान रहा।

विधायक के प्रयास से 9 करोड़ के विकास कार्यों की स्वीकृति

भिलाईनगर, 30 जुलाई (देशबन्धु)। नगरीय प्रशासन और विकास संस्थानालय छरीसराह सड़क नें वैशाली नगर विधानसभा के अंतर्गत विभिन्न वर्गों में विकास कार्यों के लिए 9 करोड़ 11 लाख 51 हजार रूपये की स्वीकृति प्रदान की है। विधायक रिंशे सेन के प्रस्ताव पर मिली स्वीकृति के लिए उन्होंने नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण मंत्री और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का आभार व्यक्त किया है। विधायक रिंशे सेन ने बताया कि वैशाली नगर विधानसभा के विभिन्न वर्गों के लिए सड़क डामरकरण और पथव्यव के लिए उक्त राशि 15वें वित्त आयोग के मिलियन प्लस सिटी अंतर्गत स्वीकृत की गई है। श्री सेन ने जानकारी दी कि इस राशि से वर्ग 4 नेहरु नगर पूर्व एवं नेहरु नगर पश्चिम के डामरकृत मार्गों का उन्नयन, वर्ग-12 गरी अरवली बाई कोहका भिलाई शिक्षक नगर, वॉलीबाल ग्राउण्ड के आस पास एवं इंदराहा चौक से दादू साहू के घर तक डामरकरण मार्गों का नवीनीकरण, जौन-1 नेहरु नगर वर्ग-9 राजीव नगर के विभिन्न स्थानों में डामरकरण, वर्ग-13 विनोबा नगर में मुख्य मार्ग से विनोबा नगर मुक्तिधाम मार्ग के दोनों ओर एमचंद्र नर्सरी से गायत्री डिपार्टमेंटल मार्ग एवं पुर्या अपार्टमेंट से शिवाजी चौक तक बूझारिपणए वर्ग-6 संचयन नगर शिव मंदिर से जोशी ब्रह्मसी सेंटर तक डामरकृत मार्ग का उन्नयन, वर्ग-13 पुरानी चव्डी कोहका जौन 9 टायर से राजा गार्डन एवं साकेत नगर में



डामरीकरण मार्ग का नवीनीकरण, वार्ड-20 वैशाली नगरपालिका में शिव मंदिर से विजय तिवारी घर के सामने तक, सिंधुधाम भवन के सामने एवं त्रिकोणा पार्क के तीनों तरफ सड़क डामरीकरण वार्ड-25 जवाहर नगर एमआईजी लाइन के पास पास मार्ग का डामरीकरण, जोन-2 वैशाली नगर क्षेत्रांतर्गत सड़कों का संधारण, वैशाली नगर कॉलोनी नं० मकान नंबर ईडब्ल्यूएस 215 से पोल नंबर 14/57/10 तक डामरीकृत मार्ग का नवीनीकरण, वार्ड-14 शांति नगर में सड़क 23, 24, 25, 26 एवं क्रांति सड़क और पोल नंबर 14/307 से पोल नंबर 14/317 तक एवं दशहरा मैदान हनुमान मंदिर के सामने से पोल नंबर 14/596 तक सड़क डामरीकरण, वाड-29 वृंदा नगर में पोल नंबर 29/326 से रंजना देवी निवास होते हुए चैता मैदान तक डामरीकरण, 18 नंबर रोल के शेष भाग में डामरीकरण, वार्ड-36 श्याम नगर अंतर्गत जलेबी चौक से राजस्थान होटल तक डामरीकरण, नेहरु नगर चौक, सुपेला चौक, चंद्रा मौर्या चौक, पावर हाउस चौक, खुर्सीपार चौक, छवनी चौक एवं सुयं होमल चौक में मार्गों को लेप्ट चर्री करके का कार्य, निगम फिलाईटी क्षेत्रांतर्गत जामुल ट्रेचिंग ग्राउण्ड, इंदु आईटी स्कूल के पीछे तथा कुरुद एसएलआरएम सेंटर के समीप मिथायवासी प्लांटेशन कार्य, वार्ड-11 फरीद नगर तक किया जायेगा।

**प्रस्तावित पार्किंग स्थल को अवैध
कब्जे से कराया गया रिक्त**



भिलाईनगर, 30 जुलाई (देशबन्धु) सुपेला लक्ष्मी नगर गुरुद्वारे के पास शासकीय रिक्त भूमि पर पार्किंग स्थल प्रस्तावित है। जहां कुछ लोगों द्वारा अवैध कब्जा कर लिया गया था। स्थल बल के साथ जोन 1 आयुक्त अजय सिंह राजपूत स्वयं स्थल रिक कवाएँ। वहाँ पार्किंग स्थल बन जाने से सामान खरीदी बिक्री करने वाले ग्राहकों का गाड़ी पार्किंग होगी। हमेशा वहाँ जाम की स्थिति निर्मित होती है जिससे दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती है। आकाशगंगा में पार्किंग व्यवस्था की जा रही है, जिससे लोगों को सुविधा मिले। स्थानीय व्यापारियों द्वारा वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन से भी मांग किया गया था कि वहाँ व्यवस्थित पार्किंग बने पार्किंग स्थल पर पेवर ब्लॉक, गेट सहित प्रवेश एवं निकासी की व्यवस्था होगी। अच्छी लाइटिंग सुविधा होगी, जो सबके लिए सुविधाजनक होगा। स्थानीय व्यापारियों ने इस कार्य से खुशी व्यक्त करते हुए प्रशासन को धन्यवाद दिया। जुवाना चौक पर शासकीय स्कूल के सामने नाली के ऊपर अवैध कब्जे को हटाया गया। खुले में मांस बेचने वालों पर चलानी कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान राजस्व अधिकारी अजय शुक्ला, प्रसन्न तिवारी, शशांक सिंह, विनोद शुक्ला, इनाम सिंह कन्नौज, निरंजन असादी, संतोष हर्मचू, सुपेला पुलिस बस उपस्थित रहे।

दुर्ग-भिलाई-बालोद-बेमेतरा-राजनांदगांव-कवर्धा

महापौर परिषद की बैठक सम्पन्न



भिलाईनगर, 30 जुलाई
(देशबन्धु)। निगम भिलाई के महापौर परिषद की बैठक महापौर नीरज राज की अध्यक्षता एवं आयुक्त पालीव कुमार पाण्डेय की उपस्थिति में सम्पन्न हुई। बैठक में महापौर परिषद के सदस्यों के समक्ष 12 एजेण्डा विचारार्थ प्रस्तुत किया गया। जिसमें प्रमुख रूप से हार्स राडिंग ट्रेक निर्माण, चौक का नामकरण, सामुदायिक भवन का नामकरण, ठोस तथा तरल अपशिष्ट प्रबंधन हेतु इंदौर दौरा, राजस्व वृद्धि हेतु विद्युल पोल एवं ट्यूबलर पोल में विज्ञापन बोर्ड, सुरक्षा गार्ड की सेवाएं हेतु कार्योंतर एवं वित्तीय स्वीकृति, जलप्रदाय, स्वीमिंग पुल निर्माण, सिवरेज ट्रीटमेंट प्लांट निर्माण एवं भूखण्डों का पुनः निविदा आमंत्रित किया जाना है। निगम भिलाई क्षेत्रांतर्गत जेन-1 गियदर्शिनी परिसर पश्चिम में हार्स राडिंग ट्रेक निर्माण कार्य एवं न्यू खुर्सीपार स्थित डबारा पारा चौक का नाम परिवर्तित कर सम्राट अशोक चौक करने की स्वीकृति मिली। वार्ड-27 शास्त्री नगर नहर के पास स्थित सामुदायिक भवन को डॉ. बी.आर.अम्बेडकर के नामकरण किये जाने एवं नगर पालिक निगम इंदौर में ठोस तथा तरल अपशिष्ट प्रबंधन अंतर्गत किये गए उत्कृष्ट कार्यों के अवलोकन एवं अध्ययन हेतु नगर निगम भिलाई के

महापौर, सभापति, समस्त पार्षद एवं संबंधित अधिकारियों को भेजे जाने की अनुमति हेतु तथा राजस्व आय की वृद्धि हेतु निगम क्षेत्र के मुख्य मार्गों में स्थित विद्युत पोल एवं ट्यूबलर पोल में विज्ञापन बोर्ड लगाने के संबंध में महापौर परिषद से स्वीकृति मिली। निगम थिलार्ड के संपर्क की सुरक्षा व्यवस्था हेतु

100 कार्यरत सुस्वागार्ड की सेवाएं जारी रखे गए की व्यय एवं कार्योत्तर की पुष्टि की वित्तीय स्वीकृति की अनुमति प्रदान करने एवं प्रियदर्शिनी परिषद पश्चिम में स्वीमिंग पुल निर्माण कार्यएं वार्ड-70 हड़को में सीवरेज पाईप लाईन एवं सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट निर्माण कार्य तथा निगम लाईन विभिन्न क्षेत्रों योजनाओं में रिक आवास, व्यवसायिक, आवास सह व्यवसायिक भूखण्डों के अंतरण के संबंध में पुनः निविदा आमंत्रित किये जाने महापौर परिषद ने सहमति प्रदान की। बैठक में महापौर परिषद के सदस्य सीजू एथोनी, लक्ष्मीपति राजू, संदीप निरंकारी, आदित्य सिंह, केशव चौबे, एकांश बंछोर, चंद्रशेखर गंवई, रिता सिंह गेरा, नेहा साहू, मालती ठाकुर, उपायुक्त सह सचिव नरेंद्र बंजारे, जो आयुक्त अजय राजपुत, अमरनाथ दुबे, कुलदीप गुप्ता, कार्यप्रदान अभियंता रवि सिन्हा, अरविंद शर्मा, सुनील अग्रवाल, संजय अग्रवाल, विनीता वर्मा, लेखाधिकारी

आयुक्त ने डोम शेड के लिये कॉलम को उखड़वाया



भिलाईनगर, 30 जुलाई (देशबन्धु)। रिसाली आयुक्त मोनिका वर्मा ने इंटरनेशनल कॉलोनी बी ब्लॉक तालपुरी में निर्माणाधीन डोम शेड के कॉलम को न केवल उखाड़वाया बल्कि नए सिरे से कॉलम व बेस बनाने के निर्देश दिए हैं। दरअसल 10 मीटर ऊंचाई वाले डोम शेड के पिल्लर को खड़ी करने 2 फीट गहराई में बेस तैयार कर कॉलम खड़ी किया जा रहा था। इस घोर लापरवाही पर निर्माण एजेंसी दीवान कंस्ट्रक्शन को कड़ी फटकार लगाते मानक अनुरूप काम करने नोटिस जारी किया है। कॉलम को उखाड़ने से पहले निगम के अभियंताओं ने पहले कार्य की गुणवत्ता की जांच की। जांच में घोर लापरवाही होने में निर्माण एजेंसी दीवान कंस्ट्रक्शन के संदीप साहू के सामने जेसीबी की मदद से डोम शेड निर्माण के लिए खड़े किए 10 कॉलम को उखाड़ कर नए सिरे से कॉलम तैयार करने के निर्देश दिए। इस दौरान मौके पर सहायक अभियंता अखिलेश गुप्ता, जयंत शर्मा, रेवती रमन समेत लोक निर्माण विभाग के कर्मचारी व सुपरवाइजर उपस्थित थे। आयुक्त मोनिका वर्मा निर्माण कार्यो को समय अवधि में पूरा करने अभियंताओं की बैठक ली। बैठक में प्रस्तुत सूची के आधार पर ही आयुक्त मौके पर पहुंची। तालपुरी बी ब्लॉक में डोम शेड के लिए तैयार किए जा रहे कॉलम को देखने के बाद आयुक्त ने तत्काल सहायक अभियंता समेत उप अभियंता को मौके पर उपस्थित होकर जांच के निर्देश दिए। तालपुरी बी ब्लॉक में स्थित क्लब हाऊस

के पास 15 मीटर बाई 10 मीटर डोम शेड का निर्माण कार्य करने कार्य आदेश जारी किया गया है। इस कार्य के लिए निर्माण एजेंसी ने डोम शेड के लिए लोहे का पिटलर खड़ी करने बेस तैयार किया था। बेस की गहराई 5 फीट से अधिक होनी था, किन्तु जांच में गहराई दो फीट पायी गयी। कॉलम एवं बेस के लिए सफ़रियर नियमत: 12 एम.एम. का होना चाहिये किन्तु ठेकेदार ने 8 एम.एम. और 10 एम.एम. के निक्स इसका उपयोग किया था। ठेकेदार की इस मनमानी पर भी अधीनताओं ने जमकर पटकार लगाई।

20 लाख का कार्य आदेश
रिसाली नगर पालिक निगम ने दीवान कस्ट्रक्शन को इंटरनेशनल कालोनी क्लब हाऊस के पास कार्य करने 20 लाख का कार्य आदेश जारी किया है। इस कार्य आदेश में हाई मास्क लाइट लगाने का कार्य पूर्ण हो चुका है। वहीं क्लब हाऊस को दीवान कस्ट्रक्शन के संदीप साहू डोम शेड की लागत लगभग 8 लाख होने पालिक निगम रिसाली मौनिका वार्ड में मता से जांच करने के निर्देश दिए हैं। निगम के अन्य ठेकेदारों में दहशत देखी गई कि निर्माणधीन कार्य में भी कोई कमी न निकाले

के पास डोम शेड निर्माण कार्य को दीवान कंस्ट्रक्शन के संदीप साहू, ब्रह्म गिरी पूर्व शुरू किया है। डोम शेड को लागत लगभग 8 लाख होना बताया गया। आयुक्त नगर पालिक निगम रिसाली मौनिका वर्मा प्रत्येक निर्माण कार्य को सूक्ष्मता से जांच करने के निर्देश दिए हैं। निगम रिसाली के इस रुख को देखकर अन्य ठेकेदारों में दहशत देखी गई। वि. आयेक्ट उनके विकास के निर्माणधीन कार्य में भी कोई कमी न निकाले।

13 वरिष्ठ नागरिकों का सामूहिक जन्मोत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया

भिलाईनगर, 30 जुलाई (देशबन्धु)। भिलाई वरिष्ठ नागरिक महासंघ के नवनियुक्त प्रबंधकारिणी को प्रथम बैठक सियान सदन हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी भिलाई में संपन्न हुई। बैठक को अध्यक्ष घनश्याम कुमार देवानग ने का। बैठक में आगामी कार्य योजना की रूपरेखा बनाई गई। अध्यक्ष घनश्याम कहा कि वरिष्ठ नागरिक हमारे समाज की अमूल्य धरोहर हैं। सभी वरिष्ठजनों की खुशहाली एवं उनकी समस्याओं के निवारण के लिए महासंघ प्रतियबद्ध है। वरिष्ठजन अर्जित ज्ञान, हुनर और अनुभव से नई पीढ़ी को मार्गदर्शन करे और उन्हें अच्छे संस्कार दें। उन्होंने कहा कि सियान सदन में वरिष्ठ जनों के खेल एवं मनोरंजन के लिए सामग्री जुटाई जाएगी। सभी वरिष्ठ नागरिकों अपनी ज़िंदगी तनाव रहित, सुख,शान्ति एवं हंसी खुशी से बिताएं। बैठक के आरंभ में नवनियुक्त अध्यक्ष घनश्याम देवानग, उपाध्यक्ष श्रीमती अर्चना मुले, बलवीर सिंह सहाल, महासंघस्य गजानंद साहू, कोषाध्यक्ष दिनेश गुप्ता, संयुक्त सचिव महेंद्र सोनवानी, कार्यकारिणी सदस्य हनुमन्त देवानग, माखनलाल टंडन, सुखी राम जांगड़े, भरतलाल साहू, बाबूलाल साहू, जियालाल चौधरी का पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर एक नई शुरुआत करते हुए जुलाई से माह में जन्मतिथि वाले 13 वरिष्ठ नागरिकों का साप्ताहिक जन्मोत्सव हवेल्लस में मनाया गया।



राधा कृष्ण मंदिर में आज से श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन

भिलाईनगर, 30 जुलाई (देशबन्धु)। नेहरू नगर स्थित श्री बांके बिहारी चैरटेबल ट्रस्ट द्वारा 31 जुलाई से 6 अगस्त तक आयोजित होने वाली श्रीमद भागवत हरिहर मिलन कथा में प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से संध्या 6 बजे तक माँ चैतन्य मीरा के सान्निध्य में कथा, भजन और संकीर्तन का आयोजन श्री राधाकृष्ण मंदिर नेहरू नगर ईस्ट भिलाई में किया जायेगा। माँ चैतन्य मीरा अपने मधुर भजनों, गहन जीवनदर्शन और भक्ति भाव से सराबोर कथन शैली के लिए जानी जाती हैं। वे जीवन को प्रेम, करुणा और भक्ति के भाव से जीने की प्रेरणा देती हैं। उनके प्रवचनों का वातावरण श्रोताओं के मन को शांति और हृदय को आनंद से भर देता है। कथा का विशेष दिवस बुधवार 6 अगस्त को रखा गया है। जब प्रातः 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक कथा का विशेष सत्र होगा। इस अवसर पर भंडारा प्रसादी वितरण का आयोजन दोपहर 1 बजे से किया जाएगा। उक्त जानकारी पत्रकार वार्ता में ट्रस्ट के अध्यक्ष संजय रूंगटा व बंशी अग्रवाल ने दी। उन्होंने बताया कि आयोजन स्थल श्री राधाकृष्ण मंदिर नेहरू नगर ईस्ट में आज से आयोजित भक्ति संगीत और हरिनाम संकीर्तन से गूँज उठेगा। मंदिर परिसर को इस अवसर पर विशेष रूप से सजाया गया है, ताकि श्रद्धालुओं को पावन और दिव्य वातावरण का अनुभव हो। इस कथा आयोजन की सफलता के लिए ट्रस्ट के संरक्षक विजय गुप्ता, नेतराम अग्रवाल एवं विजय अग्रवाल दुर्ग का मार्गदर्शन प्राप्त हो रहा है। ट्रस्ट के अध्यक्ष संजय रूंगटा के नेतृत्व में

उपाध्यक्ष मनीत जैन जी, अनिल अग्रवाल, महासचिव श्री बंशी अग्रवाल, सचिव विकास सिंघल, कोषाध्यक्ष मनोज देवरलिया, उपकोषाध्यक्ष अनुप बंसल, सांस्कृतिक सचिव दिलीप अग्रवाल तथा सह सचिव अमित अग्रवाल सहित सभी पदाधिकारी मिलकर आयोजन की व्यवस्थाओं में जुटे हुए हैं। सभी स्वागतोत्सुक सदस्य संजय रूंगटा, बंशी अग्रवाल, मनीत जैन, मनोज देवरलिया, अनुप बंसल, अनिल अग्रवाल,



प्रियजनों सहित इस आने की अपील की है। यह आयोजन न केवल भक्ति का अवसर है बल्कि समाज में एकता और प्रेम का संदेश देने का भी माध्यम बनेगा। उन्होंने बताया कि विगत वर्षों की तरह इस वर्ष भी 16 अगस्त को श्री कृष्ण जन्माष्टमी का आयोजन धूम धाम से मनाया जायेगा। ज्ञात हो कि 12 जुलाई को श्री बांके बिहारी धैरिदेवले ट्रस्ट में नए पदाधिकारियों का चुनाव किया गया है। जिसमें पुनः सर्व सम्मति से संजय रूंगटा अध्यक्ष एवम बंसी अग्रवाल महासचिव तथा कार्यकारिणी सदस्य गिरीश बंसल, सुरेश केजरीवाल, सतीश झा, पवन अग्रवाल, सुरेश जैन, अशोक जैन, अजय चौहान, शिव गोयल, मनोज अग्रवाल, सुभाष गुलाटी, सुनील मिश्र, मनोज मिश्र, सौरभ रायका, विष्णुदत्त सिंघल, विकास अग्रवाल नियुक्त हुए।

जयंती स्टेडियम मैदान में दिव्य शिवमहापुराण कथा प्रारंभ



भिलाईनगर, 30 जुलाई (देशबन्धु) जयंती स्टेडियम सिविक सेंटर के मैदान में भव्य और दिव्य शिवमहापुराण की कथा बुधवार से प्रारंभ हुई। यहां भगवान भोलेनाथ के प्रति आस्था, विश्वास का अद्वितीय नजारा रहा। अंतराष्ट्रीय कथावाचक पं. प्रदीप मिश्रा ने कहा कि दया सिंह की शिवभक्ति इतनी प्रबल है कि उनके साथ-साथ पूरे भिलाई और छत्तीसगढ़वासियों को सावन के इस पवित्र महीने में शिवमहापुराण कथा का लाभ मिल रहा है। यह पूरे भिलाईवासियों के लिए एक पुण्य और भक्ति का प्रताप है। पं. प्रदीप मिश्रा ने कहा कि हर वर्ष सावन के पूरे एक महीने भक्तों को ऑफलाइन ही शिव महापुराण कथा सुनने को मिलती थी। लेकिन इन दो वर्षों में केवल भिलाई ही एक मात्र स्थान है। जहां सावन के पवित्र महीने में शिवमहापुराण कथा का ऑफलाइन आयोजन हो रहा है। पूर्व गृहमंत्री व वर्तमान में वन विभाग प्राधिकरण के चेयरमैन रामचंद्रक पैकारा, पूर्व मंत्री पुरनम चंद्रकार, पूर्व मंत्री रमशीला साहू, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह की पत्नी वीणा सिंह, उनकी बड़ी बहन ईला कच्छुरी, रेणु सिंह सहित उनका पूरा परिवार कथा श्रवण करने के लिए उपस्थित रहा। पहलें दिन की कथा में पं. प्रदीप मिश्रा ने कहा कि आज स्कंदेष्टी है। सावन के पवित्र महीने में यह स्कंदेष्टी वर्ष में केवल एक बार आती है। इसी दिन शिवजी ने अपने पुत्र कार्तिकेय स्कंध भावाना को अनेक वरदान दिए थे। 33 कॉटि देवताओं ने भी उन्हें अनेक वर दिए थे। आज के दिन स्कंध भगवान को केहर स्मरण करने से शिवजी की अंतक कुपा प्राप्त होती है। पं. मिश्रा ने कहा कि जिस भी घर में परिवार में कलेश हो, विवाद हो, संबंध टूट रहे हों तो शिवलिंग के मध्य भाग में स्थित स्कंध भावाना की सम्पूर्ण भाव से जल अर्पित करें, कलेश बलप्रत्र, एक दुर्गा और एक सफेद पुष्प अर्पित करें, तो शिवजी की अंतक कुपा प्राप्त होगी और परिवार में पुनरुत्प्रेम बंद जाएगा। कथा में पं. प्रदीप मिश्रा ने कहा कि जहां पर शिव कथा होती है, चाहे वह पंडाल हो या ऑनलाइन हो या फिर टीवी स्क्रीन के सामने भक्त बैठकर कथा सुन रहे हों वह स्थान 7 दिनों के लिए कैलाश धाम बन जाता है। शिवजी ने तमसुरिए शिवमहापुराण की कथा जहां पर चलती है, वही कैलाशधाम हो जाता है। मृत्युलोक, भू मंडल पर जहां शिव कथा होगी, वहीं पर कैलाशधाम आ जाता है, शिवजी परिवार सहित पूरे दिन वहीं पर निरावजें हैं। पं.प्रदीप मिश्रा ने कहा कि जिस तरह भगवद् गीत, रामचरित मानस समेत अन्य ग्रंथ, पुराणों सुनने का एक नियम होता है, उसी तरह शिव कथा का भी एक नियम है। इसका सबसे बड़ा नियम है कि जिस समय भी आप बैठकर शिव कथा सुनो उस समय केवल मन में पूरा विश्वास होना चाहिए। मन में केवल एक ही भाव होना चाहिए कि यह कथा मैं नहीं मेरा शिवजी सुन रहे हैं। आपके मन में यदि शिवजी के प्रति विश्वास है तो पंडाल में जहां पर जगह मिले वहीं पर बैठकर कथा का श्रवण करें। यदि आपके मन में शिवजी के प्रति विश्वास नहीं है तो कहीं पर जाने की जरूरत नहीं है। आप घर ही बैठो। पं.प्रदीप मिश्रा ने कहा कि घर छोटी सी झोपड़ी हो या बड़ा सा महल हो, यह कोई मायने नहीं रखता। शिवपुराण कथा कहती है कि आपके घर में रहने वालों का व्यवहार कैसा है। पता चले कि घर तो बड़ा सा बंगला है परंतु वहां रहने वाले लोगों का व्यवहार अच्छा नहीं है तो बड़ा घर होना क्या फायदा। वरने वाली सुविधा है लेकिन रात में चैन की नींद नहीं सो पाते। मन में शांति नहीं है। रात में दवाइयां खानी पड़ रही हैं तो ऐसे भी बड़े घर का क्या फायदा। शिवमहापुराण पक्का विश्वासपट्ट दृढ़ता देती है। घर का माहौल अच्छा है तो किराए का मकान भी महल लगता है। सुख, आनंद की अनुभूति होती है।

मल्टीपल और एरिया पदाधिकारियों की यात्रा सम्पन्न



भिलाईनगर, 30 जुलाई (देशबन्धु)। ऑल इंडीय लीनेस क्लब की डिस्ट्रिक्ट सीएम-1 संपदा डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट लीनेस अनिता कपूर, मल्टी प्रेसिडेंट लीनेस सुमन सिंह और एरिया ऑफ लीनेस नीता गुप्ता का लीनेस क्लब भिलाईनगर साप्ताहिक प्रवास हुआ। लीनेस पदाधिकारियों ने दौरान विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। स्कूल बच्चों को उपहार बांटे और लीनेस क्लब भिलाईनगर गतिविधियों की सराहना की। अपने दौरे की शुरुआत में पदाधिकारी नेत्रहीन विद्यालय पहुंचे जहां भिलाईनगर इकाई द्वारा उपलब्ध कराए गए ब्रेल पेपर, बुक्स, पानी की बोतले और नाश्ता वितरण किया। लीनेस बाद लीनेस पदाधिकारी शांति नगर स्कूल में बच्चों को रनकोर्ट और नाश्ता दिया गया साथ ही ऑल इंडीय के लिए एक सोफा फंड राई किया गया। लीनेस पदाधिकारियों ने कृष्णा नगर स्कूल में बच्चों को स्पोर्ट्स टी शर्ट्स, बैडमिंटन, बैट और शटल

किया। लीनेस पदाधिकारियों ने मूक बधिर शाला में हॉस्टल के छात्रों के लिए चादर तकि, भेंट किए। साथ ही सफाई कर्मचारियों को मल्टीपल प्रोजेक्ट के अंतर्गत एक मुठ्ठी अनाज के तहत अनाज दिया गया। इस दौरान पदाधिकारियों ने शाला में आयोजित रंगोली प्रतियोगिता के पुरस्कार वितरण किए और विद्यार्थियों को शिक्षण सामग्री भेंट की। पदाधिकारियों ने शाला में ही एक कन्या के विवाह के लिए उपहार भेंट किए। कार्यक्रम का संचालन जयंती शर्मा ने किया। ध्वज वंदना जय त्रिवेदी ने की, लीनेस गीत अंजना विनायक ने और रश्मि लखोटिया ने आभार प्रदर्शन किया। आयोजनों में अस्थिर रीता कुखरानिया, कोषाध्यक्ष राजश्री जैन, सुषमा उपाध्याय, नूतन गंधोक, विभा भूतानी, करुणा बंसल, मंजू सुराणा, तृषा कोर, मीनाक्षा, शक्ति धरणी, उर्मिला, मनीषा, स्नेहा, किरण झांब, संगीता, सुषमा गुप्ता, शुभा, पूनम, अमिता राज, सीमा यादव आदि उपस्थित थे।

एसएसपी ने किया उतई के थाना प्रभारी को सस्पेंड

भिलाईनगर, 30 जुलाई (देशबन्धु)। जयंती स्टेडियम सिविक सेंटर में शिव महापुरा कथा आयोजन के दौरान ड्यूटी के दौरान निरीक्षक शिवप्रसाद चंद्रा द्वारा सुरक्षा ड्यूटी के संबंध में निर्देश दिया गया था। सुरक्षा ड्यूटी के प्रति लापरवाही एवं आदेश की अवहेलना करने पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल ने तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया। आज बुधवार से बोलवर्म सेवा समिति के द्वारा जयंती स्टेडियम भिलाई में आयोजित प्रख्यात शिव कथा वाचक पं. प्रदीप मिश्रा सीहोर बाले द्वारा शिव महापुराण कथा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था ड्यूटी व्यवस्था आदेश इस कार्यालय के आदेश दिनांक 29 जुलाई के माध्यम से जारी किया गया है। जिसमें सेक्टर 04 पब्लिक प्रवेश द्वार (गणेश द्वार) टी.ए. बिल्डिंग के सामने निरीक्षक शिवप्रसाद चन्द्रा, थाना प्रभारी उन्नी प्रभारी अधिकारी था। सुरक्षा ड्यूटी के संबंध में विस्तृत ब्रीफिंग कर निर्देश दिया गया था किन्तु सुरक्षा व्यवस्था की आज 30 जुलाई को जायजा के दौरान पाया गया कि निरीक्षक शिवप्रसाद चन्द्रा द्वारा कथा स्थल में प्रवेश करने वाले व्यक्तियों की तलाशी विना प्रवेश की अनुमति दे जा रही थी जो सुरक्षा ड्यूटी के प्रति गंभीर लापरवाही एवं आदेश की अवहेलना है। इससे कार्यक्रम स्थल की सुरक्षा प्रभावित हो रही है। उपरोक्तानुसार सुरक्षा ड्यूटी में लापरवाही एवं आदेश की अवहेलना के लिए निरीक्षक शिवप्रसाद चन्द्रा थाना प्रभारी उन्नी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर रक्षित केन्द्र जिला दुर्ग में सम्बद्ध किया जाता है। निलंबन अवधि में श्री चन्द्रा को नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता रहेगा।



बेमेतरा के बच्चों के साथ एक अविस्मरणीय दिन

इसरो वैज्ञानिकों से प्रेरणादायक मुलाकात

■ राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर शासकीय पी.जी. महाविद्यालय बेमेतरा में हुआ विशेष कार्यक्रम, विधायक दीपेश साहू और इसरो वैज्ञानिकों ने बच्चों को दी अंतरिक्ष विज्ञान की प्रेरणा



बेमेतरा, 30 जुलाई (देशबन्धु)। मिशन मून के तहत शासकीय पं. जवाहरलाल नेहरू कला एवं विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बेमेतरा में राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के अवसर पर एक प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बेमेतरा विधायक दीपेश साहू थे, जबकि विशेष अतिथि के रूप में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के वरिष्ठ वैज्ञानिकों की टीम उपस्थित रही। कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके पश्चात रंगोली व पोस्टर प्रतियोगिता का अवलोकन किया गया,

जिसमें छात्र-छात्राओं ने अंतरिक्ष विषयों पर आधारित आकर्षक कृतियाँ प्रस्तुत कीं। विधायक दीपेश साहू ने अपने प्रेरणादायी उद्घोषों में कहा आज का दिन हम सभी बेमेतरा के बच्चों के लिए, और मेरे लिए भी, गर्व एवं प्रेरणा से भरा रहा। मुझे इसरो के वैज्ञानिकों के साथ संवाद का सौभाग्य प्राप्त हुआ — यह मेरे जीवन के सबसे गौरवपूर्ण पलों में से एक है। आज हमने जाना कि इसरो क्या है, आकाशगंगा कैसे कार्य करती है, और चंद्रयान की सफल लैंडिंग कैसे वैज्ञानिकों की अथक मेहनत का परिणाम है।

उन्होंने छात्रों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आप चाहे गांव से हों या शहर से — मेहनत, लगन और समर्पण के बल पर आप भी एक दिन इसरो जैसे संगठनों का हिस्सा बन सकते हैं। अपने सपनों पर विश्वास रखें, सकारात्मक सोच के साथ निरंतर आगे बढ़ें।श्री साहू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी के नेतृत्व में शिक्षा के क्षेत्र में हो रहे सुधारों की भी सराहना की, जिससे गांव-शहर के हर बच्चे को समान अवसर प्राप्त हो रहे हैं। कार्यक्रम में इसरो के वैज्ञानिकों की विशेष टीम ने विद्यार्थियों को अंतरिक्ष

विज्ञान, प्रक्षेपास्त्र तकनीक, चंद्रयान, गूगल मैप, रॉकेट लॉन्चर इत्यादि विषयों पर अद्भुत जानकारी दी। वैज्ञानिक डॉ. आनंद अरुण, डॉ. जुगल किशोर मनी (वैज्ञानिक-स्त्र), अरुण एस. सूर्यवंशी (वैज्ञानिक-श्व), पी. कपीश्वर (वैज्ञानिक-श्व1), डॉ. अमित दुबे (वैज्ञानिक-ष्ठ), अखिलेश त्रिपाठी (वैज्ञानिक-ष्ठ) ने विद्यार्थियों के प्रश्नों का उत्तर देकर उन्हें मार्गदर्शन दिया।

इस अवसर पर आयोजित रंगोली व पोस्टर प्रतियोगिता में स्कूल एवं कॉलेज स्तर के सैकड़ों छात्रों ने भाग लिया। सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को इसरो के वैज्ञानिकों द्वारा प्रमाणपत्र व मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम की सफलता में प्रमुख भूमिका निभाई महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. वीणा त्रिपाठी, डॉ.आर. साहू, डॉ. डी.डी. द्विवेदी, डॉ. संध्या बघेल, जितेन्द्र बारले, दुर्गा प्रसाद जंघेल, सुश्री श्वेता साहू, बी.आर. साहू, डॉ. राजकुमार त्रिपाठी, श्रीमती ज्योति गेंद्रे, डॉ. पायल गोस्वामी, अविनाश अंगलावे, आशुतोष शुक्ला, एवं समस्त शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक स्टाफ ने। कार्यक्रम जिले के विभिन्न विद्यालयों से आए छात्र-छात्राओं की भागीदारी ने इस आयोजन को ज्ञान और प्रेरणा का उत्सव बना दिया।

सांसद विजय बघेल ने लोकसभा में आदिवासी बेटियों की सुरक्षा का मुद्दा उठाया

धानखम्हरिया, 30 जुलाई (देशबन्धु)। दुर्ग लोकसभा क्षेत्र के सांसद श्री विजय बघेल ने लोकसभा के मानसून सत्र में छत्तीसगढ़ की दो आदिवासी बेटियों से जुड़ी एक संवेदनशील घटना को शून्यकाल के दौरान संसद में मजबूती से उठाया। उन्होंने सदन को अवगत

कराया कि दिनांक 25 जुलाई को दुर्ग रेलवे स्टेशन पर दो भोली-भाली आदिवासी लड़कियों को बहला-फुसलाकर लाया गया। सांसद बघेल ने बताया कि इन लड़कियों को आगरा ले जाने के लिए टिकट भी कराया गया था। जब वहां मौजूद कुछ सतर्क नागरिकों ने हस्तक्षेप किया, तो एक लड़की रो रही थी और डरी-सहमी सी दिख रही थी। पूछताछ पर उसने बताया कि उसे जबरदस्ती लाया गया है और वह अपने घर जाना चाहती है।

तुरंत उसके परिवार और जीजा से संपर्क किया गया और जीआरपी पुलिस को सूचित किया गया। मौके पर बजरंग दल के कार्यकर्ता व स्थानीय जिम्मेदार नागरिक भी पहुंचे। सोशल मीडिया के माध्यम से सूचना फैलते ही बड़ी संख्या में लोग स्टेशन पर एकत्र हो गए।

सांसद बघेल ने इस पूरी घटना में संदेह व्यक्त करते हुए कहा कि दोनों नन जो लड़कियों को लेकर आई

थीं, उनमें एक जबलपुर और दूसरी आगरा की रहने वाली हैं। ये दोनों पहली बार छत्तीसगढ़ आई थीं और कहीं और न रुकते हुए सीधे दुर्ग रेलवे स्टेशन पहुँचीं, जो कई सवाल खड़े करता है।

उन्होंने इस घटना को राजनीतिक रूप देने और



■ नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, वायनाड लोक सभा सांसद प्रियंका गांधी वाड़ा, और अन्य विपक्षी सांसदों द्वारा फैलाई जा रही भ्रामक जानकारी का विजय बघेल सांसद द्वारा लोक सभा में करारा जवाब

छत्तीसगढ़ सरकार को बदनाम करने के लिए कांग्रेस नेताओं पर आरोप लगाते हुए कहा कि यह एक सुनियोजित षड्यंत्र है। उन्होंने विशेष रूप से केरल के कांग्रेस सांसदों, नेता प्रतिपक्ष श्री राहुल गांधी और श्रीमती प्रियंका गांधी वाड़ा के ट्वीट्स को भ्रामक और दुर्भावनापूर्ण बताया हुए इसका कड़ा विरोध किया।

सांसद बघेल ने संसद में सवाल उठाया, चक्या हम छत्तीसगढ़ की आदिवासी बेटियों की सुरक्षा नहीं करेंगे? जब केरल की बेटा हमारे राज्य में आती है तो हम उसका सम्मान करते हैं, लेकिन हमारी बेटियों के साथ जब ऐसा होता है तो कुछ लोग

राजनीति करने लगते हैं।

उन्होंने कहा कि यह मुद्दा केवल कानून-व्यवस्था का नहीं, बल्कि आदिवासी समाज की अस्मिता और बेटियों की सुरक्षा का विषय है, जिस पर राजनीति नहीं, संवेदनशीलता और त्वरित कार्रवाई की आवश्यकता है।

विद्युत दुर्घटना में मृत युवक के पिता को मिला 4 लाख की सहायता राशि का चेक

बालोद, 30 जुलाई (देशबन्धु)। कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा ने संयुक्त जिला कार्यालय स्थित अपने कक्ष में विद्युत दुर्घटना में मृत फ्लेश्वर यादव के पिता शिव कुमार को 04 लाख रूपए की सहायता राशि का चेक वितरण किया। विद्युत विभाग के कार्यापालन अभियंता ने बताया कि जिले के गुरूर विकासखण्ड के ग्राम घोघोपुरी निवासी फ्लेश्वर यादव 17 फरवरी को ग्राम सनौद में आयोजित शादी समारोह में बाजा बजाने आया था। विवाह कार्यक्रम के दौरान समारोह में लगाए गए टेंट में बिजली प्रवाहित होने पर वह टेंट में लगे लोहे के संपर्क में आने से फ्लेश्वर यादव की मृत्यु हो गयी थी। इस घटना के लिए छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी व राज्य सरकार द्वारा मुआवजे के प्रावधान के अनुसार मृतक के उत्तराधिकारी पिता शिवकुमार यादव को चेक के माध्यम से 04 लाख रूपये का मुआवजा राशि प्रदान किया गया है।

संतोष कौशिक जिला भाजपा कार्यसमिति में बनाए गए सदस्य

बालोद, 30 जुलाई (देशबन्धु)। भारतीय जनता पार्टी जिला बालोद की कार्यकारिणी में संतोष कौशिक को

कार्यसमिति सदस्य बनाये जाने पर सेन समाज के खुशी का माहौल है। पूरे बालोद जिले से सेन समाज से सेन समाज के जिलाध्यक्ष पूर्व परषद संतोष कौशिक के ऊपर भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने विश्वास जताया है। समाज भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का आधार व्यक्त करती है। बधाई एवम आभार व्यक्त करने वालों में मुकेश कौशिक मोहन सेन ढालेश्वर भारद्वाज घनश्याम कौशिक जगन कौशिक विकी भारद्वाज बहालालचंद नूनीवाल भिम् सेन कमलनारायण झगगर कौशिक श्रीमेश्वरी शॉडिल माया सेन राधिका सेन है।

ऑल इंडिया ऑर्गेनाइजेशन ऑफ केमिस्ट एवं ड्रगिस्ट एसोसिएशन ने ऑनलाइन दवा बिक्री पर रोक लगाने की मांग: राजीव सिंघल

■ ऑनलाइन दवा बिक्री का विरोध

बेमेतरा, 30 जुलाई (देशबन्धु)। पिछले 7 साल 2018 से ऑनलाइन दवा बिक्री शुरू होने से मेडिकल स्टोर्स से जुड़े लोगों में रोष व्याप्त है. उनका कहना है कि ऑनलाइन दवा बिक्री से व्यवसाय पूरा चौपट हो गया है. ऑल इंडिया ऑर्गेनाइजेशन ऑफ केमिस्ट एवं ड्रगिस्ट एसोसिएशन ने एक बार फिर ऑनलाइन फार्मसी प्लेटफार्म के संचालन को औषधि एवं प्रशासन सामग्री अधिनियम का उल्लंघन बताते हुए इस पर रोक लगाने की मांग की है.

ऑनलाइन दवा बिक्री को बताया अयैध

ऑल इंडिया ऑर्गेनाइजेशन ऑफ केमिस्ट एवं ड्रगिस्ट एसोसिएशन के राष्ट्रीय महासचिव राजीव सिंघल का कहना है

धानखम्हरिया, 30 जुलाई (देशबन्धु)। इसी दौरान नवोदय विद्यालय समिति द्वारा कंप्यूटर साईंस में रुचि रखने वाले छात्रों के लिए आयोजित विशेष चयन परीक्षा में भी अमित ने सफलता प्राप्त कर हैदराबाद में स्थान सुनिश्चित किया। अमित के हैदराबाद रवाना होते ही क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई। साईनाथ पब्लिक स्कूल, नवोदय विद्यालय बेमेतरा, ग्राम उलट तथा समाज के विभिन्न वर्गों से जुड़े गुरुओं, शुभचिंतकों और सामाजिकजनों ने हर्ष प्रकट करते हुए बधाई दी। बधाई देने वालों में प्रमुख रूप से आशीष सिंघानिया, दारा सिंह राजपूत (केन्द्रीय अध्यक्ष, क्षत्रिय समाज 3738 छत्तीसगढ़), मनोज सिंह राजपूत, दिलीप सिंह राजपूत (परिक्षेत्र अध्यक्ष, क्षत्रिय समाज 3738), सुमन मोहित प्रताप सिंह ठाकुर (रणवीरपुर), प्रवीण कुमार राजपूत, फलेश्वर सिंह राजपूत, विष्णु सिंह सेंगर,परितोष सिंह क्षत्रिय, अशोक सिंह ठाकुर, पं. अशोक प्रसाद शर्मा (नवागढ़) आदि ने अमित को आशीर्वाद व ढेरों शुभकामनाएं दीं।



भी भाग लिया और 9241 ऑल इंडिया रैंक प्राप्त की। इसी दौरान नवोदय विद्यालय समिति द्वारा कंप्यूटर साईंस में रुचि रखने वाले छात्रों के लिए आयोजित विशेष चयन परीक्षा में भी अमित ने सफलता प्राप्त कर हैदराबाद में स्थान सुनिश्चित किया।

अमित के हैदराबाद रवाना होते ही क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई। साईनाथ पब्लिक स्कूल, नवोदय विद्यालय बेमेतरा, ग्राम उलट तथा समाज के विभिन्न वर्गों से जुड़े गुरुओं, शुभचिंतकों और सामाजिकजनों ने हर्ष प्रकट करते हुए बधाई दी। बधाई देने वालों में प्रमुख रूप से आशीष सिंघानिया, दारा सिंह राजपूत (केन्द्रीय अध्यक्ष, क्षत्रिय समाज 3738 छत्तीसगढ़), मनोज सिंह राजपूत, दिलीप सिंह राजपूत (परिक्षेत्र अध्यक्ष, क्षत्रिय समाज 3738), सुमन मोहित प्रताप सिंह ठाकुर (रणवीरपुर), प्रवीण कुमार राजपूत, फलेश्वर सिंह राजपूत, विष्णु सिंह सेंगर,परितोष सिंह क्षत्रिय, अशोक सिंह ठाकुर, पं. अशोक प्रसाद शर्मा (नवागढ़) आदि ने अमित को आशीर्वाद व ढेरों शुभकामनाएं दीं।

असुरक्षित महसूस कर रही है,जबकि महिलाएं समाज और राष्ट्र की गौरव बढ़ा रही है ,परंतु सरकार



चरित्र शीलता नहीं है, उसमें कोई भी योजना काम नहीं कर सकती।इस शर्मनाक घटना की कड़ी निंदा करते है और अपराधियों को कठोर दण्ड मिलना चाहिए।

गलियों में वही लड़के , हाथों में वही पत्थर । क्या लोग मोहब्बत को हर दौर में मारेंगे ।।

महिलाएं

उनको सुरक्षा प्रदान करने में असमर्थ दिख रही है। यह सरकार को दोहरी मानसिकता की शिकार महिलाएं हो रही है। जो राष्ट्र के लिए शर्म की बात है।इसलिए अप्रिय घटना घट रही है।सरकारी की जितनी भी योजनाएं हैं,जनता को वह लाभ और सुरक्षा प्रदान करने में असमर्थ क्यों हैं? किसी ने कहा भी है -जिस राष्ट्र में

करमू और बरगा में श्रद्धा व भक्ति के साथ मनाई जाएगी गोस्वामी तुलसीदास जयंती

धानखम्हरिया, 30 जुलाई (देशबन्धु)। संस्कृति और संत परंपरा की समृद्ध विरासत को आगे बढ़ाते हुए करमू और बरगा में इस वर्ष भी महाकवि गोस्वामी तुलसीदास जी की जयंती का आयोजन श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ किया जाएगा।

प्रतिवर्ष की भांति इस बार भी यह आयोजन विशेष रूप से करमू के चंडी मंदिर परिसर एवं बरगा के संतोषी माता मंदिर प्रांगण में संपन्न होगा, जिसमें क्षेत्र के विद्वान वक्ता संत तुलसीदास जी के जीवन, उनके काव्य और रामभक्ति पर आधारित प्रेरणादायी प्रसंगों का वर्णन करेंगे।

कार्यक्रम में रामचरितमानस के अद्भुत रचनाकार गोस्वामी तुलसीदास जी के जीवनवृत्त, सामाजिक योगदान, आध्यात्मिक दृष्टिकोण एवं लोककल्याणकारी विचारों को भावपूर्ण शैली में प्रस्तुत किया जाएगा।

जमात मंदिर में आज से शिवमहापुराण कथा का आयोजन

धानखम्हरिया, 30 जुलाई (देशबन्धु)। स्थानीय जमात मंदिर में 31 जुलाई से 7 अगस्त तक संगीतमय शिवमहापुराण कथा का आयोजन किया गया है। कथाकार पं. छत्रपाल तिवारी हैं। मारवाड़ी महिला मण्डल द्वारा आयोजित शिवपुराण कथा के प्रथम दिन 31 जुलाई को कलशयात्रा, वेदीपूजन तथा कथा महात्यज 1 अगस्त को शिवलिंग पूजा विधि, पार्थिव शिवलिंग तथा रूद्राक्ष महिमा 2 अगस्त को नारद मोह, कुबेर चरित्र की कथा होगी।

3 अगस्त को शिव सती चरित्र, पार्वती जन्म कथा 4 अगस्त को शिव पार्वती विवाह 5 अगस्त को गणेश कार्तिकेय हनुमंत चरित्र 6 अगस्त को द्वादश ज्योतिर्लिंग महिमा, चढ़ोतरी तथा अंतिम दिवस 7 अगस्त को शिव गीता, बेलपत्र वर्षा, हवन होगा। पवित्र मास सावन में शिवजी की कथा श्रवण का लाभ नगर के श्रद्धालुओं को प्राप्त होगा।



बालोद, 30 जुलाई (देशबन्धु)। शिव की इच्छा के बिना कोई काम संभव नहीं है ईश्वर सबके भीतर है बाहर ढूँढने की जरूरत

नहीं है। घर में भी एकता के साथ रहे तो घर अपने आप स्वर्ग बन जाता है और भगवान का भजन इतना करो कि गलत समय ही ना आए। उक्त विचार नगर के माध्वशी भवन में आयोजित संगीतमय शिव महापुराण के पांचवे दिन सोमवार को प्रसिद्ध कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा के पुत्र कथा वाचक पंडित राघव मिश्रा ने व्यक्त किए। सोमवार को पंडित राघव मिश्रा ने कथा प्रसंग को आगे बढ़ाते हुए कहा प्रयास करो कि भगवान का मंदिर कभी न छूटे मंदिर के शिखर दर्शन से सब पाप समाप्त हो जाते हैं। उन्होंने कहा सबके अंदर भगवान हैं बस उसे खोजने की देरी है। उन्होंने कहा भक्ति में दिखावा मत करो भोलेनाथ दिखावा आडम्बर से प्रेरन्न नहीं होते हैं उनको पाने निर्मल मन समर्पण भाव की जरूरत होती हैं।

उन्होंने कहा जीवन में किसी का कर्ज बाकी नहीं रखना चाहिए। अंत समय में लकड़ी की आवश्यकता सभी की पड़ती है इसलिए

लकड़ी का कर्ज चुकाने के लिए जीवन में एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए चाहे वो आम का इमली नीम कोई भी हो। उन्होंने कहा अपके हाथ से लगाया गया बेल का पौधा जिसका बेलपत्र लोग लेकर जाएंगे जो भगवान शंकर के शिवलिंग पर अर्पित किया जाएगा उसका पुण्य भी बेलपत्र का पौधा लगाने वाले को प्राप्त होता है। उन्होंने बताया

आपके हाथ से लगाया हुआ बेलपत्र का पौधा बड़ा होता है और उसमें का बेलपत्र भगवान शिव के मंदिर तक पहुंच जाता है तो ये पक्का है महादेव आपको कैलाश धाम में बुला लेगा। उन्होंने कहा बेलपत्र के वृक्ष नीचे जल चढ़ा कर उस जल को हम अपने ऊपर छिड़क लेते हैं तो गंगा जमुना सरस्वती गोदावरी सरयू नर्मदा आदि नदियों में स्नान करने का पुण्य मिल जाता है। कथा में कुंदकेश्वर महादेव के प्राकट्य दिवस मनाया गया।

सेवा सहकारी समिति दाढ़ी में खाद वितरण और केसीसी ऋण में उल्लेखनीय प्रगति

बेमेतरा, 30 जुलाई (देशबन्धु)। जिले की सेवा सहकारी समिति दाढ़ी ने खरीफ वर्ष 2025 में खाद वितरण और किसान क्रेडिट कार्ड के क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। समिति द्वारा किए गए प्रयासों के सकारात्मक परिणाम स्वरूप किसानों को समय पर आवश्यक खाद उपलब्ध हुआ और ऋण वितरण की प्रक्रिया भी अधिक प्रभावी बन पाई।

खरीफ वर्ष 2024 में जहां यूरिया का वितरण 426.78 मीट्रिक टन था, वहीं वर्ष 2025 में यूरिया का भंडारण बढ़कर 475.20 मीट्रिक टन हो गया है। इसका वितरण प्रातिशील रूप से किया जा रहा है, जो कि गत वर्ष की तुलना में 111 प्रतिशत की बढ़ोतरी को दर्शाता है।

गत वर्ष डाई-अमोनियम फॉस्फेट का वितरण 169.60 मीट्रिक टन हुआ था। इस वर्ष भंडारण 138.50 मीट्रिक टन हुआ है और वितरण जारी है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 81 प्रतिशत स्तर तक पहुंच चुका है।

म्यूरेट ऑफ पोटेश का वितरण गत वर्ष 74.45 मीट्रिक टन हुआ था, जो इस वर्ष 82.15 मीट्रिक टन तक पहुंच चुका है, अर्थात 110 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

सिंगल सुपर फास्फेट का वितरण

पिछले वर्ष 166.10 मीट्रिक टन था, जो इस वर्ष बढ़कर 173.75 मीट्रिक टन हो गया है, अर्थात 104 प्रतिशत का प्रदर्शन। इसी प्रकार, 20.20.0.13- ग्रेड का वितरण गत वर्ष 117.45 मीट्रिक टन था, जो इस वर्ष 132 मीट्रिक टन तक पहुंच चुका है, यानि 112 प्रतिशत।

गत वर्ष समिति द्वारा 1,800 केसीसी धारक किसानों को ऋण वितरण किया गया था। इस वर्ष समिति ने 49 नए केसीसी जारी किए हैं। किसानों के एग्री स्ट्रेक पंजीयन हेतु शिविरों का आयोजन किया गया, जिससे अधिक से अधिक किसानों को सरकारी योजनाओं का लाभ मिला।

खाद वितरण का 95 प्रतिशत भाग किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से किया गया है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि समिति ने पारदर्शिता और सुविधा दोनों का समन्वय करते हुए कार्य किया है। केसीसी धारक किसानों का सतत रूप से अनुवीक्षण कर उन्हें जरूरतमंद संसाधनों से जोड़ा जा रहा है। यह केवल समिति की योजनाबद्ध कार्यप्रणाली को दर्शाती संवेदनशील, सक्षम और सक्रिय प्रशासनिक सहयोग से कृषि क्षेत्र में बड़े परिवर्तन लाए जा सकते हैं। सेवा सहकारी समिति दाढ़ी की यह उपलब्धि जिले के अन्य क्षेत्रों के लिए भी एक प्रेरणा बन सकती है।

स्वास्थ्य पर आयोजित हुआ कार्यशाला



बेमेतरा, 30 जुलाई (देशबन्धु)। स्वालंबन स्वास्थ्य और स्वास्थ्यय 3र पर एक अद्भुत कार्यशाला का आयोजन बेमेतरा के समाज सेवी शत्रुहन सिंह साहू जी के माध्यम से हुआ जिसमें मुंबई फिल्म इंडस्ट्री से Guinness book of world record CID 111 के साथ क्योंकि सास भी कभी बहु थी जैसे ऐतिहासिक टेलीविजन शो में अस्सिस्टेड सह के साथ मोर गांव फिल्म के निर्माता निर्देशक रहे प्रशांत बैस जी जो पिछले 15 वर्षों से गांवों की सम्पूर्ण व्यवस्था सुधार हेतु लगे हुए हैं उनकी कंपनी तत्त्वम् कायाकल्पम मानव सर्जिंसिंग सेंटर, 114x61x6x the

immunity booster, दो फर्मों के माध्यम से हजारों मरीजो को बिना किसी दवा के ठीक कर चुके हैं से आग्रह कर बेमेतरा में कार्यशाला करने हेतु प्रयास किया 2 से 3 वर्षों की इनके प्रयास से प्रभावित हो प्रशांत बैस पुरे बेमेतरा जिले के प्रत्येक गांव को स्वावलंबी, स्वस्थ, शतायु और आर्निदत बनाने हेतु पुरी कार्ययोजना के साथ जिला ही नहीं अपितु 9 ब्लॉकों 99 जोनों सहित समस्त लगभग 1100 गांवों में तीन स्तर पर को ऑपरेटिव सोसायटी बना गगन वरिष्ठों के लिए, ज्वाला माताओं बहनों के लिए, वहीं पवन हमारे युवा ।

बारिश में टापू बना कोलिहापुरी, गर्भवती को ट्रैक्टर से जाना पड़ा अस्पताल ,सरकारी तंत्र पर उठ रहे सवाल

डोंगरगढ़, 30 जुलाई (देशबन्धु)। ब्लॉक का ग्राम कोलिहापुरी (छोपा) जो कि इन दिनों चर्चा में है। दो दिनों तक हुई लगातार बारिश के बाद यहां के ग्रामीणों का जन-जीवन आज भी अस्त-व्यस्त है। इसकी वजह है गांव पहुंचने वाले तीनों रास्तों में बने नालों के ऊपर से आज भी पानी बह रहा है इस वजह से ग्रामीणों का आस-पास के गांवों से भी सम्पर्क कट गया है। मजबूरी यह है कि आपातकालीन होने पर एम्बुलेंस जैसी सेवाएं भी नहीं मिल पाती। यहां पहुंचने के लिए मुसरा से कातलवाही होतें हुए प्रमुख रास्ता है। लेकिन बीच में एक नाला बहता है, जिस पर एक रपटा (स्टॉप डैम) बना हुआ है। परन्तु रपटा पुल की ऊंचाई काफी कम होनें से कम बारिश में ही पानी पुल के ऊपर से बहता है इसी तरह गांव पहुंचने के लिए दूसरा रास्ता ग्राम गाड़ाभंवर के रास्ते है। परन्तु इस मार्ग में भी नाला में बने पुल की ऊंचाई कम होनें से आवागमन बाधित रहता है। बारिश के दिनों में तीनों ओर से कोलिहापुरी पूरी तरह से टापू में तब्दील हो जाता है। ग्रामीण कई दिनों तक गांव में ही



दुबके रहते हैं।

गांव पहुंचने के लिए तीसरा विकल्प भी बंद – इसी तरह से कोलिहापुरी पहुंचने के लिए तीसरा विकल्प ग्राम ठेकवा होकर है। लेकिन इस मार्ग पर भी नाला है, जहां से

बारिश के बाद आवाजाही संभव नहीं हो पाती। यानी बारिश के दिनों में कई दिनों तक यह ग्राम ब्लॉक व जिला मुख्यालय से सम्पर्क टूट जाता है। यह गांव विधानसभा डोंगरगांव के अधीन है और विधायक दलेश्वर साहू के गृहग्राम से कुछ ही दूरी पर स्थित है इसके बाद भी क्षेत्र के विधायक का ध्यान नहीं है।

विडंबना- एम्बुलेंस नहीं पहुंची तो ट्रैक्टर की इंजन से कराया पार- हाल ही में हुई बारिश के बाद आवाजाही प्रभावित थी। ग्राम की पविता पति लुकेश वर्मा गर्भवती भी परिजन ने एम्बुलेंस को कॉल किया और गाड़ी पहुंची। लेकिन पुल के ऊपर से पानी का बहाव अधिक था। जिसके बाद ड्राइवर ने आगे जाने से मना कर दिया। फिर मजबूरी में गर्भवती महिला का पति लुकेश वर्मा ट्रैक्टर की इंजन में बैठाकर पुल पर कराया और

डिलीवरी के बाद ट्रैक्टर पर ही वापस घर लेकर पहुंचे। चार दिनों तक हाई व हायर सेकेण्डरी स्कूल के बच्चे स्कूल नहीं जा सके। विधायक, अफसर नहीं दे रहे ध्यान,

ग्रामीण परेशान- ग्रामीणों ने बताया कि बारिश के दिनों की समस्या को लेकर कई बार विधायक, सांसद व प्रशासनिक अफसरों को शिकायत कर चुके है। लेकिन कोई भी ग्रामीणों की फरियाद लेने वाला नहीं है। ग्रामीणों की प्रमुख मांग यह है कि कातलवाही से कोलिहापुरी के बीच स्थित नाला में एक उच्च स्तरीय पुल का निर्माण कराया जाए। जिससे काफी हद तक समस्या दूर हो जाएगी। ग्रामीणों ने विधायक दलेश्वर साहू पर ग्रामीणों ने निष्क्रियता का आरोप लगाया। लगातार विधायक रहने के बाद भी वे समस्या को दूर नहीं कर सके है।

पुल निर्माण के लिए प्रस्ताव भेजने के बाद भी स्वीकृति नहीं-विधायक- डोंगरगांव विधायक दलेश्वर साहू ने बताया कि पुल की स्वीकृति सांसद को करनी चाहिए। उच्च स्तरीय पुल निर्माण के लिए राज्य सरकार को ध्यान देना चाहिए। राज्य इसके लिए बजट स्वीकृत नहीं करती। मेरे विधानसभा क्षेत्र में कई ऐसे गांव है जो कोलिहापुरी की तरह प्रभावित है। पुल निर्माण के लिए कई बार प्रस्ताव भेज चुका है।

जबलपुर से रायपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस 3 अगस्त से शुरू, जनता को जल्द मिलेगी सुविधा

डोंगरगढ़, 30 जुलाई (देशबन्धु)। आगामी 3 अगस्त को जबलपुर से रायपुर के लिए इंटरसिटी एक्सप्रेस प्रारंभ होने जा रही है उक्त

ट्रेन के प्रारंभ होने पर खुशी जाहिर करते हुए सांसद प्रतिनिधि तरुण हथेल ने बताया कि जनता की मांग के अनुसार जिले के सांसद संतोष पांडे द्वारा इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेन को शुरू किया जा रहा है जिसका निश्चित समय पर जनता को लाभ मिलेगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह ट्रेन जबलपुर से सुबह 6.10 पर छुट्टेगी तथा रायपुर दोपहर 1.50 पर पहुंचेगी ठीक 1 घंटे पश्चात दोपहर 2.45 बजे या ट्रेन वापस जबलपुर के लिए रायपुर से रवाना होगी तथा रात्रि 10.45 को जबलपुर पहुंचेगी।

जानकारी के अनुसार यह ट्रेन जबलपुर से नैनपुर बालाघाट गोंदिया राजनादागांव दुर्ग व रायपुर रुकेगी। उन्होंने सांसद संतोष पांडे से मांग की

है कि छत्तीसगढ़ का प्रमुख धार्मिक केंद्र है जहां देश-विदेश से पूरे वर्ष भर श्रद्धालु आते हैं मां बमलेश्वरी देवी के मंदिर के साथ-साथ प्रज्ञा गिरी तीर्थ स्थल व जैन धर्म के प्रसिद्ध चंद्रगिरी तीर्थ क्षेत्र भी है जहां नियमित रूप से जबलपुर से श्रद्धालुओं का

आना लगा रहता है यदि इस ट्रेन का स्टॉपेज डोंगरगढ़ में दिया जाए तो यहां आने वाले श्रद्धालुओं को काफी हद तक सुविधा मिलेगी सांसद प्रतिनिधि तरुण हथेल ने आगामी 3 अगस्त को जबलपुर से रायपुर के लिए इंटरसिटी एक्सप्रेस प्रारंभ होने पर खुशी जाहिर की है।



संघ ने 6 सूत्रीय मांगों को लेकर साँपा झापन



डोंगरगढ़, 30 जुलाई (देशबन्धु)। लोक निर्माण विभाग प्रमुख अभियंता निर्माण भवन नया रायपुर छत्तीसगढ़ को संघ ने 6 सूत्री मांगों को लेकर झापन सोपा है जिसमें दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों का 10/ 5/ 1984 के तहत कार्यभारित आकस्मिक निधि में कार्यरत कर्मचारी जिनकी सेवा कार्यभारित आकस्मिक निधि में 3 वर्ष पूर्ण हो चुकी है इन कर्मचारियों को इसी निधि में रिक पदों के विरुद्ध समायोजित कर नियमित वेतनमान दिया जाए ज्ञात हो कि ऐसे कर्मचारी जिन्होंने 3 वर्ष की सेवा पूर्ण कर ली है और उनके कार्यरत के विरुद्ध पद रिक्त है तो इन कर्मचारियों को सीधी भर्ती से ना भरा जा कर नियमित करने योग्य योग्यता रखने वाले दैनिक वेतन भोगियों से नियमितीकरण किया जाएगा इसके लिए जिला स्तर पर नियमित करने हेतु समिति गठित की जाएगी जो समिति कलेक्टर की अध्यक्षता में होगी तथा निर्माण विभाग से संबंधित कार्यपालन अभियंताओं को इनका सदस्य बनाया जाएगा आवश्यकता अनुसार अन्य सदस्य भी कमेटी के सदस्य होंगे ऐसा प्रावधान 1984 कार्यभारीत आकस्मिक निधि में होने के कारण प्रमुख अभियंता को झापन साँपा है और इसमें अनुरोध किया गया है कि इन्का नियमित वेतनमान दिया जाए आगे कार्यवाई नहीं होगी तो पुनः प्रतिनिधिमंडल मुलाकात करेंगे और आगे हड़ताल में जाने की राजनीति बनाएंगे।

इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय में कथक नृत्य कार्यशाला का शुभारंभ

रायगढ़ घराने की प्रसिद्ध कलाकार डॉ. सुचित्रा हरमालकर दे रही हैं विद्यार्थियों को प्रशिक्षण

खैरागढ़, 30 जुलाई (देशबन्धु)। इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय के कथक नृत्य विभाग में सोमवार, 28 जुलाई से चार दिवसीय विशेष कार्यशाला की शुरुआत हुई। इस कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को कथक नृत्य की परंपरागत शैली एवं तत्कालीन कलाकारों का प्रशिक्षण प्रदान करना है कार्यशाला का आयोजन कुलपति प्रो.



(डॉ.) लवली शर्मा के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में किया गया है। अल्प समय में आयोजित इस विशेष सत्र के लिए विश्वविद्यालय द्वारा शासकीय महाविद्यालय, इंदौर की प्रतिष्ठित कथक कलाकार एवं गुरु प्रो. डॉ. सुचित्रा हरमालकर को आमंत्रित

किया गया है। डॉ. हरमालकर रायगढ़ घराने की प्रतिनिधि कलाकार हैं और कथक नृत्य की पारंपरिक शैली में गहन अनुभव रखती हैं। कार्यशाला में वे

विद्यार्थियों को रायगढ़ घराने की परंपरागत बर्दियों, लयकारी और अभिव्यक्ति की सूक्ष्मताओं को गहन जानकारी दे रही हैं। विद्यार्थी इस कार्यशाला में उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं और

प्रतिदिन नियमित रूप से उपस्थिति दर्ज करकर व्यावसायिक प्रशिक्षण का लाभ ले रहे हैं। कार्यशाला से उन्हें न केवल तकनीकी दक्षता मिल रही है, बल्कि भारतीय शास्त्रीय नृत्य की समृद्ध परंपरा को भी नजदीक से समझने का अवसर प्राप्त हो रहा है।

खैरागढ़, 30 जुलाई (देशबन्धु)। नगर के अमलीपारा निवासी विभा साहू ने एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी कर खैरागढ़ का नाम गौरव से ऊँचा किया है। यूक्रेन में रहकर डॉक्टर बनने का सपना पूरा करने वाली विभा को स्थानीय स्तर पर शुभकामनाएं व सम्मान मिल रहा है। विभा साहू खैरागढ़ की संगीता साहू, जो कि एक पंचायत सचिव हैं, की सुपुत्री हैं। विभा ने यूक्रेन की विषम परिस्थितियों के बावजूद वहां रहकर एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी की। विशेष बात यह है कि जब यूक्रेन में युद्ध



■ अमलीपारा की विभा साहू ने कठिन हालातों में हासिल की बड़ी सफलता

सिर्फ उनके परिवार के लिए गौरव की बात है, बल्कि उन सभी विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत है जो कठिन परिस्थितियों में भी अपने लक्ष्य को पाने का जज्बा रखते हैं।

का संकट गहराया था, तब विभा ने साहस दिखाते हुए सुरक्षित तरीके से भारत वापसी की थी और बाद में पढ़ाई पूरी करने के लिए दोबारा वहां गई। डॉक्टर की पढ़ाई पूरी होने पर पांडादाह भाजपा मंडल अध्यक्ष गोरेलाल वर्मा ने अमलीपारा पहुंचकर विभा को मिठाई खिलाकर बधाई दी। क्षेत्र के सामाजिकजनों, शुभचिंतकों और परिचितों ने भी विभा की इस सफलता पर गर्व जताते हुए शुभकामनाएं दी हैं। विभा की यह उपलब्धि न साहू, जो कि एक पंचायत सचिव हैं, की सुपुत्री हैं, बल्कि उन सभी विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत है जो कठिन परिस्थितियों में भी अपने लक्ष्य को पाने का जज्बा रखते हैं।

विश्वविद्यालय में एंटी रैपिंग समिति गठित, पत्रकार जितेन्द्र सिंह गौर को भी मिली अहम जिम्मेदारी

खैरागढ़, 30 जुलाई (देशबन्धु)। इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ ने छात्रहित में बड़ा कदम उठाते हुए रैपिंग की रोकथाम हेतु एंटी रैपिंग समिति का गठन किया है। समिति में समाज के विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधियों को शामिल किया गया है जिससे रैपिंग जैसी सामाजिक बुराई के विरुद्ध एक व्यापक और प्रभावशाली कार्यवाही सुनिश्चित की जा सके। इस समिति में स्थानीय पत्रकार संघ के अध्यक्ष जितेन्द्र सिंह गौर को मीडिया प्रतिनिधि के रूप में शामिल किया गया है। गौरतलब है कि श्री गौर लगातार छात्र समस्याओं और सामाजिक सरोकारों को प्रमुखता से उठाते रहे हैं और अब विश्वविद्यालय के इस महत्वपूर्ण दायित्व के साथ जुड़ने से रैपिंग विरोधी मुहिम को मीडिया के माध्यम से और मजबूती मिलने की उम्मीद है। डॉ. सोमित्र तिवारी प्रभारी कुलसचिव द्वारा जारी आदेश क्रमांक 4731/इ.क.सं.वि./2025/सा.प्र.वि. 28 जुलाई 2025 के अनुसार समिति में कुल 9 सदस्य हैं जिनमें सखिल प्रशासन, पुलिस प्रशासन, स्थानीय मीडिया, सामाजिक संगठन, संकाय सदस्य, पालक, छात्र व अशैक्षणिक स्टाफ के प्रतिनिधि शामिल हैं। सखिल प्रशासन से तहसीलदार, खैरागढ़ पदेन सदस्य, पुलिस प्रशासन से अनुविभागीय अधिकारी पुलिस, मीडिया प्रतिनिधि जितेन्द्र सिंह गौर, गैर सरकारी युवा संगठन से शशांक ताप्रकार, संकाय से डॉ. देवमाई मित्र, पालकों से खुमान यादव, वरिष्ठ छात्रा प्रतिनिधि कु. चंदनी पासवान, नवागत छात्र प्रतिनिधि समीर चंद साहू, अशैक्षणिक कर्मचारी प्रतिनिधि भुनेश्वरी ठाकुर नाम शामिल है।



आयुष्मान आरोग्य मंदिर पिपलाकछार का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

खैरागढ़, 30 जुलाई (देशबन्धु)। कलेक्टर इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल ने विकासखंड खैरागढ़ अंतर्गत एनक्यूएएस (नेशनल चिल्ड्री एंजियोरिंग सर्टिफिकेट) प्रमाणित आयुष्मान आरोग्य मंदिर पिपलाकछार का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने लेबर

रूम, ऑपरेशन थिएटर (ओटी), अस्पताल परिसर, योगा पटेल और डेली ओपीडी कक्ष का जायजा लिया तथा सभी व्यवस्थाओं की विस्तृत जानकारी ली। कलेक्टर चंद्रवाल ने अस्पताल की संपूर्ण व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर मरीजों के बैठने की समुचित व्यवस्था करने, स्वच्छता बनाए रखने और स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने गर्भवती महिलाओं को मिलने वाली सुविधाओं की भी जानकारी ली एवं हाई रिस्क प्रेग्नेंसी की स्थिति का भी अवलोकन किया। उन्होंने निर्देशित किया कि क्षेत्र के अधिकतम नागरिकों को आयुष्मान भारत योजना से जोड़ते हुए आयुष्मान कांड बनाए जाएं साथ ही सभी गर्भवती महिलाओं का समय पर पंजीयन कर उन्हें बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने कहा कि हर नागरिक तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता है। कलेक्टर ने आश्वासन दिया कि जनहित को ध्यान में रखते हुए अस्पताल में आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए

छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय बिलासपुर के प्रत्याशी उत्तम चंदेल ने बार एसोसिएशन साजा के प्रतियोगिताओं से मुलाकात की

साजा, 30 जुलाई (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय बिलासपुर के बार एसोसिएशन के होने वाले निर्वाचन को लेकर प्रत्याशी उत्तम चंदेल ने आज बार एसोसिएशन साजा के प्रतियोगिताओं से मुलाकात कर अपने समर्थन में वोटिंग करने का अनुरोध किया और कहा कि मेरे द्वारा अधिवक्ताओं की कल्याण एवं हित के लिए जो भी कार्य होंगे सदैव करने के लिए तैयार रहूंगा इस दौरान उन्होंने कहा कि आज अधिवक्ताओं के हित के लिए कोई कारगर पहल ना तो शासन की ओर से हो रही है और ना ही स्टेट बार काउंसिल के पूर्व पदाधिकारी के द्वारा की जा रही है जबकि आज वकालत ही एक ऐसा पेशा है जिनको कोई संरक्षण नहीं मिल पा रहा है बात बात में अधिवक्ताओं के साथ विवाद झूठी रिपोर्ट तथा अन्य प्रकार की शिकायत होती हैइस दौरान अधिवक्ता संघ साजा के अध्यक्ष मुलचंद शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ में अन्य प्रतिक की तरह प्रोडक्शन एक्ट लागू करने की आवश्यकता है लेकिन हम उसमें सफल नहीं हो पा रहे हैं छत्तीसगढ़ बार एसोसिएशन



के उन प्रत्याशियों को साजा बार वोट करेगा जो अधिवक्ताओं के हित में कार्य करेंगे वरिष्ठ अधिवक्ता सागर मानिक ने भी संबोधित किया।

इस अवसर पर अधिवक्ता संघ साजा के पूर्व अध्यक्ष पुरुषोत्तम चौबे, हरि शरण क्षत्रीय,अवधेश प्रसाद शर्मा, गोकुल राजपूत,मनोज वर्मा,अजय गोस्वामी,मनोज शर्मा, मनोज राजपूत, अजय देवगन,योगेंद्र चंदेल,दिनेश साहू, द्व श्रीमती कविता गोसाई, उषेंद्रधर दीवान,विनोद शर्मा,हुलेश सिहा,संजय दत्त, चंद्र प्रकाश कन्नौजे,के के वैष्णव,अमर दास रात्रे,अधिवक्ता गण उपस्थित रहे।

प्रेस क्लब छुईखदान के सदस्यों ने कलेक्टर से की सौजन्य भेंट

छुईखदान, 30 जुलाई (देशबन्धु)। प्रेस क्लब छुईखदान के एक प्रतिनिधिमंडल ने आज जिला कलेक्टर के सी जी इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल से सौजन्य भेंट की। इस दौरान नगर एवं आसपास के क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं से उन्हें अवगत कराया गया ज्ञात हो की छुईखदान प्रेस क्लब के गठन उपरान्त प्रेस क्लब छुईखदान के अध्यक्ष सुदीप श्रीवास्तव के नेतृत्व में जिला प्रेस क्लब अध्यक्ष सज्जाक खान संरक्षक नीलम वैष्णव अनिल यादव संजय शर्मा सचिव दीपक देशमुख कोषाध्यक्ष संदीप महोबिया सह सचिव दीनदयाल



यदु महेंद्र सिंह ठाकुर देवेश सोनी सहित सभी सदस्यों ने मिलकर छुईखदान छेत्र की समस्याओं से अवगत कराया।

प्रतिनिधिमंडल ने विशेष रूप से दनिया-छुईखदान सड़क निर्माण कार्य को शीघ्र पूर्ण कराने की मांग की, जिससे आम जनता को आवागमन में हो रही दिक्कतों से राहत मिल सके। एवं नवनिर्मित ब्लड बैंक भवन को शुरू करने पुराना पुलिस थाना

के सामने शासकीय भूमि पार्किंग स्थल पर अतिक्रमण सहित विभिन्न मांगों से अवगत कराया। सदस्यों ने बताया कि अधूरी सड़क के कारण बारिश के मौसम में लोगों को अत्यधिक परेशानी का सामना करना पड़ता है। कलेक्टर ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता से सुना और संबंधित विभाग को आवश्यक निर्देश देने का आश्वासन दिया।



स्टेशनों पर सावधानी ज़रूरी

ज्यादातर लोग रेलवे यात्रा करते हुए अपने सामानों की सतर्कता से रक्षा करते हैं। लोग सामानों को इस तरह से रखते हैं कि उनकी नज़रें बनी रहें। लम्बी यात्राएं करने वाले उन्हें सीटों के नीचे जंजीरों से बांधकर रखते हैं। जिनके पास छोटा या एकाध सामान ही होता है वे उन्हें इस प्रकार रखकर सोते हैं कि यदि कोई चोरी करना चाहे तो उन्हें तत्काल पता चल जाये। कोई उन्हें सिरहाने रखकर सोता है तो कोई पैरों के नीचे दबाकर। यह किसी एक राज्य की बात न होकर पूरे देश का मामला है। यात्रियों की तमाम सतर्कता के बावजूद कई तरह की चोरियां होती ही रहती हैं क्योंकि इन कामों को अंजाम देने वाले लोगों की रेकी करते हैं तथा मौके की ताक में रहते हैं। कई बार जिन्हें सहयात्री समझ लिया जाता है, वे भी हाथ साफ कर निकल लेते हैं। अनजान यात्रियों से घुल-मिलकर बातें करना, उनके हाथों से किसी खान-पान की सामग्री का सेवन करना भी लोगों को महंगा पड़ जाता है। निचले दर्जों के डिब्बों में ऐसी घटनाएं ज्यादा होती हैं।

इसमें कोई शक नहीं कि अब लोग सावधानी व सुरक्षित तरीके से यात्राएं करने के हरसम्भव उपाय करते हैं जो कि अच्छी बात है; लेकिन उतना ही ज़रूरी है स्टेशनों पर सतर्क रहना। यात्रियों का बड़ा नुकसान स्टेशनों पर भी होता है। इसके चलते यह भी ज़रूरी हो गया है कि लोग स्टेशनों पर सावधान रहें। बहुत से यात्रियों की आदत होती है प्रत्येक स्टेशन पर उतरकर प्लेटफॉर्म पर चहलकदमी करना। फिर जब गाड़ी छूटने लगती है तब वे सरकती हुई ट्रेन में चढ़ते हैं। ऐसे समय उनके मोबाइल या बटुवे निकाल ले जाने या गिरने का खतरा रहता है। ठहरी हुई ट्रेन में डिब्बों की खिड़कियों के पास बैठे यात्रियों के मोबाइल झटक लिये जाने या चोरों द्वारा हाथ डालकर कोई सामान उठा लिये जाने के भी वीडियो अक्सर वायरल होते हैं। ऐसी डिब्बों में तो यह खतरा नहीं रहता पर जो लोग खुली खिड़की के पास बैठते हैं उन्हें तब तक मोबाइल का इस्तेमाल नहीं करना चाहिये जब तक कि ट्रेन स्टेशन पर रूकी हो। सामानों को भी खिड़की से दूर या सुरक्षित तरीके से रखना चाहिये। सीट के नीचे की जगह सर्वाधिक सुरक्षित होती है।

सबसे बड़ा खतरा होता है खाद्य सामग्री, पानी, जूस, अखबार, किताबें, दवा आदि लेने के लिये उतरना। कभी ट्रेन छूटती है तो कभी छुट्टे के अभाव में उनका आर्थिक नुकसान होता है। भाग-दौड़ में मोबाइल-बटुवा साफ होना या ट्रेन में रखा उनका सामान चोरी होता है। शुक्रवार को लिंक एक्सप्रेस से बिलासपुर से रायगढ़ (ओडिशा) जा रहा एक यात्री रायपुर स्टेशन पर खाना लेने उतरा। अपने ऐसी कम्पार्टमेंट में पहुंचने पर उसने अपना बैग गायब पाया। शुक्र है कि चोर पकड़ा गया व बैग मिल गया।



कर्मचारी : सर मैंने अपने आधार कार्ड को अपने बैंक अकाउंट से लिंक भी नहीं करवाया, फिर भी मेरे अकाउंट में गैस की 200 रुपए सब्सिडी आ गई।
बॉस - वह सब्सिडी नहीं है, तुम्हारा इंक्रीमेंट लगा है।

अभनपुर विधायक इंद्रकुमार हजारों कार्यकर्ताओं के साथ निकले शिवधाम यात्रा पर



नवापारा राजिम, 30 जुलाई (देशबन्धु)। बुधवार को अभनपुर विधायक इंद्रकुमार साहू अपनी धर्मपत्नि के साथ पवित्र सावन मास के पावन अवसर पर श्री शिवधाम यात्रा पर निकले इस अवसर पर विधायक श्री साहू हजारों कार्यकर्ताओं के साथ सुबह सर्वप्रथम चंपारण स्थित श्री चम्पकेश्वर नाथ महादेव मंदिर में विधि विधान पूर्वक जलाभिषेक पूजा अर्चना कर अपने शिवधाम यात्रा का प्रारंभ किया। जो कि दोपहर 12रू बजे राजिम त्रिवेणी संगम के मध्य स्थित श्री कुलेश्वर नाथ महादेव मंदिर पहुंचे, यहाँ स्थानीय कार्यकर्ताओं ने विधायक श्री साहू का ढोल बाजों के

साथ बहुत ही गर्मजोशी के साथ स्वागत कि या। तत्पश्चात विधायक श्री साहू श्री कुलेश्वर महादेव मंदिर पहुंचकर जल अभिषेक पूजा अर्चना कर क्षेत्र प्रदेश एवं की खुशहाली की कामना की। विधायक श्री साहू यहाँ से जल लेकर राजिम स्थित प्राचीन गरीब नाथ मंदिर पहुंचे वहां भी जलाभिषेक पूजा-अर्चना करने के बाद

नपाध्यक्ष ने सुनी लोगों की समस्याएं निराकरण हेतु अधिकारियों को दिए निर्देश

महासमुंद, 30 जुलाई (देशबन्धु)।

नगर पालिका अध्यक्ष निखिलकांत साहू ने पालिका दफ्तर में जनदर्शन के माध्यम से



समस्याओं को गंभीरता से सुनकर संबंधित अधिकारियों को तत्काल निराकरण करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर समस्त विभाग प्रभारी गण व बड़ी संख्या में आवेदक उपस्थित थे।

महाविद्यालय की छात्राओं ने कलेक्टर को सौंपे रक्षासूत्र

बलौदाबाजार, 30 जुलाई (देशबन्धु)। रक्षाबंधन के पावन अवसर को विशेष रूप देने और सीमाओं पर तैनात देश के वीर जवानों तक बहन के स्नेह का प्रतीक पहुंचाने के उद्देश्य से एक अनूठी पहल की गई। स्व. रामनाथ वर्मा शासकीय महाविद्यालय, मोपका निपनिया की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के छात्राओं द्वारा बनाए गए रक्षासूत्रों को आज कलेक्टर दीपक सोनी को सौंपा।

कलेक्टर श्री सोनी ने छात्राओं को इस पहल के लिए बधाई देते हुए कहा कि यह कार्य न केवल रक्षाबंधन पर्व को एक नया



सरहदों पर डटे जवानों तक पहुंचेगा बहनों का स्नेह

स्वरूप प्रदान करता है बल्कि देशभक्ति और

नागरिक जिम्मेदारी की अद्भुत मिसाल भी पेश करता है। उन्होंने कहा कि हमारे वीर जवान अपनी जान की परवाह किए बिना सीमाओं पर डटे रहते हैं। कई जवान ऐसे हैं जो रक्षाबंधन पर अपने घर नहीं आ पाते। इन रक्षासूत्रों के माध्यम से उन्हें अपने परिवार का स्नेह और बहन का प्यार मिलेगा जिससे

वे खुद को और भी मजबूत और अपनापन महसूस करेंगे। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी सुश्री प्रियंका पाटले एवं सहायक प्राध्यापक सुश्री नेहा केरकेट्टा भी उपस्थित रहीं।

दिव्यांगजनों के आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रेरणादायक पहल

धमतरी, 30 जुलाई (देशबन्धु)। कलेक्टर अविनाश मिश्रा, जिले के दिव्य गोपालधाम स्वावलंबन आश्रम पहुंचे। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत रोमा श्रीवास्तव, और उप संचालक समाज कल्याण डॉ. मनीषा पांडेय भी साथ थे। कलेक्टर ने आश्रम संस्था के कार्यों का अवलोकन किया और दिव्यांगजनों की सेवा में समर्पित प्रयासों की प्रशंसा की।

इस दौरान उन्होंने ने आश्रम में संचालित विभिन्न योजनाओं, गतिविधियों और दिव्यांगजनों के लिए तैयार किए गए स्वावलंबन उत्पादों देखा। उन्होंने आश्रम द्वारा बनाए गए उत्पादों को स्थानीय व राज्य स्तर पर प्रोत्साहन देने की बात कही तथा उत्पादों को बाजार से जोड़ने में हरसंभव मदद का आश्वासन दिया।

कलेक्टर श्री मिश्रा ने दिव्यांगजनों से



व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और शीघ्र निराकरण का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि समाज के इस विशेष वर्ग को मुख्यधारा से जोड़ना शासन

कलेक्टर अविनाश मिश्रा ने दिव्य गोपालधाम आश्रम का किया

की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। उन्होंने कहा कि दिव्य गोपालधाम आश्रम को स्वरोजगार प्रशिक्षण केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके

अंतर्गत दिव्यांगजनों को कंप्यूटर शिक्षा, सिलाई-कढ़ाई, मशरूम उत्पादन, ब्यूटी पार्लर संचालन, पंचकर्म, योग, कुटीर व गृह उद्योग जैसे क्षेत्रों में व्यावसायिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस प्रयास से न केवल उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाया जाएगा, बल्कि समाज में उनका सम्मान व आत्मविश्वास भी बढ़ेगा। कलेक्टर ने संस्था को शासन की विभिन्न योजनाओं से जोड़ने एवं संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने का आश्वासन भी दिया। संस्था के प्रमुख डॉ. पोषण सिन्हा, दिव्यांग संस्था प्रमुख बसंत बिश्नोई, अध्यक्ष संतोषी बिश्नोई, उद्योग सलाहकार डॉ. संदीप मेश्राम, चिकित्सा प्रमुख डॉ. सोन्या मेश्राम (स्त्री रोग विशेषज्ञ), संस्था संरक्षक घनश्याम साहू, डेहराम साहू, नीलकंठ कवर, सुलेखा अली, तोमिन साहू सहित बड़ी संख्या में दिव्यांगजन व स्थानीय नागरिक उपस्थित थे।

भाजपा जिला कार्यकारिणी घोषित चंद्रशेखर साहू बने महामंत्री

राजिम, 30 जुलाई (देशबन्धु)। भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव, प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय तथा भाजपा जिलाध्यक्ष अनिल चंद्राकर के अनुमोदन पर भारतीय जनता पार्टी जिला गरियाबंद की जिला कार्यकारिणी की घोषणा की गई है। कार्यकारिणी में राजिम क्षेत्र के युवा भाजपा नेता पूर्व जिला पंचायत सदस्य चंद्रशेखर साहू को भाजपा जिला महामंत्री का दायित्व दिया गया है।



इसी प्रकार गरियाबंद के वरिष्ठ नेता आशीष शर्मा को भी जिला महामंत्री की जिम्मेदारी दी गई है। जिला उपाध्यक्ष के रूप में प्रो.प्रताप सिन्हा, गुरुनारायण तिवारी, ईश्वर साहू, केशरी ध्रुव, पदुलोचन जगत, सरिता ठाकुर, कोषाध्यक्ष के रूप में अजय रोहरा तथा जिलामंत्री के रूप में सुरेंद्र सोनटेके, जगदीश यदु, नूरमती मांझी, मनीष सिन्हा, रश्मि धुवां, तुषि बनर्जी एवं जिला प्रवक्ता के रूप में राधेश्याम सोनवानी की नियुक्ति की गई है। नए >>> शेष पृष्ठ 9 पर >>>

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष का भाजपाइयों ने किया भव्य स्वागत

धमतरी/पुरूर, 30 जुलाई (देशबन्धु)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव पूर्व सांसद चंद्रलाल साहू, मंत्री ओ.पी. चौधरी का बालोद प्रवास के दौरान पूर्व विधायक प्रीतम साहू मंडल अध्यक्ष टुकेश्वर पांडेय के नेतृत्व में भाजपा मंडल पुरूर के कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया एवं क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं से उन्हें अवगत कराया।

प्रदेश अध्यक्ष श्री देव ने पार्टी कार्यालय में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में हर क्षेत्रों में विकास हो रहा है। उन्होंने संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से कहा कि केन्द्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ जरूरतमंद लोगों को मिले इसका ध्यान रखते हुए कार्यकर्ता काम करें। श्री देव कहा कि



भाजपा मंडल पुरूर का कार्यालय राष्ट्रीय राजमार्ग पर है इसलिए यहां से गुजरते वक्त हमेशा ही पार्टी के कार्यकर्ताओं से मिलता रहूंगा। इस दौरान पुरूर सरपंच ने ग्राम पुरूर में शासकीय धांस भूमि पर हो रहे अतिक्रमण पर रोक लगाने की मांग किये जिस पर श्री देव इस संबंध में जिला कलेक्टर से चर्चा

कर नियमानुसार कार्यवाही कराने का आश्वासन दिया। वही कार्यकर्ताओं ने पुरूर सोसाइटी में खाद की कमी बताते हुए पर्याप्त मात्रा में खाद भंडारन की मांग किये जिस पर उन्होंने विभागीय अधिकारियों से चर्चा का इस समस्या का समाधान करने का आश्वासन दिया। मंत्री ओ.पी. चौधरी से क्षेत्र के विकास

कार्यों के लिए चर्चा किये उन्होंने ने विकास के लिए हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया इस दौरान भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष एवं विधायक प्रीतम साहू ने पुरूर मंडल के कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों से प्रदेश अध्यक्ष किरण देव से परिचय कराया है। इस दौरान मंडल अध्यक्ष टुकेश्वर पांडेय, महामंत्री राकेश सिन्हा, यदीप साहू, उपाध्यक्ष मेहरार नेताम, जिला पंचायत सदस्य तेज राम साहू, मीना साहू, त्रिलोकी साहू, सत्येन्द्र साहू, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष आदित्य पीपरे, प्रहलाद साहू, सुरेन्द्र तिवारी, नरेश साहू, खेमलाल देवांगन, बालचंद्र टंडन, कुबेर साहू, हेमंत साहू, द्वारिका सिन्हा, के.जु राम साहू, कमलदेव साहू, बिसाहू राम साहू, शैलेन्द्र शोरी, तेजू राम साहू, संजय साहू, होमशंकर साहू, भुनेश्वर साहू, पोखन साहू, धनश्याम साहू, सहित सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।



के दिनों में होने वाली समस्याओं को दूर किया जा रहा है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में खुशहाली आ रही है। वहीं सामुदायिक भवन के निर्माण से विभिन्न कार्यक्रमों के लिए

ग्रामीणों को एक सुनिश्चित स्थान मिल रहा है। इसके अलावा शहरी क्षेत्रों में भी विकास कार्य तेजी से चल रहा है। महासमुंद में गौरव पथ का चौड़ीकरण एवं सौंदर्यीकरण कार्य

गांव में अवैध शराब बेचते पाए जाने पर 50 हजार जुर्माना का लिया गया निर्णय

कटगी/बलौदाबाजार, 30 जुलाई (देशबन्धु)। आदर्श ग्राम पंचायत कटगी के आर्षित ग्राम कलमीडीह में महिला समूहों ने अवैध शराब बिक्री की रोकथाम हेतु महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की। इस बैठक में गांव में अवैध शराब बिक्री पर पाबंदी लगाने के लिए कोचियों को बुलाकर समझाया गया। गांव के चोराहे और स्कूल के आसपास शराब सेवन पर सख्त मनाही की गई है। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि यदि गांव में भंडी और महुआ शराब बेचते हुए कोचियों को रंगे हाथ पकड़ा गया, तो उन पर 50 हजार रुपये का जुर्माना लगाया



महिला समुह सहित ग्रामीणों ने लिया निर्णय

जाएगा। इसके अलावा, शराब बिक्री की सूचना देने वाले को 2000 रुपये का इनाम दिया जाएगा। महिला समूहों ने अवैध शराब बिक्री के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का संकल्प लिया है।

इस पहल से गांव में अवैध शराब बिक्री पर रोक लगाने में मदद मिलेगी और गांव के लोगों को एक सुरक्षित और स्वस्थ वातावरण मिलेगा। महिला समूहों की इस पहल की सराहना की जा रही है और उम्मीद है कि इससे गांव में सकारात्मक बदलाव आएगा। ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध शराब बिक्री एक >>> शेष पृष्ठ 9 पर >>>

कृषि स्थायी समिति की बैठक में विभागीय योजनाओं की गई समीक्षा

भगवान नेमीनाथ के जन्मकल्याणक के उपलक्ष्य में विविध आयोजन

महासमुंद 30 जुलाई (देशबन्धु)। जिला कृषि स्थायी समिति महासमुंद की प्रथम सोमवार को उप संचालक कृषि कार्यालय के सभागार में सम्पन्न हुई बैठक की अध्यक्षता कृषि स्थायी समिति की सभापति श्रीमती देवकी दीवान ने की। बैठक में समिति के सदस्यगण श्रीमती कुमारी भास्कर, श्रीमती रामदुलारी सिन्हा एवं रवि कुमार साहू, फ़रिदिया सहित उप संचालक कृषि, उप संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं, सहायक संचालक उद्यानिकी एवं मत्स्य पालन, बीज प्रक्रिया प्रभारी, जिला विपणन अधिकारी, नोडल अधिकारी जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक तथा कृषि यंत्री महासमुंद उपस्थित रहे। बैठक में कृषि, पशुपालन, उद्यानिकी एवं मत्स्य विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। सभी विभागों द्वारा योजनाओं की जानकारी एवं प्रगति का प्रस्तुतीकरण समिति के समक्ष किया गया। बीज एवं उर्वरक वितरण की स्थिति की समीक्षा करते हुए सदस्यों ने सुझाव दिया कि डीएपी के स्थान पर एनपीके व एसएसपी जैसे वैकल्पिक



उर्वरकों को अपनाने हेतु किसानों को प्रेरित किया जाए। सदस्यों ने निर्देशित किया कि जहां भी प्रशिक्षण, प्रदर्शन या अन्य कृषि संबंधी कार्यक्रम आयोजित हों, उसकी जानकारी समिति के सदस्यों को पूर्व में अनिवार्य रूप से दी जाए। उद्यानिकी विभाग को कृषकों के लिए नर्सरी भ्रमण कार्यक्रम संचालित करने और किसानों को धान के विकल्प के रूप में दलहन, तिलहन, मक्का एवं रागी की खेती के लिए प्रेरित करने हेतु प्रचार प्रसार करने के निर्देश दिए गए। पशुपालन विभाग को कुत्रिम गर्भाधान योजनाओं को गति देने, वहीं कृषि यंत्री महासमुंद को कृषि यंत्र सेवा केंद्र की स्थापना एवं इससे जुड़ी योजनाओं का व्यापक प्रचार प्रसार करने हेतु निर्देशित किया गया। योजनाओं की प्रगति का प्रस्तुतीकरण समिति के समक्ष किया गया। बीज एवं उर्वरक वितरण की स्थिति की समीक्षा करते हुए सदस्यों ने सुझाव दिया कि डीएपी के स्थान पर एनपीके व एसएसपी जैसे वैकल्पिक

शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन पर पंचायत सचिवों को दी गई जानकारी

महासमुंद 30 जुलाई (देशबन्धु)। आकांक्षी भारत सहयोग पहल के अंतर्गत पिरामल फ़ंडेशन टीम द्वारा महासमुंद विकासखंड की ग्राम पंचायतों के 50 पंचायत सचिवों की सहभागिता से एकदिवसीय क्षमता निर्माण कार्यशाला का आयोजन जनपद पंचायत महासमुंद के सभाकक्ष में किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य पंचायत सचिवों को शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं पंचायत स्तर पर सहभागितापूर्ण विकास प्रक्रियाओं को सशक्त बनाना था। कार्यशाला में पिरामल फ़ंडेशन का परिचय एवं राज्य शासन के साथ हुए समझौता ज्ञापन की जानकारी दी गई। एलएसडीजी, शीम आधारित सतत विकास लक्ष्य के 9 प्रमुख विषयों की विस्तारपूर्वक चर्चा, पंचायत स्तर पर कम या बिना लागत की गतिविधियों के माध्यम से लक्ष्यों की पूर्ति पर जोर दिया गया। जीपीपीएफ़टी ग्राम



पंचायत योजना एवं सुविधा दल के गठन एवं सक्रियता पर विशेष सत्र, इसकी संरचना, उद्देश्य तथा कार्यान्वयन की प्रक्रिया पर गहन चर्चा की गई। जीपीपीएफ़टी के सदस्यों को भूमिकाएं और जिम्मेदारियां, सहभागी योजना निर्माण, नियमित बैठकें, विषयवार कार्यक्रम तथा समीक्षा व्यवस्था को प्रभावी बनाने पर जोर दिया गया। सहभागियों के लिए रिटर्न नोट एवं चार्ट पेपर के माध्यम से इंटरएक्टिव शिक्षण गतिविधि एवं फ़ीडबैक सत्र पर चर्चा की गई। इस अवसर पर ग्राम पंचायतों के सचिवों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी करते हुए अपने अपने ग्राम पंचायतों में जीपीपीएफ़टी मंच की स्थापना एवं नियमित बैठकें आयोजित करने की प्रतिबद्धता जताई। कार्यशाला में पिरामल फ़ंडेशन की टीम के साथ स्थानीय प्रशासन के प्रतिनिधिगण एवं जनपद पंचायत अधिकारी भी उपस्थित रहे।

चौकिए मत, यह बिल्ली नहीं, बल्कि नार में फला हुआ हरा करेला है



बागबाहरा, 30 जुलाई (देशबन्धु)। चौकिए मत, यह बिल्ली नहीं, बल्कि नार में फला हुआ हरा करेला है। जिसे देखकर लोग आश्चर्यचकित हो जाते हैं। यह नार में फला हुआ हरा करेला ग्रामीणों के लिए आकर्षण एवं कौतुहल का विषय बना हुआ है। उक्त बिल्ली जैसे दिखने वाले हरा करेला को बागबाहरा विकासखंड के ग्राम पंचायत पचेड़ा निवासी पंचायत सचिव भरतलाल साहू ने बागबाहरा के देशबंधु के वरिष्ठ पत्रकार ललित सोनी को यह फोटो उपलब्ध कराया है।

सरपंच सहित 3 अन्य ग्रामीणों को गिरफ्तार कर भेजा जेल

कोहका/नेवरा, 30 जुलाई (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ के राजधानी रायपुर जिला से 30 किलोमीटर दूर महिंद्रा स्पंज के द्वारा ग्रामीणों के विरोध को जानते हुये भी बल पूर्वक तानाशाही रवैया अपनाते हुये, गांव के मुखिया सरपंच सहित 3 अन्य ग्रामीणों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाना। महिंद्रा स्पंज आयरन उद्योग के ताना शाही को दर्शाता हैं, मुझे आज ही हरि भूमि अखबार के न्यूज़ पढ़ने से जानकारी प्राप्त हुआ है। मै महिंद्रा स्पंज आयरन उद्योग परसदा सरोरा जो तिल्दा नेवरा ब्लाक में स्थित हैं, को खुला चेतावनी देता हूँ, अगर ग्रामीणों के द्वारा उक्त कंपनी को पानी देने का विरोध समस्त ग्राम वासियों के द्वारा किया जा रहा है, लेकिन सरपंच एवं उनके 03 साथियों को जेल भेजना ये कंपनी के दबाव में आकर धरसीबां पुलिस के द्वारा किया गया है। जो बहुत ही गलत एवं नाजायज हैं, ये महिंद्रा स्पंज आयरन उद्योग का स्पष्ट तानाशाही एवं गुंडा गद्दी है !



राष्ट्रीय उपभोक्ता संरक्षण फोरम, नरेंद्र मोदी विचार मंच/मिशन न्यू इंडिया शिव वर्मा प्रदेश उपाध्यक्ष , दास साहू प्रदेश महासचिव पुलिस कार्यवाही का घोर निंदा करता है , एवं उद्योग को खुला चुनौती देता है हमारे संगठन राष्ट्रीय उपभोक्ता संरक्षण फोरम, नरेंद्र मोदी विचार मंच/ मिशन न्यू इंडिया ग्राम सुगेरा वासियों के साथ कंधा में कंधा मिलाकर खड़ा है। राष्ट्रीय उपभोक्ता संरक्षण फोरम, नरेंद्र मोदी विचार मंच ग्राम सुगेरा के ग्राम वासियों को आशस्त करता है, कि हमारे संगठन हिमेशा आपके जन हित के मुद्दा पर आपके साथ खड़ा है। बहुत जल्दी ग्राम सुगेरा के ग्रामीणों के साथ बैठक कर महिंद्रा स्पंज आयरन उद्योग को सुगेरा घाट से पानी नहीं देने का पुरजोर विरोध करेगा। आपको जेल भेजना है तो हमें भी जेल भेजो हम सुगेरा वासियों के लड़ाई में तन मन धन से साथ है, एवं हमारी संगठन पूर्ण रूप से महिंद्रा स्पंज आयरन उद्योग के खिलाफ व ग्रामीणों के समर्थन करता है।

खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम ने बलौदाबाजार में चलाया जांच अभियान

बलौदाबाजार, 30 जुलाई (देशबन्धु)। कलेक्टर दीपक सोनी के निर्देश पर त्योंहारी सीजन में मिठाईयों एवं अन्य खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम द्वारा जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में बलौदाबाजार के कई दुकानों में खाद्य पदार्थों की जांच की गई। खाद्य सुरक्षा अधिकारी उमेश वर्मा एवं टीम द्वारा बलौदाबाजार के कुल 4 होटल, बिरयानी सेंटर, दुकानों का निरीक्षण किया गया। जिसमें बरकाती बिरयानी अम्बेडकर चौक, देवांगन भोजनालय, सोनी होटल, देवांगन होटल में साफसफाई की गई एवं खाद्य सुरक्षा मानक अनुज्ञप्ति व प्रयोगशाला जांच हेतु भेजा गया।

अवमानक मीठा सैलानी एवं खस्ता को मौके पर किया नष्ट

पंजीयन नियम 2011 की शर्तों का व पूर्व में जारी निर्देशों का पालन नहीं किए जाने के कारण खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम की धारा 31(1) व 55 के तहत प्रकरण तैयार किया गया। इसके साथ ही चलित खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला के माध्यम से कुल 30 प्रकार के खाद्य पदार्थ एवं मिठाईयों की जांच की गई। जिसमें से 28 मानक एवं 2 अवमानक रिपोर्ट प्राप्त हुए। अवमानक मीठा सैलानी एवं खस्ता को मौके पर नष्ट कराया गया। खस्ता, चिकन रोस्ट, बालूशाही, चिकन रोस्ट काड़ी का सर्विलांस नमूना लेकर राज्य खाद्य परीक्षण

अवमानक मीठा सैलानी एवं खस्ता को मौके पर किया नष्ट

पंजीयन नियम 2011 की शर्तों का व पूर्व में जारी निर्देशों का पालन नहीं किए जाने के कारण खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम की धारा 31(1) व 55 के तहत प्रकरण तैयार किया गया। इसके साथ ही चलित खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला के माध्यम से कुल 30 प्रकार के खाद्य पदार्थ एवं मिठाईयों की जांच की गई। जिसमें से 28 मानक एवं 2 अवमानक रिपोर्ट प्राप्त हुए। अवमानक मीठा सैलानी एवं खस्ता को मौके पर नष्ट कराया गया। खस्ता, चिकन रोस्ट, बालूशाही, चिकन रोस्ट काड़ी का सर्विलांस नमूना लेकर राज्य खाद्य परीक्षण



कटगी/बलौदाबाजार, 30 जुलाई (देशबन्धु)। ने बताया कि इन सभी गांवों में इस समय प्राथमिक बरसात के दिनों में कटगी के आसपास के गांवों के स्कूली छात्रों को स्कूल जाने में काफी परेशानी हो रही है। ग्राम टिपेरंग, कोट, रामपुर, डेराडीह और अमोदी के 50 से 60 छात्र-छात्राओं को हाई स्कूल कटगी आने-जाने में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। चंदी के उफान के कारण छात्रों को एक किलोमीटर की दूरी के बजाय सात किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ रही है। इसके अलावा, उन्हें हाईवा रोड पार करने के लिए अपनी जान जोखिम में डालनी पड़ती है। ग्राम पंचायत अमोदी के सरपंच लक्ष्मीनारायण सागर

ने बताया कि इन सभी गांवों में इस समय प्राथमिक शाला और मिडिल स्कूल हैं। आगे की पढ़ाई के लिए छात्रों को हाई स्कूल कटगी जाना पड़ता है। ग्रामीणों ने शासन प्रशासन से अपील की है कि ग्राम रामपुर में हाई स्कूल खोला जाए। ग्रामीण क्षेत्रों में स्कूलों की सुविधा और सड़क की स्थिति में सुधार करने के लिए सरकार और प्रशासन को ठोस कदम उठाने होंगे। छात्रों को स्कूल जाने के लिए सुविधा और सुगम रास्ता मिलना चाहिए। इसके लिए ग्राम रामपुर में हाई स्कूल खोलने की मांग जायज लगती है। इससे छात्रों को अपनी पढ़ाई जारी रखने में आसानी होगी और उन्हें दूर के स्कूल में जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

रामपुर में हाई स्कूल खोलने की मांग। ने बताया कि इन सभी गांवों में इस समय प्राथमिक शाला और मिडिल स्कूल हैं। आगे की पढ़ाई के लिए छात्रों को हाई स्कूल कटगी जाना पड़ता है। ग्रामीणों ने शासन प्रशासन से अपील की है कि ग्राम रामपुर में हाई स्कूल खोला जाए। ग्रामीण क्षेत्रों में स्कूलों की सुविधा और सड़क की स्थिति में सुधार करने के लिए सरकार और प्रशासन को ठोस कदम उठाने होंगे। छात्रों को स्कूल जाने के लिए सुविधा और सुगम रास्ता मिलना चाहिए। इसके लिए ग्राम रामपुर में हाई स्कूल खोलने की मांग जायज लगती है। इससे छात्रों को अपनी पढ़ाई जारी रखने में आसानी होगी और उन्हें दूर के स्कूल में जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

रामपुर में हाई स्कूल खोलने की मांग। ने बताया कि इन सभी गांवों में इस समय प्राथमिक शाला और मिडिल स्कूल हैं। आगे की पढ़ाई के लिए छात्रों को हाई स्कूल कटगी जाना पड़ता है। ग्रामीणों ने शासन प्रशासन से अपील की है कि ग्राम रामपुर में हाई स्कूल खोला जाए। ग्रामीण क्षेत्रों में स्कूलों की सुविधा और सड़क की स्थिति में सुधार करने के लिए सरकार और प्रशासन को ठोस कदम उठाने होंगे। छात्रों को स्कूल जाने के लिए सुविधा और सुगम रास्ता मिलना चाहिए। इसके लिए ग्राम रामपुर में हाई स्कूल खोलने की मांग जायज लगती है। इससे छात्रों को अपनी पढ़ाई जारी रखने में आसानी होगी और उन्हें दूर के स्कूल में जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

सहकारी समिति करमदा में किया गया वृक्षारोपण। एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के तहत सेवा सहकारी समिति मयों. करमदा में वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य रूप से उप पंजीयक उमेश कुमार गुप्ता, सहकारीता विस्तारक अधिकारी देवेन्द्र कुमार नेताम, प्राधिकृत अधिकारी चंद्रिका प्रसाद वर्मा, सरपंच श्रीमती सरस्वती वर्मा, उपसरपंच राजू कुमार सिद्धि, सचीव रूपचंद, बोस रोजगार सहायक सतीस कुमार वर्मा, समिति प्रबंधक राजकमल साहू, नोडल प्रबंधक आर. के. धावलकर एवं कर्मचारी गण गायत्री ध्रुव, रूखमणी वर्मा, अधिकारी जी.एन. साहू, शाखा सालीकराम वर्मा, अविनाश पाण्डेय, शैलेन्द्र यादव, बलरामदास मानीकपुरी, वसंत वर्मा, भानु प्रताप यादव, दयानंद वर्मा, बलदाऊ ध्रुव एवं समस्त कृषक सदस्य उपस्थित रहे। उक्त जानकारी ग्राम करमदा के सरपंच सरस्वती वर्मा ने एक प्रेस वृत्ति में दी हैं।



वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुआ रुद्राभिषेक

पलारी, 30 जुलाई (देशबन्धु)। तीसरे श्रावण सोमवार को नगर पंचायत पलारी स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर प्रांगण में नगर के सुख शान्ति समृद्धि के लिए संस्कारन हिताय सर्वजन सुखाय की भावना के लिए नगर पुरोहित आचार्य राहुल महाराज युवा भागवत प्रवक्ता के सानिध्य में एवं नगरवासियों के सहयोग से सामुहिक दिव्य पार्थिव शिवलिंग रू द्ात्मक रुद्राभिषेक पूजन का आयोजन हुआ जहाँ भक्तों द्वारा विधिवत पार्थिव शिवलिंग बनाकर वेदी पूजन करते हुए महादेव को परम प्रिय रुद्राष्टाध्यायी के वैदिक मंत्रों से रुद्राभिषेक, षोडशोपचार पूजन , हवन तथा महाआरती की गई, तदुपरांत पार्थिव शिवलिंग को माताओं ने सर पर रखकर विधिवत सूर्यास्त के पूर्व वितर्जन किया गया सभी भक्तों में खीर पूड़ी की प्रसाद वितरण की गई। आचार्य राहुल जी महाराज बताया कि रुद्राभिषेक

भगवान महादेव को परम प्रिय है जिसके चलते जो भी भक्त श्रद्धायुक्त होकर पूजन करता है भगवान उनकी समस्त विपदाओं का हरण कर लेते हैं सौभाग्य का वर प्रदान करते हैं , धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष की प्राप्ति होती है,अकाल मृत्यु से रक्षा करने का सबसे उत्तम उपाय है मृत्युंजय भगवान की आराधना करना भगवान शिव जी मे अबीर, गुलाल,केसर, इत्र ,अभरक, भस्म,पान, सुपांडी, सफेद चावल,धतूरा, पंचामृत,बेलपत्र, शमीपत्र,दूर्वा,श्रुफल, धूप , दीप , नैवेद्य , आरती समर्पित करना चाहिए आगे महाराज द्वारा वैदिक विधि से रुद्राष्टाध्यायी द्वारा रुद्राभिषेक हुआ तदुपरांत सभी भक्तों को पार्थिव शिवलिंग की महिमा बतलाते हुए कहते हैं की कलयुग में कूम्पाण्ड ऋषि के पुत्र मंडप ने पार्थिव शिवलिंग पूजन का प्रारंभ किया, श्रावण मास में मिट्टी की शिवलिंग का बड़ा महत्व है जिन्हें पार्थिव शिवलिंग के नाम से जाना जाता है।

परमेश्वर महादेव के स्थापना दिवस पर अभिषेक पूजा का आयोजन

आरंग, 30 जुलाई (देशबन्धु)। लक्ष्मी विहार कॉलोनी के परमेश्वर महादेव मन्दिर में भगवान शिव जी की स्थापना दिवस की पावन बेला पर 29 जुलाई नाग पंचमी को अभिषेक पूजा का आयोजन किया गया मंदिर के पुजारी पंडित धर्मंद तिवारी के द्वारा परमेश्वर महादेव भगवान का विधिवत पूजा अनुष्ठान किया गया जिसमें बड़ी संख्या में कॉलोनी की मातृशक्ति व श्रद्धालु गण उपस्थित थे आचार्य जी ने मुख्य यजमान गौरी नंदकुमार चंद्राकर की उपस्थिति में दूध दही बेल पत्र व पूजन सामग्री द्वारा विधि विधान से पूजन सम्पन्न कराया इस आयोजन में वैदेही मानस मंडली की अमरीका साहू लता पेटे किरण दीवान लीना चंद्राकर नीतू वर्मा अर्चना शर्मा जागृति चंद्राकर सीमा निषाद कॉलोनी अध्यक्ष पवन चंद्राकर भागवत प्रवक्ता पं छत्रधर दीवान मोहन साहू कमलकांत बंजारे खोमन चंद्राकर आदि की उपस्थिति रही भगवान भोलेनाथ की संध्या आरती प्रसाद वितरण पश्चात कार्यक्रम का समापन हुआ।



प्रधानमंत्री सूर्य घर मुक्त बिजली योजना का विशेष शिवािर आज

कुरुद 29 जुलाई (देशबन्धु) छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड (छ.रा.वि.मं. की उत्तरदायी कंपनी) (छ.ग. शासन का उपक्रम) कार्यालय:- कार्यपालन अभियंता (संचा. / संचा.) संभाग छ.स्टे.पा.डि.कं.लिमि. कुरुद के द्वारा प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत कुरुद संभाग में अब तक 40 रुफटॉप सोलर प्लांट स्थापित किए जा चुके हैं। इस योजना के तहत शहरी और ग्रामीण घरेलू उपभोक्ताओं को अपने घर की छत पर 3 किलोवाट तक सोलर प्लांट लगाने पर केन्द्र सरकार की ओर से 30 हजार से 78 हजार रुपये एवं राज्य सरकार की ओर से 15 हजार से 30 हजार रुपये तक कुल 1 लाख 8 हजार रुपये तक की सब्सिडी दी जा रही है। कुरुद संभाग के अंतर्गत प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदाय करने के लिए दिनांक 30.07.2025 (बुधवार) को ऑफिसर चॉंर, लुगे रोड, मगरलोड, दिनांक 30.07.2025 (बुधवार) को बाजार चौक, भवारा एवं दिनांक 31.07.2025 (गुरुवार) को शिक्षक कॉलोनी, कुरुद में विशेष शिवािर (समय प्रातः 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक) का आयोजन किया जा रहा है। समस्त समानासीय विद्युत उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है कि अधिक से अधिक संख्या में शिवािर में आकर योजना का लाभ प्राप्त करें। उपरोक्त जानकारी (जी.के. बंजारे कार्यपालन अभियंता (संचा / संचा.) संभाग छव्सेसा हिल अतिर कुरुद नेजारी प्रेस वृत्ति में कही है।



महासमुंद 30 जुलाई (देशबन्धु)। मेघ बसंत कॉलोनी के मंदिर प्रांगण में अशोक सुंदरी रामायण मंडली द्वारा रामायण पाठ की प्रस्तुति दी गई। सर्व प्रथम भगवान श्री राम जी की छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया सावन की पवित्र मास में बारिश की पुहार में शिव जी की शादी की कथा और भजन ने सभी श्रोताओं को आनंदित कर दिया। कार्यक्रम में श्रीमती सती साहू, शशि थवाईट, मधुलता शर्मा, वंदना अग्रवाल, वीणा प्रधान, किरण साहू, सरोज श्रीवास्तव, रानी सेनी, सविता महंती, एकता खनूजा, नीतू जैन, दीप्ति थवाईट, रेखा कृष्णानी, सिंपल गुप्ता, ममता रूपरेला, वसुंधरा पोपट, अजय थवाईट, रवि जैन का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित थीं।

राधा कृष्ण विद्या मंदिर स्कूल में धूमधाम से मनाया गया नाग पंचमी का त्यौहार

आरंग, 30 जुलाई (देशबन्धु)। मंगलवार 29 जुलाई को राधा कृष्ण विद्या मंदिर स्कूल में मनाया गया नाग पंचमी का त्यौहार जिसमें विद्यालय की प्राचार्या निशा श्रीवास्तव के द्वारा बताया गया कि नाग पंचमी हिंदुओं के लिए धार्मिक और आध्यात्मिक दोनों ही दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है इस दिन भगवान श्री कृष्ण कालिया नाग को नाथे थे। नाग पंचमी का उद्देश्य नागों और सांपों की पूजा करना है सावन माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को नाग पंचमी मनाया जाता है। शाला विकास समिति अध्यक्ष बुजेश अग्रवाल और समिति सदस्य सतीशचंद्र अग्रवाल ने बच्चों के द्वारा बनाए गए नाग देवता का चित्र की पूजा-अर्चना की जिसमें शाला के सभी शिक्षक शिक्षिका और बच्चे शामिल हुए। विद्यालय के अध्यक्ष बुजेश कुमार अग्रवाल के द्वारा प्यारे-प्यारे बच्चों को स्लेट और पेंसिल वितरण कर प्रोत्साहित किया गया। नाग पंचमी के पावन पर्व की पूरे शाला परिवार को बधाई दिया गया श्री राधाकृष्ण मंदिर में श्रावण झूला महोत्सव में सभी को शामिल होने आमंत्रित किया गया।



मंदिर स्कूल में मनाया गया नाग पंचमी का त्यौहार जिसमें विद्यालय की प्राचार्या निशा श्रीवास्तव के द्वारा बताया गया कि नाग पंचमी हिंदुओं के लिए धार्मिक और आध्यात्मिक दोनों ही दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है इस दिन भगवान श्री कृष्ण कालिया नाग को नाथे थे। नाग पंचमी का उद्देश्य नागों और सांपों की पूजा करना है सावन माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को नाग पंचमी मनाया जाता है। शाला विकास समिति अध्यक्ष बुजेश अग्रवाल और समिति सदस्य सतीशचंद्र अग्रवाल ने बच्चों के द्वारा बनाए गए नाग देवता का चित्र की पूजा-अर्चना की जिसमें शाला के सभी शिक्षक शिक्षिका और बच्चे शामिल हुए। विद्यालय के अध्यक्ष बुजेश कुमार अग्रवाल के द्वारा प्यारे-प्यारे बच्चों को स्लेट और पेंसिल वितरण कर प्रोत्साहित किया गया। नाग पंचमी के पावन पर्व की पूरे शाला परिवार को बधाई दिया गया श्री राधाकृष्ण मंदिर में श्रावण झूला महोत्सव में सभी को शामिल होने आमंत्रित किया गया।

भाजपा पिथौरा अध्यक्ष ने सुनी मन की बात

पिथौरा, 30 जुलाई (देशबन्धु)। भारत देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 124 वें एपिसोड मन की बात को भाजपा मंडल पिथौरा के अध्यक्ष आशीष शर्मा ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात को हम सभी कार्यकर्ताओं ने सुना। इस अवसर पर प्रमुख रूप से नगर पंचायत उपाध्यक्ष वीरेंद्र तिवारी, वरिष्ठ भाजपा नेता प्रीत राम सूर्या,सेत राम पटेल,शशि डडसेना,रेदास गोयल,भाजपा महामंत्री जतीन उक्कर,पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष उषा पटेल,लाखागढ़ सरपंच प्रियरंजन कोसरिया,विकी सलूजा,दुलीकेशन साहू,राजा खनूजा,पार्षद श्रीमती रामकुंवर सिन्हा,पार्षद पुष्पकान्त पटेल,बबलू सोनी,वेदप्रकाश गोयल,लक्ष्मी सिन्हा,टीके यादव सहित भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे। कार्यक्रम पश्चात सभी को संबोधित करते हुए भाजपा मंडल अध्यक्ष आशीष शर्मा ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात को हम सभी कार्यकर्ता हमेशा से सुनते आ रहे हैं उनके द्वारा हर एपिसोड में हमें कुछ ना कुछ नया सीखने को मिलता है उनके द्वारा बताई गई बातें दी जाने वाली जानकारीया से हमें ज्ञान मिलता है हमें हमेशा इस कार्यक्रम को सुनना चाहिए तथा और भी लोगों को सुनने के लिए प्रेरित करना चाहिए।

रामपुर में हाई स्कूल खोलने की मांग

कटगी/बलौदाबाजार, 30 जुलाई (देशबन्धु)। ने बताया कि इन सभी गांवों में इस समय प्राथमिक बरसात के दिनों में कटगी के आसपास के गांवों के स्कूली छात्रों को स्कूल जाने में काफी परेशानी हो रही है। ग्राम टिपेरंग, कोट, रामपुर, डेराडीह और अमोदी के 50 से 60 छात्र-छात्राओं को हाई स्कूल कटगी आने-जाने में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। चंदी के उफान के कारण छात्रों को एक किलोमीटर की दूरी के बजाय सात किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ रही है। इसके अलावा, उन्हें हाईवा रोड पार करने के लिए अपनी जान जोखिम में डालनी पड़ती है। ग्राम पंचायत अमोदी के सरपंच लक्ष्मीनारायण सागर

ने बताया कि इन सभी गांवों में इस समय प्राथमिक शाला और मिडिल स्कूल हैं। आगे की पढ़ाई के लिए छात्रों को हाई स्कूल कटगी जाना पड़ता है। ग्रामीणों ने शासन प्रशासन से अपील की है कि ग्राम रामपुर में हाई स्कूल खोला जाए। ग्रामीण क्षेत्रों में स्कूलों की सुविधा और सड़क की स्थिति में सुधार करने के लिए सरकार और प्रशासन को ठोस कदम उठाने होंगे। छात्रों को स्कूल जाने के लिए सुविधा और सुगम रास्ता मिलना चाहिए। इसके लिए ग्राम रामपुर में हाई स्कूल खोलने की मांग जायज लगती है। इससे छात्रों को अपनी पढ़ाई जारी रखने में आसानी होगी और उन्हें दूर के स्कूल में जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

रामपुर में हाई स्कूल खोलने की मांग। ने बताया कि इन सभी गांवों में इस समय प्राथमिक शाला और मिडिल स्कूल हैं। आगे की पढ़ाई के लिए छात्रों को हाई स्कूल कटगी जाना पड़ता है। ग्रामीणों ने शासन प्रशासन से अपील की है कि ग्राम रामपुर में हाई स्कूल खोला जाए। ग्रामीण क्षेत्रों में स्कूलों की सुविधा और सड़क की स्थिति में सुधार करने के लिए सरकार और प्रशासन को ठोस कदम उठाने होंगे। छात्रों को स्कूल जाने के लिए सुविधा और सुगम रास्ता मिलना चाहिए। इसके लिए ग्राम रामपुर में हाई स्कूल खोलने की मांग जायज लगती है। इससे छात्रों को अपनी पढ़ाई जारी रखने में आसानी होगी और उन्हें दूर के स्कूल में जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।



मत्स्य सहकारी समितियों का प्रशिक्षण सह कार्यशाला आयोजित

बलौदाबाजार, 30 जुलाई (देशबन्धु)। कलेक्टर दीपक सोनी के मार्गदर्शन में सहकारिता विभाग एवं जिला सहकारी संघ मर्यादित बलौदाबाजार-भाटापारा के तत्वाधान में मंगलवार को एक दिवसीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में जिले के 116 पंजीकृत मत्स्य सहकारी समिति शामिल हुए।

प्रशिक्षण के प्रथम सत्र में उप आयुक्त उमेश कुमार गुप्ता द्वारा सहकारी समितियों की पंजीयन, कार्यप्रणाली, निर्वाचन एवं समिति के सदस्यों आपसी समन्वय से नियमित रूप से समिति सदस्यों की बैठक आयोजित करने, आय-व्यय की जानकारी सभी सदस्यों को साझा करने संबंधी विस्तृत जानकारी दी गई तथा विभाग से संपर्क कर शासन की योजनाओं का लाभ समिति



के सदस्यों को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। नोडल अधिकारी जी.एन. साहू, ने सहकारी बैंक के माध्यम से मत्स्य सहकारी समितियों को बैंक की योजनाओं के तहत 3 लाख रुपये तक ब्याज मुक्त अल्पकालीन ऋण तथा मध्यमकालीन ऋण प्राप्त कर अपने कार्य व्यवसाय में वृद्धि करने की जानकारी दी गई। इसी तरह मत्स्य पालन विभाग बी

पी शर्मा के द्वारा विभाग में संचालित योजनाओं की संक्षिप्त जानकारी देते हुए सहकारी समिति के सदस्यों को निशुल्क 5 लाख तथा 2.5 लाख रुपये तक दुर्घटना बीमा तथा मत्स्य आदान सामग्री हेतु विभागीय अनुदान के रूप में मछली बीज, जाल, बोट एवं आईसबॉक्स पुनः निशुल्क प्रदाय करने की जानकारी, तालाब आबंटन

के त्रिस्तरीय सरचना के बारे में सदस्यों को अवगत कराया गया। मत्स्य पालन की नई प्रक्रिया एवं मत्स्य पालन विभाग द्वारा समय-समय पर किये जाने वाले प्रशिक्षण में भाग लेकर सदस्यों की आर्थिक क्षमता को मजबूत किया जा सकता है। मत्स्य कुषक सम्पूर्ण ढहरिया के द्वारा सहकारी बैंक से निरंतर विगत 2 वर्षों से मत्स्य पालन हेतु 3 लाख रुपये का ब्याज मुक्त ऋण मिलने पर पसन्नता व्यक्त करते हुए आर्थिक विकास करने की बात बताई गई। साथ ही समिति सहसा, पलारी, रोहांसी, दरचूरा, देवरी के मत्स्य सदस्यों द्वारा तालाब आबंटन पश्चात मछली पालन लाखों की आमदनी होने की बात कही। कार्यक्रम में प्राधिकृत अधिकारी डी.के. नेताम, एम.एस. कंवर एवं जिले के समस्त मत्स्य सहकारी समिति के अध्यक्ष एवं सचिव उपस्थित रहे।

साहू समाज के प्रदेश उपाध्यक्ष भुनेश्वर साहू त्रिलोक साहू से भेंट करने पहुंचे राजिम



राजिम, 30 जुलाई (देशबन्धु)। प्रदेश साहू संघ उपाध्यक्ष भुनेश्वर साहू त्रिलोक साहू टेलर राजिम में उनके प्रतिष्ठान में पहुंचकर उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली।

विदित हो कि दिसंबर 2024 में त्रिलोक अपने घर के सामने खड़े हुए थे जिसे स्कूटर वाले ने आकर अनियंत्रित होकर ठोक दिए थे जिसके कारण से घटना हो गई था जिनका ऑपरेशन हुआ है उसी का हाल-चाल स्वास्थ्य से संबंधित जानकारी हेतु प्रदेश साहू संघ के उपाध्यक्ष भुनेश्वर साहू जी ने उनके

प्रतिष्ठान पहुंचकर हाल-चाल जाना इनके साथ में इन लोगों की भी उपस्थित रही, साहू समाज राजिम भक्ति मंदिर समिति अध्यक्ष लाला साहू, प्रसिद्ध वैधराज हड्डी रोग विशेषज्ञ ओमप्रकाश साहू, राजिम भक्ति मंदिर समिति के अध्यक्ष लाला लाला साहू, कार्यकारी अध्यक्ष ईश्वरी साहू, भक्ति मंदिर समिति उपाध्यक्ष नंदकुमार साहू, साहू समाज भक्ति मंदिर समिति महासचिव त्रिलोकनाथ साहू, डॉक्टर रमेश सोनसायटी सचिव भामाशाह साहू सद्गव समिति गोबरा नवापारा उपस्थित थे।

विधायक गुरु खुशवंत साहेब के प्रयास से क्षेत्र की वर्षों पुरानी मांगें हुई पूरी, ग्रामीणों को राहत, किसानों को सिंचाई सुविधा

आरंग, 30 जुलाई (देशबन्धु)। आरंग विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक एवं अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष (कैबिनेट दर्जा) गुरु खुशवंत साहेब के सतत जनसंपर्क, जनभागीदारी और क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के प्रति प्रतिबद्ध प्रयासों का प्रतिफल अब धरातल पर परिलक्षित हो रहा है। राज्य सरकार द्वारा आरंग विधानसभा अंतर्गत 01 करोड़ 50 लाख की लागत से कुल 14 से अधिक विकास कार्यों की स्वीकृति प्रदान की गई है। स्वीकृत कार्यों में प्रमुख रूप से पुल-पुलिया तथा स्टाप डेम निर्माण शामिल हैं, जो ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन को सुगम बनाते हैं, बाढ़ व जलभराव की समस्याओं से राहत दिलाने तथा कृषि कार्यों हेतु जल संरक्षण को सुदृढ़ करने में सहायक सिद्ध होंगे।

स्वीकृत कार्यों की संक्षिप्त सूची इस प्रकार है- भण्डारपुरी स्टैंडियम रोड के पास पुलिया निर्माण 10.00, भण्डारपुरी बरेझा रोड के पास नाला में पुलिया 10.00, अमठी स्कूल के पास पुलिया निर्माण 10.00, अमठी आश्रित ग्राम गुदगुदा शीतला मंदिर के पास पुल 8.00, चोरभट्टी बजारी बुड़ नाला में स्टाप डेम कार्य 15.00, चोर भट्टी से संकरी मार्ग पर पुल-पुलिया 7.00, अमसेना मरीखार में पुल-पुलिया निर्माण 10.00, चपरीद परसाही नाला में पुल-

पुलिया निर्माण 15.00, घोवभट्टी अमसेना रास्ता में पुल-पुलिया 10.00, घोवभट्टी पिरदा रास्ता में पुल-पुलिया 10.00, पारागांव बड़े सरारी में स्टाप डेम 15.00, नारा में मनोज जी के घर के पास पुल-पुलिया 10.00, चकवे में धनुष साहू के खेत के पास स्टाप डेम 10.00, सडी से जयौद नाला के मध्य स्टाप डेम 10.00 की स्वीकृति हुई है।

आरंग विधानसभा में 01 करोड़ 50 लाख की लागत से पुल-पुलिया एवं स्टाप डेम निर्माण कार्यों की मिली स्वीकृति

विधायक गुरु खुशवंत साहेब ने इस महत्वपूर्ण स्वीकृति हेतु छत्तीसगढ़ के

यशस्वी मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं कैबिनेट मंत्री टंकाम वर्मा के प्रति हृदय से आभार प्रकट किया है।

गुरु खुशवंत साहेब ने कहा ङ्के ये सभी कार्य हमारे क्षेत्रवासियों की मूलभूत आवश्यकताओं से जुड़े हैं। इन कार्यों से जहाँ ग्रामीणों को आवागमन में राहत मिलेगी, वहीं वर्षा जल का संरक्षण भी संभव होगा, जो आने वाले समय में खेती-किसानी एवं भूजल स्तर के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा।

यह स्वीकृति आरंग विधानसभा को आत्मनिर्भरता, समावेशी विकास और टिकाऊ अधोसंरचना की दिशा में एक सकारात्मक कदम है। विधायक गुरु साहेब जी ने कहा कि वे आगे भी इसी तरह जनहित के विकास कार्यों को स्वीकृति दिलाने के लिए कृतसंकल्पित हैं।

नवापारा राजिम, 30 जुलाई (देशबन्धु)। मंगलवार के रात्रि करीबन 08.15 बजे आरोपी सत्यम विश्वकर्मा पिता गोपी विश्वकर्मा उम्र 22 साल साकिन वार्ड न 18 बगदेही पारा नवापारा थाना गोबरा नवापारा जिला रायपुर छग के द्वारा प्रार्थी अनूप खरे पिता स्व धनीराम खरे के घर में जाकर शराब पीने के लिए पैसे की मांग किया जिसे प्रार्थी द्वारा मना करने पर नौ बहन की गंदी-गंदी अश्लील गाली देकर जान से मारने की धमकी देकर प्रार्थी के साथ मारपीट किया जिससे प्रार्थी की दाहिने हाथ में चोट आया तो सत्यम विश्वकर्मा को अपने बचाव के लिए धक्का दिया तो वह जमीन



पर गिर गया और आरोपी गुस्से में आकर अपने पास रखे धारदार स्टील की चाकू से प्रार्थी को मारने की नीयत से प्रार्थी पर वार किया जिससे बचकर वह अपने घर के अंदर चला गया अविजित ठाकुर के यहाजन्म दिन में आए उनके दामाद का होंडा सिटी कार क्रमांक सीजी 13 यूसी 5999 जो घर के बाहर खड़ी थी आरोपी द्वारा उसके कांच को तोड़फेंड कर क्षतिग्रस्त कर दिया कि प्रार्थी की लिखित

शिकायत पर आरोपी के विरुद्ध अत्र क्र 296,351(2) 115(2), 119(1), 324(4) बीएनएस 25,27 आईएस एक्ट कायम कर आरोपी सत्यम विश्वकर्मा को न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया।

जनदर्शन में ग्राम कटगी में पशु चिकित्सालय खोलने की मांग

कटगी/बलौदाबाजार, 30 जुलाई (देशबन्धु)। आदर्श ग्राम पंचायत कटगी में इन दिनों जानवरों का हालात काफी खराब है, ग्राम कटगी में पशु चिकित्सालय की कमी के वजह से गाय, कुत्ता व बिल्ली की आय दिन तड़प-तड़प कर मौत हो रही है जिनका सुध लेने वाला कोई नजर नहीं आता है। इसी समस्या को देखते हुए गांव के दिनेश देवांगन और चंद्रमौली शर्मा ने बलौदाबाजार जिला के कसान कलेक्टर दीपक सोनी को जनदर्शन में मांग पत्र के माध्यम से पशु चिकित्सालय खोलने की मांग किया गया है जिससे जीव-जानवर की स्वास्थ्य में सुधार हो सके और वह भी स्वतंत्र रूप से अपना जीवन जी सकें।

जानवर ऐसे होते हैं मौत का शिकार-आपकों बता दें कि कटगी में पशु चिकित्सालय नहीं है जो

कि यह ग्राम क्षेत्र के सबसे बड़ी ग्राम पंचायत है जिसके बाद भी यहां पशु चिकित्सालय नहीं है। कटगी जो कि नेशनल रोड एन एच 130 बी में स्थित है जिसके कारण आय दिन गाय, बिल्ली, कुत्ता तेज रफ्तार वाहनों का शिकार हो रहे जिसके चलते अपाहिज तथा मौतें हो रही है साथ ही मौसम के परिवर्तन से भी जानवरों पर बीमारी होते देखा जा सकता है।

जल्द से जल्द खोला जाये पशु चिकित्सालय-साथ मांग पत्र में यह भी निवेदन किया गया है कि स्कूल भवन खाली पड़ी है जिसे उपयोग में लाया जा सकता है और जल्द से जल्द ही पशु चिकित्सालय खोला जा सकता है क्योंकि ग्राम कटगी के कई स्कूल भवन खाली पड़े हैं तथा खंडहर में तब्दील होने जा रही है।

करौंदा खिलाने के बहाने 4 साल की चचेरी बहन से दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार



आरंग, 30 जुलाई (देशबन्धु)। आरंग थाना क्षेत्र में रिशतों को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। आरोपी युवक ने 04 साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया है। पीड़िता कोई नहीं बल्कि आरोपी की चचेरी बहन है। आरंग थाना प्रभारी राजेश सिंह ने बताया कि आरोपी ने घर में खेल रही बच्ची को करौंदा खिलाने के बहाने अपने घर ले गया और आरोपी युवक ने नाबालिक के साथ घिनौना काम किया। नाबालिग घटना के बाद रोते हुए घर पहुंची और अपनी मां को सारी बात बताई। इसके बाद नाबालिक के मां और पिता ने आरंग थाना आकर अपनी बेटी पर हुए अनाचार के बारे में बताए। आरंग पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी युवक को हिरासत में ले लिया है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध ब्रह्म 65 (2), पॉक्सो एक्ट 04 के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है।

कलेक्टर ने ली जिला स्तरीय टास्क फोर्स समिति की बैठक

महासमुंद, 30 जुलाई (देशबन्धु)। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय टास्क फोर्स समिति की बैठक आयोजित हुआ। इस बैठक में बाल श्रम निषेध और नियमन के लिए किए गए कार्यों की जानकारी ली गई। कलेक्टर श्री लंगेह ने सभी सदस्यों और स्वयंसेवी संस्थाओं को निर्देशित किया कि वे समन्वय स्थापित कर प्रतिमाह बालक और कुमार श्रम प्रतिषेध और विनियमन नियम 2017 की धारा 2 बी, 2 के तहत संयुक्त निरीक्षण की कार्यवाही करें। कलेक्टर ने ऐसे बच्चों की जानकारी जो एक माह से विद्यालय में अनुपस्थित हैं, श्रम विभाग को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए थे। जिसमें एक माह में शाला से अनुपस्थित बाल एवं किशोर



की संख्या निरंक है। कलेक्टर ने कहा कि चिन्हांकित बच्चों को सर्व शिक्षा अभियान के अंतर्गत औपचारिक प्राथमिक शिक्षा प्रदान करने के लिए शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 की धारा 4 के तहत उचित आयु वर्ग की औपचारिक शालाओं में प्रवेश दिया जाएगा। कलेक्टर ने संयुक्त टीम को बाल श्रम के संबंध में होटल, ढाबों और औद्योगिक संस्थानों में सतत

निरीक्षण करने तथा कमी पाए जाने पर संस्थानों के विरुद्ध अधिनियम के प्रावधान अनुसार कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। जिला स्तरीय टास्क फोर्स के नोडल अधिकारी डी एन पात्र ने बताया कि समिति के माध्यम से संयुक्त टीम द्वारा 12 जून से 30 जून तक बाल श्रमिक अपशिष्ट संग्राहक, भिक्षावृत्ति, मादक द्रव्यों के शिकार बच्चों के सर्वेक्षण, रेस्क्यू पुनर्वास

के लिए विशेष अभियान चलाया गया। इस दौरान जिला स्तरीय टास्क फोर्स के सदस्यों द्वारा 6 संस्थानों का निरीक्षण किया गया। इसी प्रकार 02 जून से 10 जून तक एक सप्ताह को विशेष अभियान चलाकर संयुक्त टीम द्वारा 12 संस्थानों का निरीक्षण किया गया। जिसमें 03 संस्थानों को बाल श्रम निषेध सूचना पटल प्रदर्शित नहीं किए जाने पर नोटिस जारी किया गया। बैठक में टास्क फोर्स के सदस्य मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एस आलोक, अपर कलेक्टर रवि कुमार साहू, जिला शिक्षा अधिकारी विजय कुमार लहरे, जिला कार्यक्रम अधिकारी टिकवेन्द्र जटवार, श्रम पदाधिकारी डी एन पात्र, जिला अग्रणी बैंक मैनेजर अभय पारे सहित अन्य जिला अधिकारी उपस्थित थे।

कनेकेरा में गंगा आरती व चुनरी अर्पण 4 को

महासमुंद, 30 जुलाई (देशबन्धु)। श्री स्वयंभू कनेकेश्वर युवा विकास समिति कनेकेरा द्वारा 4 आगस्त सोमवार को शाम 6 बजे कनेकेश्वर महादेव प्रगण में विशाल चुनरी अर्पण एवं शिवगंगा महाआरती का आयोजन पं. पंकज तिवारी के सानिध्य में किया जाएगा। मुख्य जजमान विवेक चंद्रकांता चंद्राकर होंगे। आयोजन समिति के अनुसार शिवगंगा को 251 फीट की चुनरी अर्पण की जाएगी। आयोजन को लेकर समिति के सदस्यों और ग्रामीणों में खासा उत्साह है।

सिरपुर में सहत्र जलधारा अभिषेक कल

महासमुंद, 30 जुलाई (देशबन्धु)। बोलबम सेवा समिति द्वारा सिरपुर के गंधेश्वरनाथ महादेव का सहत्र जलधारा अभिषेक शक्रवार 1 आगस्त को दोपहर 12 बजे किया जाएगा। मुख्य जजमान जिप के पूर्व सभापति अमर अरूण चंद्राकर परिवार होगा। महानदी के तट से गंधेश्वरनाथ मंदिर परिसर तक मानव श्रृंखला बनाकर अभिषेक के लिए अरूण चंद्राकर परिवार होगा। जानकारी देते हुए अध्यक्ष थनवार यादव, उपाध्यक्ष सुंदर साहू ने समस्त श्रद्धालुओं से उपस्थिति की अपील की है।

बागबाहरा महाविद्यालय के एनएसएस द्वारा दारगांव में वृक्षारोपण किया गया



बागबाहरा, 30 जुलाई (देशबन्धु)। शासकीय महाविद्यालय बागबाहरा के राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत महाविद्यालय के गोदग्राम दारगांव के स्कूल में वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर स्कूल परिसर के गार्डन में नीम और आम जैसे महत्वपूर्ण छायादार और फलदार पौधे लगाए गए। और साथ ही विद्यार्थियों द्वारा इस पौधे को बचाए रखने का संकल्प लिया गया। इस कार्यक्रम में न केवल महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के विद्यार्थी भाग लिए बल्कि दारगांव

में भाग लेने के लिए सादर आमंत्रित किया। उन्होंने बताया कि इससे स्कूल बच्चों में वृक्षारोपण के प्रति प्रेरणा बढ़ेगी। और एक पेड़ मां के नाम बताने अच्छी पहल है। इस अवसर पर महाविद्यालय से प्राचार्य डॉ श्रीमती रश्मि मिश्र, गजानंद बुडके, के के साहू, पालन दीवान, धनुर्जय साहू, नीलमणी साहू, भीष्म यादव और राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ खिलान पटेल के साथ साथ युवराज और राजकुमार आदि स्वयंसेवी विद्यार्थी उपस्थित थे।

दिल्ली केंद्रीय भाजपा कार्यालय में आयोजित एक राष्ट्र एक चुनाव राष्ट्रीय कार्यशाला में शामिल हुए शिवरतन शर्मा

भाटापारा, 30 जुलाई (देशबन्धु)। केंद्रीय भाजपा कार्यालय में आयोजित एक राष्ट्र एक चुनाव कार्यशाला में सम्मिलित होने उपाध्यक्ष भाजपा छत्तीसगढ़ शिवरतन शर्मा दिल्ली प्रवास पर हैं।

शिवरतन शर्मा ने दूरभाष में चर्चा कर बताया की च्येक राष्ट्र एक चुनाव के संदर्भ दिल्ली भारतीय जनता पार्टी केंद्रीय कार्यालय में आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला 6 संगठनात्मक बैठक 8 में राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बी एल संतोष, केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल, राष्ट्रीय मंत्री ओम प्रकाश धनकर, अनिल के एंटोनी एवं कामाख्या प्रसाद तासा का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

शिवरतन शर्मा ने कहा की च्येक राष्ट्र, एक चुनाव ङ्क देश को स्थायित्व और विकास की ओर ले जाने वाला संकल्प हैं।

कार्यशाला के विषय में बताते हुए शिवरतन शर्मा ने कहा है कि केंद्रीय कार्यालय में आयोजित एक राष्ट्र एक चुनाव कार्यशाला



एक राष्ट्र, एक चुनाव-देश को स्थायित्व और विकास की ओर ले जाने वाला संकल्प हैं : शिवरतन शर्मा

में देश के सभी राज्यों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। एक राष्ट्र एक चुनाव की देश को आवश्यकता है। इस कार्यशाला के माध्यम से एक राष्ट्र का अभियान बने, इस मुद्दे पर

हमने चर्चा की है। शिवरतन शर्मा ने कहा है कि बार-बार देश के भीतर चुनाव होने से विकास कार्य बाधित होता है। पिछले 30 सालों का अगर इतिहास देखेंगे तो हर

साल किसी न किसी राज्य का लोकसभा का चुनाव, विधानसभा का चुनाव, निकाय के चुनाव होते रहते हैं। लगातार साल भर चुनावी प्रक्रिया चलती रहती हैं, उसी कारण से जहां समय की बर्बादी होती है, धन की बर्बादी संसाधन की बर्बादी होती है।

शिवरतन शर्मा ने कहा है कि इसके साथ-साथ पूरी सरकारी मशीनरी लगाई जाती है, मुझे जानकारी मिली अभी 2024 के लोकसभा का चुनाव हुआ, जिसमें एक करोड़ से ज्यादा कर्मचारी लगे, देश को हमें अगर विकसित भारत बनाना है विकसित दिशा में लेकर जाना है। तो हमें संसाधनों को भी बचाना होगा और समय को भी बचाना होगा, जैसे-जैसे चुनाव बार-बार आते हैं तो बार-बार आचार संहिता लगते हैं और विकास के काम रुक जाते हैं।

उन्होंने कहा कि देश के लिए, राष्ट्र के लिए, एक राष्ट्र एक चुनाव, एक बेहद महत्वपूर्ण कदम है। हर देशवासी को गंभीरता के साथ इसको लेना चाहिए।

शराब पीने के लिए पैसे की मांग किया जिसे प्रार्थी द्वारा मना करने पर अश्लील गाली देकर जान से मारने की धमकी

नवापारा राजिम, 30 जुलाई (देशबन्धु)। मंगलवार के रात्रि करीबन 08.15 बजे आरोपी सत्यम विश्वकर्मा पिता गोपी विश्वकर्मा उम्र 22 साल साकिन वार्ड न 18 बगदेही पारा नवापारा थाना गोबरा नवापारा जिला रायपुर छग के द्वारा प्रार्थी अनूप खरे पिता स्व धनीराम खरे के घर में जाकर शराब पीने के लिए पैसे की मांग किया जिसे प्रार्थी द्वारा मना करने पर नौ बहन की गंदी-गंदी अश्लील गाली देकर जान से मारने की धमकी देकर प्रार्थी के साथ मारपीट किया जिससे प्रार्थी की दाहिने हाथ में चोट आया तो सत्यम विश्वकर्मा को अपने बचाव के लिए धक्का दिया तो वह जमीन



पर गिर गया और आरोपी गुस्से में आकर अपने पास रखे धारदार स्टील की चाकू से प्रार्थी को मारने की नीयत से प्रार्थी पर वार किया जिससे बचकर वह अपने घर के अंदर चला गया अविजित ठाकुर के यहाजन्म दिन में आए उनके दामाद का होंडा सिटी कार क्रमांक सीजी 13 यूसी 5999 जो घर के बाहर खड़ी थी आरोपी द्वारा उसके कांच को तोड़फेंड कर क्षतिग्रस्त कर दिया कि प्रार्थी की लिखित

शिकायत पर आरोपी के विरुद्ध अत्र क्र 296,351(2) 115(2), 119(1), 324(4) बीएनएस 25,27 आईएस एक्ट कायम कर आरोपी सत्यम विश्वकर्मा को न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया।

ग्राम खपरी में निःशुल्क आयुष स्वास्थ्य एवं जागरूकता शिविर

बलौदाबाजार, 30 जुलाई (देशबन्धु)। राष्ट्रीय आयुष मिशन एवं संचालनालय आयुष छग के अंतर्गत जिला आयुष विभाग द्वारा 29 जुलाई 2025 दिन मंगलवार को बलौदाबाजार ब्लॉक के शास. आयु. औष. डमरू द्वारा ग्राम पंचायत में निःशुल्क आयुष स्वास्थ्य एवं जागरूकता शिविर का आयोजन सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सर्वप्रथम सरपंच सुषमा रूपसिंह ध्रुव, डॉ. एल. एस. ध्रुव, डॉ. नेकदत्त बरतामसी एवं उपसरपंच विजय साहू, कोटवार मिलदास, प्रधान पाठक के द्वारा आयुर्वेद के जनक भगवान धन्वतरी का पूजा अर्चना कर किया गया।

स्वास्थ्य शिविर में चिकित्सक डॉ. ध्रुव द्वारा आयुष स्वास्थ्य मेला के बारे में जानकारी



दी गई। चिकित्सा शिविर में 138 मरीजों का ईलाज किया गया। जिसमें 53 मरीज होम्योपैथी चिकित्सक द्वारा एवं 85 आयुर्वेद

चिकित्सा द्वारा ईलाज कर निःशुल्क दवाई दिया गया। मरीजों को सर्दी, खांसी बुखार होना, नये पुराने रोग, वातरोग, उदररोग,

अर्श, बवासीर, भगंदर, श्वासरोग, स्त्रीरोग, चर्मरोग, लकवा, पीलिया, पुराने टायफाइड, झिनझिनी, वातरोग, गैस्ट्रॉ, भूख न लगना, बाल झड़ना एवं पकना, नींद नहीं आना आदि बीमारियों का आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति द्वारा दिनचर्या, ऋतुचर्या, रात्रिचर्या, योग व आसन आदि का पालन करके सेहत को बेहतर बनाने हेतु उपाय बताया गया। शिविर में डॉ. एल. एस. ध्रुव, डॉ. नेकदत्त बरतामसी, सावित्री योगी, सुशील जायसवाल, योगेन्द्र गंडेर, भारत साह, सरपंच श्रीमति सुषमा ध्रुव, विजय साहू, रामधर निर्मलकर, मिल्दास कोटवार, चन्द्र निर्मलकर, संतोष ध्रुव, रामायण ध्रुव, सोनाराम निर्मलकर, लेखा सिंह पैकरा, जिवान ध्रुव आदि का सराहनीय सहयोग मिला।